राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 5 अंक 24

मूल्य ₹8 .00, नई दिल्ली, रविवार, 4 जुलाई, 2021

www.jagran.com

पृष्ठ 14



रविशंकर बोले, गूगल, फेसबुक की अनुपालन रिपोर्ट पारदर्शिता की दिशा में बड़ा कदम

>>3

रविवार विशेष

पहले खरीदो जैविक खाद तभी मिलेगी रासायनिक



बिलासपुर : छत्तीसगढ़ में बिलासपुर जिले की लाखासार ग्राम पंचायत ने रासायनिक खाद के इस्तेमाल को हतोत्साहित करने व जैविक खाद को बढ़ावा देने के लिए नई व्यवस्था बनाई है। (पेज-10)

न्यूज गैलरी

राष्ट्रीय राजधानी ▸ पृष्ठ 2

दिल्ली के कई इलाकों में बारिश, गर्मी से मिली राहत

नई दिल्ली : दिनभर सूरज और बादलों की लुकाछिपी के बाद शनिवार शाम को आंधी और तेज बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली। रविवार को भी बादल छाए रहेंगे और कई इलाकों में हल्की बारिश की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। बारिश होने से एनसीआर में प्रदूषण के स्तर में भी कुछ सुधार हुआ है। हवा की गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी से मध्यम श्रेणी में पहुंच गई है।

राष्ट्रीय फलक ▸ पृष्ठ 5

तोड़ी जाएगी अमिताभ बच्चन के बंगले 'प्रतीक्षा' की दीवार

मुंबई : बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) अभिनेता अमिताभ बच्चन के जुहू स्थित बंगले 'प्रतीक्षा' की एक तरफ की दीवार तोड़ने की तैयारी कर रही है। यह दीवार तोड़ने के लिए 2017 में ही अमिताभ बच्चन को बीएमसी ने नोटिस भेज दिया था। लेकिन बच्चन ने इस नोटिस का जवाब अभी तक नहीं दिया है। उल्लेखनीय है कि इस बंगले की दीवार संत ज्ञानेश्वर मार्ग को चौड़ा करने के लिए तोड़ी जानी है। यह रास्ता इस्कान मंदिर की ओर जाता है।

राष्ट्रीय फलक ▸ पृष्ठ 7

जम्मू-कश्मीर में सरकारी नौकरियों में सबसे बड़ी भर्ती

जम्मू : जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 समाप्त होने के बाद केंद्र शासित प्रदेश में पहली बार सरकारी नौकरियों में सबसे बड़ी भर्ती हुई है। शनिवार को जम्मू-कश्मीर सर्विस सिलेक्शन बोर्ड ने ग्रामीण विकास और पंचायत राज विभाग में अकाउंट असिस्टेंट (पंचायत) के पदों की नियुक्ति की फाइनल चयनित सूची जारी कर दी। इस परीक्षा में शामिल कुल 1.62 लाख उम्मीदवारों में से 1,889 का चयन हुआ है।

बिजनेस ▸ पृष्ठ 7

ग्रीन एनर्जी से दो वर्षों में बचेंगे एक लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली : यातायात से जुड़े वाहनों में पेट्रोल-डीजल की जगह ग्रीन एनर्जी के इस्तेमाल से अगले दो वर्षों में आयात बिल में एक लाख करोड़ रुपये की बचत होगी। वहीं, देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। पेट्रोलियम मंत्रालय के प्रयास से इस योजना को अंजाम दिया जा रहा है। पेट्रोलियम सचिव तरुण कपूर ने बताया कि बायोडीजल, हाइड्रोजन, कंप्रेस्ड बायोगैस, एथनॉल जैसी कई ग्रीन एनर्जी के इस्तेमाल को बढ़ाने पर काम चल रहा है।

फ्रांस में राफेल की जांच पर देश में सियासी गर्मी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

राफेल लड़ाकू विमान सौदे में भ्रष्टाचार को लेकर फ्रांस में जांच बिठाए जाने पर भारत में सियासी गर्मी बढ़ गई है। कांग्रेस ने सौदे में भ्रष्टाचार की आशंका जताते हुए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच की मांग दोहराई है। साथ ही आगामी संसद सत्र में इस मुद्दे को जोरशोर से उठाने के संकेत भी दे दिए हैं। वहीं, भाजपा ने पलटवार करते हुए आरोप लगाया है कि राहुल गांधी राफेल की प्रतिद्वंद्वी रक्षा कंपनियों के एजेंट की तरह काम कर रहे हैं और उनका एक मोहरे की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट और सीएजी से इस सौदे को क्लीन चिट मिलने के बावजूद राहुल लगातार झूठ बोलकर इसे विवाद में घसीटने की कोशिश करते हैं। 36 अत्याधुनिक राफेल विमानों का यह सौदा 59 हजार करोड़ रुपये का है। फ्रांस में एक एनजीओ की शिकायत पर जांच बिठाई गई है।

कांग्रेस मीडिया विभाग के प्रमुख रणदीप सुरजेवाला ने शनिवार को प्रेस कान्फ्रेंस में कहा, फ्रांस में पब्लिक प्रासिक्यूशन सर्विस ने राफेल कागजात में भ्रष्टाचार, क्रोनी कैपिटलिज्म, अनुचित प्रभाव आदि की जांच शुरू की है। जांच के दायरे में पूर्व राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद, मौजूदा राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों, पूर्व रक्षा मंत्री व वर्तमान विदेश मंत्री हैं। सुरजेवाला ने कहा, फ्रांस में इस बेहद संवेदनशील मामले की जांच के लिए एक जज की नियुक्ति की गई है। ऐसे में पीएम मोदी को भी राफेल सौदे में अनियमितता की जेपीसी से जांच करानी चाहिए। यह राष्ट्रीय सुरक्षा और देश के खजाने को चूना लगाने का मामला है और सुप्रीम कोर्ट इस तरह की जांच करने में सक्षम नहीं है।

तकरार

- कांग्रेस ने जेपीसी जांच की मांग दोहराई, भाजपा बोली- किसी का मोहरा न बनें राहुल
- फ्रांस में एनजीओ की शिकायत पर 59 हजार करोड़ रुपये के सौदे में भ्रष्टाचार की जांच के लिए जज नियुक्त



नई दिल्ली में शनिवार को रणदीप सुरजेवाला ने राफेल मामले में सरकार को घेरा। एएनआइ

बार-बार झूठ बोल रहे राहुल गांधी

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने मणिपुर की राजधानी इंफाल में प्रेस कान्फ्रेंस कर राहुल के नौ झूठ गिनाए। उन्होंने कहा, राहुल ने राफेल के अलग-अलग दाम बताए, आफसेट में रिलायंस के जरिये सरकार को घसीटने की कोशिश की, जबकि इसमें कई और कंपनियां शामिल थीं। कभी फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों का नाम लेकर कहा, उन्होंने राफेल डील से जुड़ी सारी जानकारी साझा करने की बात कही है, जबकि खुद फ्रांस सरकार ने स्पष्ट किया कि ऐसा नहीं किया जा सकता है। यह राहुल के लिए तमाचा था लेकिन वह बार-बार झूठ बोलते रहे ताकि उनकी राजनीति भी चले और संभवतः वह जिस कंपनी को लाभ पहुंचाना चाहते हैं वह भी पूरा हो।



संबित पात्रा। एएनआइ

सुप्रीम कोर्ट और सीएजी से इस सौदे में मिल चुकी है क्लीन चिट

पात्रा ने कहा, इस सौदे के खिलाफ कई लोग सुप्रीम कोर्ट भी गए थे। सरकार ने बंद लिफाफे में कोर्ट को राफेल की कीमत समेत पूरी जानकारी दे दी थी। साथ ही भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने भी इस सौदे को क्लीन चिट दे दी, लेकिन कांग्रेस की राजनीति खत्म नहीं हो रही है। राहुल को सुप्रीम कोर्ट से भी माफी मांगनी पड़ी थी।

जांच से सौदे पर कोई फर्क नहीं

पात्रा ने कहा कि अगर फ्रांस में किसी एनजीओ ने शिकायत की है और उसकी जांच हो रही है तो उससे भारत के साथ डील पर कोई फर्क नहीं पड़ता है और न ही यहां भ्रष्टाचार की बात हो रही है। यह जरूर साबित होता है कि कांग्रेस को न तो भारत के सुप्रीम कोर्ट में विश्वास है और न ही सीएजी जैसी संस्था पर।

ढीले पड़ गए ट्विटर के तेवर, नियुक्त करेगा शिकायत निवारण अधिकारी

नई दिल्ली : दुनियाभर में पक्षपाती व मनमाने रवैये को लेकर आलोचना झेल रहे ट्विटर ने भारत के कानून के सामने घुटने टेक दिए हैं। ट्विटर ने दिल्ली हाई कोर्ट में दाखिल शपथपत्र में कहा है कि वह भारतीय कानूनों का पालन करते हुए शिकायत निवारण अधिकारी नियुक्त कर रहा है। किसी भारतीय नागरिक की स्थायी नियुक्त करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। एक अंतरिम अधिकारी नियुक्त कर दिया गया है। (पेज-3)

प्रदर्शनकारियों के रूप में मौजूद गुंडे हटाए जाएं : वाल्मीकि समाज

गाजियाबाद : भाजपा नेता अमित वाल्मीकि के काफिले पर हमले के खिलाफ वाल्मीकि समाज सड़क पर उतर आया है। यूपी गेट पर धरना दे रहे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ खोड़ा में शनिवार दोपहर वाल्मीकि समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया और राकेश टिकैत का पुतला फूंका। लोगों का कहना था कि यूपी गेट पर प्रदर्शनकारियों की आड़ में गुंडे बैठे हैं। इन्हें जल्द ही सरकार ने नहीं हटाया तो समाज पूरे देश में आंदोलन करेगा। (पेज-5)

विदेशी फंडिंग से कराया जाता था अवैध मतांतरण

कार्रवाई ▸ ईडी ने दिल्ली व उप्र में छह स्थानों पर मारे छापे, मिले ठोस सुबूत

अवैध मतांतरण के लिए पूरे देश में सक्रिय था उमर गौतम का गिरोह

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

उमर गौतम का गिरोह अवैध मतांतरण के लिए पूरे देश में सक्रिय था और इसके लिए बड़ी मात्रा में विदेश से फंडिंग हो रही थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापों में इसके ठोस सुबूत और अहम दस्तावेज मिले हैं। संगठित रूप से अवैध मतांतरण कराने के मामले में मनी लांड्रिंग का केस दर्ज करने के बाद ईडी ने शनिवार को दिल्ली और उत्तर प्रदेश में छह ठिकानों पर छापे मारे।

ईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, आरोपित उमर गौतम, उसके सहयोगी मुफ्ती काजी जहांगीर कासमी के घरों के साथ-साथ इस्लामिक दावा सेंटर, अल हसन एजुकेशन एंड वेलफेयर फाउंडेशन और गाइडेंस एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी पर छापे मारे गए। इनमें उमर गौतम और मुफ्ती काजी जहांगीर कासमी का घर और इस्लामिक दावा सेंटर का कार्यालय दिल्ली के जामिया नगर में स्थित है। वहीं, अल हसन एजुकेशन एंड वेलफेयर फाउंडेशन और गाइडेंस एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी के दफ्तर नोएडा और लखनऊ में स्थित हैं।

ईडी के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि छापों में बड़े पैमाने पर अवैध मतांतरण कराने और इसके लिए विदेश से बड़ी मात्रा में फंडिंग से जुड़े दस्तावेज मिले हैं। उन्होंने कहा कि उमर गौतम और उससे जुड़े संगठन सिर्फ दिल्ली और उत्तर प्रदेश में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में अवैध मतांतरण कराने में सक्रिय थे। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि छापे में उन लोगों के नाम भी मिले हैं, जिनका अवैध मतांतरण कराया गया था। साथ ही पूरे देश में उमर गौतम के अवैध मतांतरण के नेटवर्क के बारे में अहम जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि उमर गौतम और उससे जुड़े संगठनों को विदेश से करोड़ों रुपये की फंडिंग मिली थी, जिनका उपयोग अवैध मतांतरण के लिए किया गया। ईडी अवैध मतांतरण के मामले में उत्तर प्रदेश एटीएस की एफआइआर के आधार पर मनी लांड्रिंग की जांच कर रहा है।

▸ छापे में उन लोगों के नाम भी मिले, जिनका अवैध मतांतरण कराया गया



उमर गौतम। सौ. एटीएस



जहांगीर। सौ. एटीएस

अखलाक उर्फ अखिलेश फरार, कोर्ट में दर्ज होगा युवती का बयान

बरेली : पहचान बदलकर दूसरे संप्रदाय की युवती से प्रेम का नाटक करने वाला अखलाक परिवार समेत फरार है। पुलिस उस तक नहीं पहुंच सकी है। आरोपित के मददगार के तौर पर एक कांग्रेस नेता का नाम भी चर्चा में आया है। सोमवार को कोर्ट में पीड़ित के बयान होंगे। उसी आधार पर जांच आगे बढ़ेगी। (पेज-5)

उप्र के जिला पंचायतों में भाजपा का दबदबा, 75 में से 67 पर जीत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

गांवों में कोरोना की महामारी और नए कृषि कानूनों से नाराजगी...। ये अटकलें आखिरकार भाजपा के विजय-रथ का रोड़ा नहीं बन सकीं। क्षेत्रीय व व्यक्तिगत प्रभाव के किले ढहते गए और उत्तर प्रदेश के जिला पंचायतों पर भाजपा ने परचम लहरा दिया। जिला पंचायत अध्यक्ष की 75 में 67 सीटों पर भाजपा की जीत मिशन-2022 के लिए सत्ताधारी दल की रीति-नीति और रणनीति पर भरोसे की मुहर लगाने वाली है। वहीं, गांवों में मजबूत कही जा रही सपा के लिए महज पांच सीटों पर सिमट जाना बड़ा झटका है। इसी तरह, कांग्रेस रायबरेली में एकमात्र प्रत्याशी को भी नहीं जिता सकी। उधर, जाट लैंड बागपत में एक जीत ने राष्ट्रीय लोकदल के चौधरी का मान जरूर रख लिया।

जिला पंचायत अध्यक्ष की 22 सीटों पर पहले ही निर्विरोध निर्वाचन हो गया था, जिसमें से 21 भाजपा तो एक सपा के खाते में गई। शेष 53 सीटों के लिए शनिवार को मतदान व मतगणना हुई। भाजपा की बढ़त की संभावना जरूर थी, लेकिन नतीजे उम्मीद से बढ़कर सामने आए। शुरुआत में '65 प्लस' का दावा कर रहा सत्ताधारी दल भी कई सीटों पर सपा के साथ कांटे की टक्कर मान रहा था। खास तौर पर पश्चिमी उप्र में कृषि कानून विरोधी आंदोलन के असर और पूर्वांचल में बाहुबल को लेकर आशंकाएं थीं पर नतीजे आने के साथ स्थिति साफ हो गई कि भाजपा की राह में फिलहाल कोई कांटें नजर नहीं आ रहे।

▸ शानदार जीत ने 'मिशन-2022' के लिए बढ़ाया भाजपा का मनोबल, पांच पर सिमटी सपा, मुलायम की मैनपुरी और कन्नौज-फीरोजाबाद जैसे किले ढेर



लखनऊ में शनिवार को भाजपा प्रत्याशी आरती रावत की जीत के बाद खुशी का इजहार करते पार्टी के कार्यकर्ता। जागरण

किस दल को कितनी सीटें

भाजपा	67 (अपना दल की एक सीट सहित)
सपा	पांच
रालोद	एक
जनसत्ता दल लोकतांत्रिक	एक
निर्दलीय	एक

2016 में यह रहे थे नतीजे

सपा	63
भाजपा	पांच
बसपा	चार
कांग्रेस	एक
रालोद	एक

(नोट- 74 सीटों पर चुनाव हुआ था।)

भाजपा की शानदार विजय विकास ,जनसेवा और कानून के राज के लिए जनता जनार्दन का आशीर्वाद है। इसका श्रेय योगी जी की नीतियों और कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम को जाता है। यूपी सरकार व भाजपा संगठन को इसके लिए हार्दिक बधाई।
– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री (ट्वीट)

योगी जी, स्वतंत्रदेव जी और सभी कार्यकर्ताओं को बधाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व योगी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार प्रदेश के किसान, गरीब व वंचित वर्ग की आकांक्षाओं को पूरा कर प्रगति के नए मापदंड स्थापित करती रहेगी।
– अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री (ट्वीट)

पश्चिमी उप्र की 14 में से 13 सीटों पर भाजपा को विजय मिली पेज>>4

धामी होंगे उत्तराखंड के 11वें सीएम, आज लेंगे शपथ

राज्य ब्यूरो, देहरादून

खटीमा (ऊधमसिंहनगर) से विधायक पुष्कर सिंह धामी उत्तराखंड के 11वें मुख्यमंत्री होंगे। शनिवार को यहां पार्टी विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। इसके बाद उन्होंने राजभवन जाकर राज्यपाल बेबी रानी मौर्य से भेंट की और उन्हें सरकार बनाने संबंधी प्रस्ताव सौंपा। धामी रविवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। उनके साथ मंत्रिमंडल के सदस्य भी शपथ ग्रहण करेंगे। धामी राज्य के सबसे कम उम्र के मुख्यमंत्री होंगे।

कार्यवाहक मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने उपचुनाव को लेकर उपजे संवैधानिक संकट को देखते हुए शुक्रवार को देर रात राज्यपाल को इस्तीफा सौंप दिया था। शनिवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय में विधायक दल की बैठक बुलाई गई। केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, भाजपा की राष्ट्रीय महामंत्री डी. पुरंदेश्वरी, राष्ट्रीय महामंत्री एवं उत्तराखंड प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम के साथ शनिवार सुबह देहरादून पहुंचे। दोपहर बाद सवा तीन बजे प्रदेश भाजपा कार्यालय में नए नेता के चयन के लिए विधायक दल की बैठक हुई। कार्यवाहक मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं विधायक मदन कौशिक ने नए नेता के रूप में 2012 से खटीमा सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे पुष्कर सिंह धामी के नाम का प्रस्ताव रखा। पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, हरक सिंह रावत, यशपाल आर्य समेत अन्य विधायकों ने प्रस्ताव का अनुमोदन किया। (संबंधित खबरें पेज-4 पर)

नेतृत्व परिवर्तन

- भाजपा विधायक दल की बैठक में पुष्कर सिंह धामी के नाम पर लगी मुहर
- धामी ने राज्यपाल से की मुलाकात, मंत्रिमंडल के सदस्य भी लेंगे शपथ



देहरादून में शनिवार को उत्तराखंड भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद समर्थकों का अभिवादन करते पुष्कर सिंह धामी। जागरण

भाजपा मेरी मां की तरह है, जिसने मुझे हमेशा अपने आंचल की छांव दी है। आज प्रदेश के मुख्य सेवक के रूप में मुझे जिम्मेदारी दी गई है। मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं। हमारी पार्टी ही एकमात्र ऐसी है जो सामान्य कार्यकर्ता को इतनी बड़ी जिम्मेदारी तक पहुंचाती है। इसके लिए पीएम मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह व राष्ट्रीय व प्रदेश नेतृत्व का आभार। मैं संकल्प लेता हूं कि प्रदेश में अंतिम छोर तक खड़े व्यक्ति तक हमारा शासन पहुंचेगा।
– पुष्कर सिंह धामी

कोरोना वायरस के खिलाफ कोवैक्सीन 77.8 % कारगर

हैदराबाद, प्रेट्र : कोरोना वायरस के खिलाफ देसी वैक्सीन कोवैक्सीन को 77.8 फीसद कारगर पाया गया है। भारत बायोटेक ने कोवैक्सीन के तीसरे चरण के क्लीनिकल परीक्षण के नतीजे शनिवार को जारी किए। इसमें कहा गया है कि यह वैक्सीन खतरनाक डेल्टा वैरिएंट के खिलाफ भी 65.2 फीसद सुरक्षा प्रदान करती है।

कंपनी की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि उसने तीसरे चरण के परीक्षण का अंतिम विश्लेषण कर लिया है। इसमें कोवैक्सीन कोरोना के गंभीर लक्षणों वाले मामले में 93.4 फीसद प्रभावी है। वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है। इसको लेने के बाद प्लेसेबो की तरह सामान्य प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिले हैं। परीक्षण में शामिल 12 फीसद लोगों में प्रतिकूल प्रभाव के सामान्य लक्षण देखने को मिले, जबकि 0.5 फीसद से भी कम में गंभीर प्रतिकूल प्रभाव नजर आए। बिना लक्षण वाले मामलों में कोवैक्सीन 63.6 फीसद प्रभावी पाई गई है। बिना लक्षण वाले मामलों पर वैक्सीन के प्रभाव का आकलन करने के लिए देश के 25 केंद्रों में 130 लोगों पर इसकी परीक्षण किया गया। इन्हें कोवैक्सीन की दोनों डोज दी गई और दो हफ्ते बाद उसके प्रभाव का आकलन किया गया। हैदराबाद की दवा कंपनी भारत बायोटेक ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) और पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान के साथ मिलकर कोवैक्सीन को विकसित किया है।

नवाचार में भारत की योग्यता स्थापित करने वाले नतीजे : भारत बायोटेक इंडिया लिमिटेड (बीबीआइएल) के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक कृष्णा इल्ला ने कहा कि कोवैक्सीन के सुरक्षा व प्रभाव संबंधी सफल आंकड़े भारत में कोविड वैक्सीन के अब तक किए गए सबसे व्यापक परीक्षण का परिणाम हैं जो नवाचार और नए उत्पाद विकसित करने के प्रति केंद्रित भारत और विकासशील देशों की योग्यता को स्थापित करते हैं। उन्होंने कहा, 'हमें यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि भारत की तरफ से नवाचार दुनिया की आबादी को सुरक्षा देने के लिए उपलब्ध है।'

विज्ञानियों के अथक परिश्रम का परिणाम : आइसीएमआर के महानिदेशक बलराम भार्गव ने कहा, 'यह जानकर बहुत खुश हूं कि कोवैक्सीन भारत में अब तक के सबसे बड़े कोविड परीक्षण के तीसरे चरण में समग्र रूप से 77.8 फीसद प्रभावी पाई गई है। हमारे विज्ञानियों ने उच्च अंतरराष्ट्रीय मानकों की सही मायने में प्रभावी वैक्सीन देने के लिए अथक परिश्रम किया। मुझे इस बात की भी खुशी है कि कोवैक्सीन सार्स-कोव-2 के सभी स्ट्रेन के खिलाफ कारगर है।'

जिंदगी का टीका

- भारत बायोटेक ने जारी किए तीसरे चरण के क्लीनिकल परीक्षण के नतीजे
- डेल्टा वैरिएंट के खिलाफ भी 65.2 फीसद प्रभावी पाई गई देसी वैक्सीन

डब्ल्यूएचओ से मान्यता मिलने में नतीजे होंगे मददगार

नई दिल्ली, एएनआइ : टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह के प्रमुख डा. एनके अरोड़ा ने कहा कि कोवैक्सीन के तीसरे चरण के नतीजों से इसे विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की इमरजेंसी इस्तेमाल वाली वैक्सीन की सूची में शामिल कराने में मदद मिलेगी। डब्ल्यूएचओ से मान्यता मिलने के बाद कोवैक्सीन लेने वाले भारतीय बिना किसी रोकटोक के किसी भी देश में आ-जा सकेंगे।

25 हजार से ज्यादा लोगों पर हुआ तीसरे चरण का परीक्षण पेज>>6

अहम मुद्दा

सोमवार को जनसंख्या नियंत्रण पर सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई, जनसंख्या नियंत्रण के बगैर सभी को बुनियादी सुविधाएं मिलना मुश्किल

केंद्रीय स्तर पर अनिवार्य हो दो बच्चों की नीति

माला दीक्षित, नई दिल्ली

जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में कुछ राज्यों में हो रहे प्रयास के बीच यह मांग तेज हो गई है कि केंद्र को ही दो बच्चों की नीति लानी चाहिए जो राष्ट्रीय स्तर पर लागू हो। प्रभावी जनसंख्या नियंत्रण के बगैर सभी के लिए शुद्ध हवा, शुद्ध जल, शिक्षा जीवनयापन का अधिकार नहीं सुनिश्चित किया जा सकता।

याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया है कि जनसंख्या नियंत्रण समवर्ती सूची में हैं। इसीलिए केंद्र को अहम कदम उठाना चाहिए। जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग करने वाले याचिकाकर्ता अश्वनी कुमार उपाध्याय ने सुप्रीम कोर्ट में सरकार के जवाब में दाखिल प्रतिउत्तर में कही है। मामले पर कोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगा।

उपाध्याय की याचिका पर कोर्ट पहले ही केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर चुका है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने गत वर्ष दिसंबर में दाखिल किए गए जवाबी हलफनामे में जनसंख्या नियंत्रण के लिए किए जा रहे उपायों का ब्योरा देते हुए कहा था कि जनसंख्या नियंत्रण को लेकर जबरदस्ती नहीं की जा सकती। जनसंख्या नियंत्रण की नीति स्वैच्छिक है। उपाध्याय ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर जनसंख्या नियंत्रण पर कानून बनाने की मांग की है।

उपाध्याय ने कहा है कि इस समय 125 करोड़ भारतीयों का आधार कार्ड है। जबकि 20 फीसद यानी करीब 25 करोड़ बिना आधार के हैं। इसके अलावा करीब पांच करोड़ अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या हैं। इस तरह देश में 150 करोड़ से ज्यादा जनसंख्या है। हमारा देश चीन के बराबर पहुंचने वाला है। अगर देश मे उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों को देखा जाए तो हमारे पास दुनिया की दो फीसद कृषि भूमि है और चार फीसद पेयजल है। जबकि जनसंख्या 20 फीसद है। भारत की खराब अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग का कारण भी जनसंख्या विस्फोट है।

ग्लोबल हंगर इनडेक्स में भारत 102वें नंबर पर है, आत्महत्या में 43, साक्षरता में 168, वर्ल्ड हैप्पीनेस इंडेक्स में 133वे नंबर पर है। अधिक बच्चों को जन्म देने और बार-बार गर्भ धारण करने का महिलाओं के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है।

प्रतिउत्तर में मांग की गई है कि कोर्ट केंद्र सरकार को निर्देश दे कि वह नागरिकों के शुद्ध हवा, शुद्ध जल, भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा, जीवनयापन के मौलिक अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए कड़े और प्रभावी नियम कानून व दिशानिर्देश तैयार करे। केंद्र सरकार को निर्देश दिया जाए कि वह सरकारी नौकरी, मदद, सब्सिडी, मतदान और चुनाव में खड़े होने के अधिकार और मुफ्त आश्रय के अधिकार पाने के लिए दो बच्चों की नीति अनिवार्य किये जाने की संभावनाओं पर विचार करे।

वैकल्पिक तौर पर विधि आयोग को अन्य देशों के जनसंख्या नियंत्रण कानूनों को परख कर एक समग्र रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया जाए। इसके साथ ही याचिकाकर्ता ने मांग की है कि कोर्ट इस मामले में सभी राज्यों को पक्षकार बनाकर नोटिस जारी करे।

5 करोड़ से अधिक घुसपैठियों की देश में मौजूदगी चिंताजनक



6169 मेगावाट बिजली की अधिकतम मांग रही शनिवार अपराह्न में। जबकि शुक्रवार को अपराह्न में मांग बढ़कर 7323 मेगावाट पहुंच गई थी। मांग में यह गिरावट बारिश होने के कारण आई।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 4 जुलाई, 2021

न्यूज गैलरी

कोरोना के 86 नए मामले, 105 मरीज हुए ठीक

नई दिल्ली : राजधानी में कोरोना की संक्रमण दर घटकर 0.11 फीसद हो गई है। इस वजह से पिछले कई दिनों से कोरोना के नए मामले 100 से कम आ रहे हैं। शनिवार को कोरोना के 86 नए मामले आए। वहीं, 106 मरीज ठीक हुए। इससे सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 1,016 रह गई है। इनमें से 613 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं। पिछले 24 घंटे में कोरोना के 5 मरीजों की मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार दिल्ली में कोरोना के अब तक 14 लाख 34 हजार 460 मामले आ चुके हैं, जिनमें से 14 लाख आठ हजार 456 मरीज ठीक हो चुके हैं। इससे मरीजों के ठीक होने की दर 98.18 फीसद है। इसके अलावा मृतकों की कुल संख्या 24,988 हो गई है। इस वजह से मृत्यु दर 1.74 फीसद है। मौजूदा समय में दिल्ली में 738 कंटेनमेंट जोन हैं। (राब्यू)

विद्यार्थियों को मिलेंगी उत्तम सुविधाएं : सिसोदिया

नई दिल्ली : दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शनिवार को बाहरी दिल्ली के स्कूलों में चल रहे निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन भी उनके साथ थे। सिसोदिया सुबह सात बजे ही प्रहलादपुर गांव में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने गांव के सरकारी बाल व बालिका स्कूल में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के स्कूलों में पढ़ने वाले सभी बच्चों को उत्तम सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। स्कूल जल्द ही आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे और जल्द ही इनका निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। (जासं)

तेंदुए के दांत व पंजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली : कश्मीरी गेट इलाके से तेंदुए के दांत, पंजे व अन्य अंगों के साथ एक तस्कर को वन विभाग और वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (डब्ल्यूसीसीबी) की टीम ने पकड़ा है। आरोपित को पकड़ने के लिए टीम के एक सदस्य पहले ग्राहक बने। इसके बाद उसे पकड़ा गया। वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि शुरुआत में आरोपित अपने को बेगुनाह बता रहा था, लेकिन पूछताछ के दौरान पता चला कि तेंदुए के दांत, पंजे और अन्य अंग हिमाचल प्रदेश के शिमला से लेकर आया था। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। वन विभाग ने इस साल की शुरुआत में वन्यजीव हेल्पलाइन नंबर 1800118600 शुरू किया था, इस हेल्पलाइन पर वन्यजीव तस्करी या संकट में फंसे वन्यजीवों के बारे में शिकायत की जा सकती है। (जासं)

कई इलाकों में तेज बारिश, गर्मी से मिली राहत

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

▸ अधिकतम तापमान 38.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस अधिक रहा

दिनभर सूरज और बादलों की लुकाछिपी के बाद शनिवार शाम को आंधी और तेज बारिश से लोगों को गर्मी से राहत महसूस की। रविवार को भी बादल छाए रहेंगे और कई इलाकों में हल्की बारिश होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार की रात दिल्ली में 19.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। रिज एरिया में सबसे अधिक 27.8, पालम में 27.4, पीतमपुरा में 24, लोधी रोड में 12.1 व मयूर विहार में आठ मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसके बाद शनिवार शाम को भी दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में बारिश हुई। नरेला 22.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 38.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस अधिक है। वहीं न्यूनतम 24.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से चार डिग्री सेल्सियस कम है। नजफगढ़ में सबसे अधिक गर्मी रही। वहां अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 28.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि पांच से सात जुलाई के बीच तापमान 40 डिग्री सेल्सियस पहुंच सकता है। हालांकि, इस दौरान हल्की बारिश भी हो सकती है।

मध्यम श्रेणी में रही हवा की गुणवत्ता

बारिश होने से एनसीआर में प्रदूषण के स्तर में भी कुछ सुधार हुआ है। इस वजह से हवा की गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी से मध्यम श्रेणी में पहुंच गई है। दिल्ली में एयर इंडेक्स 139, फरीदाबाद में 139, गाजियाबाद में 164, ग्रेटर नोएडा में 158 व नोएडा में एयर इंडेक्स 186 रहा। गुरुग्राम में हवा की गुणवत्ता संतोषजनक रही। यहां एयर इंडेक्स सबसे कम 98 दर्ज किया गया।



शनिवार को दोपहर बाद तेज हवा के साथ हुई बारिश। विकास मार्ग पर आइटीओ के पास जलभराव के बीच जाते लोग। संजय

झूठे दावों से हाई कोर्ट हैरान, जवाबदेही तय करने का निर्देश

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

सरकार की तरफ से दंड से बचने के लिए अदालत में झूठे दावे पेश करने पर हाई कोर्ट हैरान है, क्योंकि ऐसा करने के लिए अधिकारियों की कोई जवाबदेही नहीं है और अधिकारियों को जवाबदेह ठहराने के लिए केंद्र और दिल्ली सरकार से नियम बनाने का आह्वान किया। अदालत ने कहा कि जब भी सरकार की तरफ से कोई झूठा दावा किया जाता है, तो यह न्याय मांगने वाले वादी के साथ अन्याय होता है। हाई कोर्ट ने मुकदमेबाजी नीति लागू न करने पर भी नाराजगी जताई है। न्यायमूर्ति जेआर मिड्ढा ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि झूठे दावों को बिना किसी दंड के पेश किया जाता है, क्योंकि झूठे दावों को पेश करने के लिए किसी भी सरकारी अधिकारी की कोई जवाबदेही नहीं होती है और अदालतें शायद ही कभी झूठे दावों के लिए संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कोई कार्रवाई करती हैं।

अदालती मामलों को संभालने में चूक के लिए अपने अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराने के लिए सिक्किम द्वारा बनाए गए नियमों का उल्लेख करते हुए अदालत ने कहा कि केंद्र सरकार के साथ-साथ दिल्ली सरकार की तरफ से इसी तरह के नियमों को शामिल करने की जरूरत है। हरियाणा ने राज्य में मुकदमेबाजी में सुधार लाने के लिए हरियाणा राज्य मुकदमा नीति 2010 तैयार की है और दिल्ली सरकार को भी इस पर विचार करना चाहिए। केंद्र सरकार के स्थायी वकील कीर्तिमान सिंह ने अदालत को बताया कि वर्तमान में सरकार की कोई मुकदमेबाजी नीति नहीं है और राष्ट्रीय मुकदमा नीति को कभी भी लागू नहीं किया गया था।

पीठ ने सरकार को निर्देश देते हुए कहा कि अगर अधिकारियों द्वारा दिए गए तथ्य अदालत द्वारा झूठे पाए जाते हैं, तो सरकार कार्रवाई करने पर विचार करेगी और फैसले की प्रति अधिकारी की एसीआर फाइल में रखी जाएगी, ताकि यह सुनिश्चित हो कि अधिकारी अदालती मामले में उसके द्वारा की गई कार्रवाई के लिए जवाबदेह बनें।

दीवाली तक आने लगेगा नई एसी बसों का बेड़ा

मिलेगी राहत ▸ नवंबर से 650 बसें मिलने का सिलसिला होगा शुरू

300 इलेक्ट्रिक बसों के लिए भी टेंडर प्रक्रिया हो चुकी है पूरी

वी.के.शुक्ला, नई दिल्ली

बसों की कमी से जूझ रही दिल्ली की जनता को दिवाली तक कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। नवंबर से दिल्ली को 650 एसी बसें मिलने का सिलसिला शुरू हो जाएगा। इनमें से दिल्ली सरकार ने क्लस्टर सेवा के तहत 350 सीएनजी वातानुकूलित (एसी) बसें लाने की पूरी तैयारी कर ली है। बसों के टेंडर हो गए हैं। कंपनियों का नाम भी फाइनल प्रक्रिया में है। इसी तरह 300 इलेक्ट्रिक बसों के लिए भी टेंडर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। ये बसें भी नवंबर से आनी शुरू हो जाएंगी। यानी दीवाली तक कुल मिलाकर 650 बसें आनी शुरू हो जाएंगी। परिवहन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत दबाव बनाए हुए हैं कि जैसे भी संभव हो, बसों को जल्दी लाकर सड़कों पर उतारा जाए।

डीटीसी बेड़े में नवंबर से शामिल होने वाली 300 लो फ्लोर इलेक्ट्रिक वातानुकूलित बसें 12 मीटर लंबी होंगी। 120 बसें नवंबर में, 100 बसें दिसंबर में आ जाएंगी। इसी तरह अगले वर्ष जनवरी में 60 और फरवरी में बाकी बचीं 20 बसें भी मिल जाएंगी। मेसर्स जेबीएम 200 बसों का संचालन करेगी, जबकि 100 बसों का संचालन मेसर्स टाटा मोटर्स द्वारा किया जाएगा। इन्हें टेंडर की शर्तों के अनुसार डीटीसी 68.58 रुपये प्रति किमी की दर से भुगतान करेगी। इन बसों पर परिचालक डीटीसी के होंगे और चालक कंपनियों के होंगे। चार महीने में 300 इलेक्ट्रिक बसों को शामिल करना किसी भी राज्य सरकार द्वारा इलेक्ट्रिक बसों की सबसे बड़ी संख्या होगी। अभी तक डीटीसी केवल अपने स्वामित्व वाली बसों का संचालन करती रही है।

अभी कुछ दिन पहले ही एक हजार बसें आती आती रह गई हैं। ये वातानुकूलित लो फ्लोर सीएनजी बसें 10 साल के अंतराल के बाद डीटीसी के बेड़े में शामिल होनी थीं। इसके लिए प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। बसें अब तक आनी शुरू हो जातीं। मगर बसों के रखरखाव को लेकर निर्धारित की गई राशि को लेकर हुई शिकायत पर उपराज्यपाल ने जांच के आदेश दिए हैं। जिसके चलते जांच पूरी होने तक इन बसों के आने पर फिलहाल रोक लग गई है। दिल्ली सरकार को उम्मीद है कि जल्द ही उपराज्यपाल द्वारा गठित जांच समिति अपनी रिपोर्ट देगी, जिसके बाद इन एक हजार बसों को भी सड़कों पर उतारने का ग्रीन सिग्नल मिल जाएगा। बता दें कि दिल्ली में डीटीसी और क्लस्टर की 6,933 बसें हैं। सामान्य दिनों में रोजाना करीब 52 लाख यात्री बसों में सफर करते हैं।



दूर होगी बसों की किल्लत। फाइल फोटो

एक हजार इलेक्ट्रिक बसों के लिए फिर निकाला जाएगा टेंडर

जिन एक हजार इलेक्ट्रिक बसों के लिए मार्च 2019 में दिल्ली सरकार ने कैबिनेट का फैसला लिया था, उन बसों के लिए टेंडर फेल हो गए हैं। इन बसों के लिए अब दूसरी बार टेंडर होंगे। परिवहन विभाग इसके लिए तैयारी कर रहा है। दिल्ली सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि टेंडर में कंपनियों ने रुचि नहीं दिखाई, इसलिए अब फिर से टेंडर किया जाएगा। ये बसें क्लस्टर सेवा के तहत आनी हैं।

एसीबी से कराई जाए बस खरीद मामले की जांच : भाजपा

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

▸ मामले की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय समिति पर उठाए सवाल

भाजपा ने उपराज्यपाल से एक हजार लो फ्लोर बस खरीद मामले की जांच भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) से कराने की मांग की है। इसे लेकर भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व रोहिणी के विधायक विजेंद्र गुप्ता ने उपराज्यपाल अनिल बैजल को पत्र लिखा है। उन्होंने इस मामले की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय समिति पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच जरूरी है, इसलिए एसीबी को इसकी अनुमति दी जानी चाहिए।

बस खरीद प्रक्रिया में अनियमितता को लेकर गुप्ता द्वारा की गई शिकायत पर उपराज्यपाल ने तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की है, लेकिन गुप्ता इससे संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है कि यह जांच समिति सिर्फ प्रशासनिक कवायद है, यह आपराधिक जांच का विकल्प नहीं हो सकती। इस मामले की जांच सीबीआइ या एसीबी जैसी सक्षम एजेंसी से कराने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस मामले में परिवहन मंत्री की भूमिका की जांच जरूरी है। बावजूद इसके परिवहन मंत्री को रिपोर्ट करने वाले परिवहन सचिव को तीन सदस्यीय जांच समिति का सदस्य बनाया गया है। इससे जांच प्रभावित हो सकती है। इसी तरह से समिति के एक सदस्य सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी हैं। उनकी किसी आधिकारिक दस्तावेज तक पहुंच नहीं हो सकती है। इसे ध्यान में रखकर न्यायपालिका या भारत के नियंत्रण एवं महालेखा परीक्षक (कैग) जैसी किसी एजेंसी से संबंधित लोगों को जांच समिति में शामिल किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमेशा किसी नौकरशाह को दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) बोर्ड का अध्यक्ष बनाया जाता है। इस परंपरा को तोड़ते हुए आप की सरकार ने परिवहन मंत्री को इस पद पर बैठा दिया। इसके साथ ही बस खरीद की निविदा प्रक्रिया शुरू होने के पहले तत्कालीन डीटीसी बोर्ड की प्रबंध निदेशक गरिमा गुप्ता को उनके पद से हटा दिया गया था। इन सबकी जांच होनी चाहिए।

लक्खा सिधाना को अब 20 तक मिली गिफ्तारी से राहत

जासं, नई दिल्ली : ट्रैक्टर परेड के दौरान 26 जनवरी को लाल किले पर हुए उपद्रव के मामले में आरोपित गैंगस्टर से एक्टीविस्ट बने लक्खा सिधाना को 20 जुलाई तक गिरफ्तारी से राहत दी गई है। सिधाना ने तीस हजारी की एक अदालत में अग्रिम जमानत अर्जी दायर की थी, जिस पर पुलिस ने अपना जवाब दाखिल नहीं किया है। सिधाना को पहले तीन जुलाई तक गिरफ्तारी से राहत दी गई थी। अदालत ने राहत अवधि को बढ़ाते हुए कहा कि हम कोई जेल भरो आंदोलन नहीं चाहते हैं। यह राजनीतिक मसले हैं। अगर प्रदर्शनकारी अपनी बात कहना चाहते हैं तो यह उनका अधिकार है। वैसे भी इस मामले में तो मौलिक अधिकार भी शामिल है।

उपद्रव से जुड़े अन्य मामले में अदालत ने खेमप्रीत सिंह नाम के आरोपित को जमानत दी है। उस पर पुलिसकर्मी पर हमले का आरोप है। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष की तरफ से दाखिल की गई फोटो और वीडियो में कुछ साफ नहीं है और न ही आरोपित किसी पर हमला करते हुए दिख रहा है। वैसे भी पुलिस इस मामले में आरोपपत्र दाखिल कर चुकी है और आरोपित से आगे की पूछताछ के लिए कोई आवश्यकता नहीं है। ऐसे में उसे न्यायिक हिरासत में रखने का कोई औचित्य नहीं रह जाता है। लिहाजा आरोपित की जमानत अर्जी कुछ शर्तों के साथ मंजूर की जाती है।

प्रथम तिमाही में उम्मीद से कम रहा दिल्ली सरकार का राजस्व

वी.के.शुक्ला, नई दिल्ली

▸ सरकार को वैट, जीएसटी और आबकारी से मिले 5,753.68 करोड़

कोरोना काल के चलते सरकार के राजस्व संग्रह में कमी आई है। इस वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही में जीएसटी, वैट व आबकारी से सरकार को 5,753.68 करोड़ रुपये का ही राजस्व मिला है। हालांकि यह राशि 2020 से अधिक है, मगर 2019 से कम है। 2019 में प्रथम तिमाही में वैट और जीएसटी से ही 6,136 करोड़ की राशि प्राप्त हुई थी। दिल्ली सरकार को उम्मीद है कि इस माह से राजस्व में बढ़ोतरी होगी।

वित्त वर्ष 2020-21 में दिल्ली सरकार द्वारा जीएसटी व वैट से राजस्व 21,146.4 करोड़ एकत्रित किया था। दिल्ली सरकार ने मार्च 2021 में 2,376.16 करोड़ अर्जित किया था। उस वित्त वर्ष के दौरान मार्च में एकत्रित किया जाने वाला यह राजस्व जीएसटी लागू होने के बाद से अभी तक का सर्वाधिक संग्रह माना गया था। मगर वर्तमान वित्तीय वर्ष के प्रथम माह में यानी अप्रैल में राजस्व की प्राप्ति 2,742.68 करोड़ हुई। इस लिहाज से अनुमान लगाया जा रहा था कि इस वर्ष व्यापार एवं कर विभाग से सरकार को अधिक राजस्व मिलेगा और विकास कार्य तेजी से हो सकेंगे। मगर ऐसा नहीं हो सका है। मई और जून में राजस्व में गिरावट आई है। वहीं राजस्व देने वाला सरकार का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण आबकारी विभाग दुकानें बंद रहने के कारण राजस्व के मामले पीछे हो गया है। इस विभाग से सरकार को प्रथम तिमाही में केवल 487 करोड़ का ही राजस्व मिला है।

माह	वैट	जीएसटी	कुल
अप्रैल	417	2,325.68	2,742.68
मई	358	991	1,349
जून	207	968	1,175
कुल	982	4,284.68	5,266.68

किस वर्ष कितना राजस्व संग्रह

- एक अप्रैल 2019 से 30 जून 2019 तक 6136 करोड़
- एक अप्रैल 2020 से 30 जून 2020 तक 2958 करोड़
- एक अप्रैल 2021 से 30 जून 2021 तक 5266 करोड़

स्वचालित कूड़ेदान से प्लेटफार्म रहेंगे साफ

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

बड़े स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ ज्यादा होने से सफाई व्यवस्था बनाए रखने में परेशानी होती है। अक्सर प्लेटफार्म पर लगे कूड़ेदान के आसपास कूड़ा बिखरा रहता है। इस समस्या के समाधान के लिए बड़े रेलवे स्टेशनों पर स्वचालित कूड़ादान लगाने की योजना है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर इस तरह के दो आधुनिक कूड़ेदान लगाए गए हैं। इसके परिणाम बेहतर आने पर अन्य स्टेशनों पर इस तरह की सुविधा उपलब्ध होगी।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन सहित अन्य बड़े स्टेशनों पर यात्रियों की काफी भीड़ होती है। सामान्य दिनों में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर चार से पांच लाख यात्री पहुंचते हैं। इससे यहां सफाई व्यवस्था बनाए रखना बड़ी चुनौती है। प्लेटफार्म पर कूड़ा न बिखरे इसके लिए जगह-जगह कूड़ेदान लगाए गए हैं। इस तरह के कूड़ेदान कुछ घंटों में भर जाते हैं। यदि समय रहते उसे खाली नहीं किया गया तो आसपास कूड़ा बिखरने लगता है। समय पर सफाई नहीं होने से आसपास बदबू भी फैलती है। इस परेशानी को दूर करने के लिए आधुनिक कूड़ेदान लगाए जा रहे हैं। इसमें सेंसर लगे हुए हैं। कोई व्यक्ति कूड़ा डालने के लिए हाथ बढ़ाता है, तो इसके ढक्कन अपने आप खुल जाते हैं। कूड़ा डालने के बाद ढक्कन खुद ब खुद बंद हो जाता है। पूरी तरह से बंद होने के कारण आसपास बदबू भी नहीं फैलती है। इन्हें साफ करना भी आसान है। गीले व सूखे कूड़े के लिए अलग-अलग स्थान निर्धारित है। इससे निस्तारण में सुविधा होती है।

पहले से लगे परंपरागत कूड़ेदान में एक सौ से दो सौ किलोग्राम कूड़ा आता है। इस कारण से इन्हें दिन में तीन से चार बार खाली करना पड़ता है। वहीं, छोटे आकार के आधुनिक कूड़ेदान में 12 सौ किलोग्राम तक कूड़ा आ सकता है। इसमें मशीन लगी हुई है, जिसकी मदद से कूड़े को नीचे दबाया जाता है। इस कारण इसमें ज्यादा कूड़ा आता है और इसे बार-बार खाली करने की जरूरत नहीं पड़ती है। यह स्टेशन मास्टर व अन्य संबंधित कर्मचारी के मोबाइल से जुड़ा हुआ है। इसमें जब 75 फीसदी कूड़ा भर जाता है, तो उनके मोबाइल पर इसे खाली करने का संदेश पहुंच जाता है।

स्वच्छता

▸ पायलट प्रोजेक्ट के तहत नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लगे दो आधुनिक कूड़ेदान

▸ 75 फीसद कूड़ा भरने पर स्टेशन मास्टर और अन्य कर्मियों के मोबाइल पर खाली करने का मिलेगा संदेश



नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर लगाया गया स्वचालित कूड़ेदान। सौ.रेलवे

फ्लैट में हिस्सा मांगने पर सुशील से हुई थी झगड़े की शुरुआत

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

पहलवान सागर धनखड़ हत्याकांड में क्राइम ब्रांच की तफ्तीश पूरी हो गई है। जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपित सुशील की पत्नी सावी के नाम माडल टाउन-2 में एक फ्लैट है, जिसमें सागर धनखड़ व सोनू महाल की तरफ से हिस्सा मांगने पर झगड़े की शुरुआत हुई थी। सुशील का पहलवानों के बीच वर्चस्व था। उसे सागर व उसके साथियों की सीनाजोरी खटकने लगी थी। उसे लगने लगा कि अगर इन्हें सबक नहीं सिखाया तो उसका वर्चस्व खत्म हो सकता है। इसलिए सबक सिखाने के लिए सुशील ने चार मई को सागर की हत्या कर दी।

सुशील के कहने पर वारदात में शामिल प्रिंस दलाल ने अपने मोबाइल से पिटाई करते का वीडियो बनाया था, ताकि इसे सुशील का दबदबा बनाए रखने के लिए पहलवानों के बीच वायरल किया जा सके और कोई भी पहलवान सुशील के खिलाफ आवाज न उठा पाए। सुशील समेत 17 अन्य लोग इस हत्याकांड में आरोपित हैं। पुलिस ने वारदात वाली रात ही मौके से प्रिंस दलाल को दबोच उसका मोबाइल जब्त कर लिया था। मोबाइल में पिटाई के कई वीडियो मिले। आरोपित के पास से मिले वीडियो पुलिस के लिए सबसे अहम सुबूत हो गए।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि फिलहाल जो फ्लैट सुशील की पत्नी के नाम है, वह असल में दो भाइयों की पैतृक संपत्ति था। एक प्रापर्टी डीलर के जरिये एक भाई ने सुशील को अवैध तरीके से फ्लैट बेच दिाय। सुशील ने फ्लैट को पत्नी के नाम करा लिया था। फ्लैट के मालिकाना हक को लेकर कोई आवाज न उठा पाए इसके लिए सुशील ने उसमें सागर व सोनू महाल को रहने के लिए दे दिया था।

इन दोनों ने अपने साथ तीन अन्य पहलवानों को भी रख लिया था। बाद में जब सुशील ने सोनू व सागर से फ्लैट खाली करने को कहा तो वे फ्लैट में हिस्सा मांगने लगे। हालांकि, सुशील की तरफ से दबाव बनाने पर घटना से एक सप्ताह पहले इन्होंने फ्लैट खाली कर दिया था, लेकिन इनकी हरकतों से सुशील काफी गुस्से में था।

सोनू महाल की उजबेकिस्तान की एक महिला मित्र अक्सर उसके फ्लैट में आती थी।

बदहाली

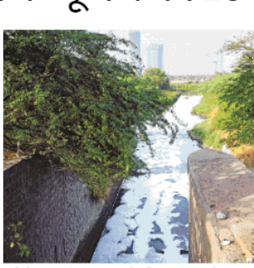
पानी में प्रदूषण का स्तर बढ़ने के कारण सरकार ने इसमें मछलियां पकड़ने पर लगा दिया है प्रतिबंध, लेड, जिंक, क्लोराइड, फ्लोराइड, आर्सेनिक आदि युक्त नदी का पानी भूजल को भी बना रहा जहरीला

यमुना बाढ़ क्षेत्र के भूजल की 25 सालों से जांच ही नहीं हुई

अरविंद कुमार द्विवेदी, नई दिल्ली

यमुना के जिस प्रदूषित पानी के कारण सरकार ने इसमें मछलियां पकड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया है, वहीं पानी यमुना के तटीय क्षेत्र के भूजल को भी जहरीला बना रहा है। लेकिन, पिछले करीब 25 साल से यमुना खादर के भू-जल की क्षमता व इसकी गुणवत्ता पर कोई अध्ययन नहीं किया गया, जिससे इसके प्रदूषण स्तर का पता लगाया जा सके। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि नदी तट से करीब 500 मीटर की दूरी तक की धरती नदी के पानी से ही रीचार्ज होती है और धरती की सतह से पांच से सात मीटर गहरे तक यह पानी आसानी से पहुंच जाता है। इसीलिए नदी के किनारे का भूजल प्रदूषित हो रहा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि मिट्टी में यह क्षमता होती है कि वह एक स्तर तक के प्रदूषक तत्वों को फिल्टर कर देती है, लेकिन यमुना का पानी इतना अधिक प्रदूषित हो चुका है कि इसके आसपास की मिट्टी की यह क्षमता भी धीरे-धीरे समाप्त हो गई है। प्रदूषित नदी अपने सबसे करीबी बाढ़ क्षेत्र के भू-जल को प्रदूषित करती है जिसे ठीक करना बहुत मुश्किल है।

हर प्रकार से हानिकारक है खादर का भूजल : तमाम औद्योगिक इकाइयों का पानी बिना ट्रीट किए सीधे यमुना में पहुंच रहा है। इसमें लेड, जिंक, क्लोराइड, फ्लोराइड, आर्सेनिक व बोरोन आदि जहरीले व प्रदूषक तत्व होते हैं। वहीं, कांच, सेरेमिक और कास्मेटिक उद्योग के अपशिष्ट पदार्थ नदी की तलहटी में बैठ जाते हैं और पानी के साथ धीरे-धीरे धरती में पहुंच जाते हैं। नदी के तट पर ही बोर लगे हैं। वहीं, बहुत से किसान सीधे नदी के पानी से ही फसलों की सिंचाई करते हैं। सिंचाई से ये जहरीले पदार्थ पौधों में जाकर और कंसंट्रेट हो जाते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, मानक यह है कि किसी भी नदी के तट से करीब 500 मीटर दूर का ही भूजल सिंचाई आदि के लिए उपयोग में लाया जाना चाहिए, लेकिन राजधानी में इस मानक का भी पालन नहीं हो रहा है। चार साल पहले दिल्ली विश्वविद्यालय के भू विज्ञान विभाग की एक टीम ने ओखला बैराज के पास यमुना खादर से भूजल के 12 नमूने लिए तो पता चला कि इसमें निर्धारित मानक से 83 फीसदी ज्यादा प्रदूषक तत्व हैं। इसमें एल्युमिनियम की मात्रा 75 फीसद, बोरोन की 58, मैंगनीज की 41.6, लौह तत्व की मात्रा 35 और कापर की मात्रा 33.3 फीसदी ज्यादा मिली थी। ये सभी तत्व स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं।



कालिंदी कुंज घाट के पास यमुना नदी में गिरता नाले का पानी। जागरण

इन बीमारियों का है खतरा

प्रदूषित पानी पीने, नहाने या किसी भी तरह इस्तेमाल करने और इससे सिंचित सब्जियां खाने से पेट, त्वचा, तंत्रिका तंत्र, लिवर, किडनी व मस्तिष्क, कैंसर, पीलिया, हेपेटाइटिस, डिहाइड्रेशन जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। बोरोन की अधिक मात्रा व्यक्ति को कोमा में भी पहुंचा देती है।

1996 में सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड व सेंट्रल पाल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने यमुना के बाढ़ क्षेत्र के भूजल का अध्ययन किया था। तब पांच-पांच किलोमीटर के ग्रिड एरिया से सैंपल लिया गया था। हालांकि, वह अध्ययन अब प्रासंगिक नहीं रह गया है। अब यमुना के तटवर्ती क्षेत्र के भूजल की माइक्रो लेवल मैपिंग की जरूरत है। इस अध्ययन के लिए 500-500 मीटर की ग्रिड के आधार पर सैंपल लेने चाहिए, ताकि भूजल की क्षमता, गुणवत्ता व इसमें मौजूद प्रदूषक तत्वों की सटीक मात्रा का पता चल सके।

– शशांक शेखर, प्रोफेसर, भू विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

यमुना के तटवर्ती क्षेत्र के भूजल की गुणवत्ता व इसमें मौजूद प्रदूषक तत्वों के बारे में कोई सरकारी डाटा ही नहीं है। दिल्ली में प्रवेश करते ही प्रदूषण से यमुना का बुरा हाल हो जाता है। इसी पानी से यमुना बाढ़ क्षेत्र रीचार्ज होता है और यमुना ही नहीं, देश की ज्यादातर नदियों का यही हाल है। सरकारों ने नदियों की सफाई या उनके पुनर्जीवन के लिए कभी कोई ठोस कदम उठाए ही नहीं।

– एसए नकवी, संयोजक, सिटीजन फ्रंट फार वाटर डेमोक्रेसी

मनी लांड्रिंग का आरोपित सात दिन की रिमांड पर

नई दिल्ली, जासं : मनी लांड्रिंग के मामले में आरोपित स्वतंत्र पत्रकार राजीव शर्मा को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार कर विशेष अदालत में पेश किया। जहां से उसे सात दिन की रिमांड पर निदेशालय के हवाले कर दिया। निदेशालय ने दिल्ली पुलिस की तरफ से दर्ज केस के आधार पर शर्मा को गिरफ्तार किया है। उस पर आरोप है कि उसने भारत की गोपनीय जानकारी पैसों के बदले चीन को बेची है। वह अक्सर गृह मंत्रालय सहित अन्य विभागों के चक्कर लगाता रहता था। वहां से उसने भारत की सुरक्षा से जुड़ी खुफिया जानकारी जुटाकर चीन की एजेंसी को बेची। शर्मा के खिलाफ पहले दिल्ली पुलिस ने केस दर्ज कर कुछ अहम दस्तावेज बरामद किए थे। निदेशालय का आरोप है कि शर्मा ने खुफिया जानकारी के बदले पैसा और सामान चीन से लिया। पूरा लेन-देन हवाला के माध्यम से किया गया था। हवाला के तार पता लगाने और कुछ अहम दस्तावेज बरामद करने के लिए उसे सात दिन के रिमांड पर लिया गया है।

2022 के सुभाषचंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार के लिए केंद्र ने नाम आमंत्रित किए हैं। 31 अगस्त तक आवेदन करना है। पुरस्कार हर साल 23 जनवरी को पराक्रम दिवस पर दिया जाता है।

ढीले पड़ गए ट्विटर के तेवर, नियुक्त करेगा शिकायत निवारण अधिकारी

बदला रुख ▸ नए आइटी नियमों को न मानने के चलते ट्विटर के खिलाफ दायर की गई थी याचिका

हलफनामा पेश कर बताया भारतीय कानूनों का अनुपालना कर रही, अंतरिम अधिकारी नियुक्त

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दुनियाभर में अपने पक्षपाती और मनमाने रवैये को लेकर आलोचना झेल रहे इंटरनेट मीडिया फ्लेटफार्म ट्विटर ने भारत के कानून के सामने घुटने टेक दिए हैं। ट्विटर ने दिल्ली हाई कोर्ट को बताया है कि वह भारतीय कानूनों का पालन करते हुए शिकायत निवारण अधिकारी नियुक्त कर रहा है। इसके लिए किसी भारतीय नागरिक की स्थायी नियुक्ति की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। फिलहाल एक अंतरिम अधिकारी नियुक्त कर दिया गया है।

गौरतलब है कि नए आइटी नियमों को नहीं मानने के चलते ट्विटर के खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। हाई कोर्ट से जारी नोटिस के जवाब में ट्विटर ने शपथ पत्र दायर किया है। मालूम हो कि नए आइटी नियमों की अधिसूचना 25 फरवरी को जारी हुई थी और ट्विटर सहित अन्य इंटरनेट मीडिया कंपनियों को नए नियम 25 मई तक लागू करने थे, लेकिन ट्विटर इसमें लगातार आनाकानी कर रहा था।

खुद को भारतीय कानूनों से ऊपर समझ रहा था : कभी भाजपा प्रवक्ता और नेताओं के ट्वीट को मैनिपुलेटेड मीडिया बताकर, तो कभी देश के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री के अकाउंट को ब्लाक कर ट्विटर लगातार विवादों का केंद्र बना है। वह लगातार अलग-अलग तरीकों से खुद को भारतीय कानूनों से ऊपर साबित करने में लगा हुआ था।

देश की अखंडता पर हमला पड़ा भारी : हाल ही में ट्विटर ने देश की अखंडता पर हमला करते हुए भारत के मानचित्र को गलत तरीके से दिखाया था। इससे ठीक पहले उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में लोनी कस्बे में मुस्लिम समुदाय के कुछ युवकों ने एक बुजुर्ग की पिटाई कर दी थी और दाढ़ी काट दी थी। इस घटना के वीडियो को ट्विटर के जरिये तमाम संगठनों व लोगों ने सांप्रदायिक रंग देते हुए देशभर में सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने व दंगे भड़काने की कोशिश की गई थी, लेकिन ट्विटर की तरफ से इस कृत्य में संलिप्त लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

इससे पहले भी ट्विटर की तरफ से भारत व भारतीयों के खिलाफ घृणा से भरी अनुचित सामग्री प्रसारित करने वाले लोगों पर ट्विटर ने कोई कार्रवाई नहीं कर खुद को एक मध्यस्थ प्लेटफार्म के बजाय पक्षकार साबित किया है। इन सब विवादों के बीच ट्विटर पर लगातार शिकंजा कसता जा रहा है। बहरहाल, कई मामलों में केस दर्ज होने और मध्यस्थ का दर्जा छीने जाने के बाद ट्विटर के तेवर ढीले पड़ गए हैं।

गूगल, फेसबुक की अनुपालन रिपोर्ट पारदर्शिता की दिशा में बड़ा कदम

▸ रविशंकर प्रसाद ने कहा, इंटरनेट मीडिया मंचों को नए आइटी नियमों का पालन करते देखना अच्छा लगा

▸ फेसबुक ने 15 मई से 15 जून के बीच तीन करोड़ से अधिक सामग्रियों पर कार्रवाई की



रखी बात : रविशंकर प्रसाद। जागरण आर्काइव

नई दिल्ली, प्रेट्र : सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने नए आइटी नियमों के तहत गूगल, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे इंटरनेट मीडिया मंचों द्वारा आपत्तिजनक पोस्ट स्वतः हटाने पर अपनी पहली अनुपालन रिपोर्ट प्रकाशित करने के लिए उनकी तारीफ की और इसे पारदर्शिता की दिशा में बड़ा कदम बताया।

नए आइटी नियमों के तहत 50 लाख से अधिक उपयोगकर्ताओं वाले बड़े डिजिटल मंचों को हर महीने अनुपालन रिपोर्ट प्रकाशित करनी होगी। इसमें प्राप्त शिकायतों और उन पर की गई कार्रवाई का उल्लेख करना होगा।

प्रसाद ने ट्वीट किया, गूगल, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे महत्वपूर्ण इंटरनेट मीडिया मंचों को नए आइटी नियमों का पालन करते देखना अच्छा लगा। उनके द्वारा नए आइटी नियमों के अनुसार आपत्तिजनक पोस्ट को स्वतः हटाने पर पहली अनुपालन रिपोर्ट का प्रकाशन पारदर्शिता की दिशा में बड़ा कदम है।

गूगल, फेसबुक और इंस्टाग्राम द्वारा अनुपालन रिपोर्ट जारी करने से ट्विटर पर दबाव बढ़ सकता है, जिसका नए नियमों को लेकर केंद्र सरकार के साथ टकराव बना हुआ है।

फेसबुक ने शुक्रवार को अपनी पहली मासिक अनुपालन रिपोर्ट में कहा कि उसने देश में 15 मई से 15 जून के बीच उल्लंघन की 10 श्रेणियों में तीन करोड़ से अधिक सामग्रियों पर कार्रवाई की। इंस्टाग्राम ने इसी अवधि में नौ श्रेणियों में करीब 20 लाख सामग्रियों पर कार्रवाई की। गूगल ने बताया कि उसे और यूट्यूब को इस साल अप्रैल में भारत के उपयोगकर्ताओं से 27,762 शिकायतें स्थानीय कानूनों या निजी अधिकारों के कथित हनन की मिली थीं। परिणामस्वरूप उसने 59,350 सामग्रियों को हटाया।

जमानत केस में हाई कोर्ट के अधिकारियों को तलब करने से सुप्रीम कोर्ट नाखुश

▸ झारखंड हाई कोर्ट ने मुख्य सचिव, गृह सचिव और स्वास्थ्य सचिव समेत वरिष्ठ अधिकारियों को किया था समन

▸ शीर्ष कोर्ट ने कहा, हाई कोर्ट इस मामले के दायरे से बाहर निकल गया



अहम मामला : सुप्रीम कोर्ट। जागरण आर्काइव

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने एक व्यक्ति को अग्रिम जमानत देते हुए राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों को तलब करने के झारखंड हाई कोर्ट के आदेश पर नाराजगी जताई। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट इस मामले के दायरे से बाहर निकल गया। अगर उसे लगता है कि तथ्यात्मक स्थितियां इस तरह की कार्रवाई का समर्थन करती हैं तो वह ज्यादा से ज्यादा इस मामले को जनहित याचिका बना सकता है।

जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस कृष्ण मुरारी की खंडपीठ ने 29 जून को पारित अपने आदेश में कहा कि अधिकारियों के पेश होने की कोई आवश्यकता नहीं है। चूंकि हाई कोर्ट के न्यायाधीश के समक्ष अग्रिम जमानत याचिका को लेकर चल रही कार्यवाही बंद हो गई है, इसलिए अब इस मामले में कुछ भी शेष नहीं है।

पीठ नौ अप्रैल और 13 अप्रैल को पारित हाई कोर्ट के दो आदेशों के खिलाफ झारखंड सरकार द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। हाई कोर्ट ने राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव और स्वास्थ्य सचिव सहित वरिष्ठ अधिकारियों को तलब किया था और उनसे पूछा था कि उनके खिलाफ अवमानना कार्रवाई क्यों न की जाए।

अपनी याचिका में राज्य सरकार ने कहा कि हाई कोर्ट ने अप्रत्याशित ढंग से उक्त कार्यवाही जारी रखी और जांच अधिकारियों व सरकारी डाक्टरों की ओर से हुई कथित चूक पर राज्य से संबंधित सामान्य प्रकृति के कई निर्देश जारी किए। इस चूक के परिणामस्वरूप ही आरोपित पर कथित रूप से झूठा मुकदमा चलाया गया, जिसने अग्रिम जमानत के लिए अर्जी दी थी।

हाई कोर्ट धनबाद निवासी बसीर अंसारी की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिस पर उसकी पत्नी अंजुम बानो द्वारा शादी के एक साल के भीतर अपने मायके में आत्महत्या करने के बाद आइपीसी की धारा 49ए और अन्य प्रविधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अंसारी ने कहा कि उसकी शादी सात जुलाई, 2018 को हुई थी और उसकी पत्नी ने अगस्त, 2018 में पेट दर्द की शिकायत की थी। इसके बाद उसका अल्ट्रासाउंड किया गया, जिसमें पता चला कि वह तीन महीने की गर्भवती है। बसीर ने कहा, अंजुम बानो के पिता को इस बाबत सूचित किया गया और उसे उसके पिता को सौंप दिया गया। वह उसे अपने गांव ले गए और उसका गर्भपात करा दिया गया। इसके बाद अंजुम बानो ने अपने पिता के घर पर आत्महत्या कर ली।

हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि अंजुम बानो का पोस्टमार्टम डा. स्वपन कुमार सरक ने किया था, लेकिन रिपोर्ट में उन्होंने महिला की मृत्यु से ठीक पहले गर्भपात का उल्लेख नहीं किया।

हाई कोर्ट ने तब मुख्य सचिव को झारखंड में सरकारी या निजी क्षेत्र में प्रैक्टिस करने वाले सभी डाक्टरों के प्रमाणपत्रों को सत्यापित करने का निर्देश दिया था। नौ अप्रैल को हाई कोर्ट ने कहा था कि मुख्य सचिव द्वारा दायर हलफनामा अदालत के पहले के आदेशों के अनुसार नहीं है, जबकि वह डा. स्वपन कुमार सरक की नामांकन संख्या का उल्लेख करने में भी विफल रहे हैं, जिनके आचरण का मामला 2018 से अदालत में लंबित है।

इसके बाद मुख्य सचिव, गृह सचिव और स्वास्थ्य सचिव को उसी दिन वर्चुअल माध्यम से बुलाया गया, लेकिन वे उपस्थित नहीं हुए और बाद में उन्होंने अपनी अनुपस्थिति का कारण कोरोना प्रबंधन से संबंधित मुद्दों के कारण अपने व्यस्त कार्यक्रम को बताया। शीर्ष अदालत ने कहा कि हाई कोर्ट के न्यायाधीश ने डा. स्वपन कुमार सरक के कथित आचरण को लेकर अग्रिम जमानत के पहलू के बाहर के कई अन्य पहलुओं पर गौर किया।

सामने आया सेना का कलह, सीडीएस के रुख से वायुसेना प्रमुख असहमत



सीडीएस जनरल बिपिन रावत। फाइल एएनआइ

▸ थियेटर कमांड के गठन में वायुसेना की भूमिका को कमतर माने जाने पर आपत्ति

▸ ग्लोबल काउंटर-टेररिज्म काउंसिल के सेमिनार के अलग-अलग सत्रों में हुए संबोधन से उभरे मतभेद



एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया। फाइल एएनआइ

नई दिल्ली, एएनआइ : एकीकृत थिएटर कमांड के निर्माण को लेकर चीफ आफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत के विचारों से एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया पूरी तरह सहमत नहीं हैं। वायुसेना प्रमुख ने स्पष्ट किया कि वायुसेना थिएटर कमांड के निर्माण के समर्थन में है, लेकिन इसे सही तरीके से किया जाना चाहिए।

भदौरिया ने सीडीएस की उस टिप्पणी से भी असहमति जताई, जिसमें भारतीय वायुसेना की तुलना सेना के लड़ाकू सहायक हथियारों जैसे इंजीनियर्स और आर्टिलरी से की गई थी।

उल्लेखनीय है चीफ आफ डिफेंस स्टाफ चार थिएटर कमांड बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। इनमें से तीन का नेतृत्व सेना के अधिकारी और एक का नेतृत्व नौसेना का अधिकारी करेगा। सभी थिएटर कमांडर उन प्रस्तावों के अनुसार सीडीएस को रिपोर्ट करेंगे जिन्हें अभी रक्षा मंत्री और सरकार द्वारा अनुमोदित किया जाना है। सेना और वायुसेना के बीच ये मतभेद ग्लोबल काउंटर-टेररिज्म काउंसिल द्वारा शुक्रवार को आयोजित एक सेमिनार के दौरान सामने आए। जहां सीडीएस रावत ने कहा कि वायु सेना को जमीनी बलों को सहायता प्रदान करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा यह मत भूलिए वायु सेना, सशस्त्र बल के लिए एक सहायक शाखा बनी हुई है जिस तरह तोपखाने और इंजीनियर सेना की मदद करते हैं। सीडीएस के बाद एयर चीफ मार्शल भदौरिया ने स्पष्ट किया कि वायु सेना केवल एक सहायक शाखा नहीं है। हवाई अभियान की योजना बनाने में कई पहलू होते हैं। उन्होंने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि हम इन कमांड को स्थापित करने के पक्ष में हैं, लेकिन हमें इस काम को ठीक तरह से करना चाहिए।

विवाद से कई पूर्व सैन्य अधिकारी भी आहत

नई दिल्ली, एएनआइ : सीडीएस बिपिन द्वारा के वायुसेना की भूमिका को लेक व्यक्त किए गए विचारों से रक्षा सेनाओं के कई पूर्व अधिकारी भी आहत हैं। सेना के उप प्रमुख रहे सेवानिवृत्त लेफ्टीनेंट जनरल राज कादियान ने कहा कि किसी भी परिवर्तन का हमेशा विरोध किया जाता है। वायुसेना को जो आपत्ति है वह शब्दों के अर्थ को लेकर है। उसे चाहे सहयोगी माना जाए या अलग सेना, उसकी भूमिका जो रहनी है वह रहेगी। सेवानिवृत्त एयर वाइस मार्शल मनमोहन बहादुर ने कहा कि वायुसेना को अन्य दोनों सेनाओं की सहयोगी शाखा होने की बात अनुचित और त्रुटिपूर्ण है। अन्य सेनाओं की तरह वायुसेना की भी अपनी विशेषताएं हैं। उधर पूर्व सेना प्रमुख और सेवानिवृत्त लेफ्टीनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कहा कि इस मुद्दे पर विवाद बेमतलब है। चीफ आफ डिफेंस का पद पीएम नरेंद्र मोदी की घोषणा के बाद बना। आज कोई भी सैन्य अभियान शुरू करने के लिए पूर्ण समन्वय की जरूरत है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री येदियुरप्पा को झटका, लोकायुक्त की जांच जारी रहेगी

▸ विशेष अदालत ने जांच बंद करने की मांग वाली याचिका खारिज की

▸ लोकायुक्त पुलिस को तेजी से जांच कर अंतिम रिपोर्ट जमा करने का निर्देश भी दिया

बेंगलुरु, प्रेट्र : भ्रष्टाचार के एक मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा को झटका लगा है। विशेष अदालत ने मुख्यमंत्री के खिलाफ जांच बंद करने की लोकायुक्त पुलिस की 'बी रिपोर्ट' को खारिज कर दिया है। यह मामला 15 साल पुराने बेंगलुरु में प्रमुख जमीन की अधिसूचना से जुड़ा है। अदालत ने लोकायुक्त पुलिस को जांच तेज करने और अंतिम या अतिरिक्त अंतिम रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया है।

विशेष जज श्रीधर गोपालकृष्ण भट ने अपने आदेश में कहा, 'आपराधिक दंड प्रक्रिया की धारा 173(2) बी तहत जांच अधिकारी द्वारा जमा कराई गई बी रिपोर्ट को खारिज किया जाता है।'

तेजी से जांच करने का निर्देश देते हुए जज ने जांच अधिकारी से कहा कि उन्हें यह ध्यान में रखना चाहिए कि जांच में देरी को लेकर कर्नाटक हाई कोर्ट ने क्या कहा था।

यह मामला बेंगलुरु के पेल्लनदुर और देवरबीसानहाल्ली में प्रमुख जमीन की अधिसूचना वापस लेने से संबंधित है। वर्ष 2000-2001 में उक्त जमीन का अधिग्रहण आइटी पार्क के लिए किया गया था। परंतु, एचडी कुमारस्वामी के नेतृत्व वाली जदएस-भाजपा की गठबंधन सरकार में उप मुख्यमंत्री रहे येदियुरप्पा ने 2006-07 में अधिसूचना वापस ले ली थी।

वासुदेव रेड्डी नामक व्यक्ति ने अधिसूचना में अनियमितता का आरोप लगाते हुए लोकायुक्त कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई थी। लोकायुक्त अदालत के निर्देश पर लोकायुक्त पुलिस ने 21 फरवरी, 2015 को इस मामले में भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के तहत केस दर्ज किया था।

पिछले साल दिसंबर में येदियुरप्पा ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर मामले को रद करने की अपील की थी। येदियुरप्पा की दलील थी कि नौ अक्टूबर, 2015 को हाई कोर्ट ने तत्कालीन उद्योग मंत्री और कांग्रेस नेता आरवी देशपांडे के खिलाफ यही एफआइआर रद कर दी थी। अदालत ने उनकी यह दलील खारिज कर दी थी और पुलिस को जांच में तेजी लाने का निर्देश भी दिया था।

मनी लांड्रिंग मामले में देशमुख को ईडी ने ताजा समन किया जारी



अनिल देशमुख। फाइल फोटो इंटरनेट मीडिया

मुंबई, प्रेट्र : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख और अन्य के खिलाफ चल रहे मनी लांड्रिंग मामले की जांच के तहत ताजा समन जारी किया है। जांच एजेंसी ने देशमुख को पांच जुलाई को अपने समक्ष पेश होने को कहा है।

अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि राकांपा नेता को जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने के लिए तीसरा नोटिस जारी किया गया है। देशमुख से दक्षिण मुंबई में केंद्रीय एजेंसी के कार्यालय में अपना बयान दर्ज कराने को कहा गया है। देशमुख को इससे पहले भी दो समन जारी किए जा चुके हैं, लेकिन वह कोरोना वारयस संक्रमण के खतरे का हवाला देकर पेश नहीं हुए। उन्होंने ईडी के समक्ष वीडियो कांफ्रेंस के जरिये अपना बयान दर्ज कराने का आग्रह किया। देशमुख को कथित तौर पर 100 करोड़ रुपये की रिश्वत लेने एवं जबरन वसूली करने वाले रैकेट से जुड़े मनी लांड्रिंग के एक मामले में ईडी ने समन जारी किया है। देशमुख ने इन आरोपों के कारण महाराष्ट्र के गृह मंत्री के पद से इस साल अप्रैल में इस्तीफा दे दिया था। ईडी ने पिछले महीने मुंबई और नागपुर में देशमुख, उनके सहयोगियों और अन्य लोगों के परिसरों पर छापे मारे थे। इसके बाद निदेशालय ने पहला समन जारी किया था।

केरल क्राइम ब्रांच ने शुरू की मतदाता सूची लीक होने की जांच

तिरुअनंतपुरम, प्रेट्र : केरल पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मतदाता सूची के कथित तौर पर लीक होने की शिकायत पर एफआइआर दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) कार्यालय ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि कार्यालय के कंप्यूटर को हैक करके मतदाताओं का डाटा लीक किया गया था।

समाचार एजेंसी आइएएनएस के मुताबिक, शिकायत में सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धाराओं के अलावा साजिश और चोरी के आरोप भी लगाए गए हैं। जांच का नेतृत्व क्राइम ब्रांच के एसपी शाह नवाज करेंगे। राज्य में चुनावों से पहले तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष रमेश चेन्नीथला ने मुख्य चुनाव अधिकारी टीका राम मीणा से मुलाकात की थी और मतदाता सूची में की जा रही धांधलियों के बारे में शिकायत की थी। उनका कहना था कि यह एक साजिश का हिस्सा है। चेन्नीथला का आरोप था कि मतदाता सूची का अवलोकन करने पर पता चला कि एक ही विधानसभा क्षेत्र में एक ही व्यक्ति को कई मतदाता पहचान पत्र जारी कर दिए गए। इन पहचान पत्रों में पते और अन्य विवरणों में मामूली बदलाव किया गया था, लेकिन सभी में फोटो एक ही था। ऐसा लगता है कि मतदाता सूची में धांधली के सुनियोजित प्रयास किए गए क्योंकि ऐसी अनियमितताओं का कई विधानसभा क्षेत्रों में भी पता चला।

जांच शुरू होने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए चेन्नीथला ने कहा कि यह जांच आंखों में धूल झोंकने का प्रयास लगती है। सभी को पता है कि मतदाता सूची लीक नहीं हुई थी क्योंकि सभी कुछ वेबसाइट पर मौजूद है। यह जांच मूल मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए है कि सूची में एक ही व्यक्ति के कई-कई पहचान पत्रों से नाम कैसे शामिल हो गए।

राउत की आशीष शेलार से गुपचुप मुलाकात

राज्य ब्यूरो, मुंबई

▸ शिवसेना एवं भाजपा नेताओं की भेंट ने गर्म किया अटकलों का बाजार



संजय राउत फाइल



आशीष शेलार फाइल

शिवसेना नेता संजय राउत एवं भाजपा के पूर्व मुंबई अध्यक्ष आशीष शेलार की गुपचुप मुलाकात ने अटकलों का बाजार गर्म कर दिया है। हालांकि आशीष शेलार ने ऐसी किसी बैठक से इन्कार किया है, लेकिन उन्हीं की पार्टी के विधान परिषद में नेता विरोधी दल प्रवीण दरेकर ने इस मुलाकात को 'सद्भावना भेंट' बताकर एक तरह से इसकी पुष्टि की है।

पिछले विधानसभा चुनाव के बाद से ही भाजपा-शिवसेना के रिश्ते अच्छे नहीं चल रहे हैं। खासतौर से मुकेश अंबानी के घर के निकट जिलेटिन रखी स्कार्पियो मिलने के बाद से तो भाजपा को शिवसेनानीत सरकार पर प्रहार का अच्छा मौका मिल गया है। एनआइए, सीबीआइ एवं प्रवर्तन निदेशालय जैसी केंद्रीय एजेंसियों द्वारा महाराष्ट्र में चल रही जांचों ने शिवसेना नेताओं की नींद उड़ा रखी है। शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक कुछ दिन पहले ही मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को पत्र लिखकर भाजपा से नजदीकी बढ़ाने का आग्रह कर चुके हैं। ऐसे में रोज भाजपा के खिलाफ बयान देने वाले संजय राउत की आशीष शेलार से मुलाकात अटकलों को जन्म दे रही है। पिछले बीएमसी चुनाव के समय शेलार ही मुंबई भाजपा के अध्यक्ष थे। तब भाजपा शिवसेना से कुछ ही सीटें पीछे रह गई थी। अगले वर्ष फरवरी में फिर मुंबई मनपा के चुनाव होने हैं। इसी प्रकार सोमवार से शुरू हो रहे विधान मंडल के दो दिवसीय मानसून सत्र को लेकर भी भाजपा सवाल खड़े कर चुकी है।

हालांकि भाजपा एवं महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महाविकास अघाड़ी के नेताओं के बीच हुई एकल मुलाकातों में यह पहली नहीं है। चंद दिनों पहले उप मुख्यमंत्री अजीत पवार एवं वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री अशोक चह्वाण के साथ दिल्ली गए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी 10 मिनट अलग मुलाकात की थी। इसी प्रकार कुछ माह पहले अहमदाबाद के निकट देर रात हुई शरद पवार एवं अमित शाह की मुलाकात ने भी लोगों के कान खड़े कर दिए थे। पिछले वर्ष जब सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद ठाकरे परिवार के किसी सदस्य पर अंगुलियां उठ रही थीं, उसी दौरान संजय राउत एवं भाजपा नेता देवेंद्र फड़नवीस की भी मुलाकात हुई थी। यह मुलाकात करीब दो घंटे चली थी। पत्रकारों के पूछने पर राउत ने कहा था कि वह सामना अखबार के लिए फड़नवीस का साक्षात्कार करना चाहते हैं। इसी संदर्भ में मुलाकात की है। लेकिन अभी तक ऐसा कोई साक्षात्कार सामना में प्रकाशित नहीं हुआ है।

साइबर ठगी के शिकार लोगों का वापस मिलने लगा पैसा

नीलू रंजन, नई दिल्ली

▸ गृह मंत्रालय ने एक अप्रैल को सात राज्यों में किया था साफ्ट लांच, अब 15 राज्यों में कर रहा काम



मिली मदद। फाइल/इंटरनेट मीडिया

साइबर ठगी के शिकार लोगों को उनका पैसा वापस मिलने लगा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से शुरू किए गए राष्ट्रीय हेल्पलाइन 155260 की मदद से पिछले तीन महीने में 3.13 करोड़ रुपये ठगी के शिकार लोगों को वापस कराए जा चुके हैं। यह हेल्पलाइन नंबर एक अप्रैल को सात राज्यों में साफ्ट लांच किया गया था और 16 जून को पूरे देश के लिए इसे खोल दिया गया है। अभी तक 15 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में यह हेल्पलाइन काम करने लगा है। अन्य राज्यों में भी इसे लागू करने के लिए बातचीत चल रही है।

हेल्पलाइन नंबर शुरू होने के इतने कम समय में साइबर ठगी के शिकार लोगों को राहत दिलाने में इसकी सफलता की कई कहानियां दर्ज हो गई हैं। जैसे शाहदरा, दिल्ली के वरिष्ठ नागरिक राम प्रकाश चार जून को साइबर ठगी के शिकार हो गए थे। उन्होंने तत्काल हेल्पलाइन नंबर 155260 पर काल किया और चंद दिनों में 3.2 लाख रुपये उनके खाते में वापस आ गए। इसी तरह से मध्य प्रदेश की एक महिला को एक यूरोपीय व्यक्ति ने पहले आनलाइन दोस्ती का अनुरोध किया और इसे स्वीकार करने के बाद करोड़ों रुपये का गिफ्ट भेजने का झांसा देकर 59,507 रुपये ठग लिए। महिला की शिकायत के बाद एयरटेल पेमेंट बैंक से उसे पूरे पैसे वापस कराए गए। इसी तरह से राजस्थान के एक व्यक्ति को एयरटेल के लकी ड्रा में मोबाइल नंबर आने का झांसा देकर 47 हजार रुपये ठग लिए गए। हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत के बाद उसके पूरे पैसे वापस कराए गए। ये तो चंद उदाहरण भर हैं। एक अप्रैल को साफ्ट लांच के बाद से अब तक हेल्पलाइन की मदद से 3.13 करोड़ रुपये लोगों को वापस कराए जा चुके हैं। गृह मंत्रालय ने इस हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली की जानकारी देते हुए कहा कि ठगी की शिकायत मिलने के तत्काल बाद शिकायत नंबर के साथ विस्तृत जानकारी उस बैंक या वालेट के पास भेज दी जाती है, जिस बैंक में ठगी का पैसा गया होता है। बैंक के सिस्टम में यह जानकारी फ्लैश करने लगती है। यदि पैसे संबंधित बैंक या वालेट के पास ही हैं, तो वह उसे तत्काल फ्रीज कर देगा। यदि पैसा किसी और बैंक या वालेट में चला गया हो तो वह उसे संबंधित बैंक या वालेट को भेज देगा। यह प्रक्रिया तब तक चलती रहेगी, जब तक उस पैसे की पहचान कर उसे फ्रीज नहीं कर दिया जाता है। वहीं दूसरी ओर शिकायतकर्ता को एसएमएस से शिकायत दर्ज किए जाने की सूचना और इसका एक नंबर दिया जाएगा और साथ ही 24 घंटे के भीतर नेशनल साइबरक्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर ठगी की विस्तृत जानकारी देने का निर्देश दिया जाएगा। गृह मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एक अप्रैल को दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ में साफ्ट लांच किया गया था। 17 अप्रैल को इसे पूरे देश के लिए खोल दिया गया और उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, तमिलनाडु, केरल, महाराष्ट्र, ओडिशा, दमन दीव और दादर नगर हवेली में भी इसे लांच कर दिया गया है। गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि देश के अन्य राज्यों में इसे जल्द-से-जल्द लांच करने की कोशिश की जा रही है। इस हेल्पलाइन की खासियत यह है कि राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर होते हुए सभी राज्यों में स्थानीय पुलिस ही इसका संचालन कर रही है। इससे संबंधित राज्यों में स्थानीय भाषाओं में लोग आसानी से ठगी की शिकायत कर रहे हैं।

साइबर सुरक्षा की नई रणनीति इसी साल : पंत

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक राजेश पंत ने कहा है कि सरकार इसी साल नई साइबर सुरक्षा रणनीति जारी करेगी। पब्लिक अफेयर फोरम आफ इंडिया (पीएएफआइ) की तरफ से शुक्रवार को आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पंत ने कहा कि यह रणनीति भारत के साइबर संसार के सभी पहलुओं को कवर करेगी। उन्होंने कहा, 'नई रणनीति के जरिये सुरक्षित, सुदृढ़, लचीला, जीवंत व विश्वस्त साइबर संसार सुनिश्चित होगा।' नई रणनीति एक तरह की गाइडलाइन होगी, जिसके जरिये विभिन्न विषयों को नियंत्रित किया जाएगा। इनमें डाटा का राष्ट्रीय संसाधन, स्वदेशी क्षमता का विकास या साइबर आडिट जैसे 80 विषय शामिल हैं। पीएएफआइ के संवाद कार्यक्रम का विषय 'नई सामान्य स्थितियों में साइबर सुरक्षा' था।

कह के रहेंगे माधव जोशी



57 विधायकों का उत्तराखंड में प्रचंड बहुमत पा चुकी भाजपा अब सरकार के नेतृत्व की अजमाइश के मामले में हर दांव खेल रही है। वह सभी संतुलन साधने को तत्पर है।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 4 जुलाई, 2021

धामी को आठ माह में पार करना होगा चुनौतियों का पहाड़

कम समय ▶ कामकाज के लिए मिलेंगे बमुश्किल आठ माह

अगले साल ही विधानसभा चुनाव की होगी चुनौती

केदार दत्त, देहरादून

उत्तराखंड की भाजपा सरकार में एक बार फिर हुए नेतृत्व परिवर्तन में नए मुख्यमंत्री के रूप में पुष्कर सिंह धामी की ताजपोशी हो गई है, लेकिन उनकी राह इतनी आसान भी नहीं है। उनके सामने चुनौतियों का पहाड़ है और वक्त बेहद कम। धामी को कामकाज के लिए बमुश्किल आठ माह का ही समय मिल पाएगा। इसी समय में उन्हें खुद को साबित करना है तो चुनौतियों की डगर भी पार करनी है। अगले साल विधानसभा चुनाव में पार्टी को जनता की अदालत में जाना है। स्वाभाविक तौर पर पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि तो रहेगी ही, लेकिन प्रदेश का चेहरा तो सिटिंग मुख्यमंत्री ही रहेंगे। यह एक प्रकार से उनके राजनीतिक कौशल का इम्तिहान भी होगा।

राजनीतिक दृष्टिकोण से नजर दौड़ाएं तो पिछले सात वर्षों से उत्तराखंड में भाजपा अजेय बनी हुई है। 2014 के लोकसभा चुनाव से अब तक के सभी चुनावों में भाजपा ने सफलता की नई ऊंचाइयों को छुआ है। 2017 में पार्टी ने विधानसभा की 70 में से 57 सीटें जीतकर प्रचंड बहुमत हासिल किया।



देहरादून में शनिवार को उत्तराखंड भाजपा विधायक दल के नेता चुने गए पुष्कर सिंह धामी (मध्य में) को बधाई देते तीरथ सिंह रावत (बाएं) और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मदन कौशिक। प्रेट्र

यह बात अलग है कि तब से अब तक पार्टी ने तीसरी बार सरकार में नेतृत्व परिवर्तन किया है। नए मुख्यमंत्री के रूप में धामी को अनेक चुनौतियों से दो-चार होना पड़ेगा। तीन साल 11 माह व नौ दिन की त्रिवेंद्र सरकार और फिर 114 दिन की तीरथ सरकार का यश-अपयश भी उनके ही खाते में जाएगा।

ये रहेंगी प्रमुख चुनौतियां :

चारधाम यात्रा: राज्य की आर्थिकी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली चारधाम यात्रा कोरोना संक्रमण के कारण अभी शुरू नहीं हो पाई है। पिछली तीरथ सरकार ने एक जुलाई से तीन जिलों के लिए यात्रा खोलने का निर्णय लिया था, लेकिन मामला अदालत में पहुंच गया।

मिशन-2022 : नए मुख्यमंत्री धामी को कामकाज के लिए लगभग आठ माह का ही समय मिल पाएगा। अगले साल फरवरी में विधानसभा चुनाव संभावित हैं। इसी में नए मुख्यमंत्री के कौशल की परीक्षा होनी है।

सरकार व संगठन में सामंजस्य :- नए मुख्यमंत्री धामी के समक्ष सरकार और भाजपा संगठन के बीच बेहतर सामंजस्य बैठाने की बड़ी चुनौती भी रहेगी। यह इसलिए भी आवश्यक है, क्योंकि आठ माह बाद पार्टी को जनता की चौखट पर जाना है।

नौकरशाही पर लगाम:- बेलगाम नौकरशाही की कारगुजारियां अक्सर सुर्खियां बनती हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री इसके लिए नए सिरे से पत्ते फेंटेंगे, मगर नौकरशाही के पेच कसने के लिए उन्हें सख्त कदम भी उठाने होंगे।

विकास की गति :- कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के बीच जनवरी तक प्रदेश के विकास की गति बढ़ाने के लिए नई सरकार को नई रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा।

देवस्थानम बोर्ड: त्रिवेंद्र सरकार के कार्यकाल में उत्तराखंड चारधाम देवस्थानम प्रबंधन अधिनियम पारित किया। इसके तहत बने देवस्थानम बोर्ड में चारधाम के साथ ही 51 मंदिरों को शामिल किया गया। चारधाम के तीर्थ पुरोहित बोर्ड का विरोध कर रहे हैं। अब इस मामले में गेंद नई सरकार के पाले में आ गई है।

विधायकों के विवादित बोल :- पिछली त्रिवेंद्र और तीरथ सरकारों में विधायकों के विवादित बोल सरकार व संगठन दोनों के लिए असहज स्थिति पैदा करते रहे हैं। अब जबकि यह चुनावी वर्ष है तो इस पर लगाम कसने की चुनौती होगी।

विपक्ष से मुकाबला : मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के सदस्यों की विधानसभा में संख्या भले ही अब 10 रह गई हो, लेकिन बदली परिस्थितियों में सरकार में नेतृत्व परिवर्तन को विपक्ष ने मुद्दा बनाना शुरू कर दिया है।

बदलाव के सवालों से जूझने की चुनौती : प्रदेश में प्रचंड बहुमत वाली भाजपा सरकार में फिर से नेतृत्व परिवर्तन के मामले में पार्टी हाईकमान ने भले ही संवैधानिक बाध्यता का हवाला देकर स्थिति से उबरने का प्रयास किया हो, मगर इसे लेकर सवाल तो उठेंगे ही।

प्रथम पृष्ठ से आगे

भाजपा विधायक दल ने पुष्कर सिंह धामी को नया नेता चुना है। उन्हें अनंत शुभकामनाएं। मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में उत्तराखंड हर क्षेत्र में तरक्की की नई इबारत लिखेगा।
–तीरथ सिंह रावत, कार्यवाहक मुख्यमंत्री

पुष्कर सिंह धामी को हार्दिक शुभकामनाएं। अब उनकी अगुआई में भाजपा सरकार प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए और तेजी से कदम बढ़ाएगी।
–त्रिवेंद्र सिंह रावत, पूर्व मुख्यमंत्री

पुष्कर सिंह धामी का प्रोफाइल

जन्म तिथि : 16 सितंबर, 1975

जन्म स्थान : कनालीछीना, पिथौरागढ़

कर्म स्थान : खटीमा, ऊधमसिंह नगर

शैक्षणिक योग्यता : स्नातकोत्तर (मानव संसाधन प्रबंधन एवं औद्योगिक संबंध) एवं एलएलबी

परिवार

पिता : स्व. शेर सिंह, पूर्व सैनिक

माता : बिश्ना देवी

पत्नी : गीता धामी, गृहिणी

पुत्र : प्रभाकर व दिवाकर

राजनीतिक जीवन

- बचपन में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गए थे।
- 10 वर्ष अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में रहे। लखनऊ विश्वविद्यालय से लेकर अवध क्षेत्र में काम किया।

प्रदेश अध्यक्ष भाजयुमो : लगातार दो बार 2002 से 2008 तक।

विशेष कार्याधिकारी, मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी : 2001 से 2002।

शहरी अनुश्रवण समिति उपाध्यक्ष (दर्जा राज्यमंत्री) : 2010 से 2012।

विधायक खटीमा : प्रथम बार 2012 से 2017, द्वितीय बार 2017 से वर्तमान तक।

प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष : प्रथम बार 2016 से 2020 तक एवं द्वितीय बार 2020 से अब तक।

बिहार में अफसरशाही पर उलझे मंत्री

राज्य ब्यूरो, पटना : बिहार में अफसरों के हावी होने के सवाल पर राज्य के कई मंत्री आपस में ही उलझ गए हैं। उलझन पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी और उनके मंत्री पुत्र संतोष मांझी के बीच भी है। इस बीच, इस्तीफे की पेशकश करने वाले समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी ने अपनी ही सरकार के साथी जीवेश मिश्रा के खिलाफ तल्ख टिप्पणी कर दी है। दरअसल जीवेश मिश्रा ने अफसरों से तालमेल बैठाकर चलने की सलाह दी थी, जिस पर सहनी ने तीखी प्रतिक्रिया दे दी। वहीं, एक अन्य मंत्री रामप्रीत पासवान भी मानते हैं कि सरकार में अफसरशाही का जोर है।

अफसरशाही के सवाल पर जीवेश मिश्रा का कहना है कि उनके दोनों विभागों (श्रम संसाधन और सूचना प्रौद्योगिकी) में अफसरों का नहीं, जनता का राज चल रहा है। चुने हुए जन-प्रतिनिधि ही सरकार चला रहे हैं। उन्होंने कामकाज के लिए आपसी तालमेल की सलाह दी। इस सलाह पर मदन सहनी ने जीवेश मिश्रा का नाम लिए बगैर कहा कि हम राजनीति करते हैं। दलाल नहीं हैं कि तालमेल बैठाते चलें। बता दें, जीवेश मिश्रा कभी मेडिकल रिप्रेजेंटिव हुआ करते थे। जबकि मदन सहनी की लहेरियासराय में दवा की दुकान है। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री व हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के अध्यक्ष जीतन राम मांझी ने मदन सहनी की इस बात का समर्थन किया था कि अफसरों की निगाह में मंत्रियों की इज्जत नहीं है। हालांकि, शनिवार को पुत्र संतोष मांझी ने उनकी राय से असहमति जाहिर की।

चिराग के भाजपा प्रेम से पासवान में राजद की दिलचस्पी हुई कम

अरविंद शर्मा, पटना : राजद में लोजपा को लेकर अब वैसी बेकरारी नहीं रही, जैसी सप्ताह भर पहले थी। चिराग पासवान के दिल में भाजपा के प्रति बरकरार आसक्ति के कारण रामविलास पासवान के प्रति राजद का भक्तिभाव भी पहले की तरह नहीं रह गया है। राजद के 25वें स्थापना दिवस पर लोजपा के संस्थापक रामविलास पासवान की जयंती अब मनेगी तो जरूर, लेकिन बस औपचारिकता पूरी कर ली जाएगी।

लोजपा में टूट के बाद चिराग और पशुपति कुमार पारस गुट में महाभारत से उत्साहित तेजस्वी यादव को बिहार की सियासत में उलट-फेर की संभावनाएं नजर आने लगी थीं। लिहाजा उन्होंने चिराग पासवान के प्रति हमदर्दी दिखानी शुरू कर दी थी। अपनी ओर से एक कदम आगे बढ़ाते हुए तेजस्वी ने चिराग को बड़े भाई कहा था। भाजपा छोड़कर महागठबंधन में चले आने का न्योता दिया था।

विद्यार्थी परिषद की पृष्ठभूमि व तेजतर्रार छवि ने आसान की राह

राज्य ब्यूरो, देहरादून

▶ त्रिवेंद्र व तीरथ सरकार में नहीं बन पाए थे मंत्री, अब होंगे मुख्यमंत्री

कोरोना का भीषण संकटकाल और 2022 में विधानसभा का चुनाव, भाजपा ने प्रदेश में मुंहबाए खड़ी इन चुनौतियों से निपटने के लिए नए मुख्यमंत्री के रूप में युवा और तेजतर्रार छवि के पुष्कर सिंह धामी पर दांव खेलना बेहतर समझा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की पृष्ठभूमि के साथ ही क्षेत्रीय और जातीय संतुलन साधने के गणित में भी धामी प्रतिद्वंद्वियों पर भारी पड़े। कुमाऊं की सियासत पर मजबूत पकड़ रखने वाले उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से नजदीकी को भी धामी की नई भूमिका तय कराने में अहम माना जा रहा है।

57 विधायकों का प्रचंड बहुमत पा चुकी भाजपा अब सरकार के नेतृत्व की आजमाइश के मामले में हर दांव खुलकर खेल रही है। धामी को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने तो चौंकाया ही, धामी ने भी युवा नेतृत्व पर विश्वास जगाने में कसर नहीं छोड़ी। 2017 में पहले त्रिवेंद्र सिंह रावत सरकार और फिर 2021 में करीब चार महीने पहले बनी तीरथ सिंह रावत सरकार में मंत्री बनने की दौड़ में पीछे छूट गए धामी अब मुख्यमंत्री पद की बाजी मार ले गए।

चुनावी साल में दूसरी बार नेतृत्व परिवर्तन कर भाजपा ने साफ कर दिया है कि उसकी नजर अगले चुनाव पर टिकी है। हालांकि बीती 10 मार्च को किया गया भाजपा का प्रयोग ज्यादा लंबा नहीं चल सका। अब धामी यदि पार्टी हाईकमान का विश्वास जीतने में सफल रहे तो इसके पीछे क्षेत्रीय व जातीय संतुलन का वह समीकरण भी है, जिसे चुनावी जीत को ध्यान में रखकर साधा गया।

नई चुनावी टीम उतारने की कांग्रेस की भी तैयारी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▶ भाजपा के बार-बार मुख्यमंत्री बदलने के प्रयोग को विफल मान रही पार्टी

▶ हरीश रावत को फिर चुनावी चेहरा बनाने को तैयार, जल्द एलान के संकेत

उत्तराखंड में मुख्यमंत्री बदलने के भाजपा के प्रयोग को विफल मान रही कांग्रेस ने भी अगले चुनाव के लिए अपनी नई टीम मैदान में उतारने की पुख्ता तैयारी कर ली है। पार्टी ने साफ संकेत दिए हैं कि कांग्रेस महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत एक बार फिर प्रदेश की सियासत में लौटकर पार्टी की चुनावी कमान संभालेंगे। पार्टी हाईकमान की ओर से चुनाव को देखते हुए जल्द ही उत्तराखंड कांग्रेस के विधायक दल के नए नेता की नियुक्ति का भी एलान कर दिया जाएगा।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, उत्तराखंड के घटनाक्रमों पर करीबी निगाह रख रहे कांग्रेस हाईकमान ने हरीश रावत से राज्य की चुनावी सियासत को लेकर बीते कुछ दिनों के भीतर कई बार चर्चा की है। साथ ही हाईकमान ने रावत को यह संकेत दे दिया है कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की चुनावी टीम की कमान उनके हाथों में सौंपी जा सकती है। बताया जाता है कि हरीश रावत ने भी उत्तराखंड की सियासत में लौटने की अपनी तैयारी करते हुए पंजाब के प्रभारी पद से मुक्त किए जाने की इच्छा हाईकमान को बता दी है। पुष्कर सिंह धामी के चार महीने में भाजपा के तीसरे मुख्यमंत्री बनने के बाद कांग्रेस से जुड़े वरिष्ठ सूत्रों ने कहा कि इसमें अब संदेह की गुंजाइश ज्यादा नहीं है कि हरीश रावत को राज्य की सियासत में वापस भेजा जाएगा और हाईकमान उन्हें चुनावी चेहरा बनाने की घोषणा में बहुत देर नहीं करेगा।



उत्तराखंड में मुख्यमंत्री बदले जाने पर शनिवार को नई दिल्ली में प्रेसवार्ता करते कांग्रेस के उत्तराखंड प्रभारी देवेंद्र यादव और उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रीतम सिंह (मध्य में)। प्रेट्र

संकेतों से साफ है कि हरीश रावत को उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस चुनाव समिति की कमान सौंपी जा सकती है। चुनाव के लिहाज से पार्टी की यह सबसे महत्वपूर्ण समिति होती है और अमूमन इस समिति के अध्यक्ष को पार्टी के मुख्यमंत्री उम्मीदवार के रूप में देखा जाता है। वैसे उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस में भी बदलाव की संभावना से इन्कार नहीं किया जा रहा। प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह को विधायक दल के नेता के तौर पर सूबे में नेता विपक्ष बनाने के विकल्प पर चर्चा हुई है। हालांकि रावत के प्रदेश में लौटने की संभावनाओं को देखते हुए प्रीतम सिंह अध्यक्ष बने रहने में ही अपनी बेहतरी देख रहे हैं। इंदिरा हृदयेश के निधन के बाद कांग्रेस नेतृत्व विधायक दल के नए नेता की नियुक्ति में चुनाव को देखते हुए कोई जोखिम लेना नहीं चाहता और इसलिए प्रदेश के पार्टी के सभी गुटों को साधने का प्रयास किया जा रहा है।

रावत के बाद ममता की कुर्सी पर भी मंडरा सकता है 'संवैधानिक संकट'

राज्य ब्यूरो कोलकाता



ममता बनर्जी की फाइल फोटो।

उत्तराखंड में मुख्यमंत्री पद से तीरथ सिंह रावत के इस्तीफे के बाद क्या बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की कुर्सी पर भी संवैधानिक संकट मंडरा सकता है? अब ऐसे सवाल सियासी गलियारों में उठने लगे हैं। भले ही रावत के इस्तीफे को राजनीतिक रणनीति से भी जोड़कर देखा जा रहा है, लेकिन यह बात भी सच है कि उनके इस्तीफे के पीछे संवैधानिक संकट भी था। कुछ ऐसी ही परिस्थिति का सामना ममता बनर्जी और उनके कुछ मंत्रियों को भी करना पड़ सकता है। दूसरी ओर, तृणमूल के राज्यसभा सदस्य सुखेंदु शेखर रॉय ने कहा कि दोनों राज्यों के हालात की तुलना नहीं की जा सकती।

चार मई को ली थी सीएम पद की शपथ : ममता बनर्जी भी विधानसभा की सदस्य नहीं हैं। ममता ने चार मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उन्हें शपथ लेने के छह महीने के भीतर सदन का सदस्य बनना जरूरी है और यह संवैधानिक बाध्यता भी है। ममता बनर्जी ने उपचुनाव लड़ने के लिए अपनी पुरानी भवानीपुर सीट खाली भी करा ली है, लेकिन वह विधानसभा का सदस्य तभी बन पाएंगी जब छह माह की अवधि के अंदर चुनाव कराए जाएंगे। कोरोना महामारी की वजह से फिलहाल चुनावी प्रक्रिया स्थगित की है। चुनाव कब होंगे इसको लेकर फैसला चुनाव आयोग को करना है। अगर चुनाव आयोग चार नवंबर तक चुनावी प्रक्रिया को खत्म करने का निर्णय नहीं लेता है तो ममता की कुर्सी पर भी खतरा हो सकता है। हालांकि बंगाल सरकार ने चुनाव आयोग से रिक्त विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए आग्रह किया है। आयोग ने कल दो राज्यसभा सीटों पर चुनाव के लिए ममता सरकार से प्रतिक्रिया मांगी है।

ममता ने हालात को समझते हुए विधान परिषद के गठन वाला रास्ता निकालने की कोशिश की है। छह जुलाई को सरकार विधान परिषद बनाने की सिफारिश की जांच के लिए तदर्थ समिति की रिपोर्ट पर चर्चा और आगामी बजट सत्र में इसे पारित करने के लिए पेश करेगी। हालांकि यह केंद्र की मंजूरी के बगैर संभव नहीं है। वहीं, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष ने कहा है कि ममता बनर्जी विधायक नहीं हैं लेकिन मुख्यमंत्री के पद पर आसीन हैं। लिहाजा नैतिकता के आधार पर उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

नए आदेश से मुश्किल में भाजपा विधायक

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : कोलकाता स्थित विधानसभा सदस्य (एमएलए) हास्टल में सुरक्षाकर्मियों के हथियार लेकर घुसने पर रोक लगा दी गई है। विधानसभा सचिवालय के इस निर्देश से भाजपा विधायक मुश्किल में हैं, क्योंकि एमएलए हास्टल में ठहरे लगभग सभी भाजपा विधायकों को केंद्रीय सुरक्षा मिली हुई है। विधानसभा का सत्र शुक्रवार से शुरू हो गया है इसलिए ये विधायक एमएलए हास्टल में रहने आए हैं। नए नियम से उन्हें परेशानी हो रही है। इस पर भाजपा विधायक व विधानसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक मनोज तिग्गा ने कहा कि जब नियम बना है तो हमें उसे स्वीकार करना होगा। हर बात का विरोध करने से कोई फायदा नहीं है। मैं इस बारे में विधानसभा अध्यक्ष से बाद में बात करूंगा।

विस सचिवालय ने जारी किया आदेश: राज्य ने मंत्रियों से लेकर विधायकों तक सभी के सुरक्षाकर्मियों को निर्देश दिया है कि वे छोटे-बड़े, सभी तरह के हथियार जमा करके हास्टल में प्रवेश करें।

उप्र में कांग्रेस ने फिर बदले 15 जिला और शहर अध्यक्ष

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : उप्र में तीन दशक में बेहद कमजोर हो चुके संगठन को कांग्रेस अब विधानसभा चुनाव 2022 के लिए बिल्कुल दुरुस्त कर लेना चाहती है। महीनों की कसरत के बाद बनाये गए जिला और शहर अध्यक्षों के कामकाज की लगातार समीक्षा प्रदेश स्तर से हो रही है। पंद्रह जिला और शहर अध्यक्षों के काम से असंतुष्ट पार्टी ने उन्हें हटाकर उनके स्थान पर नए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी है।

पिछले चुनावों में करारी हार के बाद कांग्रेस इस निष्कर्ष पर पहुंची थी कि कमजोर संगठन की वजह से पार्टी की यह स्थिति हुई। इसे देखते हुए ही 2019 के बाद से राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने नए सिरे से संगठन को खड़ा करना शुरू किया। जिलों और शहरों से अध्यक्ष पद के नाम छांटे गए। फिर प्रियंका ने भी उनके बारे में फीडबैक लिया था।

कैप्टन के फार्म हाउस का घेराव करने पहुंचे आप कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

बिजली बना मुद्दा

▶ प्रदर्शन कर रहे आप कार्यकर्ताओं पर की पानी की बौछार

▶ सांसद भगवंत मान और चीमा सहित दर्जनों कार्यकर्ता हिरासत में

पंजाब में गहराए बिजली संकट के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी ने शनिवार को मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के न्यू चंडीगढ़ के सिसवां स्थित फार्म हाउस का घेराव करने की कोशिश की। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने पहले वाटर कैनन से पानी की बौछार की। जब इस पर भी वे नहीं माने तो लाठीचार्ज किया, जिसमें कई कार्यकर्ताओं को हल्की चोटें आईं। इस दौरान पार्टी सांसद भगवंत मान, विपक्ष के नेता हरपाल चीमा, कई विधायकों सहित दर्जन भर कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया गया।

इससे पहले शनिवार सुबह बद्दी सिसवां रोड पर आम आदमी पार्टी ने रैली निकाली, जिसे संबोधित करते हुए पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सांसद भगवंत मान ने कहा कि पंजाब के लोग देश में सबसे महंगी बिजली 10 रुपये प्रति यूनिट खरीद रहे हैं। फिर भी बिजली नहीं मिल रही। मान ने कहा कि बादल सरकार के समय पंजाब विरोधी समझौतों पर हस्ताक्षर करने वाले अधिकारी ही आज कैप्टन के मुख्य सलाहकार हैं। विपक्ष के नेता हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि घातक समझौतों के कारण सूबे का सरकारी खजाना प्राइवेट बिजली कंपनियों से लुटवाया जा रहा है।

भगवंत मान व चीमा सहित सहित 200 लोगों पर मामला दर्ज : मोहाली की मुल्लांपुर पुलिस ने प्रदर्शन करने वाले आप सांसद भगवंत मान, नेता प्रतिपक्ष सहित 200 लोगों पर आपदा प्रबंधन एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

तृणमूल कांग्रेस ने राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा

राज्य ब्यूरो, कोलकाता: राजभवन और बंगाल सरकार के बीच लगातार जारी टकराव के बीच अब तृणमूल कांग्रेस (तृकां) का एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल पद से जगदीप धनखड़ को हटाने की मांग को लेकर अगले हफ्ते राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द से मुलाकात कर सकता है। राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा गया है। तृणमूल प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भी राष्ट्रपति से मिलने जाने की संभावना है।

तृणमूल के सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी है। पार्टी के वरिष्ठ सांसद व प्रवक्ता सौगत राय ने इस बारे में पूछे जाने पर जागरण को बताया कि राज्यपाल को हटाने के मुद्दे पर मुलाकात के लिए राष्ट्रपति से समय मांगा गया है। उम्मीद है कि समय मिलने के बाद अगले हफ्ते तृणमूल का संसदीय प्रतिनिधिमंडल उनसे मुलाकात करेगा।

तृणमूल कांग्रेस विधायक बोले, राजनीति में आना भूल थी

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

आमतौर पर विधायक बनने के बाद आपने नेताओं को वीआइपी संस्कृति का आनंद लेते और सत्तासुख भोगते देखते होगा, लेकिन क्या हो अगर कोई जनता का दुख-दर्द देखने और उसे दूर न कर पाने की मजबूरी के कारण चुनाव जीतने के दो महीने बाद ही कह दे कि राजनीति में आना उसकी भूल थी। बंगाल में ऐसा ही हुआ है। दो महीने पहले हुगली जिले की बालागढ़ विधानसभा सीट से निर्वाचित हुए तृणमूल विधायक मनोरंजन व्यापारी ने फेसबुक पर एक भावनात्मक बयान पोस्ट किया है जिसमें कहा है, 'राजनीति में आना मेरी भूल थी। मुझे राजनीति में नहीं आना चाहिए था।' उनके इस बयान ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने लिखा है, 'पिछले दो महीने में मैं अपने क्षेत्र में काफी लोगों से मिला हूं। लोगों को लग रहा है कि मैं शक्तिमान की तरह उनकी हर समस्या का समाधान तुरंत कर दूंगा।

भाजपा समर्थक के पिता को टीका लगाने से इन्कार

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के बाद लगातार तीसरी बार बंगाल की सत्ता पर काबिज हुई ममता बनर्जी के राज में राजनीतिक प्रतिशोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब एक बुजुर्ग को घंटों लाइन में लगने के बावजूद कोरोना का टीका लगाने से मना करने का मामला शनिवार को सामने आया है। भाजपा नेता स्वपन दासगुप्ता ने इसको लेकर ट्वीट कर कहा कि हुगली जिले के तारकेश्वर के रामनगर पूर्व पंचायत में एक बुजुर्ग व्यक्ति की डरावनी कहानी, जिन्हें तीन घंटे कतार में लगने के बावजूद इसलिए टीकाकरण से मना कर दिया गया क्योंकि उनका बेटा भाजपा समर्थक है।

सुवेंदु अधिकारी से मुलाकात नहीं की : तुषार मेहता

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी से बीते दिनों अपने आधिकारिक आवास पर मुलाकात की बात से इन्कार किया है। तृणमूल कांग्रेस ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मेहता को हटाये जाने की मांग की है।

सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि जब मेरे कर्मचारी ने मुझे उनके आने की सूचना दी तो मैंने अपने कर्मचारी से अनुरोध किया कि वह सुवेंदु अधिकारी से कह दें कि मैं उनसे मिलने में असमर्थ हूं और इतनी देर इंतजार करने के लिए माफी चाहता हूं। अधिकारी से मुलाकात का सवाल ही नहीं उठता। सुवेंदु ने भी बैठक से इन्कार करते हुए कहा था कि वह राज्य में चुनाव के बाद की हिंसा से संबंधित एक मामले को लेकर दिल्ली में मेहता के आवास पर गए थे लेकिन उनसे नहीं मिल सके।

प. उप्र की 14 में से 13 सीटों पर भाजपा को विजय मिली

प्रथम पृष्ठ से आगे

कृषि कानून विरोधी आंदोलन के झंडाबरदार राकेश टिकैत के मुजफ्फरनगर सहित आसपास की बाकी सीटों पर भाजपा की जीत के मायने हैं कि कृषि कानून विरोधी आंदोलन पूरी तरह बेअसर है। अवध क्षेत्र भगवा खेमे का अभेद्य किला साबित हुआ, जहां सभी 13 सीटें जीत लीं। कानपुर-बुंदेलखंड की 14 में से मात्र एक इटावा सीट सपा के खाते में गई, जबकि 13 पर भाजपा ने कब्जा जमाया है। पूर्वांचल की आजमगढ़, संतकबीरनगर और बलिया सहित बृज क्षेत्र की एटा पर सपा मुखिया अखिलेश यादव की रणनीति कारगर रही। यह सभी सीटें अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित थीं। हालांकि, पार्टी संरक्षक मुलायम सिंह यादव के लोकसभा क्षेत्र मैनपुरी सहित सपाई गढ़ माने जाने वाले कन्नौज, फीरोजाबाद व बदायूं में भाजपा की जीत, सपा के लिए झटका है। राष्ट्रीय लोकदल भी अपने गढ़ बागपत की एक सीट जीत सकी। भाजपा ने अपने सहयोगी अपना दल के लिए जौनपुर और सोनभद्र सीट छोड़ी थी, जिसमें से सोनभद्र अपना दल ने जीत ली, जबकि जौनपुर निर्दल प्रत्याशी ने छीन ली। प्रतापगढ़ में कांग्रेस ने अपना प्रत्याशी उतारने की बजाए जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के प्रत्याशी को समर्थन दिया। यह सीट जनसत्ता दल लोकतांत्रिक ने जीत ली। वहीं, बसपा तो पहले ही इस लड़ाई से किनारा कर चुकी थी, जबकि कांग्रेस बेहतर प्रदर्शन के दावे करती रही, जिला पंचायत सदस्य ही इतने कम जीते कि अध्यक्ष पद पर रायबरेली के अलावा कहीं भी प्रत्याशी उतारने की हिम्मत नहीं जुटा सकी।

हालांकि, कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी के संसदीय क्षेत्र रायबरेली में भी साफ हो गई। वहीं, जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में मिली करारी हार के बाद समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सत्तारूढ़ दल ने सभी लोकतांत्रिक मान्यताओं का तार-तार करते हुए स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव को मजाक बना दिया। सत्ता का ऐसा बदरंग चेहरा पहले कभी नहीं देखा गया। भाजपा ने अपनी हार को जीत में बदलने के लिए मतदाताओं का अपहरण किया और उन्हें मतदान से रोकने के लिए पुलिस और प्रशासन के सहारे बल प्रयोग जैसे अनैतिक काम किए हैं। कई स्थानों पर जबरदस्ती हेल्पर देकर अपने पक्ष में मतदान करा लिया। सपा अध्यक्ष ने कहा कि जनादेश के अपहरण के लिए भाजपा सरकार ने सभी हदें पार कर दीं।

राजस्थान के विवाद का हल निकालने को कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष बदला जाएगा

नरेन्द्र शर्मा, जयपुर: राजस्थान कांग्रेस का सियासी संग्राम खत्म करने के लिहाज से प्रदेशाध्यक्ष बदलने सहित सत्ता व संगठन से जुड़े सभी फैसले करने को लेकर पार्टी आलाकमान ने कसरत शुरू कर दी है। सबसे पहले प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मौजूदा अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के स्थान पर किसी दूसरे नेता को यह जिम्मेदारी सौंपे जाने पर विचार किया जा रहा है।

राष्ट्रीय नेताओं के एक समूह का मानना है कि पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को एक बार फिर प्रदेशाध्यक्ष बना दिया जाए। वह पहले भी प्रदेशाध्यक्ष थे, लेकिन पिछले साल बगावत के समय उन्हें हटाकर डोटासरा को यह पद सौंप दिया था। डोटासरा राज्य सरकार में शिक्षा मंत्री होने के साथ ही सीएम के विश्वस्त हैं, लेकिन उनके रूखे व्यवहार के कारण कई विधायक और नेता नाराज हैं। शिकायत आलाकमान तक भी पहुंची है। ऐसे में पायलट के नाम पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, वह प्रदेशाध्यक्ष बनने को तैयार नहीं हैं। पायलट के साथ ही कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य रघुवीर मीणा और राज्य के कृषि मंत्री लालचंद कटारिया के नाम पर भी विचार हो रहा है।

878 करोड़ रुपये की कार्ययोजना तैयार की है पंजाब सरकार ने धान की पराली जलाने के रुझान को खत्म करने के लिए। 235 करोड़ रुपये की इसकी पहली किस्त मंजूर की जा चुकी है।

छत्तीसगढ़ में सड़क निर्माण में लगे मजदूरों को नक्सलियों ने पीटा, मुंशी की मौत

वारदात ▸ नारायणपुर में छह वाहनों को लगाई आग, राकेट लांचर भी दागे

नईदुनिया, नारायणपुर

छत्तीसगढ़ में नारायणपुर जिला मुख्यालय से लगभग 50 किमी दूर ओरछा और छोटे डोंगर के बीच आमदई घाटी में एक कंपनी द्वारा कराए जा रहे सड़क निर्माण के दौरान शनिवार सुबह नक्सलियों ने हमला कर दिया। उन्होंने कंपनी के मुंशी को पीट-पीटकर मार डाला। घबराकर सभी मजदूर भाग गए। इसके बाद नक्सलियों ने चार पोकलेन मशीनों और दो हाइवा को आग लगा दी। भागने से पहले उन्होंने करीब डेढ़ किलोमीटर दूर स्थित सुरक्षाबलों के कैंप की ओर राकेट लांचर भी छोड़ा, जो कि फटा नहीं। वारदात के बाद मौके पर पहुंचे फोर्स के जवान नक्सलियों की तलाश में जुटे हुए थे। वहीं, नारायणपुर जिले के एक अन्य मामले में फोर्स ने दो नक्सलियों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है।

दरअसल, आमदई घाटी के लौह अयस्क की खदान तक पहुंचने के लिए सड़क का निर्माण किया जा रहा है। इसके दोनों छोर पर सुरक्षाबलों के दो कैंप खोले गए हैं। शनिवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे हथियारबंद कई नक्सली सड़क निर्माण स्थल पर पहुंचे और मजदूरों व मुंशी दुर्ग निवासी प्रदीप शील की पिटाई शुरू कर दी। प्रदीप को इतना पीटा कि उसकी मौत हो गई। बाकी मजदूर भागने में सफल हो गए। एएसपी नीरज चंद्राकर ने बताया कि पुलिस ने नक्सलियों की जंगल में तलाश की है। गौरतलब है कि नक्सली आमदई स्थित खदान के आवंटन का विरोध करते रहे हैं। कुछ साल पहले भी नक्सलियों ने इसी खदान में काम कर रहे दो सुपरवाइजरों की हत्या कर दी थी। तलाशी के दौरान तुलकुडूम के जंगल से नक्सली संतूराम मंडावी (25) और बुधराम उर्फ जागेश अटामी (25) को गिरफ्तार किया है।

महाराष्ट्र और छग के नक्सलियों को डिंडौरी में घेरेगी मप्र पुलिस

मोहम्मद रफीक, भोपाल

मध्य प्रदेश में करीब 20 साल में तीसरे जिले डिंडौरी को नक्सल प्रभावित घोषित किया गया है। हाल ही में डिंडौरी को नक्सल प्रभावित घोषित करने के पीछे मध्य प्रदेश पुलिस की रणनीति यह है कि महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ से आने वाले नक्सलियों को यहां के जंगलों में घेरा जाए। मध्य प्रदेश के बालाघाट और मंडला जिले को नक्सली सुरक्षित ठिकाने के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। यहां पुलिस का दबाव बढ़ने पर डिंडौरी होते हुए नक्सली सुरक्षित कारिडोर के जरिये महाराष्ट्र या छत्तीसगढ़ में भाग जाते हैं।

नक्सली गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए रणनीति तैयार की गई है। नक्सल प्रभावित जिला घोषित होने से केंद्र सरकार से भी मदद मिलेगी। नक्सलियों को पकड़ने के लिए पुलिस लगातार काम कर रही है। - **साजिद फरीद शापू, पुलिस महानिरीक्षक, एंटी नक्सल आपरेशन, मध्य प्रदेश**

अब डिंडौरी के जंगलों में पुलिस कैंप लगाएगी और नक्सली सूचनाओं के लिए नेटवर्क का विस्तार करेगी। प्रदेश में अभी तक बालाघाट और मंडला नक्सल प्रभावित जिले थे। हाल ही में डिंडौरी को नक्सल प्रभावित जिला घोषित करने संबंधी मप्र पुलिस के प्रस्ताव को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है।

यह रहता है नक्सलियों का रूट: महाराष्ट्र के दड़ेकसा से नक्सलियों का मूवमेंट शुरू होता है। यहां से जंगल के रास्ते वे छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव और कवर्धा तक पहुंचते हैं। मध्य प्रदेश में कान्हा नेशनल पार्क के इलाके से नक्सलियों ने एक कारिडोर बना लिया है। वे गढ़ी-मोतीनाला और अमरकंटक-अनूपपुर होते घुस आते हैं। मप्र के इन जंगलों को बारिश में नक्सली सुरक्षित ठिकाने के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। एक तरह से यह कारिडोर तीन राज्यों में नक्सली आवाजाही का प्रमुख मार्ग है।

जम्मू में ड्रोन देखे जाने पर पुलिस ने चलाया अभियान

जासं, जम्मू : जम्मू शहर के बाहरी इलाके शामाचक्क में शनिवार देर शाम को ड्रोन देखे जाने की सूचना के बाद पुलिस मुस्तैद हो गई। इसके बाद पुलिस ने सर्च आपरेशन भी चलाया, लेकिन कहीं पर ड्रोन का पता नहीं चला। थाना प्रभारी का कहना है कि क्षेत्र की एक महिला ने फोन कर उन्हें ड्रोन देखे जाने की सूचना दी थी। गौरतलब है कि जम्मू संभाग में बीते एक सप्ताह में 10 बार ड्रोन देखे जाने की सूचनाएं मिली हैं। कानाचक्क के थाना प्रभारी विश्वप्रताप सिंह का कहना है कि केवल एक ही महिला ने ड्रोन देखे जाने की जानकारी दी। शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अरनिया में ड्रोन देखा गया था, जिसके बाद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने उस पर फायरिंग की थी।

पुंछ में एलओसी पर घुसपैठिया गिरफ्तार: पुंछ जिले के गुलपुर सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार कर भारतीय क्षेत्र में घुसे 65 वर्षीय गुलाम कश्मीर के नागरिक को सेना के जवानों ने गिरफ्तार कर लिया। शनिवार सुबह साढ़े छह बजे पुंछ जिले के गुलपुर सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर तैनात सेना की जीआर बटालियन के जवानों ने तारबंदी के पार भारतीय इलाके में झाड़ियों के बीच हरकत देखी। उन्होंने नियंत्रण रेखा पार कर भारतीय क्षेत्र में पहुंचे 65 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया।

अखलाक उर्फ अखिलेश फरार, कोर्ट में दर्ज होगा युवती का बयान

जागरण संवाददाता, बरेली

पहचान बदलकर दूसरे संप्रदाय की युवती से प्रेम का नाटक करने वाला अखलाक परिवार समेत फरार है। शनिवार को भी पुलिस उस तक नहीं पहुंच सकी। आरोपित के मददगार के तौर पर एक स्थानीय कांग्रेस नेता का नाम भी चर्चा में आया, हालांकि पुलिस ने अभी इसे जांच में शामिल नहीं किया है। सोमवार को कोर्ट में पीड़ित के बयान होंगे। उसी आधार पर जांच आगे बढ़ेगी।

बरेली के हाफिजगंज निवासी युवती का आरोप था कि दो साल पहले अखलाक ने खुद को अखिलेश बताकर दोस्ती की। इसके बाद शादी करने की बात कहकर घर से ले गया। उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर के किच्छा में किराये के मकान में रखा। बाद में पता चला कि वह दूसरे संप्रदाय का है तो पीड़िता ने पुलिस कार्रवाई की बात कही। इससे बचने के लिए उसने शादी का नाटक किया। दो साल साथ रखने के बाद जून में वहां से भाग निकला।

युवती का अपहरण कर मतांतरण कराने की कोशिश

जासं, बहराइच : बहराइच में एक युवती का विशेष समुदाय के दबंग युवक ने साथियों की मदद से अपहरण कर लिया और उसका जबरन मतांतरण कराने का प्रयास किया। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई, लेकिन पुलिस पूरे मामले को दबाती रही। छह दिन बाद पुलिस युवती को बरामद कर उसे 164 का बयान दर्ज कराने न्यायालय ले गई।

मतांतरण का मुकदमा दर्ज, आरोपित गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, बुलंदशहर : नाम बदलकर शादी का झांसा देकर मतांतरण कराने वाले संप्रदाय विशेष के युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ पीड़िता के पिता ने मुकदमा दर्ज कराया है। बुलंदशहर निवासी युवती ने बताया कि वह एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ाती है। दो वर्ष पूर्व उसकी मुलाकात एक गांव निवासी युवक से हुई थी। उसने अमन नाम बताकर उसे प्रेमजाल में फंसा लिया और शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने लगा। पीड़िता ने बताया कि कुछ दिन पूर्व आरोपित ने एक मदरसे में ले जाकर उसका मतांतरण करा दिया। इसके बाद उसे युवक के संप्रदाय विशेष का होने का पता चला। मतांतरण कराने के बाद आरोपित ने शादी से इन्कार कर जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया। पीड़िता से पचास हजार रुपये भी ठग लिए।

तोड़ी जाएगी अमिताभ बच्चन के बंगले 'प्रतीक्षा' की दीवार

राज्य ब्यूरो, मुंबई

- संत ज्ञानेश्वर मार्ग को चौड़ा करने के लिए बंगले की दीवार को तोड़ा जाएगा
- 2017 में ही अमिताभ को बीएमसी ने भेज दिया था नोटिस

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) अभिनेता अमिताभ बच्चन के जुहू स्थित बंगले 'प्रतीक्षा' की एक तरफ की दीवार तोड़ने की तैयारी कर रही है। यह दीवार तोड़ने के लिए 2017 में ही अमिताभ बच्चन को बीएमसी ने नोटिस भेज दिया था। लेकिन बच्चन ने इस नोटिस का जवाब अभी तक नहीं दिया है।

बीएमसी ने मुंबई उपनगरीय कलेक्ट्रेट के सर्वे अधिकारियों को प्रतीक्षा के तोड़े जाने वाले हिस्से को चिह्नित करने के निर्देश दे दिए हैं। इस बंगले की दीवार संत ज्ञानेश्वर मार्ग को चौड़ा करने के लिए तोड़ी जा रही है। यह मार्ग प्रतीक्षा से शुरू होकर इस्कान मंदिर की ओर जाता है। जुहू में बच्चन परिवार द्वारा खरीदा गया यह पहला बंगला है। इसके अलावा इसी क्षेत्र में अमिताभ के तीन और बंगले हैं। विले पार्ले से जेडब्ल्यू मैरिएट की ओर जानेवाले मार्ग पर उनका दूसरा बंगला जलसा स्थित है, जिसमें पूरा बच्चन परिवार रहता है। अपने प्रशंसकों को दर्शन भी वह इसी बंगले की बालकनी से देते हैं। उनका तीसरा बंगला जनक भी जलसा से चंद कदमों की दूरी पर है, जिसका उपयोग कार्यालय के रूप में किया जाता है। अमिताभ बच्चन के पिता हरिवंशराय बच्चन एवं माता तेजी बच्चन का ज्यादा समय प्रतीक्षा में ही गुजरा है।

जुहू के संत ज्ञानेश्वर मार्ग की चौड़ाई फिलहाल सिर्फ 45 फुट है। बीएमसी इसकी चौड़ाई बढ़ाकर 60 फुट करना चाहती है, ताकि यहां आए दिन लगने वाले जाम से छुटकारा मिल सके। इस रोड को चौड़ा करने के दायरे में दो बंगले आ रहे हैं। एक अमिताभ बच्चन का प्रतीक्षा, दूसरा उद्योगपति केवी सत्यमूर्ति का बंगला। सत्यमूर्ति के बंगले का ज्यादा हिस्सा इस दायरे में आ रहा है। इसलिए उन्होंने बीएमसी का नोटिस मिलने के बाद कोर्ट का रुख किया था। कोर्ट से स्थगन मिलने के बाद बीएमसी ने मार्ग को चौड़ा करने का काम रोक दिया। पिछले वर्ष बीएमसी के प्रयास पर कोर्ट ने स्थगन हटा लिया।

वाल्मीकि समाज ने कहा, प्रदर्शनकारियों के रूप में मौजूद गुंडों को हटाया जाए

फूटा गुस्सा

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद

भाजपा के दलित पदाधिकारी अमित वाल्मीकि के काफिले पर हुए हमले के खिलाफ अब वाल्मीकि समाज सड़क पर उतर आया है। गाजियाबाद के यूपी गेट पर धरना दे रहे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ खोड़ा में शनिवार दोपहर वाल्मीकि समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया। लोगों ने भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत का पुतला फूंका। वाल्मीकि समाज के लोगों का कहना था कि यूपी गेट पर प्रदर्शनकारियों की आड़ में गुंडे बैठे हैं। इन्हें जल्द ही सरकार ने नहीं हटाया तो समाज पूरे देश में आंदोलन करेगा। उधर, लोनी में भी वाल्मीकि समाज के लोगों ने राकेश टिकैत के पुतले की शव यात्रा निकालते हुए यूपी गेट पर बैठे प्रदर्शनकारियों का विरोध किया।

बीते बुधवार को भाजपा के प्रदेश मंत्री अमित वाल्मीकि के काफिले पर यूपी गेट पर प्रदर्शनकारियों ने हमला करते हुए 40 से अधिक गाड़ियां तोड़ दी थीं। इसके खिलाफ लगातार भाजपा और वाल्मीकि समाज के लोग धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं।

सफाई व्यवस्था होगी बंद: अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा के पदाधिकारी राजेंद्र वाल्मीकि ने कहा कि एक ओर समाज के लोग यूपी गेट पर जारी इनके प्रदर्शन की सफाई व्यवस्था में जुटे हैं। दूसरी ओर, प्रदर्शनकारी उनके समाज के लोगों पर हमला कर रहे हैं। अगर जल्द से जल्द इन गुंडों को यहां से नहीं हटाया गया तो वे यूपी गेट पर सफाई व्यवस्था बंद कर देंगे। मामले में जल्द ही समाज की महापंचायत होगी। जिसमें देशव्यापी आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

पवार के कृषि कानूनों पर बयान का तोमर ने किया स्वागत

नई दिल्ली, एएनआइ : केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है कि वह केंद्रीय कृषि कानूनों के बारे में पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार के बयान का स्वागत करते हैं। तोमर ने कहा, 'मैं पूर्व कृषि मंत्री शरद पवार के बयान का स्वागत करता हूं जिसमें उन्होंने कहा कि सभी कानूनों को बदलने की जरूरत नहीं है। जिन प्रविधानों के खिलाफ आपत्तियां हैं उनमें विचार-विमर्श के बाद बदलाव किया जाना चाहिए। मैं उनके रुख का स्वागत करता हूं। केंद्र सरकार उनसे सहमत है। हम चाहते हैं कि मामले का जल्द से जल्द समाधान हो जाए।'

प्रदर्शनकारियों से आग्रह है घर लौट जाएं : पीयूष गोयल

'प्रेट्र' के मुताबिक, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कृषि कानून विरोधी प्रदर्शनकारियों से घर लौटने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि कानून किसान हितैषी हैं और देशभर के किसानों ने इनका स्वागत किया है। प्रदर्शनकारी अपने सुझाव दे सकते हैं।

हलाल मीट प्रकरण में वेल्हम स्कूल प्रबंधन ने मांगी माफी

विवाद

जागरण संवाददाता, देहरादून

दून के प्रतिष्ठित वेल्हम ब्वायज स्कूल प्रबंधन ने स्कूल की कैंटीन के लिए हलाल मीट की टेंडर प्रक्रिया के मामले में कानूनी शिकंजा कसने के बाद शनिवार को माफी मांग ली और टेंडर निरस्त कर दिया। स्कूल प्रबंधन के अनुसार हलाल मीट के लिए नया टेंडर जारी किया जाएगा, जिसमें ऐसी कोई शर्त नहीं होगी, जिससे किसी की भावनाएं आहत हों। प्रबंधन ने पूरे प्रकरण की जांच के लिए आंतरिक कमेटी भी गठित कर दी है।

पिछले दिनों वेल्हम ब्वायज स्कूल की तरफ से कैंटीन के लिए हलाल मीट की आपूर्ति की टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई थी। बजरंग दल की महानगर इकाई ने इस पर आपत्ति जताते हुए स्कूल प्रबंधन के खिलाफ पुलिस में तहरीर दी थी। आरोप लगाया कि मतांतरण की लालसा को पूरा करने के लिए ऐसा किया। यही नहीं, ऐसा करके सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की भी कोशिश की गई। इसके बाद पुलिस ने स्कूल के प्रबंधक, प्रधानाचार्य और उप प्रधानाचार्य के खिलाफ सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का मुकदमा दर्ज किया था।

नई टेंडर प्रक्रिया आज: कानून का शिकंजा कसता देख शनिवार को स्कूल प्रबंधन ने पूरे प्रकरण पर सफाई पेश कर माफी मांग ली। कहा कि मामले की जांच के लिए स्कूल के स्तर पर एक कमेटी बनाई गई है, जो देखेगी कि चूक किस स्तर पर हुई। सोमवार को कमेटी की बैठक हुई। जांच पूरी होने के बाद कमेटी की रिपोर्ट पुलिस को सौंपी जाएगी। प्रबंधन ने बताया कि पूर्व में जारी टेंडर को रद कर दिया गया है। रविवार को नए सिरे से टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। प्रबंधन ने यह भी कहा कि किसी भी संप्रदाय की भावनाओं को आहत करना स्कूल का उद्देश्य नहीं है।

पुलिस जल्द शुरू करेगी पूछताछ: डालनवाला कोतवाली पुलिस जल्द ही वेल्हम ब्वायज स्कूल प्रबंधन से पूछताछ करेगी। शनिवार को प्रबंधक, प्रधानाचार्य और उप प्रधानाचार्य से इस संबंध में पूछताछ की जानी थी, लेकिन व्यस्तता के चलते पुलिस बयान दर्ज नहीं कर सकी।

उल्फा से वार्ता करने को बीच का रास्ता निकलने की उम्मीद : हिमंता

नई दिल्ली, प्रेट्र : असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने शनिवार को कहा कि वह प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन उल्फा के साथ शांति वार्ता शुरू करने के लिए बीच का रास्ता तलाशने को लेकर आशान्वित हैं, इसके बावजूद कि उल्फा 'असम की संप्रभुता' को वार्ता के केंद्र में रखना चाहता है और बतौर सीएम मैंने 'भारत की संप्रभुता' की रक्षा की शपथ ली है। उन्होंने कहा, 'हम बहुत ही अजीब स्थिति में हैं। उल्फा सरगना (परेश बरुआ) असम की संप्रभुता के मुद्दे पर अड़ा है, जबकि मैंने देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। बातचीत शुरू करने के लिए या तो उसे अपना रुख बदलना होगा या मुझे अपनी शपथ का उल्लंघन करना पड़ेगा। हमें बीच का रास्ता खोजना होगा।' सरमा ने कहा कि 'कुछ लोग' बरुआ से बात कर रहे हैं ताकि वे उल्फा 'संप्रभुता' संबंधी अपनी शर्त को छोड़ते हुए वार्ता के लिए तैयार हो जाएं।

आमिर खान और किरण ने लिया तलाक, हुए अलग



यादें... बीच सफर में ही छूट गया आमिर खान और उनकी पत्नी किरण राव का साथ। फाइल फोटो

एंटरटेनमेंट ब्यूरो, मुंबई

अभिनेता आमिर खान और उनकी पत्नी किरण राव ने शनिवार की सुबह एक-दूसरे से तलाक लेने का एलान करते हुए अपने प्रशंसकों को चौंका दिया। 15 वर्षों से ज्यादा समय तक पति-पत्नी के रूप में साथ रहने के बाद आमिर और किरण ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है।

दोनों ने संयुक्त रूप से जारी बयान में कहा, इन खूबसूरत 15 वर्षों में हमने एक साथ हंसी-खुशी से हर पल को जिया और हमारा रिश्ता विश्वास, सम्मान और प्यार के साथ आगे बढ़ता रहा। अब हम अपनी जिंदगी का नया अध्याय शुरू करना चाहेंगे, जिसमें हम पति-पत्नी की तरह नहीं, बल्कि को-पैरेंट (माता-पिता) और एक-दूसरे के परिवार की तरह होंगे। हमने कुछ समय पहले ही अपने अलगाव की योजना तैयार कर ली थी और अब हम अलग रहने में सहज हैं। हम बेटे आजाद के लिए को-पैरेंट्स बने रहेंगे और उसका पालन-पोषण साथ ही करेंगे। इसके अलावा हम फिल्मों, पानी फाउंडेशन और अपनी रुचि के सभी प्रोजेक्ट्स पर साथ-साथ काम करते रहेंगे।

विश्वभारती में आगंतुकों की निगरानी का निर्देश, विभागाध्यक्षों का इस्तीफा

राज्य ब्यूरो, कोलकाता: बीरभूम जिले के शांतिनिकेतन स्थित विश्वभारती विश्वविद्यालय के शिक्षा भवन में विज्ञान विभाग के प्रमुखों ने केंद्रीय विश्वविद्यालय के अधिकारियों द्वारा अपने-अपने परिसर में आगंतुकों पर निगाह रखने के लिए कहे जाने के बाद इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों के अनुसार, हाल में रसायन विभाग से नल का पाइप चोरी होने के बाद शिक्षा भवन के प्रधानाचार्य प्रोफेसर ताराप्रसाद चट्टोपाध्याय ने विभागाध्यक्षों से आगंतुकों को नियंत्रित करने की अपील की। विभागाध्यक्षों को नियमित रूप से आगंतुकों के विवरण से रजिस्ट्रार को अवगत कराने के लिए कहा गया। विभाग प्रमुखों ने निर्देश का पालन करने में असमर्थता व्यक्त की और त्यागपत्र भेज दिया।

एक सूत्र ने बताया कि प्रमुखों ने अपमानित महसूस किया और कहा कि वे चौकीदार नहीं बन सकते। विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त सुरक्षाकर्मियों को इसकी जांच करनी चाहिए। खबर है कि शिक्षा भवन के प्रधानाध्यापक ने भी इस्तीफा दे दिया। अब यह विवाद लगातार बढ़ता ही जा रहा है।

सलीम, नासिर और इमरान ने रची थी साजिश

जागरण संवाददाता, शामली

दरभंगा जंक्शन पर हुए विस्फोट की प्लानिंग फरवरी माह में कैराना कस्बे (शामली, उप्र) में रची गई थी। जिसे अंजाम तक पहुंचाने के लिए हैदराबाद में पकड़े गए दोनों भाई कैराना आए थे।

बिहार के दरभंगा रेलवे जंक्शन पर 17 जून को पार्सल में विस्फोट हुआ था, जिसकी जांच एनआइए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) कर रही है। इस प्रकरण में एनआइए की टीम ने हैदराबाद में रहने वाले कैराना निवासी दो सगे भाई नासिर खान व इमरान को गिरफ्तार किया था। सूत्रों का कहना है कि दोनों भाइयों के हैदराबाद स्थित ठिकाने से बम बनाने में प्रयुक्त केमिकल के अंश एनआइए ने बरामद किए हैं। दोनों भाइयों के तार पाकिस्तान में बैठे इकबाल काना के संपर्क में रहने वाले लश्कर-ए-तैयबा के गुर्गे सलीम से जुड़े हैं। दोनों भाइयों ने चार माह पहले फरवरी में सलीम के साथ कैराना कस्बे में मुलाकात की थी। हवाला से भी लगभग डेढ़ लाख की रकम सलीम को भेजी गई थी। एनआइए ने कैराना पहुंच कर सलीम व कफील को गिरफ्तार किया था।

दरभंगा ब्लास्ट में शामली से गिरफ्तार कफील की एनआइए को मिली रिमांड

जागरण टीम, पटना

- दूसरे आरोपित की अदालत ने बीमारी के कारण नहीं दी रिमांड, हैदराबाद से गिरफ्त में आए दो से पूछताछ शुरू

दरभंगा जंक्शन ब्लास्ट मामले में उत्तर प्रदेश के शामली जिले के कैराना से गिरफ्तार हाजी सलीम और कफील को शनिवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) अदालत ने न्यायिक हिरासत में नौ जुलाई तक जेल भेज दिया। अदालत ने कफील को छह दिन की रिमांड पर लेने का आदेश दिया, जबकि बीमारी के कारण सलीम की रिमांड नहीं हुई। दोनों को बेउर जेल भेजा गया है। एनआइए की टीम दोनों को लेकर सुबह पटना पहुंची थी। इस बीच, एनआइए ने हैदराबाद से गिरफ्तार किए गए मु. नासिर खान उर्फ नासिर मलिक और इमरान मलिक उर्फ इमरान खान से शनिवार को पूछताछ शुरू कर दी। अदालत ने दोनों को शुक्रवार को सात दिन की रिमांड पर दिया था।

17 जून को हुआ था पार्सल में विस्फोट : विदित हो कि 17 जून को दरभंगा रेलवे जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या एक पर पार्सल (कपड़े की गठरी) में विस्फोट हुआ था। फोरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम ने विस्फोट में इस्तेमाल केमिकल की शीशी बरामद की थी। यह पार्सल 15 जून को सिकंदराबाद से आया था। इसी मामले में शुरुआती जांच के बाद एनआइए ने हैदराबाद और शामली से दो-दो लोगों को गिरफ्तार किया था।

बताए जा रहे मास्टरमाइंड: लश्कर-ए-तैयबा के सदस्य कहे जा रहे सलीम और कफील को दरभंगा ब्लास्ट कांड का मास्टरमाइंड माना जा रहा है। दोनों को पहले आतंकवाद रोधी दस्ता (एटीएस) आफिस ले जाया गया, जहां पूछताछ हुई। मेडिकल जांच कराने के लिए उन्हें एनआइए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश गुरविंदर सिंह मल्होत्रा की अदालत में पेश किया।

सैर-सपाटा

शिमला फिर पैक ... गुलजार हुए पर्यटन स्थल

मैदानी इलाकों में जुलाई माह में भी पड़ रही गर्मी से राहत पाने की उम्मीद में आ रहे हैं लोग, रिज, मालरोड, कुफरी व नारकंडा तक सैलानियों की भारी आमद, शोघी से लेकर शिमला तक वाहनों की कतारें

जागरण संवाददाता, शिमला

मैदानी इलाकों में जुलाई माह में भी पड़ रही गर्मी से राहत पाने के लिए हिल्सक्वीन आने के लिए सैलानी बेताब हैं। यही वजह है कि इस वीकेंड (सप्ताहांत) पर भी शनिवार को ही शिमला पैक हो गई। शुक्रवार शाम से ही सैलानी काफी संख्या में शिमला पहुंचना शुरू हो गए थे। शनिवार शाम तक ऐसी ही स्थिति रही। रिज मैदान, मालरोड, कुफरी से लेकर नारकंडा तक के पर्यटन स्थलों पर सैलानियों की काफी भीड़ रही। सुबह से शाम तक रिज मैदान पर सैलानियों की भीड़ समय के साथ बढ़ती रही।

सर्कुलर रोड को मालरोड से जोड़ने वाली पर्यटन विकास निगम की लिफ्ट में भी दिनभर सैलानियों की भीड़ रही। शनिवार को शिमला के साथ लगते पर्यटन स्थल कुफरी, नालदेहरा और नारकंडा में बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचे। चंडीगढ़, हरियाणा, पंजाब और दिल्ली से ज्यादातर सैलानी शिमला पहुंच रहे हैं। कालका से शिमला आने वाली ट्रेनों में भी सैलानी दिखने लगे हैं। शोघी से लेकर शिमला तक वाहनों की लंबी कतारें लगी देखी गईं।

होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन शिमला के अध्यक्ष संजय सूद ने बताया कि वीकेंड पर काफी संख्या में सैलानी यहां पहुंच रहे हैं। कोरोना के मामले कम होने के बाद अब पर्यटन कारोबार फिर से शुरू होता दिख रहा है।

फिर से लौट रही पुरानी रौनक: र्यटकों की आमद बढ़ने से एक बार फिर पर्यटन नगरी में पहले जैसी रौनक लौट रही है। इससे शिमला की पार्किंग फुल हो रही हैं।

सरकार की छूट के बाद बढ़े सैलानी: सरकार की ओर से कोरोना संबंधी पाबंदियों पर छूट देने के बाद काफी संख्या में पर्यटक पहाड़ों की ओर रुख कर रहे हैं। प्रतिदिन हजारों की संख्या में वाहन अन्य राज्यों से हिमाचल पहुंच रहे हैं।



कोरोना संक्रमण का डर भूलकर पहुंचे पर्यटक। जागरण

देश के सबसे ऊंचे व लंबे लेह-दिल्ली रूट पर रोमांच का सफर शुरू

जागरण संवाददाता, मनाली : देश के सबसे ऊंचे व लंबे लेह-दिल्ली रूट पर रोमांच का सफर शुरू हो गया है। लेह से शनिवार सुबह पांच बजे दिल्ली के लिए हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) की बस 25 सवारियों के साथ रवाना हुई। 17,480 फीट ऊंचे तंगलंग ला, 16,620 फीट ऊंचे लाचुंग ला व 16,020 फीट ऊंचे बारालाचा दर्रे को पार कर केलंग डिपो की यह बस सायं छह बजे लाहुल-स्पीति के जिला मुख्यालय केलंग पहुंची। एचआरटीसी का दावा है कि यह देश का सबसे ऊंचा व लंबा रूट है।

1,026 किलोमीटर लंबे इस रूट का किराया 1548 रुपये है। यात्रा की अवधि 32 घंटे रहेगी। इस बस सेवा के शुरू होने से देश-विदेश के सैलानियों को लाभ मिलेगा। लेह से मनाली होते हुए दिल्ली के लिए तीन चालक व दो परिचालक सेवाएं देंगे।

पुलिस ने किया अपमान, वापस कर देंगे सम्मान : मुनव्वर राना

जागरण संवाददाता, लखनऊ

बेटे तबरेज राना की गिरफ्तारी के लिए आधी रात को हुई पुलिस छापेमारी और स्वजन से बदसलूकी से शायर मुनव्वर राना आहत हैं। उन्होंने कहा कि अगर बेटा तबरेज दोषी है तो पुलिस उसे गिरफ्तार करे और जेल भेजे। बेटे ने यदि कोई अपराध किया है तो इसके दोषी वह और उनका परिवार नहीं है।

पुलिस ने रायबरेली में हुए गोलीकांड के बाद मशहूर शायर मुनव्वर राना के हुसैनगंज स्थित आवास पर पुलिस ने दबिश दी थी। मुनव्वर राना ने कहा कि उन्होंने हमेशा ईमानदारी से काम किया है, कोई गैरकानूनी काम नहीं किया है। उन्होंने सरस्वती की पूजा की है। 20-21 किताबें लिख चुके हैं। शायरी और कविताओं की दुनिया में अपने मुल्क का नाम रोशन किया है। कभी कोई राजनीति नहीं की। न ही किसी राजनीतिक दल से कोई मतलब रखा है। किसी का दिल नहीं दुखाया है। इस समय बीमार हैं। ऐसे में रायबरेली पुलिस द्वारा गुरुवार आधी रात को घर पर हुई छापेमारी से दुखी हैं।

भाइयों से जो विवाद है उसे न्यायालय में देखा जाएगा

भाइयों से प्रापर्टी को लेकर चल रहे विवाद के मामले में उन्होंने कहा कि जो भी विवाद है वह न्यायालय में चल रहा है। उसे कोर्ट कचहरी से हम निपटाएंगे। उसका किसी से कोई मतलब नहीं है। वह मेरा व्यक्तिगत है। बेटे ने चाचाओं को फंसाने के लिए खुद पर गोली चलाई है, हमें इसकी जानकारी नहीं है।



पुलिस कार्रवाई से दुखी शायर मुनव्वर राना। फाइल फोटो

70 फीसद सिलेबस पर होगी मैट्रिक की आफलाइन परीक्षा ओडिशा में। कोरोना संक्रमण के कारण बने हालातों की वजह से 30 फीसद पाठ्यक्रम कम किया गया है। परिणाम से असंतुष्ट विद्यार्थी आफलाइन परीक्षा दे पाएंगे।

97 दिन बाद पांच लाख से नीचे सक्रिय मामले

घटता संक्रमण ▶ भारत में महामारी की दूसरी लहर में 86 दिन बाद सबसे कम 738 मौतें

महामारी से उबरने की दर बढ़कर 97 .06 फीसद हुई, मृत्युदर 1 .31 प्रतिशत

जेएनएन, नई दिल्ली

देश में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या पांच लाख से नीचे आ गई है। दूसरी लहर में 97 दिन बाद पहली बार सक्रिय मामले पांच लाख से कम हुए हैं। यही नहीं 86 दिन बाद महामारी के चलते एक दिन में सबसे कम 738 मरीजों की मौत हुई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से शनिवार सुबह आठ बजे अपडेट किए गए आंकड़ों के मुताबिक देश में सक्रिय मामले कुल संक्रमितों का 1.62 फीसद रह गए हैं। बीते 24 घंटे के दौरान सक्रिय मामलों में 14,104 की गिरावट आई है और वर्तमान में इनकी संख्या 4,95,533 रह गई है।

मंत्रालय के मुताबिक पिछले 51 दिनों से नए मामलों से ज्यादा मरीज ठीक हो रहे हैं। अब तक 2.96 करोड़ लोग पूरी तरह से स्वस्थ हो चुके हैं। मरीजों के उबरने की दर लगातार बढ़ रही है और 97.06 फीसद पर पहुंच गई है, जबकि मृत्युदर 1.31 फीसद पर बनी हुई है।

शनिवार सुबह आठ बजे तक कोरोना की स्थिति

नए मामले	44,111
कुल मामले	3,05,02,362
मौतें	738
कुल मौतें	4,01,050
कुल सक्रिय मामले	4,95,533
ठीक होने की दर	97.06 फीसद
पाजिटिविटी दर	2.35 फीसद
मृत्यु दर	1.31 फीसद
जांचें (शुक्रवार)	18,76,036
कुल जांचें	41,64,16,463

उप्र के 36 जिलों में नहीं मिला कोरोना का एक भी रोगी

लखनऊ : उप्र में कोरोना वायरस का संक्रमण तेजी से घट रहा है। शनिवार को 36 जिलों में कोरोना का एक भी मरीज नहीं मिला। 37 जिलों में 10 से कम कोरोना के रोगी मिले। सिर्फ लखनऊ में 17 और प्रयागराज में 10 रोगी मिले। 24 घंटे में कोरोना के 112 नए रोगी मिले और दो मरीजों की मौत हुई। कोरोना से जान गंवाने वालों में एक रोगी सीतापुर व एक चंदौली का है। संक्रमण की रफ्तार धीमी होने के साथ-साथ मौत का आंकड़ा भी तेजी से कम हो रहा है। शनिवार को 2.44 लाख लोगों की कोरोना जांच की गई और अब तक कुल 5.86 करोड़ लोगों का कोरोना टेस्ट किया जा चुका है। अब एक्टिव केस घटकर 2,461 रह गए हैं।



असम के गुवाहाटी में शनिवार को एक टीकाकरण केंद्र पर कोरोना रोधी टीका लगवाता व्यक्ति। प्रेट्र

कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर के लिए तैयार होने लगा जम्मू-कश्मीर

रोहित जंडियाल, जम्मू

कोरोना संक्रमण की संभावित तीसरी लहर के लिए जम्मू कश्मीर तैयार होने लगा है। अस्पतालों में बच्चों के इलाज के लिए सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं। मेडिकल कालेजों में जहां बच्चों के लिए पेडियाट्रिक वेंटीलेटर लगाए जा रहे हैं। वहीं, डीआरडीओ (डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट आर्गेनाइजेशन) अस्पताल जम्मू में भी बच्चों के इलाज के लिए विशेष सुविधा तैयार होगी। इसमें बच्चों के लिए 25 बेड अलग से लगाए जाएंगे। इसके लिए इन दिनों तैयारी चल रही है।

कोरोना की तीसरी लहर में बच्चों और गर्भवती महिलाओं के अधिक संक्रमित होने की आशंका जताई जा रही है। इसे देखते हुए स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतना चाहता है। जम्मू संभाग के तीन नए मेडिकल कालेजों कठुआ, राजौरी और डोडा में दो-दो पेडियाट्रिक वेंटीलेटर लगाए जा रहे हैं। वहीं गांधीनगर के जच्चा-बच्चा अस्पताल के अलावा श्री महाराजा गुलाब सिंह अस्पताल (एसएमजीएस) के लिए 10 पेडियाट्रिक वेंटीलेटर खरीदे गए हैं। 20 और पेडियाट्रिक वेंटीलेटर खरीदे जा रहे हैं।

इन अस्पतालों के अलावा जम्मू के भगवती नगर में डीआरडीओ की ओर से तैयार किए गए 500 बिस्तरों की क्षमता वाले कोविड अस्पताल में भी 25 बिस्तर बच्चों के लिए होंगे। श्रीनगर के डीआरडीओ अस्पताल में पहले से ही 25 बिस्तर बच्चों के इलाज के लिए बनाए गए हैं। जम्मू के कोविड अस्पताल में यह व्यवस्था नहीं थी। इस कारण अब इस अस्पताल में भी बदलाव होगा। इसके अलावा जिला स्तर पर बच्चों के इलाज के लिए सुविधाएं तैयार की जा रही हैं। हर जिला अस्पताल के लिए एक-एक पेडियाट्रिक बाइपेप मशीन लगाने का प्रस्ताव है। इसके लिए मेडिकल सप्लाई कारपोरेशन को लिखा भी गया है।

जम्मू-कश्मीर में फर्जी जांच रिपोर्ट लाए तो नपेंगे पर्यटक

श्रीनगर, राब्यू : जम्मू-कश्मीर में अब फर्जी कोरोना रिपोर्ट लेकर आने वाले पर्यटकों के खिलाफ न सिर्फ कानूनी कार्रवाई होगी, बल्कि उन्हें वापस लौटा दिया जाएगा। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस संदर्भ में आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने सभी जिला उपायुक्तों और स्वास्थ्य अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर प्राथमिकता वाले सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए टीकाकरण सुनिश्चित बनाने के लिए भी कहा है।

शत-प्रतिशत टीकाकरण पर आरएसएस का जोर

राधाकिशन शर्मा, बिलासपुरः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कोरोना की संभावित तीसरी लहर से बचाव के लिए शत-प्रतिशत टीकाकरण पर जोर दिया है। इसके लिए संघ के अनुषांगिक संगठन व सेवा प्रकल्प के पदाधिकारियों को गांव की ओर जाने और एक-एक व्यक्ति से संपर्क कर जनजागरण अभियान चलाने को कहा है। उन्होंने कहा है कि प्रभार वाले गांव से तब तक संपर्क नहीं छोड़ना है, जब तक सभी का टीकाकरण न हो जाए। शत-प्रतिशत टीकाकरण के बाद संगठनात्मक गतिविधियों को उसी गांव में अंजाम देना है। इसका उद्देश्य ग्रामीणों से जीवंत संपर्क बनाए रखना है। कोरोना महामारी के लेकर वर्चुअल परिचर्चा के दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ में संघ के अनुषांगिक संगठनों व सेवा प्रकल्प से जुड़े पदाधिकारियों को पांच-पांच लोगों की टीम बनाने और गांव में लोगों से सीधी चर्चा करने व सतत संपर्क बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सामाजिक समरसता अभियान से जुड़े पदाधिकारियों व संघ के स्वयंसेवकों को विशेष जिम्मेदारी देने पर बल दिया है। कोरोना की दूसरी लहर की भयावहता को देखते हुए संघ इस बार पुख्ता व्यवस्था पर जोर दे रहा है। आरएसएस के छत्तीसगढ़ प्रांत के संघचालक डा. पूर्णेन्दु सक्सेना ने बताया कि जिम्मेदारी सौंपने के अलावा जनजागरण अभियान चलाने की प्रभावी योजना बनाई जा रही है।

काढ़े के सेवन और योग करने की सलाह

कोरोना की पहली और दूसरी लहर के दौरान भी संघ ने लोगों को लगातार सावधान किया था। इम्युनिटी बढ़ाने के लिए काढ़े का सेवन करने के अलावा सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, कपालभाति, अनुलोम-विलोम व भ्रामरी को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दी थी।

ज्यादा संक्रामक नहीं होगी कोरोना की तीसरी लहर

▶ विशेषज्ञ ने कहा, लापरवाही बरते तो अक्टूबर-नवंबर में चरम पर होगी महामारी की आगामी लहर

नई दिल्ली, प्रेट्र : अगर देशवासी कोरोना वायरस से बचाव के नियमों का उचित तरीके से पालन नहीं करते हैं तो तीसरी लहर अक्टूबर-नवंबर में आ सकती है। परंतु, दूसरी लहर में रोजाना जितने मामले दर्ज किए गए थे, उसकी तुलना में तीसरी लहर में प्रतिदिन आधे मामले ही मिलने की संभावना है। यह कहना है कोरोना महामारी से संबंधित सरकारी समिति के एक विज्ञानी की।

कोरोना मामलों की 'माडलिंग' को लेकर काम करने वाली एक सरकारी समिति के एक वैज्ञानिक ने कहा कि यदि कोई नया स्वरूप उत्पन्न होता है तो तीसरी लहर तेजी से फैल सकती है। 'सूत्र मॉडल' या कोविड-19 के गणितीय अनुमान में शामिल मनिंद्र अग्रवाल ने यह भी कहा कि तीसरी लहर के अनुमान के लिए माडल में तीन परिदृश्य हैं - आशावादी, मध्यवर्ती और निराशावादी।' विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने पिछले साल गणितीय माडल का उपयोग करके कोरोना वायरस मामलों में वृद्धि का पूर्वानुमान लगाने के लिए समिति का गठन किया था। समिति को कोविड की दूसरी लहर की सटीक प्रकृति का अनुमान नहीं लगाने के लिए भी आलोचना का सामना करना पड़ा था।

तीन सदस्यीय समिति में शामिल अग्रवाल ने कहा कि तीसरी लहर का अनुमान जताते समय प्रतिरक्षा की हानि, टीकाकरण के प्रभाव और एक अधिक खतरनाक स्वरूप की संभावना को कारक बनाया गया है, कुछ ऐसा जो दूसरी लहर के माडलिंग के दौरान नहीं किया गया था।

उन्होंने कहा कि 'आशावादी' परिदृश्य में हम मानते हैं कि अगस्त तक जीवन सामान्य हो जाता है, और कोई नया म्यूटेंट नहीं होता है। दूसरा 'मध्यवर्ती' है। इसमें हम मानते हैं कि टीकाकरण 20 प्रतिशत कम प्रभावी है। तीसरा 'निराशावादी' है। इसकी एक धारणा मध्यवर्ती से भिन्न है। अगस्त में एक नया, 25 प्रतिशत अधिक संक्रामक म्यूटेंट फैलता है (यह डेल्टा प्लस नहीं है, जो डेल्टा से अधिक संक्रामक नहीं है)।

अग्रवाल द्वारा साझा किए गए ग्राफ के अनुसार, तीसरी लहर अक्टूबर और नवंबर के बीच अपने चरम पर पहुंच सकती है। इसमें 1,50,000 से 2,00,000 के बीच मामले बढ़ सकते हैं।

कोरोना के इलाज के लिए दवा के परीक्षण का अनुरोध नामंजूर

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने एक डाक्टर द्वारा दाखिल उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें केंद्र और आयुष मंत्रालय को उस दवा का परीक्षण कराने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था, जिसके बारे में उनका दावा है कि इसे कोरोना के इलाज के लिए विकसित किया गया है। न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि याचिका में जिन निर्देशों को दिए जाने का अनुरोध किया गया है, वे सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में नीति से संबंधित हैं। पीठ ने अपने आदेश में कहा, अदालत आयुर्वेद-आधारित इलाज की प्रभावकारिता के संबंध में याचिकाकर्ता के दावे का आकलन करने की स्थिति में नहीं है।

25 हजार से ज्यादा लोगों पर हुआ तीसरे चरण का परीक्षण

▶ प्रथम पृष्ठ से आगे

कंपनी ने तीसरे चरण का परीक्षण 16 नवंबर, 2020 से सात जनवरी, 2021 के बीच किया था। इसमें 25798 लोग शामिल हुए। इनमें से कुछ लोगों को वैक्सीन दी गई और कुछ लोगों को प्लेसेबो। प्लेसेबो में व्यक्ति को कोई वैक्सीन नहीं दी जाती, लेकिन उसे इसकी जानकारी नहीं होती। इस तकनीक से विज्ञानी मनोवैज्ञानिक प्रभाव का आकलन करते हैं। अभी इसके आंकड़ों की समीक्षा की जानी है।

असाध्य रोगियों में नए वैरिएंट की ज्यादा आशंका

पुलक त्रिपाठी, लखनऊ

असाध्य रोग जैसे कैंसर आदि से ग्रसित मरीज को कोरोना संक्रमण से काफी सतर्कता बरतने की जरूरत है। महज इसलिए नहीं कि उनकी प्रतिरोधक क्षमता कम होती है, इसलिए भी क्योंकि संक्रमण से ग्रस्त होने पर उनसे वायरस के नए वैरिएंट के उत्पन्न होने के खतरे की बात भी सामने आने लगी है। नए वैरिएंट से खतरे का स्तर किस हद तक हो सकता है, यह बात तो अभी साबित नहीं हो पाई है, मगर चिकित्सा विज्ञानी नए वैरिएंट से जुड़ी अनिश्चितता को लेकर चिंतित हैं।

दरअसल, डेल्टा प्लस, डेल्टा वायरस के 18वें म्युटेशन (के 417 एन) के बाद नए वैरिएंट के रूप में सामने आया है। डाक्टरों का कहना है कि असाध्य बीमारी से ग्रस्त लोगों की प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर होती है। ऐसे में वायरस उनके मल्टी आर्गन को प्रभावित करने के साथ ही लंबे समय तक उनका पीछा नहीं छोड़ता। यही वो समय है जिससे नए वैरिएंट के बनने की आशंका अधिक रहती हैं। ऐसे में सतर्कता बहुत जरूरी है।

डाक्टरों का कहना है कि ऐसी किसी भी स्थिति से बचने के लिए टीकाकरण काफी मददगार साबित हो रहा है। कोविशील्ड वाइल्ड टाइप यानी मूल वायरस पर 80 प्रतिशत प्रभावी है। डेल्टा वैरिएंट से संक्रमित होने पर कोविशील्ड की दो डोज 60 प्रतिशत तक और एक डोज 33 प्रतिशत प्रभावी रह जाती है।

टीकाकरण के बाद ही अस्पतालों में दाखिला

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

कश्मीर में अब किसी भी सरकारी और निजी अस्पताल में मरीजों और तीमारदारों को तभी दाखिला मिलेगा, जब उन्हें कोरोना का टीका लग चुका होगा। अगर नहीं लगा है तो उन्हें पहले कोरोना का टीका लगाया जाएगा। प्रदेश प्रशासन ने कश्मीर घाटी में कोरोना जांच और टीकाकरण में तेजी लाने के लिए यह कदम उठाया है।

कश्मीर के 10 में से सिर्फ दो जिलों बड़गाम और बांडीपोरा में ही 45 पार की 100 फीसद आबादी को कोरोना का टीका लगा है। इसके अलावा अन्य जिलों में टीकाकरण की गति बहुत धीमी है। प्रशासन के तमाम प्रयासों के बावजूद लोग टीका लगवाने से बच रहे हैं। प्राथमिकता वाले समूहो में भी यही स्थिति है। कई जगह लोगों ने टीका लगाने आए स्वास्थ्यकर्मियों से मारपीट भी की है। कश्मीर के स्वास्थ्य सेवा निदेशक डा. मुश्ताक अहमद राथर ने कहा कि सभी को कोरोना की वैक्सीन लगे, इसके लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब अस्पतालों में ओपीडी सेवाएं भी सामान्य रूप से बहाल की जा रही हैं, ऐसे में संक्रमण की आशंका को नकारा नहीं जा सकता। मरीजों व तीमारदारों की सुरक्षा के लिए यह कदम उठाया जा रहा है।

गलत तरह से इंजेक्शन लगाने पर खून का थक्का जमने का खतरा



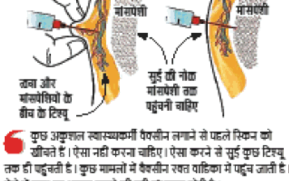
हाल के दिनों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं जब कोरोना वैक्सीन लगाए जाने के बाद लोगों ने खून का थक्का जमने (ब्लड क्लॉटिंग) की शिकायत की है। अब इससे जुड़ा एक नया अध्ययन सामने आया है, जिसमें कहा गया है कि गलत तरीके से इंजेक्शन लगाने से भी ऐसा हो सकता है। शोध के मुताबिक वैसे तो इंजेक्शन मांसपेशी में लगना चाहिए, लेकिन अगर गलती से इसे रक्त वाहिका (ब्लड वैसल) में लगा दिया गया तो थक्का जमने की पूरी संभावना होती है।

चूहों पर किया गया है शोध

इस संबंध में चूहों पर अध्ययन किया गया है। चूहों को मांसपेशी के अंदर वैक्सीन देने पर जहां कोई समस्या नहीं आई वहीं नस में इंजेक्शन लगाने पर रक्त का थक्का बनने की समस्या दिखी। अप्रैल में डेनमार्क में हुए अध्ययन के बाद इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा कोरोना पर बनाई गई नेशनल टास्क फोर्स के सदस्य डॉ राजीव जयदेवन ने इस बात को लेकर चेतावनी जारी की थी गलत तरीके से इंजेक्शन लगाने से ब्लड क्लाटिंग हो सकती है।

मांसपेशी तक पहुंचे सुई की नोक

सुई की नोक मांसपेशी तक पहुंचे, इसलिए इंट्रा मस्कुलर इंजेक्शन देते समय त्वचा को खींचा नहीं जाना चाहिए। अगर त्वचा को खींचा जाता है तो सुई की नोक केवल चमड़ी के नीचे के ऊतक (टिश्यू) तक पहुंच पाती है। ऐसी स्थिति में ना केवल टीके का प्रभाव कम हो जाता है बल्कि कभी-कभी यह रक्त वाहिकाओं में चला जाता है।

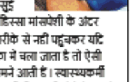


कुछ अकुशल स्वास्थ्यकर्मी वैक्सीन लगाने से पहले स्किन को खींचते हैं। ऐसा नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से सुई कुछ टिश्यू तक ही पहुंचती है। कुछ मामलों में वैक्सीन रक्त वाहिका में पहुंच जाती है। ऐसे में रक्त का थक्का जमने की पूरी संभावना होती है।

डॉक्टर राजीव जयदेवन, सदस्य, आइएमए कोरोना टास्क फोर्स

रक्त वाहिका में टीका पहुंचने से आती है दिक्कत

जर्मनी स्थित म्यूनिख यूनिवर्सिटी के एक क्लीनिकल ट्रायल और इटली की एक रिसर्च में यह बात सामने आई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि सुई का अगला हिस्सा मांसपेशी के अंदर तक सही तरीके से नहीं पहुंचकर यदि रक्त वाहिका में चला जाता है तो ऐसी दिक्कतें सामने आती हैं। स्वास्थ्यकर्मी के पूरी तरह प्रशिक्षित नहीं होने के चलते भी इस तरह की शिकायतें आती हैं।



नई दिल्ली, एजेंसी | जागरण इन्फो

छह हजार एचआइवी मरीजों में सिर्फ पांच को कोरोना, प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के उपाय आए काम

भोपाल (नईदुनिया प्रतिनिधि)

▶ योग-व्यायाम, अच्छा खान-पान, शारीरिक दूरी और हाथ सैनिटाइज करके बचे रहे

यह स्थापित तथ्य है कि एचआइवी (ह्यूमन इम्युनोडेफिशिएंसी वायरस) संक्रमित मरीजों (एड्स रोगियों) की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने से उन्हें अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा अधिक रहता है। इस वजह से वे अधिक सतर्कता बरतते हैं, रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के अतिरिक्त प्रयास करते हैं। यही सतर्कता और प्रयास उन्हें कोरोना से दूर रखने में भी काम आए। चौंकाने के साथ ही राहत वाली बात यह है कि एचआइवी संक्रमितों में कोरोना का संक्रमण न के बराबर रहा। एंटी रेट्रोवायरल थैरेपी (एआरटी) सेंटर भोपाल में छह हजार एचआइवी मरीज पंजीकृत हैं। इनमें कोरोना की शुरुआत से अब तक सिर्फ पांच ही संक्रमित हुए हैं। एक बुजुर्ग की मौत हुई है। बाकी सब इससे उबर भी गए।

एआरटी सेंटर के प्रभारी डॉ. हेमंत वर्मा ने बताया कि एचआइवी मरीजों को यह डर रहता है कि रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने से अन्य संक्रामक बीमारियां हो सकती हैं। इस कारण उन्होंने कोरोना काल में अपना बचाव किया। उनके परिवार के लोगों ने भी ध्यान रखा। संक्रमण के डर के चलते शारीरिक दूरी रखी। बार-बार साबुन से हाथ धोना और हाथ सैनिटाइज करना उनकी सामान्य आदत में आ जाता है। साथ ही, रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी रखने के लिए वे खान-पान अच्छा रखते हैं। अच्छी नींद लेते हैं और योग-ध्यान करते हैं। डॉ.वर्मा के मुताबिक एचआइवी संक्रमण की वजह से प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए जिम्मेदार सीडी-4 कोशिकाएं कम होने लगती हैं। इनका सामान्य स्तर 500 से 1000 के बीच होता है। ज्यादातर एचआइवी पीड़ित प्रतिरोधक क्षमता अच्छी रखते हैं,उनका सीडी-4 कोशिकाओं का स्तर 500 से ऊपर रहता है।

नशा से दूर रहने की वजह से अच्छे रहते है फेफड़े भी: एआरटी केंद्र के चिकित्सक डॉ. कुलदीप वर्मा ने बताया कि एचआइवी संक्रमित अच्छी सेहत के लिए नशे से भी दूर रहते हैं, जिससे उनके फेफड़े भी ठीक रहते हैं। कोरोना संक्रमण की शुरुआत से ही एचआइवी संक्रमित काफी सतर्क हो गए थे। यह माना जा रहा था कि प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने से उनके संक्रमित और गंभीर होने का खतरा ज्यादा था, पर ऐसा नहीं हुआ।

> यह बात बिलकुल सही है कि एचआइवी संक्रमित इस बीमारी की चपेट में बहुत कम आए हैं। यह अध्ययन का विषय है। इन मरीजों को एंटीवायरल दवाएं दी जाती हैं, इसलिए हो सकता है उन्हें बहुत ही हल्का संक्रमण हुआ हो और पता नहीं चला हो। इन मरीजों को हमेशा बताया जाता है कि प्रतिरोधक क्षमता अच्छी रहेगी तो एचआइवी संक्रमण कोई प्रभाव नहीं डाल पाएगा। इन्हीं प्रयासों का फायदा मिला होगा।
>
> - डॉ. लोकेंद्र दवे, एचओडी, पल्मोनरी मेडिसिन विभाग,
> गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल

फर्जी टीकाकरण कैंप मामले में सीरम इंस्टीट्यूट को नोटिस

राज्य ब्यूरो, कोलकाताः बंगाल में फर्जी टीकाकरण कैंप मामले में कोलकाता पुलिस की ओर से हाई कोर्ट में दाखिल किए गए हलफनामे में जानकारी दी गई है कि कि जांच के संबंध में अपराध प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 160 के तहत सीरम इंस्टीट्यूट को भी नोटिस भेजा गया है। अभिनेत्री व तृणमूल सांसद मिमी चक्रवर्ती, अभिनेत्री व तृणमूल विधायक लवली मोइत्रा और राज्यसभा सदस्य डाक्टर शांतनु सेन से भी पूछताछ की गई है और सीआरपीसी की धारा 161 के तहत इन लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं। इस बीच, मामले में कोलकाता पुलिस ने फर्जी भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस) अफसर देबांजन देब के एक अन्य सहयोगी को गिरफ्तार किया है। कलकत्ता हाई कोर्ट में दाखिल हलफनामे में कोलकाता पुलिस ने बताया कि भारत में कोविशील्ड वैक्सीन की निर्माता कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया लिमिटेड के महाप्रबंधक को नोटिस भेजा गया है। मामले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

नई परेशानी

गर्मी में डबल मास्क कर रहा है चेहरा लाल

पहले कपड़े वाला मास्क लगाने की चिकित्सक दे रहे सलाह, सर्जिकल ट्रिपल लेयर मास्क सबसे बेहतर और आरामदायक

मेहंदी अशरफी, मुरादाबाद

कोरोना महामारी में मास्क लोगों की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। दूसरी लहर के बाद लोगों ने संक्रमण से बचने के लिए डबल मास्क लगाना शुरू कर दिया है। इन दिनों तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच रहा है। ऐसे में लगातार मास्क लगाने की वजह से चेहरे पर कई तरह की परेशानियां होने लगी हैं। त्वचा संबंधी कई तरह की समस्या उत्पन्न हो जा रही हैं। संयुक्त चिकित्सालय में प्रतिदिन तीन से पांच मरीज त्वचा रोग विशेषज्ञों के पास पहुंच रहे हैं।

यह हो रही परेशानीः लगातार आठ से 10 घंटे तक डबल मास्क लगाने की वजह से मास्क वाले हिस्से में पसीना जमा होकर सूखता रहता है। इससे खुजली के साथ ही चेहरे पर बारीक दाने या रैशेज की समस्या हो रही है। इससे डाक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ के अलावा कार्यालयों में काम करने वाले लोग भी जूझ रहे हैं। सिर्फ रात में ही घर पर मास्क उतारने वालों के चेहरे पर मास्क वाला हिस्सा लाल हो जा रहा है। एल-टू अस्पताल के वरिष्ठ चेस्ट फिजिशियन डा. प्रवीण शाह ने बताया कि कोरोना वार्डों में ड्यूटी करने वाले डाक्टर और कर्मचारियों के लिए एन-95 मास्क ठीक है। इसके अलावा आम लोगों को सर्जिकल ट्रिपल लेयर मास्क लगाना सबसे बेहतर है। उससे दिक्कत नहीं होगी। घुटन का अहसास भी नहीं होगा और पसीना भी बहुत कम आएगा।



पसीने से मास्क हो रहा है गीला। फाइल फोटो

> कोरोना महामारी में गाइडलाइन के मुताबिक डबल मास्क लगाना जरूरी है लेकिन, हमें यह एहतियात बरतनी होगी कि चेहरे पर दाने इत्यादि न हों। इसके लिए बीच-बीच में मुंह धोते रहें और पहले कपड़े वाला मास्क ही लगाएं, उसके ऊपर दूसरा मास्क लगा सकते हैं।
>
> -डॉ. जेएल ममगाई, त्वचा रोग विशेषज्ञ पंडित दीनदयाल संयुक्त अस्पताल, मुरादाबाद

चिकित्सक मरीजों को दे रहे सलाह

- पहले कपड़े वाला मास्क लगाएं, जिससे पसीना सूख जाए।
- मास्क वाले चेहरे के हिस्से को पानी से साफ करते रहें।
- एक-एक घंटे के अंतराल पर अपना मास्क जरूर हटा लें।
- चेहरे पर दाने या रैशेज हों तो त्वचा रोग विशेषज्ञ से परामर्श जरूर लें।
- पानी का इस्तेमाल अधिक करते रहें।
- मास्क को उतना टाइट रखें जितना कान पर परेशानी न हो

वैक्सीन ट्रायल में बच्चों में अब तक कोई साइड इफेक्ट नहीं

जागरण संवाददाता, पटनाः बच्चों को कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), पटना में स्वदेशी वैक्सीन (कोवैक्सीन) का ट्रायल चल रहा है। एम्स के निदेशक डा. प्रभात कुमार सिंह के अनुसार, अभी तक ट्रायल में शामिल बच्चों में कोई साइड इफेक्ट नहीं दिखा है और सभी बच्चे स्वस्थ हैं। दो दिन पूर्व दो से छह वर्ष के पांच बच्चों पर वैक्सीन का ट्रायल शुरू हो गया है। अब तक 55 बच्चे ट्रायल में भाग ले चुके हैं। सभी को वैक्सीन की पहली डोज लग चुकी है। 12 से 18 वर्ष के कुछ बच्चों को दूसरी डोज भी दी गई है। 28 दिन बाद सभी को दूसरी डोज दी जानी है। निदेशक के अनुसार, पहली बार में जिन-जिन लोगों को प्लेसिबो दी गई थी, उन्हें बुलाकर अब वैक्सीन दी जा रही है। अब उनमें लक्षण देखे जाएंगे।

हरिद्वार के बाद अब टिहरी में भी कोरोना जांच फर्जीवाड़ा

जागरण संवाददाता, नई टिहरी

हरिद्वार कुंभ में कोरोना सैंपल के नाम पर हुए फर्जीवाड़ा की जांच अभी पूरी भी नहीं हुई कि टिहरी के चंबा में भी ऐसा ही एक मामला सामने आया है। नई टिहरी निवासी एक व्यक्ति का बिना सैंपल लिए ही कोरोना जांच का मैसेज आ गया, जिसकी शिकायत उसने जिलाधिकारी कार्यालय में की। डीएम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के आदेश दिए हैं।

काणाताल निवासी चंडी प्रसाद डबराल ने शनिवार को जिलाधिकारी कार्यालय में दी शिकायत में बताया कि शुक्रवार सुबह दस बजे वह अपने गांव काणाताल जाने के लिए चंबा से कुछ आगे टैक्सी में बैठ गया। इसी बीच, एक होमगार्ड वहां आया और कहने लगा कि अपना नाम-पता नोट करवा लो। डबराल ने भी अन्य व्यक्तियों के साथ वहां पर अपना नाम-पता व मोबाइल नंबर नोट करवाया और अपने घर चले गए और शाम को वापस नई टिहरी आ गए। डबराल के मुताबिक शाम करीब सात बजे उनके मोबाइल पर मैसेज आया कि उनका रैपिड एंटीजन सैंपल लिया गया है तथा आइडी नंबर 05055219099 अंकित करते हुए रिपोर्ट आने तक आइसोलेशन में रहने के लिए कहा गया।

> फिलहाल लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। शिकायत संज्ञान में आई है। मामले की जांच करवाई जा रही है।
>
> इवा आशीष श्रीवास्तव, डीएम टिहरी

> जो टीम जांच कर रही है, उससे जानकारी ली जा रही है।
>
> डा. पुखराज, प्रभारी चिकित्साधिकारी,चंबा स्वास्थ्य केंद्र

सरकारी बैंकों में ईडी के लिए 10 नामों की सिफारिश

नई दिल्ली : बैंक्स बोर्ड ब्यूरो (बीबीबी) ने विभिन्न सरकारी बैंकों में एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर यानी ईडी के पद के लिए महाप्रबंधक (जीएम) स्तर के 10 अधिकारियों के नाम सुझाए हैं। ब्यूरो ने बीते दो दिनों के दौरान 40 उम्मीदवारों के लिए साक्षात्कार आयोजित किए। इनमें से इन 10 नामों को वित्तीय सेवा विभाग को भेजा गया है, जो कैबिनेट की अप्वाइंटमेंट कमेटी (एसीसी) से अंतिम अनुमोदन लेगा। (प्रेट्र)

नए भारत के निर्माण में सहकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका रहने वाली है। युवाओं के बीच सहकारी मॉडल को प्रचारित-प्रसारित किया जाना चाहिए।
– पुरुषोत्तम रुपाला
कृषि राज्यमंत्री



बिना ईंट व बालू-सीमेंट बन रहे घर, पीएम ने की समीक्षा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : ईंट, बालू, छड़, सीमेंट के बिना भी घर बनाए जा सकते हैं, बनाए भी जा रहे हैं। देश के छह शहरों पर इन दिनों आधुनिक तरीके से निर्माण कार्य किया जा रहा है जिसमें विभिन्न देशों की तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है। इन तकनीक से होने वाले निर्माण को लाइट हाउस परियोजना का नाम दिया गया है। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ड्रोन के माध्यम से लाइट हाउस परियोजनाओं की समीक्षा की।

शनिवार को प्रधानमंत्री मोदी ने लखनऊ, इंदौर, राजकोट, रांची, चेन्नई और अगरतला में चल रही लाइट हाउस परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इन परियोजनाओं के तहत हजारों की संख्या में तेज गति से मकान बनाने का काम किया जा रहा है जिसे इनक्यूबेशन सेंटर के रूप में इस्तेमाल में लाया जाएगा। इस वर्ष पहली जनवरी को प्रधानमंत्री ने देश के छह राज्यों में लाइट हाउस


देश के छह स्थानों पर हो रहे निर्माण कार्यों का पीएम ने किया मुआयना • फाइल फोटो

परियोजनाओं की आधारशिला रखी थी। लाइट हाउस परियोजना के तहत इस्तेमाल होने वाली नई तकनीक से कम समय में सस्ता, टिकाऊ एवं मजबूत हाउसिंग परियोजनाएं तैयार की जा सकती हैं।

इंदौर की लाइट हाउस परियोजना में ईंट और बालू-सीमेंट की दीवारें नहीं होंगी। इसकी जगह पूर्व निर्मित सैंडविच पैनल प्रणाली का इस्तेमाल किया जा रहा है। राजकोट में लाइट हाउस के निर्माण में फ्रांस की तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है। ये घर आपदाओं को झेलने में अधिक समर्थ होंगे। चेन्नई में अमेरिका और फिनलैंड की तकनीक प्री-कास्ट कंक्रीट प्रणाली का उपयोग हो रहा है जिससे सस्ते घर का निर्माण तेजी से होगा। जर्मनी की थ्रीडी निर्माण प्रणाली का उपयोग कर रांची में मकान बनाए जा रहे हैं। इसके तहत प्रत्येक कमरे को अलग निर्मित किया जाएगा और फिर पूरी संरचना को उसी तरह से जोड़ा जाएगा जैसे ब्लॉक्स को जोड़कर घर बनाने वाले खिलौने में किया जाता है। अगरतला में स्टील के फ्रेम के साथ न्यूजीलैंड की तकनीक का उपयोग करते हुए मकान बनाए जा रहे हैं जो भूकंप के जोखिम को आसानी से झेल सकते हैं। कनाडा की तकनीक के इस्तेमाल से लखनऊ में निर्माण हो रहा है जिसमें प्लास्टर और पेंट की आवश्यकता नहीं होती है और तेजी से मकान बनाने के लिए पहले से तैयार की गई पूरी दीवारों का उपयोग किया जाता है।

कारोबारियों को सक्षम बनाने के लिए केंद्र प्रतिबद्ध : मोदी

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुदरा व थोक कारोबार को एमएसएमई का दर्जा दिए जाने के फैसले को ऐतिहासिक करार दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार कारोबारी समुदाय को सक्षम बनाने को प्रतिबद्ध है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को खुदरा व थोक कारोबार को सूक्ष्म, लघु व मझोले उपक्रमों (एमएसएमई) के दायरे में लाने की घोषणा की थी। इससे थोक व खुदरा कारोबार को भी प्राथमिकता के आधार पर कर्ज लेने में सहूलियत होगी। प्रधानमंत्री ने शनिवार को एक ट्वीट में कहा कि हमारी सरकार ने थोक व खुदरा कारोबार को एमएसएमई के दायरे में लाने का ऐतिहासिक फैसला किया है। इससे करोड़ों छोटे कारोबारियों को कर्ज लेने में आसानी होगी।

बीआइएस साइट पर हॉलमार्किंग के कई पहलू अस्पष्ट

मुंबई, प्रेट्र : भारतीय मानक ब्यूरो (बीआइएस) की वेबसाइट पर स्वर्ण आभूषणों व कलाकृतियों की अनिवार्य हॉलमार्किंग को लेकर कई पहलू स्पष्ट नहीं किए गए हैं। ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) ने कहा कि वेबसाइट पर प्रकाशित एफएक्यू (बार-बार पूछे जाने वाले सवाल) से हॉलमार्किंग के उन प्रमुख बिंदुओं के बारे में पता नहीं चलता है, जिन पर रत्न एवं आभूषण उद्योग तथा सरकार के बीच विचार-विमर्श हुआ है। जीजेसी ने इस बारे में उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखकर कहा है कि बीआइएस ने अपनी वेबसाइट पर जो एफएक्यू जारी किया है, उसमें काफी अस्पष्टता है। इससे सराफा कारोबारियों में असमंजस है।

संगठन ने अपने पत्र में कहा है कि 15 जून को अंशधारकों तथा सरकार के बीच हुई बैठक में विचार-विमर्श


हॉलमार्किंग सिर्फ बिक्री के पहले बिंदु पर लागू होगी, यह महत्वपूर्ण तथ्य भी एफएक्यू से गायब • फाइल फोटो

मुश्किल
- जीजेसी ने कहा – सरकार के साथ हुई बातचीत के महत्वपूर्ण बिंदुओं का वेबसाइट पर जिक्र नहीं
- उपभोक्ता मामलों के मंत्री को पत्र लिखकर कहा है कि इससे कारोबारियों में असमंजस है

से जो बिंदु सामने आए थे, उनमें से बहुत से बिंदु वेबसाइट और एफएक्यू में शामिल नहीं हैं।

जीजेसी के चेयरमैन आशीष पेठे ने कहा कि बैठक में इस पर बात हुई थी कि ज्वैलर्स को एक बार ही पंजीकरण कराना होगा और बीआइएस में उसके नवीनीकरण की जरूरत नहीं होगी। इस बारे में बीआइएस की वेबसाइट या एफएक्यू सेक्शन में कोई जिक्र नहीं किया गया है। हॉलमार्किंग सिर्फ बिक्री के पहले बिंदु पर लागू होगी, यह महत्वपूर्ण तथ्य भी एफएक्यू से गायब है।

पेठे ने कहा कि वितरण, भंडारण, परिवहन और आभूषणों की बिक्री के लिए प्रदर्शनी (बीआइएस कानून, 2016 की धारा 15 के तहत) को अनिवार्य हॉलमार्किंग से दूर रखा गया है। लेकिन इन पहलुओं को अभी तक एफएक्यू से हटाया नहीं गया है। उन्होंने कहा कि मैन्यूफैक्चरर्स को हॉलमार्क वाले आभूषण में अपने लोगो के इस्तेमाल का मौका दिया जाएगा, इस महत्वपूर्ण बिंदु का जिक्र अभी तक एफएक्यू में नहीं किया गया है।

पेठे के अनुसार इस बारे में कहा गया था कि हॉलमार्किंग विशिष्ट पहचान (एचयूआइडी) को विचार-विमर्श के लिए रखा जायेगा और इस बारे में अंतिम निर्णय उच्चस्तरीय समिति द्वारा लिया जाएगा।

जीजेसी चेयरमैन के अनुसार बीआइएस एफएक्यू में 'अनिवार्य प्रणाली के तहत' खंड में कहा गया है कि पंजीकृत आभूषण विक्रेता को सामान हॉलमार्किंग के लिए भेजने से पहले बीआइएस पोर्टल पर अपलोड करना होगा और सॉफ्टवेयर पर उसकी माप करनी होगी। लेकिन बैठक में यह स्पष्ट किया गया था कि एचयूआइडी और डिजिटलीकरण केवल हॉलमार्किंग केन्द्रों तक ही सीमित रहेगा और इसमें किसी भी आभूषण निर्माता को शामिल नहीं किया जाएगा।

लॉकडाउन खुलने से अपैरल निर्यात में तेज वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली, प्रेट्र: विभिन्न राज्यों द्वारा लॉकडाउन में ढील से परिधान निर्यात को तेजी से बढ़ाने में मदद मिलेगी और यह जल्द कोविड-19 से पूर्व के स्तर पर पहुंच जाएगा। अपैरल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (एईपीसी) के चेयरमैन ए. शक्तिवेल ने शनिवार को कहा कि कुल वैश्विक मांग मजबूत बनी हुई है। लेकिन देश के विभिन्न हिस्सों में कई तरह की मैन्यूफैक्चरिंग इकाइयों पर अभी भी आंशिक लॉकडाउन है।

शक्तिवेल कहा कि भारत उस स्थिति में है जब संक्रमण के मामलों में कमी तथा आर्थिक गतिविधियां फिर शुरू होने के बाद निर्यात को मजबूती के साथ तेजी दी जा सके। अर्थव्यवस्था के फिर खुलने के बाद अपैरल निर्यात तेजी से बढ़ेगा और जल्द यह महामारी के पूर्व के स्तर को पार कर जाएगा।

उन्होंने कहा कि घरेलू मांग में सुधार तक भारतीय इकोनॉमी का पुनरुद्धार निर्यात पर निर्भर करेगा। इस मामले में निर्यातकों का नेतृत्व सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रम (एमएसएमई) करेंगे।

ग्रीन एनर्जी से सरकार को दो वर्षों में होगी एक लाख करोड़ रुपये की बचत

आयात घटाने को पेट्रोलियम मंत्रालय की पहल, गेल जैसी कंपनियां आगे आईं

राजीव कुमार • नई दिल्ली

यातायात से जुड़े वाहनों में पेट्रोल-डीजल की जगह ग्रीन एनर्जी के इस्तेमाल से अगले दो वर्षों में आयात बिल में एक लाख करोड़ की बचत होगी। वहीं, देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। पेट्रोलियम मंत्रालय के प्रयास से इस योजना को अंजाम दिया जा रहा है। पेट्रोलियम सचिव तरुण कपूर ने बताया कि बायोडीजल, हाइड्रोजन, कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी), एथनॉल जैसी कई ग्रीन एनर्जी के इस्तेमाल को बढ़ाने पर काम चल रहा है। लेकिन अगले दो वर्षों में मुख्य रूप से सीबीजी और एथनॉल का इस्तेमाल बढ़ने से आयात बिल में एक लाख करोड़ रुपये तक की बचत हो सकती है। कपूर ने बताया कि वर्ष 2025 तक गाड़ियों में इस्तेमाल होने वाले ईंधन में 20 फीसद एथनॉल


गन्ने के कचरे से गेल के प्लांट में एथनॉल का उत्पादन होगा • फाइल फोटो

मिलाने का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन यह लक्ष्य अगले दो वर्षों में हासिल किया जा सकता है। सरकार की योजना के अनुसार 20% एथनॉल मिश्रित फ्यूल के लिए सालाना 1,000 करोड़ लीटर एथनॉल तैयार करना होगा जिससे कच्चे तेल के आयात में कमी होगी और आयात बिल में 50,000 करोड़ की बचत होगी।

इसके अलावा अगले दो वर्षों में सीबीजी के 5,000 प्लांट लगाए जाएंगे जिससे 1.5 करोड़ टन सीबीजी का उत्पादन होगा। यातायात ईंधन के रूप में 1.5 करोड़ टन सीबीजी के इस्तेमाल से भी आयात बिल में सालाना 40,000-50,000 करोड़ की बचत होगी। उन्होंने बताया कि 1,800 संयंत्रों के लिए लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआइ) जारी किया जा चुका है और 1500 संयंत्रों की स्थापना पर पहले से काम चल रहा है। सीबीजी के उत्पादन से प्राकृतिक गैस के आयात में कमी आएगी। सीबीजी को ट्रांसपोर्ट सेक्टर में सीएनजी (कंप्रेस्ड नेचुरल गैस) के विकल्प के रूप में उपयोग किया जा सकता है। वर्तमान में देश में खपत की 50% प्राकृतिक गैस का आयात किया जाता है।

पेट्रोलियम मंत्रालय के अधीनस्थ काम करने वाली कंपनी गेल ने हाल ही में एथनॉल और सीबीजी प्लांट लगाने के लिए 5,000 करोड़ के निवेश की घोषणा की है। गेल के प्लांट में विभिन्न शहरों के नगर निगमों के कचरे से बायोगैस बनाई जाएगी। वाहनों व घरों में ईंधन के रूप में बायोगैस का उपयोग होगा। वहीं कृषि कचरे या गन्ने के कचरे से गेल के प्लांट में एथनॉल का उत्पादन होगा। फिलहाल गेल दो सीबीजी प्लांट और एक एथनॉल प्लांट लगाने जा रही है। जेबीएम ग्रुप, अदाणी गैस, टोरेंट गैस और पेट्रोनेट एलएनजी भी सीबीजी प्लांट लगा रही हैं। इन सभी ताक तकनीक मुहैया कराने का काम इंडियन ऑयल और भारत बायोगैस एनर्जी जैसी कंपनियां कर रही हैं।

कपूर ने बताया कि आइओसीएल दिल्ली-आगरा व बडोदरा-स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के बीच हाइड्रोजन चालित बसों का परिचालन करेगी। हाल ही में आइओसीएल की तरफ से टाटा मोटर्स को हाइड्रोजन बस सप्लाई करने का ऑर्डर दिया गया है। टाटा मोटर्स लगभग तीन वर्षों में आइओसीएल को 15 हाइड्रोजन बसों की सप्लाई करेगी।

ई-कॉमर्स मसौदे पर सुझावों की समय सीमा बढ़ाए सरकार

नई दिल्ली, प्रेट्र : उद्योग संगठनों ने सरकार से ई-कॉमर्स नीति के मसौदे पर सुझाव व आपत्तियां देने को पूर्व निर्धारित छह जुलाई की समय सीमा को बढ़ाने की मांग की है। सूत्रों ने कहा कि इस बारे में कुछ उद्योग संगठनों और उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के बीच विचार-विमर्श हुआ। इसमें उद्योग संगठनों ने ई-कॉमर्स नीति के मसौदे पर सुझाव देने की समय सीमा बढ़ाने का आग्रह किया है। समाचार एजेंसी रायटर के अनुसार टाटा ग्रुप और अमेजन इंक जैसे दिग्गजों ने कठोर नियमों को ई-कॉमर्स सेक्टर के लिए नुकसानदेह बताया है।

सूत्रों के अनुसार कुछ संगठनों का मानना है कि प्रस्तावित दिशानिर्देशों से ग्राहकों का कोई भला नहीं होगा और एमएसएमई सेक्टर भी नुकसान में रहेगा। सरकार ने उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) कानून, 2020 में संशोधन के तहत फर्जी फ्लैश सेल व मिस-सेलिंग पर प्रतिबंध और मुख्य अनुपालन अधिकारी या शिकायत निवारण अधिकारी की नियुक्ति जैसे प्रस्ताव रखे हैं।

डाटा लोन दे रही रिलायंस जियो, एयरटेल डीटीएच हुआ पोस्टपेड

नई दिल्ली, प्रेट्र : ग्राहकों को लुभाने और खुद के साथ रोके रखने के लिए टेलीकॉम कंपनियां विशेष योजनाओं का सहारा ले रही हैं। मुकेश अंबानी नियंत्रित रिलायंस जियो ने आपात डाटा लोन सुविधा शुरू की है। इसके तहत जियो के ग्राहक डाटा खत्म हो जाने पर किसी भी वक्त अतिरिक्त डाटा लोन ले सकते हैं। इस डाटा के शुल्क का भुगतान वे बाद में कर सकते हैं।

इसी तरह भारती एयरटेल ने शुक्रवार को अपने ग्राहकों के लिए 'एयरटेल ब्लैक' की सुविधा शुरू की। इसके तहत ग्राहक एयरटेल की सभी सेवाओं को एकीकृत कर सकते हैं। ऐसे में उनकी सभी सेवाओं का बिल भी एक साथ आएगा और एयरटेल डीटीएच का रिचार्ज खत्म होने के बाद भी वह चलता रहेगा।

शनिवार को जियो ने कहा कि जिन ग्राहकों का दैनिक डाटा खत्म हो जाए और वे किन्हीं कारणों से उसे रिचार्ज नहीं करा सकें, वे माईजियो एप के माध्यम से डाटा लोन ले सकते हैं। ग्राहकों को 11 रुपये मूल्य वाले एक जीबी प्रत्येक के अधिकतम पांच पैक

योजना
- राजस्व बढ़ाने और ग्राहकों को खुद से जोड़े रखने के लिए नई योजनाएं ला रहीं कंपनियां
- ग्राहकों को 11 रुपये मूल्य वाले एक जीबी प्रत्येक के अधिकतम पांच पैक लोन में दिए जाएंगे

लोन में दिए जाएंगे। इससे ग्राहक निर्बाध इंटरनेट सेवा का लाभ उठा सकेंगे।

भारती एयरटेल ने एयरटेल ब्लैक के तहत फाइबर, डीटीएच और मोबाइल समेत किसी भी दो से अधिक सेवाओं के लिए एकीकृत समाधान व्यवस्था पेश की है। इसमें ग्राहक अगर अपनी सभी एयरटेल सेवाओं को एयरटेल ब्लैक के तहत ले आते हैं तो उन्हें समग्र रूप से एक ही बिल जारी किया जाएगा। उनकी सभी सेवाओं के लिए कस्टमर केयर नंबर भी एक ही होगा। कंपनी इसके तहत 998-2,099 रुपये मासिक मूल्य रेंज में तीन योजनाएं भी लेकर आई है।

राष्ट्रीय फलक

अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में सरकारी नौकरियों में सबसे बड़ी भर्ती

राज्य ब्यूरो, जम्मू

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 समाप्त होने के बाद केंद्र शासित प्रदेश में पहली बार सरकारी नौकरियों में सबसे बड़ी भर्ती हुई है। शनिवार को जम्मू-कश्मीर सर्विस सिलेक्शन बोर्ड ने ग्रामीण विकास और पंचायत राज विभाग में अकाउंट असिस्टेंट (पंचायत) के पदों की नियुक्ति की फाइनल चयनित सूची जारी कर दी। यह सूची जिला कैडर के पदों के आधार पर जारी की गई है। परीक्षा में शामिल कुल 1.62 लाख उम्मीदवारों में में से 1,889 का चयन हुआ है। इन नियुक्तियों से पंचायतों का कामकाज बेहतर होगा।

अलग-अलग श्रेणियों में हुआ चयन: सर्विस सिलेक्शन बोर्ड की ओर से जारी चयन सूची के अनुसार, ओपन मेरिट में 946, रिजर्व बैकवर्ड एरिया (आरबीए) में 196, अनुसूचित जाति (एससी) में

तोहफा
- अकाउंट असिस्टेंट (पंचायत) के पदों की फाइनल चयन सूची जारी
- परीक्षा में शामिल 1.62 लाख में से 1,889 उम्मीदवारों का चयन

160, अनुसूचित जनजाति (एसटी) में 188, आर्थिक रूप से कमजोर तबके (ईडब्ल्यूएस) में 180, वास्तविक नियंत्रण रेखा (एएलसी) में 73, पहाड़ी भाषाई लोग (पीएसपी) में 74 और सामाजिक श्रेणी में 72 उम्मीदवार शामिल हैं।

1.62 लाख उम्मीदवारों ने दी थी लिखित परीक्षा : सर्विस सिलेक्शन बोर्ड की 184वीं बैठक में उम्मीदवारों की फाइनल सूची को मंजूरी दी गई। जम्मू-कश्मीर से पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद यह सबसे बड़ी भर्ती है, जो नए कानूनी ढांचे के तहत हुई है। जम्मू-कश्मीर का कोई भी डोमिसाइल अन्य औपचारिकताएं पूरी करने वाला इन पदों के लिए आवेदन करने का हकदार था।

लिखित परीक्षा के आधार पर हुई नियुक्तियां : ग्रामीण विकास और पंचायत राज विभाग ने 15 मई 2020 को पद भरने के लिए सर्विस सिलेक्शन बोर्ड को रेफर किए थे। बोर्ड ने 6 जुलाई 2020 को पदों को भरने के लिए अधिसूचना जारी की थी। अकाउंट असिस्टेंट पंचायत के पदों को भरने के लिए सिर्फ लिखित परीक्षा के आधार पर नियुक्तियां करने का फैसला किया गया। लिखित परीक्षा 10 नवंबर 2020 को हुई थी और बोर्ड ने 25 दिसंबर को परिणाम घोषित कर दिया। उसके बाद दस्तावेज जांच की प्रक्रिया चली। इस बीच बोर्ड के पास कई उम्मीदवारों ने आपत्तियां दर्ज करवाई। बोर्ड की ओर से संबंधित सभी मामलों पर विचार विमर्श करने के बाद फाइनल चयन सूची जारी कर दी गई।

सुप्रीम कोर्ट ने पीएनबी की याचिका पर केंद्र, आरबीआइ से जवाब मांगा

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब नेशनल बैंक को कर्ज नहीं चुकाने वाले लोगों की सूची और उसकी निरीक्षण रिपोर्ट जैसी सूचना को आरटीआइ कानून के तहत सार्वजानिक करने का निर्देश देने संबंधी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) के नोटिस पर अंतरिम रोक लगाने से इन्कार कर दिया है। साथ ही, शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार, आरबीआइ और उसके केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी से जवाब मांगा है। कोर्ट ने पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की याचिका को एचडीएफसी बैंक द्वारा दायर इसी तरह के एक लंबित मामले से संलग्न कर दिया है। एचडीएफसी बैंक ने आरबीआइ के निर्देश के खिलाफ यह याचिका दायर की थी। जस्टिस एस.अब्दुल नजीर और जस्टिस कृष्ण मुरारी की पीठ ने कहा कि इस मामले को 2019 की (एचडीएफसी की) रिट याचिका (दीवानी) संख्या-1159 के साथ संलग्न कर संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया जाए।

जयपुर के पूर्व राजपरिवार की संपत्ति को नगाड़ा वादक बता रहा अपनी, थाने पहुंचा मामला

जागरण संवाददाता, जयपुर

नगाड़ा बजाने वाले एक व्यक्ति ने जयपुर के पूर्व राजपरिवार की संपत्ति सिटी पैलेस के बाहर के हिस्से को अपना बताया है। उसने बिजली और पानी के कनेक्शन भी ले लिए हैं। पूर्व राजपरिवार का आरोप है कि फर्जी दस्तावेज के सहारे न केवल वह कब्जा जता रहा है, बल्कि बिजली और पानी के कनेक्शन भी उन्हीं के आधार पर लिए हैं। पिछले दिनों महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय म्यूजियम ट्रस्ट सिटी पैलेस के प्रशासक प्रमोद यादव ने उसके खिलाफ माणकचौक पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

सिटी पैलेस प्रशासन का कहना है पूर्व राजपरिवार की संपत्ति जलेबी चौक स्थित सिरहड्योढ़ी दरवाजे पर गणेश जी की मूर्ति की स्थापना रियासतकाल में की गई थी। यह सिटी पैलेस का प्रवेश द्वार है। प्रवेश द्वार पर नगाड़ा बजाने के लिए महाराज मानसिंह द्वितीय के समय अब्दुल सलाम को रखा गया था। उसे वहीं एक कमरा और कुछ खाली स्थान दिया गया था, जहां वह रात के समय आराम करता था। फिर उसने अपने परिवार को भी वहां रख लिया। रियासत परंपरा खत्म होने के बावजूद राजपरिवार ने नगाड़ा वादन की परंपरा को जारी रखा। 31 मई, 2018 में अब्दुल सलाम सेवानिवृत्त हो गया, लेकिन राजपरिवार ने उसे सेवा से नहीं हटाया। ट्रस्ट ने उसे पेंशन सहित अन्य लाभ चेक के जरिये दिए। करीब दो साल पहले जब उसकी उम्र ज्यादा हो गई तो राजपरिवार ने दो नए लोग नगाड़ा बजाने वाले रख लिए।

सेवा से हटाने के बाद भी अब्दुल सलाम ने कमरे से अपना कब्जा नहीं छोड़ा और चार अन्य कमरों पर भी कब्जा कर लिया है। ट्रस्ट प्रशासन ने अब्दुल सलाम को हटने के लिए कहा गया तो वह तैयार नहीं हुआ। थानाप्रभारी सुरेंद्र यादव ने बताया कि दोनों पक्षों से कागजात मांगे हैं।

कोर्ट में मामला विचाराधीन

केंद्र सरकार और महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय के बीच आजादी के समय एक अनुबंध हुआ था। इसमें पूर्व राजपरिवार के कब्जे में सिटी पैलेस सहित कुछ अन्य संपत्तियों को रखे जाने की बात लिखी गई थी। 24 जून, 1970 को महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय का निधन हो गया। इसके बाद उनके बेटे भवानी सिंह ने सिटी पैलेस एरिया व जलेबी चौक की संपत्ति को ट्रस्ट को दे दिया। यह ट्रस्ट साल,1972 में अस्तित्व में आया था। ट्रस्ट ही इन संपत्तियों की देखभाल करता है। हालांकि, इस संपति के कब्जे को लेकर नगर निगम, राज्य सरकार व ट्रस्ट के बीच कोर्ट में मुकदमा चल रहा है।

बेघरों, भिखारियों को सब कुछ नहीं मुहैया करा सकता राज्य

मुंबई, प्रेट्र : बांबे हाई कोर्ट ने शनिवार को कहा कि बेघरों और भिखारियों को भी देश के लिए कुछ काम करना चाहिए, क्योंकि राज्य ही सब कुछ उन्हें उपलब्ध नहीं करा सकता। मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जीएस कुलकर्णी की खंडपीठ ने बृजेश आर्य की जनहित याचिका का निपटारा करते हुए यह टिप्पणी की। बृजेश आर्य ने अदालत से बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) को शहर में बेघर व्यक्तियों, भिखारियों और गरीबों को तीन वक्त का भोजन, पीने का पानी, आश्रय और स्वच्छ सार्वजनिक शौचालय उपलब्ध कराने का निर्देश देने का अनुरोध किया था।

बीएमसी ने अदालत को सूचित किया कि गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से पूरी मुंबई में ऐसे लोगों को भोजन और समाज के इस वर्ग की महिलाओं को सैनिटरी नैपकिन दिया जा रहा है। अदालत ने बीएमसी की इस दलील को मानते हुए कहा

फैसला
- बांबे हाई कोर्ट ने कहा, इन लोगों को भी देश के लिए काम करना चाहिए
- जनहित याचिका का निपटारा करते हुए उच्च न्यायालय ने की टिप्पणी

कि इस संबंध में आगे निर्देश देने की आवश्यकता नहीं है।

हाई कोर्ट ने कहा, उन्हें (बेघर व्यक्तियों को) भी देश के लिए कोई काम करना चाहिए। हर कोई काम कर रहा है। सब कुछ राज्य ही नहीं दे सकता है। आप (याचिकाकर्ता) सिर्फ समाज के इस वर्ग की आबादी बढ़ा रहे हैं। अदालत ने याचिकाकर्ता पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर याचिका में किए गए सभी अनुरोध को मान लिया जाए तो यह मानो लोगों को काम नहीं करने का न्योता देना होगा। अदालत ने कहा कि शहर में सार्वजनिक शौचालय हैं और इनके इस्तेमाल के लिए मामूली शुल्क लिया जाता है।

अफगानिस्तान से बेटी व नातिन के प्रत्यर्पण को हाई कोर्ट पहुंची फातिमा की मां

कोच्चि, प्रेट्र: अफगानिस्तान की जेल में बंद निमिषा उर्फ फातिमा इसा की मां ने अपनी बेटी व नातिन के भारत प्रत्यर्पण के लिए केरल हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। आतंकी संगठन आइएसआइएस के लिए काम करने वाला फातिमा का पति अफगानी सैनिकों के हाथों मारा जा चुका है। शादी से पहले निमिषा हिंदू थी। मतांतरण के बाद उसकी केरल निवासी आइएसआइएस के एक गुर्गे से शादी हो गई थी। इसके बाद दोनों संदिग्ध अवस्था में 19 अन्य लोगों के साथ लापता हो गए थे। जून 2016 में पता चला था कि सभी अफगानिस्तान में आइएसआइएस के नियंत्रण वाले इलाके में पहुंच चुके हैं। इसी साल फातिमा ने वहां बच्चों को जन्म दिया था। फातिमा की मां बिंदू ने याचिका में कहा है कि उसकी बेटी व नाबालिग नातिन की वापसी से देश की सुरक्षा एवं संप्रभुता को कोई खतरा नहीं होगा। उसने कहा है कि जाकिर नाइक के नेतृत्व में आइएसआइएस के गुर्गों ने निमिषा को सुनियोजित ढंग से कट्टरपंथी बनाया था। याचिका में उसने कोर्ट से प्रत्यर्पण के लिए गृह व विदेश मंत्रालय को निर्देशित करने की मांग की है।

साप्ताहिक राशिफल

रविवार 4 जुलाई, 2021 से शनिवार 10 जुलाई, 2021 तक

पं. बी. बी. शास्त्री 'देवेश'

मेष (चू,चे,चो,ला,ली,लू,ले,लो,आ)
जीवन में लक्ष्य प्राप्ति के प्रति सजग रहें,अर्थ साधन में प्रयास, कार्य करने वालों से सावधान, भूमि, भवन कार्यों में देरी, बौद्धिक, लेखन कार्य में प्रगति, शत्रुपक्ष से सावधान, स्वास्थ्य का ध्यान रखें, जीवनसाथी का मिलन, राज्यपक्ष से सावधान, व्यय अधिक, शुभ अंक 5

वृष (इ,ऊ,ए,ओ,पा,वी,वू,वे,वो)
व्यापारिक व पारिवारिक जीवन में परस्पर सहयोग, धन के प्रति सजग रहें, अतिविश्वास से बचें, यथार्थ को स्वीकार करें, पारिवारिक, भौतिक जीवन के साधनों की वृद्धि, सन्तान के लिये योजना, खानपान का ध्यान रखें, वाहन में सावधानी, व्यय अधिक, शुभ अंक 6

मिथुन (का,की,कू,घ,ड,छ,के,को,हा)
आत्मविश्वास से कार्य क्षेत्र में सफलता, पारिवारिक सहयोग से विवादों का हल, सामाजिक रचनात्मक कार्य में यश, निर्णय सलाह से करें, अतिकल्पना से बचें, अध्ययन में सफलता, मित्रों से लाभ, प्रणय में अनबन, आय मे सुधार, नौकरी में उन्नति, व्यय अधिक, शुभ अंक 7

कर्क (ही,हू,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो)
कार्य क्षेत्र में अवसरों का लाभ उठायें, धनागम में सुधार, पूंजी निवेश में सलाह लें, समस्या एवं विवाद का समाधान, पुराने मित्रों से सहयोग, पराक्रम से कार्य की संपन्नता, वाद विवाद से बचें, समय का उपयोग करें, दांपत्य मे सुख, राजनैतिक अपयश, व्यय अधिक, शुभ अंक 8

सिंह (मा,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे)
कार्य में सहयोग से सफलता, दिनचर्या व्यस्ततम, ऊर्जा से तत्पर रहें, कार्य क्षेत्र का अवसर, पारिजनों के सहयोग से प्रसन्नता, योजना साकार होगी,संतान की प्रगति, मन में स्थिरता, पुराने मित्र से संपर्क, जीवनसाथी का मिलन, रक्षा साधन कार्य में सफलता, व्यय अधिक, शुभ अंक 9

कन्या (टो,पा,पी,पू,ष,ण,उ,पे,पो)
व्यापारिक कार्य मे सफलता, नये कार्य के प्रति प्रयास से सफलता, विदेश कार्य में सफलता, जीवन शैली के परिवर्तन से लाभ, भूमि, भवन कार्यो मे देरी, चयन में सफलता, शत्रुपक्ष से सावधान, ईर्ष्या एवं क्रोध से बचें, दांपत्य मे सुख, राजनैतिक अपयश, स्थान पद परिवर्तन, शुभ अंक 1

तुला (रा,री,रू,रे,रो,ता,ती,तू,ते)
व्यापारिक कार्य पूर्ति हेतु प्रयत्न, जरूरी कार्य में समय दें, धन के आवागमन में सावधानी, दिनचर्या व्यस्ततम, भौतिक साधनों की पूर्ति, विषय चयन में सफलता, अध्ययन में रुचि, वाद विवाद से बचें, शत्रुपक्ष से सावधान, दांपत्य मे सुख, एकाएक सफलता, शुभ अंक 2

वृश्चिक (तो,ना,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू)
कार्यो में रचनात्मकता से मिलेगी सफलता, आपसी मतभेदों की स्थिति में होगा सुधार, विदेश कार्य क्षेत्र में सफलता, साधनों की वृद्धि, अतिभावुकता से बचें, चयन में सफलता, खानपान पर ध्यान दें, सामजिक दूरी का पालन करें, आय में सुधार, शुभ अंक 4

धनु (ये,यो,भा,भी,भू,धा,फा,ढा,भे)
व्यापारिक कार्य में सफलता, धनागम में अवरोध, निजी जीवन में चिंता का समाधान, कार्य में लक्ष्य के प्रति सचेत रहें, साझेदारी में सावधानी, भवन, भूमि कार्यो में अवरोध, बौद्धिक, लेखन कार्य में सफलता, मित्रों से सहयोग, क्रोध, ईर्ष्या से बचें, दांपत्य में सुख, शुभ अंक 5

मकर (भो,जा,ज,खी,खू,खे,खो,गा,गी)
व्यवसायिक कार्यो की पूर्ति हेतु प्रयत्न, परिस्थितियों पर कार्य करें, सामाजिक कार्य में सौम्यता से कार्य करें, साझेदारी में सावधानी, वाहन, आभूषण का योग, लेखन, शिक्षा क्षेत्र में प्रगति, असुरक्षा की भावना,अधिकारी से सहयोग, स्थान पद परिवर्तन योग, व्यय अधिक, शुभ अंक 6

कुम्भ (गू,गे,गो,सा,सी,सू,से,सा,दा)
कार्य में सहयोग से सफलता, आत्मविश्वास से कार्य करते रहें, चिन्ता का समाधान, कल्पनाशीलता और अतिविश्वास से बचें, नवीन विचारों का समावेश, चयन में देरी, दांपत्य में सुख, खानपान का ध्यान रखें, राज्यपक्ष से लाभ, राजनैतिक सफलता, शुभ अंक 7

मीन (दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची)
विचारों को कार्य रूप में बदलें, अर्थसाधन में प्रयास, भविष्य के प्रति योजना, विदेश कार्य में सफलता, निजी मतभेद की समाप्ति, स्वार्थीजनों से सावधान, चयन में सफलता, अध्ययन में रुचि, शत्रुपक्ष परास्त, जीवनसाथी का मिलन, राज्यपक्ष से सावधान, यात्रा से बचें, शुभ अंक 8

दैनिक जागरण

जो धैर्य रखना जानता है वह जीवन में सब कुछ पाता है

उत्तराखंड में फिर बदलाव

उत्तराखंड में एक और बार नेतृत्व परिवर्तन से यही प्रकट हुआ कि भाजपा ने करीब चार महीने पहले जब त्रिवेंद्र सिंह रावत की जगह तीरथ सिंह रावत को मुख्यमंत्री बनाया था तो पर्याप्त सोच-विचार नहीं किया था। भले ही सांसद तीरथ सिंह रावत को इस आधार पर मुख्यमंत्री बनाया जाना बेहतर समझा गया हो कि उनके नाम पर सभी विधायक सहमत हो जाएंगे, लेकिन कम से कम यह तो सोचा ही जाना चाहिए था कि छह महीने के अंदर उन्हें विधायक बनना होगा। यदि इस बारे में कुछ सोचा नहीं गया तो इसे अदूरदर्शिता के अलावा और कुछ नहीं कहा जा सकता और यदि सोचा गया था तो फिर उन्हें उपचुनाव क्यों नहीं लड़ाया गया? समझना कठिन है कि तीरथ सिंह रावत मुख्यमंत्री बनने के बाद सल्ट विधानसभा क्षेत्र में हुए उपचुनाव में क्यों नहीं खड़े हुए? क्या वह वहां से अपनी जीत की संभावनाएं नहीं देख रहे थे? सवाल यह भी है कि जब निर्वाचन आयोग ने रिक्त सीटों वाले गंगोत्री और हल्द्वानी विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव कराने से इन्कार ही नहीं किया तो फिर इस नतीजे पर कैसे पहुंच जाया गया कि यहां उपचुनावों की नौबत नहीं आने वाली? क्या यह बेहतर नहीं होता कि भाजपा संवैधानिक संकट का हवाला देकर निर्वाचन आयोग से गंगोत्री एवं हल्द्वानी में उपचुनाव कराने का आग्रह करती और इनमें से किसी एक क्षेत्र से तीरथ सिंह रावत चुनाव मैदान में उतरते? जब निर्वाचन आयोग इस आग्रह को ठुकरा देता तब फिर मजबूरी में वह किया जाता, जो गत दिवस किया गया।

अभी तो ऐसा लगता है कि तीरथ सिंह रावत ने चुनाव लड़ने के बजाय मैदान छोड़ देना बेहतर समझा। अब जब विधानसभा चुनाव में सात-आठ महीने का ही समय शेष रह गया है, तब उत्तराखंड में फिर से नेतृत्व परिवर्तन की नौबत आना यही बताता है कि भाजपा समझ नहीं पा रही कि उसे राजनीतिक चुनौती का सामना कैसे करना है? यह ठीक है कि भाजपा ने विधायक पुष्कर सिंह धामी को नया मुख्यमंत्री चुनकर उस गलती को सुधार लिया, जो उसने लगभग चार महीने पहले लोकसभा सदस्य तीरथ सिंह रावत को नेतृत्व सौंप करके की थी, लेकिन नए मुख्यमंत्री के लिए उन चुनौतियों का सामना करना आसान नहीं होगा, जो चुनाव के मुहाने पर खड़ी किसी सरकार के समक्ष होती हैं। इसमें संदेह है कि नए मुख्यमंत्री इतने कम समय में जनता की अपेक्षाओं को पूरा कर सकेंगे। जो भी हो, भाजपा को पांच साल के अंदर मुख्यमंत्री के रूप में जिस तरह तीसरे चेहरे का चयन करना पड़ा, उससे इस राज्य में बार-बार मुख्यमंत्री बदले जाने की पुरानी बीमारी का नए सिरे से उभार होता हुआ ही दिखा।

पर्यटक और हुड़दंग

हिमाचल प्रदेश की आर्थिकी में पर्यटक अहम हैं। वैश्विक महामारी के कारण यह उद्योग पूरी तरह बंद था। अब राहत मिलने पर पर्यटन गतिविधियों ने फिर से गति पकड़ी है। मैदानी इलाकों में गर्मी बढ़ने के कारण कई लोगों ने हिमाचल प्रदेश का रुख किया है। एक सप्ताह में ही लाखों गाड़ियां हिमाचल प्रदेश पहुंची हैं। इस बीच स्थानीय लोगों के साथ झगड़े व पर्यटकों के हुड़दंग की शिकायतें भी आने लगी हैं। कुल्लू जिला में स्थानीय लोगों के साथ पर्यटकों से झगड़े की घटना हुई थी। गलती किसी भी पक्ष की हो सकती है। लेकिन लड़ाई झगड़ा किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। शिमला में ट्रैफिक पुलिस कर्मचारी पर पर्यटक को थप्पड़ मारने का आरोप लगा है। हालांकि जांच के बाद ही कारणों का पता चल पाएगा कि ऐसी स्थिति क्यों उत्पन्न हुई? अगर ट्रैफिक पुलिस कर्मचारी ने पर्यटकों को रुकने के लिए कहा था तो उन्हें रुकना चाहिए था। ट्रैफिक पुलिस की तैनाती इसीलिए होती है ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु रहे। सरकार भी पर्यटकों को हर तरह की सुविधाएं उपलब्ध करवाने का प्रयास कर रही है। पुलिस को पर्यटक मित्र बनाने की दिशा में भी प्रयास हो रहे हैं, लेकिन इस तरह की घटनाएं निराश करती हैं। अन्य राज्यों से आने वाले लोगों को चाहिए कि वे सुकून के कुछ पल बिताने के लिए ही पहाड़ों की सैर के लिए आते हैं। यहां आकर किसी तरह के विवाद में पड़ना सही नहीं है। पर्यटकों से अपेक्षा रहती है कि वे यहां पर आकर मर्यादा में रहें और सभी नियमों का पालन करें। ऐसा आचरण न करें, जिससे शर्मिंदगी का सामना करना पड़े। होना तो यह चाहिए कि जब कोई व्यक्ति दूसरे क्षेत्र में जाता है तो वह संयमित और सौम्य व्यवहार करे। साथ ही नियमों की अवहेलना करने से बचे। मर्यादा में रहकर पहाड़ की खूबसूरती को निहारें और अच्छी यादें साथ लेकर लौटें। स्मरण रहे कि संस्कार और सहनशीलता व्यक्ति के आवश्यक गुण होते हैं। सहनशील लोग हर विवाद को आसानी से सुलझा लेते हैं। विवाद तभी बढ़ता है जब कोई भी पक्ष एक-दूसरे को नहीं सुनना चाहते हैं।

> हिमाचल की आर्थिकी के लिए पर्यटक अहम हैं, लेकिन इसके एवज में उन्हें मनमानी करने की इजाजत बिल्कुल नहीं दी जा सकती

बड़ी चुनौती बनता चीन



संजय गुप्त

तमाम खामियों और अड़ियल-अहंकारी रवैये के बाद भी चीन ने जैसी तेज तरक्की की है, उसकी कम से कम भारत को अनदेखी नहीं करनी चाहिए



अवधेश राजपूत

चीन पर राज करने वाली चीनी कम्युनिस्ट पार्टी यानी सीसीपी की स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने पर चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने थ्येनआनमन चौक से अपना जो भाषण दिया, उससे न केवल चीन की विस्तारवादी सोच झलकती है, बल्कि उसके दंभ के कारण विश्व के सामने आने वाली चुनौतियों की भी झलक मिलती है। माओत्से तुंग ने जब सोवियत संघ से प्रेरित होकर 1 जुलाई 1921 को सीसीपी की नींव रखी थी, तब उनका मकसद चीन को गरीबी से बाहर निकालकर देश को उस मुकाम पर पहुंचाना था, जहां वह तीन-चार सौ वर्ष पहले था। एक समय भारत और चीन, विश्व व्यापार में अपना आधिपत्य रखते थे, लेकिन समय के साथ दोनों पिछड़ गए और उनकी गिनती गरीब देशों में होने लगी। कभी विश्व व्यापार में चीन की 30 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जो 1941 में आधा प्रतिशत पर आ गई। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद राजनीतिक समीकरण कुछ ऐसे रहे कि चीनी नेताओं को अमीर देशों के सामने अपमानित होना पड़ा। इस अपमान से विचलित हुए बगैर चीनी नेता अपने देश को आगे ले जाने की रूपरेखा बनाने में जुटे रहे।

चीन ने पिछले तीन-चार दशकों में अपनी आर्थिक तरक्की के बल पर करोड़ों लोगों को गरीबी रेखा के बाहर निकाला और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर विश्व के पूरे व्यापार पर करीब 20 प्रतिशत की हिस्सेदारी कायम कर ली। ऐसी उपलब्धि की मिसाल मिलना कठिन है। 50 वर्षों में दो प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक व्यापार में अपनी हिस्सेदारी कर लेना किसी चमत्कार से कम नहीं। इस चमत्कार के पीछे चीनी नेताओं की दूरदर्शिता और प्रतिबद्धता रही। चीन का यकीन इस पर नहीं कि जनता की भागीदारी से विकास होता है। अभी भी वह एक पार्टी वाली शासन व्यवस्था को आदर्श मान रहा है। लोकतंत्र और साम्यवाद के तौर-तरीके बिलकुल अलग होते हैं। जहां लोकतंत्र में जनता के वोट से सरकारें बनती हैं वहीं साम्यवाद में एक ही पार्टी का एकछत्र राज चलता है। जितने भी लोकतांत्रिक देश हैं वहां पर कानूनों का निर्माण इस सोच के साथ किया जाता है कि सबको समान अधिकार मिलें और किसी का दमन न हो। ऐसे देशों के औसत नागरिकों की सोच में अधिकार सर्वोच्च हो जाते हैं और कर्तव्य पीछे। चीनी नागरिकों के पास कोई खास अधिकार नहीं हैं और चीनी सत्ता को इसकी परवाह भी नहीं की कि अपने नागरिकों के दमन पर विश्व उसके बारे में क्या सोचेगा? चीन ने जैसे थ्येनआनमन चौक पर लोगों का दमन किया, वैसे ही उइगर मुसलमानों का कर रहा है। चीन के अधिकांश नागरिक यह मानते हैं कि देश के सामने उनके अधिकार गौण हैं।

1970 के आसपास चीन ने अपने कारखानों को सरकारी मदद से खड़ा किया। आज भी उसके अधिकांश कारखाने सरकारी मदद से ही चलते हैं। वैसे तो यह भारत की तरह के सार्वजनिक उपक्रम हैं, पर उत्पादकता के मामले में चीन के कारखानों का कोई सानी नहीं। भारत में चाहे सरकारी मदद से चलते कारखाने हों या प्राइवेट सेक्टर के, वे उत्पादकता के मामले में चीन के सामने ठहरते ही नहीं। इसी कारण जिस समय विकसित देश अपने उद्योगों की आउटसोर्सिंग कर रहे थे, उस वक्त उन्होंने चीन को पसंद किया और भारत हाथ मलता रह गया।

चीन की तरक्की का कारण यह भी है कि उसे अपनी योजनाओं को अमल में लाने में किसी तरह की बाधा का सामना नहीं करना पड़ता। सबसे बड़ी बात यह है कि पहले के नेताओं ने चीन के विकास का जो सपना देखा था, उसे ही उनके उत्तराधिकारियों ने देखा और उसे साकार करने में जुटे रहे। इसके विपरीत भारत के नेताओं ने देश के विकास का कोई साझा सपना नहीं देखा। यहां हर सरकार अपनी तरह से देश का विकास करना चाहती है।

इसमें दो राय नहीं कि चीन अंतरराष्ट्रीय समुदाय की दृष्टि में एक गैर जिम्मेदार राष्ट्र है। वह मानवाधिकारों को कोई महत्व नहीं देता और पड़ोसी राष्ट्रों को धमकाता रहता है, लेकिन इस सबके बाद भी उसने अपने लोगों को गरीबी के दुष्चक्र से बाहर निकालने में सफलता हासिल की है। निःसंदेह चीन की इस बात के लिए आलोचना होती है कि वह गरीब देशों को अपने कर्ज के जाल में फंसाता है और खुद से असहमत अपने लोगों का दमन करता है, लेकिन वह अपने आर्थिक विकास को सर्वोच्च महत्व देता है और हर हाल में उस पर ध्यान केंद्रित किए रहता है। चूंकि वह अपनी आर्थिक ताकत के नशे में चूर है इसलिए आगे भी विश्व समुदाय की निंदा-आलोचना की परवाह नहीं करने वाला। वह महाशक्ति बनने और अमेरिका का स्थान लेने को तैयार है। आज अमेरिका के सामने उसकी वही स्थिति है, जो एक समय सोवियत संघ की थी। चीन के अड़ियलपन और अहंकारी रवैये की कितनी भी आलोचना की जाए, उसने आर्थिक विकास के मामले में जो कुछ हासिल किया है, उसकी अनदेखी कम से कम भारत को नहीं करनी चाहिए।

जहां भारत अपनी तमाम जरूरतों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर है, वहीं चीन अपनी जरूरत का हर सामान खुद बनाता है। इतना ही नहीं, वह दुनिया का कारखाना बना हुआ है। डिजिटल तकनीक के मामले में तो वह अमेरिका से भी आगे निकलता दिखाई दे रहा है। एक समय चीनी वस्तुओं की गुणवत्ता घटिया होती थी, लेकिन धीरे-धीरे वह गुणवत्ता प्रधान वस्तुओं का निर्माण करने में सक्षम हो रहा है। उसके विश्वविद्यालय भी विश्वस्तरीय बन रहे हैं और शोध-तकनीक के संस्थान भी। वह कई मामलों में अमेरिका के समकक्ष खड़ा नजर आता है। उसकी बहुराष्ट्रीय कंपनियों की धाक बढ़ती जा रही है। विश्व में शायद ही कोई देश हो, जो व्यापार में चीन का प्रमुख सहयोगी न हो। चीनी सत्ता अभी भी यह नहीं मानती कि चीन शिखर पर है। उसकी सोच चीन को सिरमौर बनाने की है। चीन के इरादों से भारत समेत दुनिया के लोकतांत्रिक देशों का सशंकित होना स्वाभाविक है। भारत को कहीं अधिक चिंतित होना चाहिए, क्योंकि चीन न केवल पड़ोसी देश है, बल्कि हमारी तरक्की की राह को रोकना चाहता है। ऐसे में हमारे नेताओं को यह सोचना होगा कि चीन का मुकाबला कैसे किया जाए? राजनीतिक नेतृत्व के साथ आम जनता को भी अपनी व्यवस्था की खामियों के बारे में सोचना होगा। यदि इस बारे में गंभीरता से नहीं सोचा गया तो चीन का मुकाबला करना और कठिन होता जाएगा।

response@jagran.com

शर्म की मुलाकात ईमानदारी से

हास्य-व्यंग्य





सूर्यकुमार पांडेय

> कहते हैं कि शर्म से डूब मरो, लेकिन आज तक किसी ने यह नहीं बताया कि कोई शर्म से कहां जाकर डूब मरे?

मैंने अक्सर लोगों को यह कहते हुए तो सुना था कि तुमको शर्म नहीं आती! लेकिन एक दिन मुझे शर्म स्वयं सामने से आती हुई दिखलाई पड़ गई। वह शर्म जो कभी हट्टी-कट्टी हुआ करती थी, आज सींक-सलाई हो गई थी। उसका चेहरा उतरा हुआ था। जब वह मेरे पास से गुजरी, तब मैंने उसे टोकते हुए पूछ ही लिया, 'कहां से आ रही हो और किधर जा रही हो?' वह झुंझलाती हुई बोली, 'यह मत पूछिए कि मैं कहां से आ रही हूं, मगर यह जरूर बता सकती हूं कि मैं कहां जा रही हूं?' मैंने कहा, 'चलो, यही बता दो।' शर्म अपने दोनों पैरों को पटकती हुई बोली, 'मैं डूबकर मरने जा रही हूं।'

मुझे यह बात तो पहले से ही पता थी कि लोग जब किसी बात पर क्रोधित होते हैं, तब सामने वाले से कहते हैं कि शर्म से डूब मरो। यह दीगर बात है कि आज तक किसी ने यह नहीं बताया कि कोई शर्म से कहां जाकर डूब मरे? इसी नाते लोग इस बात को निर्लज्जतापूर्वक एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल दिया करते हैं। इस डूब मरने वाली बात का मुहावरे के तौर पर चलन भी एक आम बात है। वैसे भी डूबने के लिए तालाब, पोखर, कुएं, बावड़ियां वगैरह बची ही कहां हैं? भूजल दोहन के इस क्रूर समय में मनुष्य और जल, दोनों का स्तर रसातल में पहुंच चुका है। आदमी का खुद का पानी इतना मर चुका है कि वह पानी के मरने तक की परवाह नहीं करता। इसके चलते शर्म से चुल्लू भर पानी में डूब मरने की कहावत भी अब बेमानी हो चुकी है।

शर्म के डूबकर मरने के लिए जाते हुए देखना अपने आप में एक विरल घटना थी, जो आज साक्षात मेरी आंखों के सामने घटित हो रही थी। मुझे विश्वास तो नहीं हो रहा था, लेकिन उस पर भरोसा करने के सिवा और कोई चारा भी तो नहीं था। यदि इस विश्वास को हम अपनी जिंदगी से निकाल दें तो हमारा जीना मुहाल हो जाएगा। इसी विश्वास के चलते जब हम बीमार होते हैं, तब उपचार करने वाले चिकित्सक को धरती के भगवान के रूप में पाते हैं। यह अलग बात है कि इसमें भी अपवाद हुआ करते हैं। हरेक क्षेत्र में मजबूरी का फायदा उठाने वाले निर्लज्ज व्यक्ति धन पिपासा के चलते कुछ बेशर्मी वाले काम करते ही हैं। ऐसे ही लोगों के लिए चचा गालिब लिख गए हैं, 'काबा किस मुंह से जाओगे गालिब, शर्म तुमको मगर नहीं आती।'

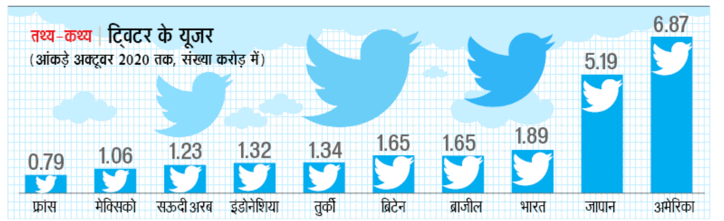
उधर शर्म मेरे सामने खड़ी थी और इधर मैं विश्वास पर चिंतन करने लग पड़ा था। खैर, शर्म ने मुझे झकझोरते हुए मेरी तंद्रा को भंग किया और कहने लगी, 'मैंने तो अब यह अंतिम निर्णय ले लिया है कि डूब मरूंगी। आज के समय में लोग मुझसे अधिक बेशर्मी से वास्ता रखने लग गए हैं। एक दौर वह भी हुआ करता था, जब मनुष्य अपने चरित्र और नैतिक मूल्यों की रक्षा के लिए मेरी आड़ लिया करता था। वह समाज से डरता था और कोई भी निर्लज्ज कृत्य करने से पहले सौ बार सोचता था कि लोग क्या कहेंगे? आज इंसान की बेशर्मी का आलम यह हो गया है कि वह खुलेआम गाता हुआ घूम रहा है-कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना।' मैंने कहा, 'इतना निराश होने की भी जरूरत नहीं है। शर्म, लाज, हया तो मनुष्य के आभूषण हुआ करते हैं। सोचो भला, जब तुम ही न रहोगी, तो मानवता कितनी विद्रूप दिखाई पड़ेगी?' शर्म खिसियानी हंसी हंसते हुई बोली, 'यही बात तुम राजनीति, मजहब और उद्योग-व्यापार में लिप्त उन लोगों को जाकर क्यों नहीं समझाते हो, जिन्होंने अपनी शर्म बेच खाई है। आज सभी क्षेत्र धंधे में बदल चुके हैं। पैसा ही भगवान हो गया है। इससे पहले कि मैं जितनी भी बची हुई हूं, लोग उसे भी बेच दें, मेरा मर जाना ही बेहतर होगा।'

मैं शर्म का हाथ पकड़कर उसे वहां ले गया, जहां उसकी बड़ी बहन ईमानदारी की कुटिया थी। हालांकि ईमानदारी की सेहत भी ठीक नहीं दिख रही थी। फिर भी उसने लपककर शर्म को अपने गले से लगा लिया। दोनों सगी बहनें एक दूसरे से लिपटकर देर तक रोती रहीं। मैं यह सोचकर आश्वस्त हुआ और वापस लौट आया कि जब तक इस धरती पर ईमानदारी बनी रहेगी, तब तक शर्म भी बची रहेगी।

response@jagran.com

तथ्य-कथ्य | ट्विटर के यूजर

(आंकड़े अक्टूबर 2020 तक, संख्या करोड़ में)



ऊर्जा

संकल्प की शक्ति

जीवन में यदि कुछ विशिष्ट करने की इच्छा बलवती हो तो उसकी पूर्ति के लिए संकल्पशक्ति बहुत आवश्यक है। बचपन में चलना सीखने के दौरान हम कितनी बार गिरते हैं, लेकिन चलने की आकांक्षा से फिर उठ खड़े होते हैं। यही सबक हमें जीवनपर्यंत दोहराना होता है। वास्तव में अपनी गलतियों से सीख लेकर सुधार की राह पर आगे बढ़ना ही जीवन है। सीखने की यह यात्रा बड़ी लंबी होती है, गलतियों से भरी होती है, लेकिन उसकी कठिनाइयों से घबराकर चलने से विमुख होने का विचार त्यागना ही होगा। यह संकल्प की शक्ति से ही संभव है। सकारात्मक आत्मविश्लेषण एक प्रकार से हमारी संकल्पशक्ति का आधार है। इससे आप स्वयं के प्रशिक्षक एवं मार्गदर्शक बन सकते हैं। यही मार्गदर्शन आपकी पराजय को विजय में रूपांतरित कर देगा। जीवन में ऐसे दिन भी आते हैं, जब मन को निराशा घेर लेती है। तब स्वयं पर शंका होने लगती है कि हम अमुक कार्य कर पाने में सक्षम हैं अथवा नहीं। उस स्थिति में सकारात्मकता ही लक्ष्य संधान करती है। विख्यात प्रशिक्षक पीट कैरल कहते हैं कि यदि आप महसूस करते हैं कि आप थक गए हैं तो वाकई आप थका हुआ महसूस करते हैं। यही निराशाजनक भाव आपको लक्ष्य पर पहुंचने में पहाड़ जितनी बाधाएं खड़ी करेगा। निःसंदेह प्रत्येक व्यक्ति के संकल्प का स्तर समान नहीं होता, किंतु संभावना सभी में विद्यमान होती है। ऐसे में यह आप पर निर्भर करता है कि आप उन संभावनाओं को कितना भुनाते हैं।

कुछ लोग सदैव सही समय की प्रतीक्षा में रहते हैं। वे यह ध्यान रखें कि सही समय कभी नहीं आता। जो वर्तमान है वही सबसे सही समय है, क्योंकि उसी में आप किसी कार्य को कर सकते हैं। प्रश्न है तो बस समर्पण एवं संकल्प का। हमारे शास्त्र और मनीषी भी यही संदेश देते हैं कि उठो, जागो और कर्तव्यपथ की ओर बढ़ चलो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य की पूर्ति न हो जाए।

संतोष कुमार तिवारी

कोविड उपचार में नई दवाओं पर दांव

मुकुल व्यास

> मेफ्लोक्विन मरीज में वायरस का लोड सात फीसद तक घटाने के साथ ही कोरोना से जल्द मुक्ति दिलाने में भी सक्षम है

दुनिया की विभिन्न सरकारें फिलहाल अपने नागरिकों के टीकाकरण में जुटी हुई हैं। वहीं जापान के विज्ञानी कोविड-19 के मरीजों के इलाज के लिए उपलब्ध दवाओं के प्रयोग की नई संभावनाओं पर शोध कर रहे हैं। इसमें उन्हें एक बड़ी सफलता भी मिल गई है। जापानी विज्ञानियों ने पता लगाया है कि मेफ्लोक्विन नामक मलेरिया-रोधी दवा कोविड के उपचार में उपयोगी हो सकती है। यह दवा बहुचर्चित हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन से विकसित की गई है। इन विज्ञानियों ने मेफ्लोक्विन की प्रभावोत्पादकता परखने के लिए गणितीय मॉडलों का भी उपयोग किया। उन्होंने हिसाब लगाया कि मेफ्लोक्विन कोविड मरीज में वायरस का लोड सात प्रतिशत तक कम कर सकती है। साथ ही शरीर से वायरस की निकासी का समय घटा कर 6.1 दिन कर सकती है। जापानी विज्ञानी इसका जल्द क्लिनिकल ट्रायल शुरू करेंगे।

ध्यान रहे कि हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन, लोपिनाविर और इंटरफेरॉन जैसी कुछ स्वीकृत दवाओं का उपयोग कोविड के इलाज के लिए किया गया है। हालांकि इनकी चिकित्सीय प्रभावोत्पादकता पुष्ट नहीं हो पाई है। कुछ दिन पहले ही ब्रिटिश विज्ञानियों ने इस दवा की उपयोगिता जानने के लिए रिकवरी ट्रायल शुरू किया था, लेकिन उन्होंने बीच में ही ट्रायल रोक दिया। इस अध्ययन से जुड़े ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मार्टिन लैंडरे ने कहा कि यह दवा कोविड का मुकम्मल इलाज नहीं है।

इस बीच, ब्रिटेन में स्वांजी यूनिवर्सिटी में भारतीय मूल के शोधकर्ता डॉ. सुरेश मोहन कुमार कोविड की दवा के रूप में ग्रीन टी में मौजूद एक रसायन की क्षमता का अध्ययन कर रहे हैं। डॉ. कुमार का कहना है कि प्रकृति के खजाने में बहुत से पेड़-पौधे औषधियों के भंडार हैं। इनमें उपस्थित रासायनिक यौगिकों में असरदार दवाएं खोजी जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि हमने यह पता लगाने की कोशिश की है कि क्या इन यौगिकों में कोई ऐसा यौगिक है जो कोविड उत्पन्न करने वाले कोरोना वायरस से निपट सके। उन्होंने बताया कि हमने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआइ वाले कंप्यूटर प्रोग्राम की मदद से कुछ ऐसे प्राकृतिक रसायनों को छांटा है, जो दूसरे कोरोना वायरसों के खिलाफ सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि हमारी खोज से पता चलता है कि ग्रीन टी में मौजूद एक रसायन कोरोना वायरस का मुकाबला कर सकता है। इस रसायन का नाम गेलोकेटेचिन है। इसे आसानी से प्राप्त किया जा सकता है और इसका प्रयोग किफायती भी होगा। आरएससी एडवांसेज ऑनलाइन पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार शोधकर्ताओं को अब यह देखना है कि क्या यह रसायन कोविड के खिलाफ सचमुच असरदार है और इस्तेमाल के लिए सुरक्षित है। डॉ. कुमार ने बताया कि हमारा शोध अभी प्रारंभिक अवस्था में है।

(लेखक विज्ञान के जानकार हैं)

राजरंग

उलटा पड़ा पासा



कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ पार्टी के अंदर ही विरोध की आग में घी डाल रहे भाजपा नेताओं को अब खुद ही इसकी तपिश झेलनी पड़ रही है। पहले तो येदियुरप्पा पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया, लेकिन उसमें भी दिलचस्प बात यह थी कि उसे लेकर विपक्षी दल चुप्पी साधे रहे। केंद्रीय नेतृत्व से डांट लगी तो आरोप लगाने वाले भाजपा नेता चुप हो गए। फिर शोर मचाया गया कि येदियुरप्पा के बजाय सरकार उनके पुत्र बिजयेंद्र चला रहे हैं। इसकी शिकायत केंद्र तक की गई। यह भी आरोप लगाया गया कि बिजयेंद्र पर ईडी नजर रख रहा है, लेकिन दो दिन पूर्व ही येदियुरप्पा के विरोधी खेमे के मंत्री श्रीरामुलू के एक सचिव का हाथ विवाद बढ़ाने में सामने आया उसके बाद तो अब यही माना जाएगा कि कहीं न कहीं येदियुरप्पा को कमजोर करने के लिए ही अलग-अलग चालें चली जा रही हैं। धीरे-धीरे ऐसे कुछ लोगों का पर्दाफाश भी हो रहा है। वहीं पार्टी नेतृत्व को इसका जरूर पता लगाना होगा कि इस पूरे खेल की डोर आखिर कहां जुड़ी है, क्योंकि पिछले डेढ़-दो साल से कर्नाटक में भाजपा के नेता और कुछ मंत्री ही कांग्रेस और जनता दल-एस के मुकाबले अपनी सरकार के खिलाफ कहीं अधिक मुखर रहे हैं।

वक्त-वक्त की बात

मुख्यमंत्री बनने की हसरत तो तमाम नेताओं के मन में हिलोरें मारती है। जाहिर तौर पर उत्तराखंड में हुए नेतृत्व परिवर्तन से पहले भी कइयों की नजरें लगी थीं, लेकिन जो नेता खुद को भविष्य का गंभीर खिलाड़ी मानते हैं, वे किसी भी प्रत्यक्ष या परोक्ष दौड़ से भी बचना चाहते थे। खासतौर पर तब जबकि अगले सात-आठ महीनों में चुनाव हों। उनका साफ मानना था कि यह पद मिला तो फिर कुर्सी रहे या जाए राजनीतिक रुतबा बनाकर रखना ही सबसे बड़ी कुंजी होती है और वह तभी संभव है जब क्षमता दिखाने का भरपूर मौका और अधिकार मिले। ऐन चुनाव के वक्त यह संभव नहीं है। यानी चुनाव के वक्त की जिम्मेदारी तलवार से कम नहीं।

मिनटों में खुशी काफूर

इंटरनेट मीडिया पर चलने वाली फर्जी खबरों से यूं तो अक्सर मंत्रालयों के अधिकारियों की भौंहें तन जाती हैं, लेकिन पिछले सप्ताह उस पर ऐसी खबर चली जिसे देखकर अधिकारी से लेकर कर्मचारियों तक में खुशी की लहर दौड़ गई। यह खबर सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते से जुड़ी थी, जिसमें पिछले साल से उन्हें महंगाई भत्ता देने की घोषणा थी। यह खबर वित्त मंत्रालय के अधिकारियों तक भी पहुंच गई। आनन-फानन में वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने इंटरनेट मीडिया की इस खबर पर तुरंत संज्ञान लेते हुए उसे फर्जी घोषित कर दिया। मतलब कर्मचारियों की खुशी कुछ ही देर में काफूर कर दी गई।

सुपर हाईकमान



यूं तो कांग्रेस में हर कमी के लिए नेतृत्व को ही दोषी ठहरा दिया जाता है, लेकिन एक बड़ी परेशानी संगठन महासचिव हैं जिनसे संवाद करना ही मुश्किल हो रहा है। चाहे बिहार-उत्तर प्रदेश हो या फिर असम-गुजरात या फिर केरल-कर्नाटक, लगभग सभी प्रदेशों के कांग्रेसी अपनी पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के सुपर आलाकमान रवैये से परेशान हैं। उनकी शिकायत है कि वेणुगोपाल से मिलना ही मुश्किल है। अगर हाथ-पांव मारकर किसी तरह मुलाकात हो भी गई तो पार्टीजनों की बात वे ऊपर हाईकमान तक नहीं पहुंचाते। न ही खुद कोई हल निकालते। वैसे भी हिंदी भाषी नेताओं-कार्यकर्ताओं के लिए उनसे संवाद करना भी कम टेढ़ी खीर नहीं, क्योंकि वह हिंदी बोलते नहीं और उनकी अंग्रेजी का उच्चारण भी सहज नहीं, जो सभी की समझ में आ जाए।

स्वत्वाधिकारी-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व. नरेन्द्र मोहन, संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए, नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

1952 में देश में बनाया गया था सिनेमेटोग्राफी एक्ट, जिसके तहत फिल्मों के प्रमाणन की प्रक्रिया का प्रविधान किया गया है। बदलते समय के साथ इसमें संशोधन होना वक्त की मांग है।

आजकल

अर्धसत्य की ओट में भ्रम का प्रपंच

वर्तमान तकनीक प्रधान युग में मनोरंजन का परिदृश्य पूरी तरह से बदल चुका है। ऐसे में सिनेमा से संबंधित तमाम नियम-कानून अप्रासंगिक होते दिख रहे हैं। इनमें समयानुकूल बदलाव आज समय की मांग है। हालांकि सरकार ने कुछ हद तक इस दिशा में पहल की है, लेकिन एक खास विचाराधारा से प्रभावित बौद्धिक तबका इसका विरोध कर रहा है। लिहाजा इस संबंध में किए जा रहे बदलाव को समग्रता में समझने की आवश्यकता है



अनंत विजय
anant@nda.jagran.com



सिनेमेटोग्राफी एक्ट में संशोधन का प्रस्ताव : प्रकाश जावडेकर। फाइल



जनता को अर्धसत्य बताकर बरगलाने का प्रयास : श्याम बेनेगल। फाइल

देश की फिल्म इंडस्ट्री में कई ऐसे झंडाबरदार हैं जो किसी न किसी मसले पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की फिराक में रहते हैं। चाहे वो फिल्मों से जुड़ी संस्थाओं का विलय हो, ओवर द टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म के लिए नियमन का मुद्दा हो या कुछ वर्ष पीछे जाएं तो असहिष्णुता का मामला हो या फिर सीएए यानी नागरिकता संशोधन कानून की बात हो। बॉलीवुड के कुछ चेहरे हस्ताक्षर अभियान से लेकर बयानबाजी तक में शामिल हो जाते हैं। इनमें से एक अभिनेत्री ऐसी भी हैं जिन्होंने इमरजेंसी के समर्थन में उस समय बयान भी दिया था। अब ये सब एक बार फिर से केंद्र सरकार को घेरने के लिए एकजुट नजर आ रहे हैं। मामला है सिनेमेटोग्राफी एक्ट में प्रस्तावित संशोधन का। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने सिनेमेटोग्राफी एक्ट में प्रस्तावित संशोधन पर आम जनता की राय आमंत्रित की थी। मंत्रालय के इस कदम को इन सब ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जोड़कर बयान और हस्ताक्षर अभियान आरंभ कर दिया। लेख लिखने लगे। अपने बयानों में और लेख से इस तरह का माहौल बनाया जा रहा है जैसे सरकार केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड को पंगु करना चाह रही है। कहा जा रहा है कि सरकार केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से प्रमाणित फिल्मों को जनता की शिकायत के बाद फिर से प्रमाणित करने का अधिकार अपने पास लेना चाहती है। कुछ लोग तो सुपर सेंसर जैसी बातें भी करने लगे हैं। ये सारी बातें आशंकाओं पर आधारित हैं, तथ्यों पर नहीं। अपने बयानों से लेकर लेख में वो अर्धसत्य का प्रदर्शन करके जनता को लगातार भ्रमित कर रहे हैं।

सरकार के खिलाफ जो माहौल बनाया जा रहा है उसका आधार सिनेमेटोग्राफी एक्ट के अनुभाग छह के उपखंड एक में संशोधन है। इस प्रस्तावित संशोधन से फिल्मों के सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए मिले प्रमाणपत्र के पुनरीक्षण की शक्ति केंद्र सरकार को मिलती है। इसमें यह प्रस्तावित किया गया है कि केंद्र सरकार को यह अधिकार होगा कि वह केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से सर्टिफाइड फिल्म को फिर से बोर्ड के चेयरमैन के पास पुनर्विचार के लिए भेज सकती है। जो लोग इस आधार पर सरकार की आलोचना कर रहे हैं और सुपर सेंसर की बात उठा रहे हैं वो लोग इसके आगे की पंक्ति को नजरअंदाज कर रहे हैं। प्रस्तावित संशोधन में कहा गया है कि सरकार के पास अगर सिनेमेटोग्राफी एक्ट के खंड पांच बी (1) के उल्लंघन की शिकायत आती है उसके अंतर्गत ही सरकार ये कदम उठा सकती है। अब यहां यह जानना जरूरी है कि सिनेमेटोग्राफी एक्ट का खंड पांच बी (1) क्या है? इसके अनुसार अगर किसी भी फिल्म से या उसके किसी हिस्से से राष्ट्र की संप्रभुता, अखंडता, सुरक्षा और अन्य राष्ट्रों के संबंधों पर असर पड़ता है तो उसको प्रमाणित नहीं किया जा सकता है। इसमें ही आगे उल्लेख है कि अगर किसी फिल्म से सार्वजनिक व्यवस्था, शिष्टता या नैतिकता या अदालत की अवमानना होती हो तो उसका प्रमाणन नहीं हो सकता है। प्रस्तावित संशोधन में इसको ही स्थापित करने की बात की जा रही है जो सिनेमेटोग्राफी एक्ट 1952 में पहले से मौजूद था। बाद में कर्नाटक हाई कोर्ट ने एक फैसले में कहा था कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से प्रमाणित फिल्म को केंद्र सरकार पुनर्विचार के लिए बोर्ड को नहीं भेज सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2000 के अपने एक फैसले में कर्नाटक हाई कोर्ट के इस फैसले को बरकरार रखा था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट अपने उसी फैसले में ये भी कहता है कि विधायिका किसी खास केस में न्यायिक या कार्यकारी आदेश को उचित कानून बनाकर इसको रद कर सकती है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय का तर्क है कि कई बार सरकार को यह शिकायत मिलती है कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से प्रमाणित फिल्म से भी सिनेमेटोग्राफी एक्ट के खंड पांच बी का उल्लंघन होता है, लिहाजा वो अपने पास किसी फिल्म के सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए दिए जानेवाले प्रमाणपत्र को पुनर्विचार के लिए बोर्ड के चेयरमैन को भेजने का अधिकार रखना चाहती है। इस वजह से सिनेमेटोग्राफी एक्ट में बदलाव की आवश्यकता है।

अगर समग्रता में इस पर विचार करें तो ये बात सामने आती है कि सूचना और प्रसारण मंत्रालय सिनेमेटोग्राफी एक्ट में संशोधन करके सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले की व्यवस्था को बहाल करना चाहती है। अगर ये संशोधन हो भी जाता है तो सुप्रीम कोर्ट का वह आदेश तो तब भी प्रभावी है कि सरकार किसी खास केस में ही अपनी इस शक्ति का प्रयोग कर सकती है। तो फिर इसमें तानाशाही जैसी बात या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कुठाराघात की बात कहां से आती है।

जब से यह मामला सामने आया है तब से यह भी कहा जा रहा है कि वर्ष 2016 में श्याम बेनेगल की अध्यक्षता में बनाई गई समिति ने भी इस बारे में कुछ नहीं कहा है। बेनेगल समिति ने अपनी जो रिपोर्ट सौंपी थी उसकी सिफारिशों में बिंदु संख्या 5.2 में समिति सिनेमेटोग्राफी एक्ट के खंड पांच बी के उल्लंघन की बात करती है और स्पष्ट रूप से कहती है कि अगर इस खंड का उल्लंघन होता है तो किसी फिल्म को प्रमाणपत्र नहीं दिया जा सकता है। बेनेगल समिति का गठन तब किया गया था जब अरुण जेटली सूचना और प्रसारण मंत्री थे। उस समिति में श्याम बेनेगल के अलावा कमल हासन, राकेश ओमप्रकाश मेहरा, गौतम घोष जैसे लोग शामिल थे। इनमें से कई तो भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा के विरोधी माने जाते हैं, लेकिन उन्होंने भी पांच बी को हटाने की बात नहीं की। अब श्याम बेनेगल को भी यह प्रस्तावित संशोधन अर्थहीन लगता है। वह भी इसको अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जोड़कर देख रहे हैं। जनता को अर्धसत्य बताकर बरगलाने की कोशिश हो रही है।

दरअसल अगर इस पूरे मामले पर समग्रता में तथ्यों के आधार पर विचार करें तो यह मुद्दा न तो सुपर सेंसर का है, न ही अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़ा है और न केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड को पंगु करने का है। असल विचार तो केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के क्रियाकलापों में सुधार पर करना चाहिए। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड को और शक्तिशाली व समयानुकूल बनाने की बात होनी चाहिए। अभी केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के चेयरमैन और बोर्ड के सदस्यों की नियुक्ति सूचना और प्रसारण मंत्रालय करती है। अगस्त 2017 में मशहूर गीतकार प्रसून जोशी को बोर्ड का चेयरमैन बनाया गया था, उसके साथ ही बोर्ड का भी पुनर्गठन हुआ था। प्रसून जोशी की अगुवाई में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने कई जटिल मसलों का हल निकाला। उनके पहले पहलाज निहलानी बोर्ड के चेयरमैन थे, हर दिन कोई न कोई विवाद होता था। प्रसून जोशी के आने के बाद सभी विवाद थम गए। अगर केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के चेयरमैन और सदस्य संजीदा होंगे तो इस बात की संभावना बहुत कम है कि सरकार किसी भी फिल्म के प्रमाणपत्र को पुनर्विचार के लिए बोर्ड को भेजे। साथ ही बोर्ड के क्षेत्रीय सदस्यों का चयन करते समय सावधानी बरती जानी चाहिए।

केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड को विस्तार की भी जरूरत है। फिल्म निर्माण की संख्या बढ़ गई है, लेकिन बोर्ड में उसके अनुपात में सुविधाएं या कर्मचारियों की संख्या नहीं बढ़ाई गई है। यह सब कुछ तभी संभव हो पाएगा जब 1952 के एक्ट में समयानुकूल बदलाव होगा। मनोरंजन की दुनिया का स्वरूप बहुत बदल गया है और बदलते समय के हिसाब से पूरे एक्ट में बदलाव पर विमर्श होना चाहिए। इस काम में सूचना और प्रसारण मंत्री को पहल करनी होगी।

स्मरण

राष्ट्र चेतना के कीर्ति पुरुष

देवेंद्रराज सुथार

उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। स्वामी विवेकानंद के इस शाश्वत संदेश ने एक सदी से भी अधिक समय पहले भारत को उसकी सदियों की गहरी नींद से जगाया और अपने देशवासियों विशेषकर युवाओं से भारत के आध्यात्मिक उत्थान और राष्ट्रीय पुनर्जागरण के लिए आह्वान किया। इस आह्वान से प्रभावित और प्रेरित होकर एक पीढ़ी ने भारतीय राष्ट्र के पुनरुद्धार के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

स्वामी विवेकानंद ने पूरे विश्व में भारतीय संस्कृति, जीवन दर्शन और गौरव की दुंदुभी बजाई और सारा यूरोप जिनके चरणों में लोट गया। उनका सांसारिक जीवन 12 जनवरी, 1863 को उनके जन्म के साथ शुरू हुआ और चार जुलाई, 1902 को उनकी मृत्यु के साथ समाप्त हुआ। महज 39 साल के जीवन के दौरान उन्होंने अपनी अलौकिक ऊर्जा को मानवता के लिए समर्पित कर दिया। अपने राष्ट्र को सामाजिक अन्याय, राजनीतिक अधीनता और आर्थिक अभाव के तहत बढ़ते हुए देखकर उन्हें दुख हुआ। उन्होंने आम लोगों की भीषण गरीबी, दुर्दशा और गिरावट, बुद्धिजीवियों और उच्च वर्गों की हृदयहीनता और न केवल विदेशियों द्वारा, बल्कि अपने ही लोगों द्वारा किए गए उत्पीड़न और शोषण को देखकर आंसू बहाए। देश के इस हृदय विदारक दृश्य ने विवेकानंद को झकझोर कर रख दिया।

स्वामी विवेकानंद विश्व धर्म सम्मेलन में भाग लेने अमेरिका पहुंचे। एक भद्र महिला उनके पास आई और थोड़ी-सी बातचीत से वह उनसे प्रभावित हो गई और उनके रहने, खाने-पीने की समुचित व्यवस्था कर दी। एक रात दो बजे स्वामी जी के कमरे से रोने की आवाज सुनकर उस महिला की नींद खुल गई। उसने स्वामी जी से पूछा, आप क्यों रो रहे हैं? मखमली बिस्तर छोड़कर आप नंगे फर्श पर ठंड से क्यों ठिठुर रहे हैं? स्वामी जी ने उत्तर दिया, मुझे यहां पूरा आराम है, पर ये रेशमी गद्दे और ऊनी कपड़े मेरा उपहास कर रहे हैं। मुझे अपने गरीब देश के करोड़ों निर्धन और नंगे देशवासी नहीं भूलते। वे देश के लिए अनाज पैदा करते हैं, पर उन्हें खुद खाने को एक दाना अनाज मयस्सर नहीं, वे ठंडी रातों में ईंट का सिरहाना लगाकर कठोर जमीन पर सो जाते हैं। उन्हीं देशवासियों की याद में मुझे इन रेशमी गद्दों पर नींद नहीं आई।

स्वामी विवेकानंद की देश के युवाओं में गहरी आस्था थी। वह उन्हें भारत की सबसे बड़ी संपत्ति मानते थे। उनका मानना था कि युवा ऊर्जा, उत्साह, आशा और साहसिक भावना



युवाओं के नायक : स्वामी विवेकानंद। फाइल

से भरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि अगर हमें अपने प्राचीन गौरव, शक्ति और समृद्धि को वापस जीतना है, तो यह हमारे युवाओं के हाथों में है। हमारा राष्ट्रीय नेतृत्व देश के युवा बेरोजगारों की भीड़ को एक बोझ मानकर उसे भारत की कमजोरी के रूप में निरूपित करता है या उसे एक कुशल मानव संसाधन के रूप में विकसित करके एक स्वाभिमानी, सुखी, समृद्ध और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में भागीदार बनाता है। यह हमारे राजनीतिक नेतृत्व की राष्ट्रीय व सामाजिक सरोकारों की समझ पर निर्भर करता है। साथ ही युवा पीढ़ी अपनी ऊर्जा के सपनों को किस तरह सकारात्मक रूप में ढालती है, यह भी बेहद महत्वपूर्ण है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

ट्वीट-ट्वीट

पंजाब में कांग्रेस को आसान जीत का भरोसा लगता है। क्या यही कारण है कि पार्टी नेतृत्व अमरिंदर सिंह को अस्थिर करने में जुटा है ताकि कई चुनावों में पराजय के बाद पंजाब में संभावित जीत का सेहरा गांधी परिवार के सिर पर बांधा जा सके। वीर सांघवी@virsanghvi

ट्विटर पर सरकार के मौजूदा रवैये को देखते हुए मुझे अभी तक यह समझ नहीं आया कि मंत्री आखिर एक दूसरे को जन्मदिन की बधाई देने के लिए ट्विटर का सहारा क्यों लेते हैं? राजनयिक अपनी नियुक्ति और सेवानिवृत्ति से जुड़ी पोस्ट ट्विटर पर क्यों डाल रहे हैं? क्या वे एक दूसरे को फोन करके या पत्र लिखकर ऐसा नहीं कर सकते? संजय बारू@Barugaru1



अधिकांश लोग बिना मास्क के ही बाहर घूम रहे हैं। ऐसी लापरवाही और कुछ लोगों की मूर्खता के कारण ही तीसरी लहर आएगी। शासन-प्रशासन को नागरिकों के ऐसे गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार का संज्ञान लेकर इसे रोकना चाहिए। ऋचा अनिरुद्ध@richaanirudh

रिश्तों पर बेहद संवेदनशील फिल्में बनाने वाले अक्सर आपसी रिश्तों के लेकर संवेदनशील क्यों नहीं रह पाते। अनुराग मुस्कान@anuraagmuskaan

जिस बॉलीवुड में रिश्तों की पवित्रता और मजबूती को लेकर सबसे अधिक फिल्में बनती हैं, उसी में रिश्ते सबसे अधिक झुलसते हैं। अभिषेक@upadhyayabhii

जब हम गलती पर समर्पण करते हैं तो इसका अर्थ होता है कि हम ईमानदार हैं। जब हम दुविधा में होकर समर्पण करते हैं तो बुद्धिमान होते हैं, पर जब हम सही होने के बावजूद समर्पण कर देते हैं तो समझिए कि हम रिश्तों की कद्र करते हैं। मोतीलाल ओसवाल@MrMotilalOswal

रचनाकर्म

बेजोस और अमेजन की बेजोड़ कहानी

प्रणव सिरोही

यह किताब बेजोस के सपनों, संघर्ष एवं पुरुषार्थ के साथ-साथ उनकी कंपनी अमेजन की स्वर्णिम सफलता के सफर का भी समांतर मूल्यांकन करती है और बताती है कि साधारण को असाधारण में कैसे रूपांतरित किया जाता है...



पुस्तक : द एवरीथिंग स्टोर
लेखक : ब्रैड स्टोन
प्रकाशक : मंजुल प्रकाशन
मूल्य : 450 रुपये

दुनिया की सबसे बड़ी नदी और सबसे बड़े आनलाइन स्टोर में क्या समानता है? इसका जवाब यही होगा कि दोनों हमनाम हैं और यह नाम है अमेजन। अमेजन नदी का इतिहास तो बहुत प्राचीन है, लेकिन अमेजन डाट काम ने महज ढाई दशकों में यह मुकाम हासिल कर लिया। कंपनी अपने विस्तार को लगातार धार देती जा रही है और इसके सूत्रधार हैं जेफरी प्रेस्टन 'जेफ' बेजोस। संयोग से कल यानी पांच जुलाई को अमेजन 27 साल की होने जा रही है और दूसरा संयोग है कि स्थापना दिवस पर ही बेजोस सीईओ पद से इस्तीफा देकर नई भूमिका तलाशने जा रहे हैं। स्वाभाविक है कि इस मौके पर अमेजन और बेजोस की उपलब्धियों के सफर के प्रति जिज्ञासा बढ़ जाती है। ब्रैड स्टोन की किताब 'द एवरीथिंग स्टोर-जेफ बेजोस और एमेजॉन का युग' ऐसी उत्सुकता को शांत करती है।

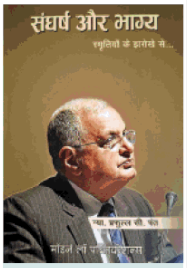
यह किताब कई सवालों के जवाब तलाशते हुए आगे बढ़ती है। मसलन बेजोस ने अपने कारोबारी साम्राज्य की आधारशिला रखने के लिए किताबों के व्यापार को ही क्यों चुना? कैलिफोर्निया, या न्यूयॉर्क जैसे स्थापित व्यापारिक केंद्रों के तुलना में सिएटल से ही क्यों शुरुआत की? जैसे सफलता की हर कहानी किसी परीकथा जैसी होती है, उसी तर्ज पर अमेजन की कहानी भी कुछ वैसी ही प्रतीत होती है। जैसे कि बेजोस ने अमेजन का आगाज तब किया, जब वह वाल स्ट्रीट से लगभग विदाई लेने का मन बना चुके थे।

असल में यह किताब साधारण के असाधारण में रूपांतरित होने की कहानी सुनाती है। एक छोटे गैराज से बुक स्टोर शुरू करने वाली कंपनी कैसे कदम बढ़ाकर परिधान, इलेक्ट्रॉनिक्स और खिलौनों से लेकर वे सब चीजें बेचने लगी, जिन्हें खरीदने या उनके उपभोग के लिए हमें घर से बाहर जाने की जरूरत ही नहीं रह गई। अपने ईबुक, म्यूजिक और वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा से उसने मनोरंजन उद्योग का व्याकरण ही बदल दिया। जिस कंपनी को पिछली सदी के आखिरी दशक के डाट काम बूम के दौरान समाप्तप्राय मान लिया गया था, वह कैसे न केवल उस मंदी के थपेड़ों से बची, बल्कि नवाचार से अपने लिए नए क्षितिज का निर्माण किया। यह सब आसान नहीं था। इसका अंदाजा सिर्फ एक वाकये से लगाया जा सकता है। शुरुआत में जब अमेजन सिर्फ किताबें बेचती थी, तब वितरकों ने उन्हें दोटूक कह दिया था कि वे दस से कम किताबों के ऑर्डर की आपूर्ति नहीं करेंगे। बेजोस ने इसका तोड़ इस प्रकार निकाला कि वह एक अपेक्षित किताब के साथ नौ प्रतियां उस दुर्लभ किताब की ऑर्डर किया करते, जिसका वितरकों के भंडार में होना असंभव हुआ करता था।

लेखक बेजोस के कुछ विशिष्ट गुणों से परिचित कराते हैं। जैसे कि प्रतिस्पर्धियों के बजाय अपने ग्राहकों पर ध्यान देने को प्राथमिकता। इसीलिए प्रेस रिलीज, उत्पाद विवरण और शेयरधारकों के पत्रों की जांच करते हुए बेजोस की लाल कलम तुरंत उठ जाती है और वह हर उस शब्द को काट देते हैं, जो ग्राहकों के लिए जटिलता का कारण बने। उनकी जगह कोई और शख्स होता तो वह दुनिया के सबसे बड़े ऑनलाइन बुकस्टोर के मालिक होने की उपलब्धि से ही संतुष्ट हो जाता, लेकिन बेजोस तो रिटेल में नई क्रांति करके एक नए चलन के प्रवर्तक बनना चाहते थे, जिसमें वह पूरी तरह सफल रहे। यह किताब यही बताती है कि यह कैसे संभव हुआ। लेखक ने कंपनी से जुड़े करीब 300 लोगों के साथ बातचीत कर अपने आख्यान को प्रामाणिकता प्रदान की है, जिनसे बेजोस के व्यक्तित्व, उनके मूल्यों और कंपनी के प्रति उनके नजरिये की झलक मिलती है। इसका अनुवाद और बेहतर हो सकता था। यह किताब बेजोस के सपनों, संघर्ष एवं पुरुषार्थ के साथ-साथ अमेजन की स्वर्णिम सफलता के सफर का भी समांतर मूल्यांकन करती है।

शिखर पर पहुंचने का सफर

मुकेश चौरसिया



पुस्तक : संघर्ष और भाग्य
लेखक : न्या. प्रफुल्ल सी. पंत
प्रकाशक : माडर्न ला पब्लिकेशन्स
मूल्य : 480 रुपये

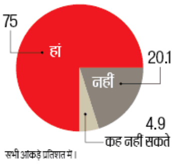
हर व्यक्ति के जीवन की एक कहानी होती है। बचपन, युवावस्था और अपने पैरों पर खड़ा होने के संघर्ष से लेकर जीवन में सफलता की ऊंचाइयों को छूने में आने वाले तमाम उतार-चढ़ाव की गाथा दूसरों को राह दिखा सकती है। कुछ ऐसी ही प्रेरणादायी जीवनगाथा सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश प्रफुल्ल चन्द्र पंत की है। उन्होंने आत्मकथा 'संघर्ष और भाग्य' में अपनी विफलताओं से लेकर शिखर पर पहुंचने तक की कहानी बयां की है।

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में 1952 में जन्मे पंत की प्रारंभिक शिक्षा यहीं के प्राइमरी स्कूल से हुई। स्कूल तक की तीन किमी की दूरी वह पैदल जंगल के रास्ते तय कर स्कूल पहुंचते थे। पंत पढ़ाई में कमजोर रहे। वह 11वीं में एक बार घर छोड़कर भाग गए थे। इस कक्षा में वह असफल भी हुए थे। बारहवीं उत्तीर्ण करने के बाद पंत इलाहाबाद चले गए और इविंग क्रिश्चियन कालेज में दाखिला लिया, लेकिन बीएससी पार्ट-1 में फेल हो गए। नेशनल डिफेंस एकेडमी की भी कई बार परीक्षा दी, लेकिन नाकामी हाथ लगी। इसके बाद उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से एलएलबी किया। यहीं से वह बेहतर प्रदर्शन करने लगे। इलाहाबाद हाई कोर्ट में प्रैक्टिस के दौरान सेंट्रल एक्साइज निरीक्षक की परीक्षा पास की और मध्य प्रदेश के सागर में तैनाती हो गई। कुछ समय बाद ही मुंसिफ परीक्षा में चयनित हो गए। यहीं से उनके न्यायिक जीवन की शुरुआत हुई। उनकी पहली पोस्टिंग गाजियाबाद में हुई। पंत इलाहाबाद हाई कोर्ट में संयुक्त निबंधक भी रहे। वर्ष 2001 में नैनीताल के जिला जज नियुक्त हुए। इसके बाद उत्तराखंड हाई कोर्ट में न्यायाधीश बने। वर्ष 2013 में मेघालय हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के तौर पर शपथ ली। सुप्रीम कोर्ट में 2014 से तीन साल तक न्यायाधीश के तौर पर सेवाएं देकर 2017 में सेवानिवृत्त हुए। पंत ने सरल शब्दों में अपनी आत्मकथा लिखी है, जो प्रभावी प्रतीत होती है।

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या कांग्रेसी नेतृत्व पंजाब और राजस्थान कांग्रेस के झगड़े को सुलझाने में नाकाम साबित हो रहा है?



सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

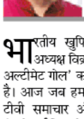
क्या उत्तराखंड में पुन: नेतृत्व परिवर्तन से भाजपा की किरकिरी हुई?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

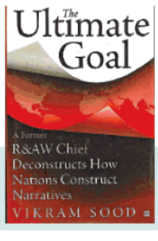
तीरथ जी तीरथ करो लेकर हरि का नाम,
वश का है ना आपके राजनीति का काम।
राजनीति का काम बहुत है टेढ़ा-मेढ़ा,
ऐड़ा बनकर लोग यहां पर खाते पेड़ा।
टिकें न सीधे लोग बहुत टेढ़ा यह पथ जी,
विदा हुए इस हेतु चंद दिन में तीरथ जी।
- ओमप्रकाश तिवारी

राष्ट्रों की वैश्विक छवि गढ़ने के खेल



यतीन्द्र मिश्र

महाशक्ति बनने वाले देश इसके लिए किस प्रकार के हथकंडे अपनाते हैं, इसे यह पुस्तक समझाने का प्रयास करती है। मध्य एशिया में अमेरिका की उपस्थिति और हस्तक्षेप पर भी लेखक ने मजबूती से वार किया है...



पुस्तक : द अल्टीमेट गोल
लेखक : विक्रम सूद
प्रकाशक : हार्पर कालिन्स पब्लिशर्स, नोएडा
मूल्य : 699 रुपये

भारतीय खुफिया तंत्र रॉ के पूर्व अध्यक्ष विक्रम सूद की किताब 'द अल्टीमेट गोल' कई मायनों में मानीखेज है। आज जब हम 24 घंटे चलने वाले टीवी समाचार और हर जगह मौजूद इंटरनेट मीडिया के बीच रहते हैं, तो यह समझना जरूरी है कि सत्य को कितने तरीके से पेश किया जाता है। बीसवीं सदी के पूर्वार्द्ध से शुरू करते हुए पाठक को वे कदम दर कदम दिखाते हैं कि कैसे राष्ट्र अपना कथानक तैयार करते हैं। विश्व आधिपत्य के लिए यह जरूरी है कि हम अपनी बात दुनिया के सामने रख पाएं? और ऐसे तरीकों से रखें कि वो हमें और मजबूत करने के काम आए। लेखक ने इस किताब के लिए विस्तृत अनुसंधान किया है और तमाम उदाहरणों से अपनी बात को स्पष्टता मुहैया कराई है। अपने कार्यक्षेत्र से निकली पैनी दृष्टि का उन्होंने भरपूर इस्तेमाल किया है और वे कुछ ऐसा सच कहने में भी गुरेज नहीं करते, जो हमेशा से ही विवादों के घेरे में रहता आया है। दोनों विश्वयुद्ध और उसके बाद शीतयुद्ध के दौरान दो महाशक्तियों अमेरिका और रूस ने वैश्विक कथानक को अपने लाभ के लिए मोड़ने के लिए कितने प्रकार के पैंतरे आजमाए, यह सब पढ़ना आंखें खोल देने वाला है। मध्य एशिया में अमेरिकी दखल पर भी लेखक ने वार किया है। इससे अमेरिका की एक मसीहा और शांतिदूत होने की छवि भी टूटती है और हम उसके सैन्य निर्णयों के पीछे के स्वार्थ को बखूबी समझ पाते हैं। जब सूद यह कहते हैं कि किस तरह पूरे विश्व की तकदीर कुछ अत्यधिक धनी परिवारों के हाथों में है, तो एकबारगी उन पर विश्वास करना कठिन हो जाता है। फिर वे अपने हर दावे का अनेक उदाहरण, इतिहास के तथ्य और तर्क से समर्थन करते हैं और पाठक इस सच्चाई को मानने के लिए विवश हो उठता है। रॉकफेलर और रॉथ्सचाइल्ड जैसे परिवार जिनके पास वैश्विक धन का एक बड़ा हिस्सा है, अमेरिकी और यूरोपीय राष्ट्र नेताओं के बहुत करीब रहे हैं। हर महत्वपूर्ण समिति और फैसले में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से इनका हस्तक्षेप रहा है।

लेखक तफसील से उन सारी समितियों, सलाहकारों, गुप्त मीटिंगों और मुलाकातों का वर्णन करते हैं, जिनसे बड़े-बड़े राष्ट्र इन परिवारों से संचालित होते नजर आते हैं। आज जब दुनिया में युद्ध से उपजी हिंसा एक शाश्वत उपस्थिति है, तब यह पढ़ना बहुत जरूरी है कि आखिरकार अनवरत चलते इस युद्ध से किसका फायदा होता है? यह आदर्शों की लड़ाई है, लोकतंत्र और शांति की आत्मरक्षा का प्रयास है या फिर चंद कंपनियों और व्यक्तियों के निजी फायदे के लिए यह खून बहता है, यह प्रश्न करना जरूरी है। सूद इन युद्धों का एक नया आयाम खोलते हैं, जहां हथियारों के निर्माता और तमाम ऐसे बड़े उद्योग हैं, जिनको युद्ध से असीमित फायदा होता है और शायद यही वजह है कि हमारे समय का कोई न कोई एक हिस्सा युद्ध-लड़ाई से हमेशा लहूलुहान रहता है। सत्य को अपने फायदे के लिए तोड़ने-मरोड़ने का यह खेल कितना विस्तृत है, यह जानना आश्चर्यचकित करता है। अपनी छवि को चुनिंदा आदर्शों के लिए सुदृढ़ कर अपनी पसंद का संदेश दुनिया तक पहुंचाना, इस छद्म के तंतु हर जगह फैले हुए हैं। एक पूरा अध्याय हॉलीवुड और मीडिया एजेंसी पर है कि किस तरह हर एक फिल्म, हर एक पटकथा, हर एक सिनेमाई कृति अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के सख्त पहरे से गुजरती है। कोई भी ऐसी कलात्मक आवाज, जो अमेरिका की छवि को धूमिल करे उसे जनता के सामने नहीं आने दिया जाता। इसी तरह आगे बढ़ते हुए हम अमेरिका, रूस, मध्य एशिया, चीन के तमाम राजनीतिक निर्णयों को परत दर परत खुलते देखते हैं कि किस तरह असंख्य झूठों को पिरोकर एक सच बनाया गया, जिसे दुनिया के सामने स्थापित किया गया। उत्तर औपनिवेशिक काल में यह किताब साम्राज्यवाद, पाश्चात्य आभिजात्य, औपनिवेशिक मानसिक गुलामी और इस्लाम की राजनीतिक उपस्थिति जैसे महत्वपूर्ण प्रश्न उठाती है। साथ ही, बहुत हद तक उनका जवाब देने में भी सफल होती है। आज के बाजारवाद के युग में राष्ट्रों से बड़ी ताकत कॉरपोरेट जगत की है। राष्ट्रवाद की जगह व्यापारिक स्वार्थ और मुनाफे ने ले ली है। इसका राजनीतिक निष्कर्ष यह निकलता है कि अब विश्व पटल पर होने वाली घटनाएं देशों की नहीं, बल्कि व्यापारियों के हाथ में है।

सूद का मंतव्य यह बताना है कि एक राष्ट्र को अपना कथानक खुद स्थापित करना होता है। वास्तविकता को तोड़ने-मरोड़ने के लिए नहीं, परंतु अपना पक्ष रखने के लिए और अपने सच की रक्षा के लिए हमें अपनी भाषा में अपनी बात कहनी आनी चाहिए। यह अब यूरोप, अमेरिका या चीन नहीं निर्धारित कर सकता कि हमारी सच्चाई क्या है। ताकत अब हथियारों और सैन्य उपकरणों से ज्यादा जनमानस के विचारों और एक राष्ट्र के प्रति उसके दृष्टिकोण से आती है। यही तरकीबें लगाकर रूस शक्तिशाली बना और अमेरिका ने भी इन्हीं युक्तियों का इस्तेमाल अपनी शक्ति बढ़ाने के लिए किया। अगर भारत भी महाशक्ति के रूप में देखा जाना चाहता है, तो उसे भी बिना देर किए इस खेल के नियमों को समझ जाना चाहिए।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 4 जुलाई, 2021

बंगाल

राज्यपाल के अभिभाषण का विरोध

बंगाल की 17वीं विधानसभा के पहले सत्र के प्रथम दिन ही सदन में भारतीय जनता पार्टी ने जो तेवर दिखाए, उससे तृणमूल कांग्रेस के लिए थोड़ी असहज स्थिति अवश्य पैदा हुई है। क्योंकि राज्यपाल जगदीप धनखड़ के मुंह से ममता सरकार वह बातें नहीं कहवा पाई जो कहवाने की योजना उन्होंने बनाई थी। चुनाव बाद बंगाल में हिंसा को लेकर भारतीय जनता पार्टी ही नहीं, राज्यपाल जगदीप धनखड़ भी काफी मुखर रहे हैं और हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने से लेकर पीड़ितों से भी मुलाकात तक की थी। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हिंसा की बात को सिरे से नकारती रही हैं। ऐसे में राज्यपाल के अभिभाषण से हिंसा को लेकर भारतीय जनता पार्टी और इस मुद्दे पर मुखर लोगों को जवाब देने की तैयारी की गई थी। परंतु आखिरी समय में भारतीय जनता पार्टी की रणनीति की वजह से ममता सरकार की योजना लगता है विफल हो गई।

आखिरी समय में भाजपा की रणनीति की वजह से ममता सरकार की योजना विफल हो गई। इस अभिभाषण के मसौदे के कुछ हिस्सों पर राज्यपाल धनखड़ ने भी आपत्ति जताई थी

दरअसल इस अभिभाषण के मसौदे के कुछ हिस्सों पर राज्यपाल धनखड़ ने भी आपत्ति जताई थी। ऐसा लग रहा था कि सदन में अभिभाषण के दौरान राज्यपाल उस हिस्से को पढ़ेंगे या फिर वे अपने मन की बात कहेंगे इस पर विवाद हो सकता है। परंतु जैसे ही अभिभाषण शुरू हुआ कि भारतीय जनता पार्टी विधायकों ने नारेबाजी करते हुए स्पीकर के आसन के सामने आ गए और नारेबाजी करने लगे। उनके हाथों में कथित रूप से चुनाव बाद हिंसा में मारे गए पार्टी कार्यकर्ताओं की तस्वीरें थी। भारतीय जनता पार्टी के लगभग विधायकों के सिर पर भगवा टीका, गले में भगवा अंगवस्त्र था और जुबान पर भारत माता की जय और जय श्रीराम का नारा था।

जब भाजपा विधायक नारे लगा रहे थे तो तृणमूल विधायक भी जय बांग्ला के नारे बुलंद कर रहे थे। दोनों ओर से हो रहे शोर-शराबे में राज्यपाल द्वारा पढ़े जा रहे अभिभाषण के शब्द दब गए। महज चार मिनट उन्होंने अभिभाषण की पुस्तिका के प्रथम और आखिरी 14वें पेज की कुछ लाइनें पढ़कर स्पीकर बिमान बनर्जी को अभिभाषण पटल पर रखने की बात कहकर निकल गए। ऐसे में यह सवाल उठा कि आखिर भारतीय जनता पार्टी के विधायकों का किस बात को लेकर तेवर तल्ख था? यह सवाल जब नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अभिभाषण में चुनाव बाद हिंसा को लेकर कुछ भी नहीं था। यदि उसमें यह भी लिखा होता कि जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी तो हम लोग विरोध नहीं करते। खैर, जो भी हो इस विरोध के क्या मायने है यह तो वक्त बताएगा।

उत्तर प्रदेश

अभिभावकों को बड़ी राहत

स्कूलों में बढ़ी फीस वसूले जाने के विरुद्ध मुरादाबाद पैरेंट्स आफ आल स्कूल एसोसिएशन की जनहित याचिका पर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने यूपी बोर्ड, सीबीएसई और आइसीएससी को सिर्फ ट्यूशन फीस लिए जाने का आदेश देकर प्रदेश के करोड़ों अभिभावकों को बड़ी राहत देने का सराहनीय कार्य किया है। यही नहीं, कोर्ट ने सभी बोर्ड को दिए नोटिस में अन्य फीस पर रोक लगाते हुए फीस विनियमन किए जाने के निर्देश भी दिए हैं। याचिका में तर्क दिया गया था कि कोरोना के दौरान स्कूल बंद हैं और सिर्फ आनलाइन पढ़ाई ही हो पा रही है। बावजूद इसके कुछ स्कूल संचालक फीस बढ़ाते हुए इसे चुकाने का दबाव बना रहे हैं। हालांकि, राज्य सरकार इस मुद्दे पर पहले ही आश्वस्त कर चुकी है कि स्कूली फीस में फिलहाल कोई बढ़ोतरी नहीं की जाएगी।



निजी स्कूलों द्वारा फीस वसूली मामले में अभिभावकों को राहत। फाइल

हर लोक कल्याणकारी सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह कठिन परिस्थितियों में भी अधिक से अधिक मदद पहुंचाकर जनता के दुखदर्द को घटाने का प्रयास करे

शनिवार को भी बुलंदशहर में एक कार्यक्रम में मौजूद उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने दोहराया कि स्कूलों की फीस नहीं बढ़ाई जाएगी। वैसे, कई निजी स्कूल संचालकों ने कोरोना के विकट माहौल के बीच मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए पूरी फीस माफ कर रखी है। कुछ स्कूल शुल्क ले भी रहे हैं तो पहले के मुकाबले काफी घटाकर। यही नहीं, ऐसे स्कूलों ने एकमुश्त तिमाही या छमाही फीस चुकाने का दबाव बनाने के बजाय इसे प्रतिमाह अदा करने जैसे सरल विकल्प भी दिए हैं।

यद्यपि उपमुख्यमंत्री के बयान का पहला हिस्सा तो अभिभावकों के लिए राहतकारी ही है लेकिन, दूसरा हिस्सा पीड़ादायी हो सकता है। इसमें उन्होंने कहा है कि स्कूलों की फीस नहीं घटाई जाएगी। दरअसल, महामारी के कारण बहुत से लोगों की नौकरी छिन गई है और कारोबार भी अभी पटरी पर नहीं लौट सका है। इसे लौटने में थोड़ा वक्त लगेगा। लिहाजा, सरकार को विचार करना चाहिए कि कोरोना काल में नाना प्रकार की मार झेल रहे अभिभावकों को ज्यादा से ज्यादा राहत कैसे पहुंचाई जाए। आखिर हर लोक कल्याणकारी सरकार की यही जिम्मेदारी है कि वह कठिन परिस्थितियों में भी अधिक से अधिक मदद पहुंचाकर जनता के दुखदर्द को घटाने का प्रयास करे। जनता की यही पुकार भी है।

हरियाणा

पर्याप्त बिजली, फिर भी कष्ट

हरियाणा में जो भी सरकार रही हो, सब बिजली की पर्याप्त आपूर्ति का दावा करती रही हैं, लेकिन अघोषित बिजली कटौती हर सरकार के समय होती है, यह भी शाश्वत सत्य है। गर्मियों में बिजली कटौती होने से उपभोक्ताओं का कष्ट कुछ अधिक बढ़ जाता है। कारण यह कि गर्मी में बिजली की आश्यकताएं बढ़ जाती हैं। एयरकंडीशनर, कूलर, पंखे, रेफ्रिजरेटर आदि के उपयोग से बिजली की खपत में उछाल आ जाता है। इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि बृहस्पतिवार को एक दिन में सबसे अधिक 11,732 मेगावाट बिजली की खपत हुई है।

प्रदेश के बिजली मंत्री रणजीत चौटाला का इस संबंध में कहना है कि जब से हरियाणा राज्य बना है, तब से लेकर आज तक एक दिन में बिजली की इतनी खपत कभी नहीं हुई। यह रेखांकित करने वाली बात है कि प्रदेश में बिजली की उपलब्धता 12 हजार मेगावाट है और प्रदेश सरकार का दावा है कि खपत बढ़ने के बावजूद बिजली कटौती नहीं की जा रही है। उनकी बात पर भरोसा किया जा सकता है, क्योंकि



बिजली आपूर्ति व्यवस्था में सुधार की दरकार। फाइल

जब खपत अचानक बढ़ती है तो कई बार लाइन, ट्रांसफार्मर अथवा अन्य उपकरणों पर लोड बढ़ने के कारण आपूर्ति बाधित कर उन्हें ठीक करना होता है। प्रदेश सरकार यह भी आश्वस्त कर रही है कि उसके पास आवश्यकता से अधिक बिजली है। फिर भी आवश्यकता पड़ी तो हम अतिरिक्त बिजली की खरीद करेंगे। सरकार को यह भी जानकारी है कि कई

बिजली की आपूर्ति बाधित होने पर इसके लिए जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने का निर्णय उचित ही है

बार स्थानीय स्तर पर अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही से विद्युत आपूर्ति बाधित होती है। उपभोक्ता यदि शिकायत करते हैं तो वे फोन नहीं उठाते हैं। यदि फोन उठ भी गया तो संतोषजनक उत्तर नहीं मिलता है। इससे लोग इतना क्षुब्ध हो जाते हैं कि विरोध प्रदर्शन पर उतर आते हैं।

इसलिए सरकार ने तय किया है कि बिजली आपूर्ति बाधित होने पर यदि विरोध प्रदर्शन हुए तो संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों और कर्मचारियों को उत्तरदायी माना जाएगा और उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। निश्चित रूप से सरकार की इस चेतावनी का प्रभाव पड़ेगा और उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति बाधित होने से जो कष्ट झेलना पड़ता है, उसमें कमी आएगी।

उत्तराखंड

संक्रमित मरीजों की मौत का बैकलाग

उत्तराखंड में कोरोना संक्रमित मरीजों की मौत के बैकलाग से स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आश्चर्यजनक यह कि इस साल जनवरी-फरवरी में हुई कोरोना मरीजों की मौत के आंकड़े कोविड कंट्रोल रूम को अब दिए जा रहे हैं। यानी छह महीने से ज्यादा तक इन्हें छिपाए रखा गया। प्रदेश में अब तक 1217 मौत का बैकलाग सामने आ चुका है। पिछले साल 17 अक्टूबर से शुरू हुआ यह सिलसिला अभी थमा नहीं है। यह स्थिति तब है जब कोरोना संक्रमितों की मौत के 24 घंटे के भीतर अस्पतालों को इसकी सूचना राज्य के कोविड कंट्रोल रूम को अनिवार्य रूप से देनी होती है। लेकिन, बड़ी संख्या में अस्पतालों ने ऐसा नहीं किया। इनमें निजी अस्पतालों की संख्या अधिक है। यही वजह से पिछले कुछ समय से हर दिन मौत का बैकलाग हेल्थ बुलेटिन में जोड़ा जा रहा है। जो तस्वीर दिख रही है उससे राज्य सरकार के साथ ही शासन-प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लाजिमी हैं।

महामारी के दौर में सरकारी तंत्र का रवैया चिंताजनक है। चूंकि कोरोना का खतरा अभी टला नहीं है, इसलिए तंत्र को जवाबदेही का एहसास कराया जाना जरूरी है

हालांकि, सरकार यह कहकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने की कोशिश करती नजर आ रही है कि मौत के आंकड़े समय पर उपलब्ध न कराने वाले अस्पतालों और संबंधित जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि सरकार छह महीने तक सोई क्यों रही? कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर में सरकार को अस्पतालों की धींगामुश्ती का पता क्यों नहीं चला? तब लगातार यह बात उठ रही थी कि कोरोना को लेकर अस्पतालों की नीति में खोट है। अब यह कहकर अपना बचाव करना कि अस्पतालों ने मौत के आंकड़ों को छिपाकर रखा, सही नहीं है। इसे सरकार का अपनी नाकामी छिपाने का ही प्रयास माना जाएगा। सवाल यह कि विभाग के उन कारिंदों ने क्यों चुप्पी साधे रखी, जिन्हें कोविड संबंधी व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी दी गई है। इससे उन अस्पतालों को संरक्षण मिला, जिन्होंने कोविड प्रोटोकाल का हर स्तर पर उल्लंघन किया। जाहिर है विभाग के अधिकारियों ने अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन नहीं किया। इस प्रकरण में अभी कई सवालों के जवाब आने बाकी हैं। व्यवस्थाओं की बात करें तो वैक्सीनेशन को लेकर भी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों में जिम्मेदारी का अभाव झलकता है। यह सही है कि राज्य में वैक्सीन की उपलब्धता कुल जरूरत के अनुपात में कम है। बावजूद इसके विभाग वैक्सीनेशन की समुचित व्यवस्था नहीं कर पा रहा है। विभाग को इसके लिए अपना होमवर्क बढ़ाना होगा, ताकि आमजन आसानी से वैक्सीनेशन करा सकें।

'नानाजी की कर्मभूमि' से उप्र की नब्ज टटोलेगा संघ

जागरण संवाददाता, चित्रकूट

भारत रत्न नानाजी देशमुख की कर्मस्थली चित्रकूट में नौ से 12 जुलाई तक देशभर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पदाधिकारी जुटेंगे। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव से पहले हो रही संघ के क्षेत्रीय व प्रांत प्रचारकों की बैठक काफी अहम मानी जा रही है। इसमें मतांतरण समेत प्रदेश में बीते दिनों हुए घटनाक्रमों पर मंथन हो सकता है। बैठक को लेकर मध्यप्रदेश की पर्यटन मंत्री ऊषा ठाकुर ने चित्रकूट में डेरा डाल दिया है। खराब सड़कें ठीक कराई जा रही हैं। चित्रकूट के विकास को लेकर संतों से किए वादे जल्द पूरा करने की कवायद जारी है।

सूत्रों के मुताबिक, दीनदयाल शोध संस्थान (डीआरआइ) के आरोग्यधाम में होने वाली बैठक में संघ प्रमुख मोहन भागवत समेत सभी वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। पहले दो दिन क्षेत्र प्रचारकों के साथ संघ के कामकाज की समीक्षा होगी और तीसरे दिन बैठक में प्रांत प्रचारक वर्चुअली शामिल होंगे। इसमें संघ आगे की कार्ययोजना बनाएगा। पदाधिकारी उप्र के आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर मंत्रणा करेंगे। माना जा रहा है कि क्षेत्रीय व प्रांत प्रचारकों से चुनाव को लेकर उप्र की नब्ज भी टटोली जाएगी। सरकार के कामकाज का आकलन होगा।

संतों की नाराजगी पर अभी से नजर : चित्रकूट का चौरासी कोस उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में बंटा है। दोनों प्रदेशों ने चित्रकूट के विकास के लिए अलग-अलग खाका खींचा था। उत्तर प्रदेश में तो काम दिख रहे हैं, लेकिन मध्य प्रदेश में स्थिति काफी खराब है। हालांकि, मंदाकिनी को लेकर दोनों प्रदेश की सरकारें गंभीर नहीं है। माना जा रहा है कि संत-महंत बैठक के दौरान संघ पदाधिकारियों से नाराजगी जता सकते हैं। जिस पर नजर रखी जा रही है।

अधूरे कामों के गति देने का प्रयास : उत्तर प्रदेश को जोड़ने वाली मध्य प्रदेश की अधिकांश सड़कें ध्वस्त हैं। बैठक के पहले उनको ठीक करने का काम सतना जिला प्रशासन ने शुरू कर दिया है। मझगंवा एसडीएम पीएस त्रिपाठी बताते हैं कि बैठक की तैयारी संघ के पदाधिकारी खुद कर रहे हैं। सड़कों की मरम्मत प्रशासन करा रहा है। नगरीय प्रशासन विभाग की डिप्टी डायरेक्टर चित्रकूट में हैं। सतना नगर निगम कमिश्नर तन्वी हुड्डा पहुंची हैं। पेयजल आपूर्ति व अन्य व्यवस्थाएं ठीक की जा रही हैं।

केंद्रीय मंत्री लेंगे बैठक की तैयारियों का जायजा

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री डा. महेंद्र सिंह रविवार को आरोग्यधाम आएंगे। वह चित्रकूट के 'राम वन' में पौधारोपण का शुभारंभ करने आ रहे हैं। इस कार्यक्रम के बाद आरोग्यधाम जाएंगे और मंदाकिनी नदी की स्थिति देखेंगे।

कश्मीरी युवाओं को बरगलाकर सीमा पार भेजने की साजिश फिर शुरू

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

कश्मीर में घटते कैडर से हताश आतंकी संगठनों ने फिर घाटी में युवाओं को बरगलाकर उन्हें विध्वंसकारी गतिविधियों की ट्रेनिंग देने के लिए गुलाम कश्मीर भेजने की साजिश शुरू की है। पुलिस या किसी अन्य सुरक्षा एजेंसी ने इसकी पुष्टि तो नहीं की है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक बीते कुछ माह में करीब एक दर्जन कश्मीरी युवा नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार कर पाकिस्तान गए हैं। उड़ी में गत शुक्रवार को भी आतंकी बनने एलओसी पार कर गुलाम कश्मीर जाने का प्रयास करते हुए एक गाइड और तीन युवकों को पकड़ा गया है। सुरक्षा एजेंसियां आतंकियों की इस साजिश को नाकाम बनाने में जुटी हुई हैं।

अल-बदर, लश्कर, जैश और हिजबुल ने सक्रिय किए छह नए कैंप

परवेज अहमद से पूछताछ में जुटे सूत्रों ने बताया कि नए आतंकियों की ट्रेनिंग के लिए अल-बदर, लश्कर और जैश-ए-मोहम्मद के अलावा हिजबुल मुजाहिदीन ने गुलाम कश्मीर में बीते कुछ महीने में अपने छह नए कैंप सक्रिय किए हैं। इन कैंपों में अफगानिस्तान में लड़ चुके पुराने आतंकी कमांडरों के अलावा पाकिस्तानी सेना के कुछ रिटायर्ड अधिकारी भी ट्रेनिंग दे रहे हैं। यह कैंप सिर्फ कश्मीरी युवाओं के लिए बनाए गए हैं और इनमें पाकिस्तान या अन्य किसी मुल्क के जिहादियों को नहीं रखा जाता।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी हिंसा की शुरुआत के दिनों में कश्मीरी युवक गुलाम कश्मीर ट्रेनिंग के लिए जाते थे। 2005 के बाद जम्मू-कश्मीर से गुलाम कश्मीर जिहादी बनने जाने वाले आतंकी लगभग समाप्त हो गए थे। सुरक्षा एजेंसियों से बचने के लिए आतंकी संगठन अपने कैडर को पासपोर्ट के जरिये पाकिस्तान, दुबई या किसी अन्य जगह बुलाते थे और उसके बाद उसे जिहादी कैंप में पहुंचाते थे।

कुछ माह से एलओसी पार जाने वालों में तेजी : पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अधिकांश स्थानीय आतंकी इंटरनेट मीडिया परवीडियो देखकर ही हथियार चलाना सीख रहे थे या फिर कश्मीर में सक्रिय विदेशी आतंकियों से किसी जंगल या बाग में एक दो दिन की ट्रेनिंग लेते थे। अब फिर कश्मीरी युवाओं को जिहादी कैंपों में पहुंचने के लिए बरगलाया जा रहा है।

तीन माह पहले भी पकड़े गए थे युवा : गोहालन गांव के पास तीन युवाओं और उनके गाइड परवेज अहमद को गत शुक्रवार को पकड़ा गया। परवेज इन्हें गुलाम कश्मीर ले जा रहा था। इससे पूर्व 29 अप्रैल को कुपवाड़ा के माजिद रकीब, वसीम अहमद खान और गुलाम मुस्तफा अहंगर गुलाम कश्मीर जाते हुए एलओसी पर पकड़े गए थे। यह तीनों एक मोबाइल एप के जरिये अपने हैंडलर के संपर्क में थे।

पासपोर्ट-वीजा बंद होने से भी कर रहे सीमा पार : सूत्रों ने बताया कि जिहादी कैंपों में प्रशिक्षित आतंकी मुठभेड़ में सुरक्षाबलों का ज्यादा समय तक सामना कर लेते थे, लेकिन नए आतंकियों की ट्रेनिंग नहीं है और वह आतंकी बनने के चंद दिनों बाद ही मारे जाते हैं या आत्मसमर्पण कर देते हैं। उन्हें ट्रेनिंग देने में समर्थ विदेशी आतंकियों की संख्या भी कश्मीर में नाममात्र की बची है और वह भी अपने ठिकानों से बाहर आने को तैयार नहीं हैं। सूत्रों के अनुसार, ट्रेनिंग कैंप में जिहादी मानसिकता भी कूट-कूट कर आतंकियों में भरी जाती है, ताकि वह किसी भी तरह से मुख्यधारा के रास्ते पर लौटने को तैयार न हों। इस समय कोरोना के कारण पासपोर्ट-वीजा लेकर दूसरे रूट से जिहादी कैंप में पहुंचना भी बंद हो चुका है, इसलिए अब कश्मीरी युवाओं को एलओसी पार कर गुलाम कश्मीर में ट्रेनिंग के लिए तैयार किया जा रहा है।

उप्र में नौ नए मेडिकल कालेजों का लोकार्पण करेंगे पीएम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सूबे को योगी सरकार की सौगात, पहली बार एक साथ बने इतने मेडिकल कालेज

कोरोना संक्रमण की आपदा आने के पहले से ही उत्तर प्रदेश के हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने में जुटी योगी सरकार ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पहली बार प्रदेश को एक साथ नौ नए मेडिकल कालेजों की सौगात मिलने जा रही है। देवरिया, एटा, फतेहपुर, गाजीपुर, हरदोई, जौनपुर, मीरजापुर, प्रतापगढ़ और सिद्धार्थनगर में बनाए इन चिकित्सा संस्थानों का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी महीने उत्तर प्रदेश आकर करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अपने सरकारी आवास पर कोरोना संक्रमण और स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेश में बनकर लगभग तैयार हो चुके नौ नए मेडिकल कालेजों का लोकार्पण इसी महीने प्रधानमंत्री द्वारा किया जाएगा। इसके लिए तैयारी शुरू कर दें। योगी का मानना है कि हर जिले में एक मेडिकल कालेज होना चाहिए। इसी सोच के साथ सरकार ने तेजी से कदम आगे बढ़ाए और नौ मेडिकल कालेजों का निर्माण कराया। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि इनके लिए 70 फीसद फैकल्टी का चयन भी हो चुका है। 450 से अधिक संकाय सदस्यों की नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है। सीएम ने चयन प्रक्रिया को शुचिता और पारदर्शिता के साथ करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि मेरिट के आधार पर अच्छे शिक्षकों का चयन होना चाहिए। बताया गया है कि प्रधानमंत्री का कार्यक्रम अभी तय नहीं हुआ है कि वह किस जिले में आएंगे। वह किसी भी एक जिले से सभी नौ मेडिकल कालेजों का वर्चुअल लोकार्पण कर सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि सबसे अधिक आबादी वाले राज्य में 2017 से पहले मात्र 12 मेडिकल कालेज ही हुआ करते थे। योगी सरकार के सत्ता संभालने के बाद से मेडिकल कालेजों की संख्या बढ़कर 48 हो चुकी है। 13 कालेजों के निर्माण का काम तेजी से चल रहा है।

तेंदुओं को भाया चंबल, बढ़ने लगा कुनबा

प्रभजोत कौर, आगरा

उत्तर प्रदेश में फैली 165 किलोमीटर लंबी चंबल नदी के किनारे 100 तेंदुए होने की संभावना

हिरन, जंगली सुअर, घड़ियाल, कछुओं का गढ़ बना चंबल का बीहड़ अब तेंदुओं को भी भाने लगा है। पिछले कुछ वर्षों में इनका कुनबा तेजी से बढ़ा है। वन एवं वन्य जीव विभाग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में फैली 165 किलोमीटर लंबी चंबल नदी के बीहड़ में 70 से 100 तेंदुए चिह्नित किए गए हैं। माहौल अनुकूल होने से भविष्य में भी इनकी संख्या बढ़ने की संभावना है।



भविष्य में और संख्या बढ़ने के आसार, बढ़ेगी बीहड़ की रौनक। फाइल फोटो इंटरनेट मीडिया

तेंदुओं की तादात बढ़ने के पीछे जानकारों का मानना है कि बीहड़ में सेही, बिज्जू, लोमड़ी, सियार जैसे वन्यजीव बहुतायत में हैं। तेंदुओं को भोजन के रूप में ऐसे ही वन्यजीव पसंद हैं। इसके अलावा डाकुओं का क्षेत्र होने के कारण बीहड़ से कई गांव उनकी दहशत की वजह से खाली हो गए। लिहाजा नदी के तीन-चार किलोमीटर तक तेंदुओं को घूमने के लिए 'खुला मैदान' मिलता है।

ऐसे जुटाई जानकारी : चंबल सेंक्चुरी में घड़ियाल, मगरमच्छ व कछुओं का संरक्षण होता है। इसके लिए कई स्वयंसेवी संस्थाएं काम करती हैं। वन एवं वन्यजीव विभाग ने इन संस्थाओं के कार्यकर्ताओं, बीहड़ किनारे बसे गांव व अपनी टीम से जानकारी जुटाई। पता चला कि बीहड़ में तेंदुए काफी संख्या में घूम रहे हैं। आकलन करने पर पाया इनकी संख्या 70 से सौ तक है। काबिलेगौर है कि नेशनल पार्कों में फुटमार्क व कैमरा ट्रैप के जरिए तेंदुओं की गणना की जाती है। बीहड़ की विपरीत भौगोलिक स्थिति होने की वजह से यह संभव नहीं है।

गांव-गांव जागरूकता की अलख : तेंदुओं की आबादी को बरकरार रखने के लिए वन एवं वन्य जीव विभाग गांव-गांव लोगों को जागरूक कर रहा है। उन्हें बताया जा रहा है कि तेंदुआ बिना छेड़छाड़ के हमला नहीं करता है। उसके रास्ते में निर्माण कार्य न करने की अपील की जा रही है।

एक नजर चंबल सेंक्चुरी पर

वर्ष 1979 में चंबल के राजस्थान, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के क्षेत्र को राष्ट्रीय चंबल सेंक्चुरी प्रोजेक्ट घोषित किया गया था। इसके बाद चंबल में घड़ियाल और डाल्फिन की संख्या बढ़ने लगी। इसमें लायन सफारी के मिल जाने से पर्यटन का एक ऐसा सर्किट तैयार हुआ है जो चंबल के बीहड़ को देखने की ख्वाहिश रखने वालों का ध्यान खींच रहा है।

मेरी जानकारी में तेंदुओं की संख्या सौ तक पहुंच चुकी है। चंबल के जंगल मध्यप्रदेश और राजस्थान तक फैले हुए हैं। तेंदुए आसानी से तीनों राज्यों में विचरण कर रहे हैं।
दिवाकर श्रीवास्तव, उप वन संरक्षक, राष्ट्रीय चंबल सेंक्चुरी प्रोजेक्ट

पहले खरीदो जैविक खाद तभी मिलेगी रासायनिक

रासायनिक खाद के इस्तेमाल को हतोत्साहित करने को छत्तीसगढ़ में बिलासपुर जिले की ग्राम पंचायत लाखासार ने लागू की नई व्यवस्था

रविवार विशेष

राधाकिशन शर्मा • बिलासपुर

छत्तीसगढ़ में बिलासपुर जिले की लाखासार ग्राम पंचायत ने रासायनिक खाद के इस्तेमाल को हतोत्साहित करने व जैविक खाद को बढ़ावा देने के लिए नई व्यवस्था बनाई है। पंचायत ने किसानों के सामने शर्त रखी है कि खरीफ फसल में एक एकड़ में एक क्विंटल जैविक खाद का उपयोग करने पर ही सेवा सहकारी समिति से रासायनिक खाद खरीद सकेंगे। ग्राम पंचायत में 2,200 एकड़ कृषि भूमि है। दूसरा, यहां की गोशाला में पांच महिला स्वसहायता समूहों ने करीब एक हजार क्विंटल वर्मी कंपोस्ट तैयार किया है।



बिलासपुर। ग्राम पंचायत लाखासार स्थित गोशाला में जैविक खाद तैयार करतीं स्वसहायता समूह की महिलाएं • नईदुनिया

15 वर्षों से जैविक खाद का कर रहे हैं उपयोग : प्रमोद

गांव के किसान प्रमोद शर्मा बताते हैं कि वह बीते 15 वर्षों से जैविक खाद का उपयोग कर रहे हैं। शुरुआत के दो वर्षों में उत्पादन जरूर प्रभावित हुआ था, मगर इसके बाद परिस्थिति बदली। अब तो रासायनिक खाद के बिना धान के अलावा दलहन व तिलहन का भी उत्पादन हो रहा है।



लाखासार ग्राम पंचायत की सरपंच रत्ना शर्मा • नईदुनिया

जैविक खाद के ये हैं फायदे

- मिट्टी उपजाऊ बनती है और जलधारण क्षमता बढ़ती है। वायु का संचार अच्छा होता है। मिट्टी भुरभुरी हो जाती है। इससे पौधों की जड़ों को पर्याप्त मात्रा में आक्सीजन मिलती है। मिट्टी का क्षरण रुक जाता है।
- मिट्टी में जैव विविधता बढ़ जाती है। इसके अलावा जीवांश की मात्रा में वृद्धि होती है। जैविक खाद से उपजाई फसल में अधिक पोषक तत्व होते हैं। इसमें सूक्ष्म पोषक तत्वों की प्रधानता होती है।

बारिश की शुरुआत के साथ ही किसान खेतों की जुताई और धान की बोआई में जुट गए हैं। रोपाई पद्धति से खेती करने वाले किसानों के लिए अभी समय है। वे अच्छी बारिश के बाद धान का थरहा (बीजारोपण) लगाएंगे। इसके बाद खेतों की अच्छी तरह मताई के बाद रोपा का काम शुरू करेंगे। रोपाई से पहले खेतों में किसान बड़ी मात्रा में रासायनिक खाद का उपयोग करते हैं।

ग्राम पंचायत लाखासार की सरपंच रत्नादेवी शर्मा ने बताया कि किसानों को रासायनिक खाद के बजाय जैविक खाद को प्रयोग करने और जैविक खेती करने को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी कड़ी में उनसे कहा गया है कि वह पहले जैविक खाद खरीदें, उसके बाद ही रासायनिक खाद मिलेगी।

एक एकड़ के लिए एक क्विंटल जैविक खाद पर्याप्त: ठाकुर छेदीलाल बैरिस्टर कृषि महाविद्यालय के डीन डा. आरकेएस तिवारी के अनुसार एक क्विंटल जैविक खाद एक एकड़ में लगी फसल के लिए पर्याप्त मानी जाती है। किसान जैसे-जैसे जैविक खाद का उपयोग करते जाएंगे उसी अनुपात में मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ती जाएगी। उसी अनुपात में जीवाणुओं की संख्या में बढ़ोतरी होती जाएगी। मिट्टी में नाइट्रोजन, पोटाश और फास्फोरस की मात्रा बढ़ती जाएगी। इससे दो से तीन साल बाद बेहतर परिणाम सामने आने लगते हैं। ऐसी स्थिति में रासायनिक खाद के उपयोग के प्रति किसानों की रुचि कम होती जाती है।

फसल चक्र परिवर्तन पर भी दे रहे जोर: ग्राम पंचायत किसानों को जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित करने के साथ ही फसल चक्र परिवर्तन के लिए भी प्रेरित कर रही है। सरपंच रत्नादेवी कहती हैं कि लगातार धान की खेती से उत्पादन प्रभावित होने के अलावा भूजल का दोहन भी ज्यादा हो रहा है। धान के बजाय दलहन और तिलहन की खेती करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। दो किसानों ने पांच एकड़ में अमरूद भी लगाए हैं।

15 दिन से पुर्तगाल में रोजाना 1,600 से ज्यादा कोरोना मरीज मिल रहे हैं। संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए सरकार ने दर्जनों शहरों में कर्फ्यू लगा दिया गया है।

न्यूज गैलरी

रायल विंडसर हार्स शो...



इंग्लैंड के विंडसर में आयोजित रायल विंडसर हार्स शो में ब्रिटेन की महारानी एक घोड़े को देखती हुईं। इस अंतरराष्ट्रीय हार्स शो का आयोजन 1943 से हर साल हो रहा है। इसमें प्रतिभागी मनपसंद घोड़ों पर सवार होकर अपने कौशल का प्रदर्शन करते हैं। एपी

समलैंगिकों को धमकी देने में सिंगापुर में फंसा भारतवंशी

सिंगापुर : पुलिस ने भारतीय मूल के 23 वर्षीय युवक अंबुज पांडे की जांच शुरू कर दी है। अंबुज ने इंस्टाग्राम पर समलैंगिक (एलजीबीटी) समुदाय को एक वीडियो के माध्यम धमकी दी थी। यह वीडियो अब वायरल हो रहा है। सिंगापुर में हर साल समलैंगिकों की पिंक डाट रैली निकलती है। इस रैली के संबंध में अंबुज पांडे ने कहा कि यह रैली अगले साल नहीं निकल पाएगी। इसको गैंगवार में बदल दिया जाएगा। सिंगापुर में समलैंगिक नहीं रह पाएंगे। इस वीडियो को आठ हजार लोगों ने देखा। यह रैली कोरोना महामारी के कारण इस साल स्थगित कर दी गई थी। पुलिस अधिकारी का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही कार्रवाई की जाएगी। (प्रेट्र)

अमेरिका में यहूदी धर्मगुरु के हमलावर को जमानत नहीं

बोस्टन : 24 वर्षीय युवक खालेद आवाद ने बोस्टन में यहूदी धर्मगुरु श्लोमो नोगिंस्की पर चाकू से कई वार करते हुए गंभीर रूप से घायल कर दिया था। खालेद को तुरंत ही गिरफ्तार कर लिया गया। अदालत में पेश होने के बाद उसने अपराध स्वीकार नहीं किया है, लेकिन अदालत ने उसको जमानत देने से इन्कार कर दिया। इस मामले की अगली सुनवाई आठ जुलाई को होगी। (एपी)

रूस ने काला सागर में बमबारी का अभ्यास किया

मास्को : रूस के लड़ाकू विमानों ने काला सागर में बमबारी का अभ्यास किया। रूस ने कहा कि हाल ही में ब्रिटिश युद्धपोत के सीमा में घुसने की घटना को लेकर उसने यह युद्धाभ्यास किया है। ज्ञात हो कि पिछले सप्ताह रूस ने दावा किया था कि ब्रिटेन के युद्धपोत ने उसकी सीमा में घुसपैठ की थी, रूसी सेना ने उस युद्धपोत पर चेतावनी फायर किए और रास्ते में बमबारी की। ब्रिटेन ने ऐसी किसी बमबारी से इन्कार किया था। इसको लेकर दोनों देशों के बीच तनातनी चल रही है। (रायटर)

म्यांमार में जुंटा प्रमुख का पुतला फूंका गया

नेपिता : म्यांमार में सैन्य शासन जुंटा के प्रमुख मिन आंग लाइंग की जन्म तिथि पर लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों ने पुतला फूंका। प्रदर्शनकारियों ने सैन्य प्रमुख के खिलाफ नारे भी लगाए। ये प्रदर्शन म्यांमार के कई शहरों में किए गए। मिन आंग लाइंग के नेतृत्व में ही सेना ने एक फरवरी को लोकतांत्रिक सरकार का तख्ता पलटकर सैन्य शासन स्थापित किया है। देशभर में सैन्य प्रमुख का पुतला फूंकने की घटनाओं पर सेना के प्रवक्ता ने कोई भी टिप्पणी नहीं की है। मिन आंग लाइंग 65 साल के हो गए हैं और उन्हें रिटायर भी होना था, लेकिन सैन्य शासन स्थापित होने के बाद उनका रिटायर होना टल गया है। (रायटर)

ट्यूनीशिया के निकट प्रवासियों से भरी नाव पलटी, 43 की मौत

ट्यूनिश : लीबिया से इटली जाने वाली एक नाव ट्यूनीशिया के निकट पलट गई। इस नाव के मलवे से 84 लोगों को बचा लिया गया, जबकि डूबने से 43 लोगों की मौत हो गई। टूयूनीशिया के तट के निकट प्रवासियों की नाव डूबने की अब तक कई घटनाएं हो चुकी हैं। नौसेना का कहना है कि अवैध रूप से प्रवासियों की आवाजाही इस साल बढ़ रही है। इसका मुख्य कारण अफ्रीका और मध्य पूर्व के देशों में भुखमरी की स्थिति है। (रायटर)

ब्रिटेन में एक हफ्ते में बढ़े डेल्टा वैरिएंट के 50 हजार केस

लंदन, रायटर : कोरोना महामारी की दो लहरों का सामना करने वाले ब्रिटेन में अब इस वायरस का डेल्टा वैरिएंट तेजी से पांव पसार रहा है। बीते एक हफ्ते में डेल्टा वैरिएंट के 50 हजार 824 केस बढ़ गए। इस वैरिएंट के कुल मामले एक लाख 61 हजार 981 हो गए हैं। इधर, रूस में भी डेल्टा के कारण दैनिक मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

▸ रूस में भी इस वैरिएंट के चलते तेजी से बढ़ रहे दैनिक मामले

समाचार एजेंसी आइएएनएस के अनुसार, ब्रिटेन में बीते 24 घंटे के दौरान 27 हजार 125 नए मामले पाए गए और 27 पीड़ितों की मौत हो गई। एक दिन पहले 27 हजार 850 केस मिले थे। करीब पांच महीने बाद एक दिन में इतनी बड़ी संख्या में नए संक्रमित पाए गए। समाचार एजेंसी एएनआइ के अनुसार, रूस के फेडरल रिस्पांस सेंटर ने शनिवार को बताया कि देश में बीते 24 घंटे में 24 हजार 439 नए संक्रमित पाए गए। इन मामलों में से 7,447 मास्को में मिले। इस अवधि में देशभर में 697 मरीजों की मौत हुई।

पाकिस्तान में फिर बढ़ रहे संक्रमण के केस

आइएएनएस के अनुसार, पाकिस्तान में कोरोना संक्रमण फिर बढ़ने लगा है। दैनिक मामलों में वृद्धि दर्ज की जा रही है। बीते 24 घंटे में 1,400 नए मामले पाए गए और 34 की मौत हो गई। एक दिन पहले 1,277 केस मिले थे।

ईरान में पांचवीं लहर का खतरा

समाचार एजेंसी रायटर के मुताबिक, ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी ने शनिवार को आगाह किया कि उनके देश में महामारी की पांचवीं लहर का खतरा बढ़ गया है, क्योंकि देशभर में डेल्टा वैरिएंट फैल रहा है।



कोरोना संक्रमण के मामले फिर से बढ़ने लगे हैं। इसके चलते कई देशों ने अतिरिक्त सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में संक्रमण को रोकने के लिए सरकार ने कोरोना गाइडलाइन जारी की है। लोगों को बेवजह घरों से न निकलने को कहा गया है। यहां की सड़कों पर एक बार फिर से सन्नाटा पसर गया है। रायटर

सऊदी ने यूएई के नागरिकों के प्रवेश पर लगाई रोक

समाचार एजेंसी एएनआइ के अनुसार, सऊदी अरब ने देश में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), वियतनाम और इथोपिया के नागरिकों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। सरकार की ओर से जरी किए गए आदेश के मुताबिक,इन देशों में कोरोना वायरस के नए वैरिएंट के बढ़ते कहर के चलते एहतियातन यह कदम उठाया गया है।

डेल्टा वैरिएंट खतरनाक, लगातार बदल रहा स्वरूप : डब्ल्यूएचओ

संयुक्त राष्ट्र, प्रेट्र : विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम घेबरेसस ने आगाह किया कि इस समय दुनिया में कोरोना महामारी बेहद खतरनाक दौर में है। कोरोना के डेल्टा जैसे खतरनाक वैरिएंट अधिक संक्रामक होने के साथ ही लगातार स्वरूप भी बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन देशों में कम वैक्सीन लगी है, वहां अस्पतालों में फिर मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है।

▸ टेड्रोस बोले, कम वैक्सीन लगाने वाले देशों में बढ़ रहे मरीज

टेड्रोस ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'डेल्टा जैसे वैरिएंट ज्यादा संक्रामक हैं और कई देशों में तेजी से हावी हो रहे हैं। हम महामारी के बेहद खतरनाक दौर में हैं। अभी तक कोई देश खतरे से बाहर नहीं है। डेल्टा वैरिएंट खतरनाक है और यह समय के साथ और बदल रहा है। इस पर निरंतर नजर रखने की जरूरत है।'

98 देशों में पहुंचा यह वैरिएंट: विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस ने बताया कि अब तक 98 देशों में डेल्टा वैरिएंट मिल चुका है और उन देशों में यह तेजी से पांव पसार रहा है, जहां कम और ज्यादा टीकाकरण हुआ है। भारत में इस वैरिएंट की सबसे पहले पहचान हुई थी।

दोहराए बचाव के उपाय: टेड्रोस ने बचाव के उपायों को दोहराते हुए कहा कि मास्क लगाना, शारीरिक दूरी के नियमों का पालन, भीड़भाड़ वाली जगहों से बचना और घरों को हवादार रखने की पर्याप्त व्यवस्था महत्वपूर्ण है।

टीकाकरण पर दिया जोर

संयुक्त राष्ट्र की इस स्वास्थ्य एजेंसी के महानिदेशक ने दुनियाभर के नेताओं से आग्रह किया कि वे एक साथ मिलकर यह सुनिश्चित करें कि अगले साल तक हर देश की 70 फीसद आबादी को टीका लग जाए।

सितंबर से पहले अफगानिस्तान छोड़ना संभव नहीं : बाइडन

चिंता की बात ▸ बगराम हवाई अड्डा बन सकता है तालिबान का निशाना

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, उम्मीद के अनुरूप हम सही रास्ते पर चल रहे हैं

वाशिंगटन, आइएएनएस : अफगानिस्तान से सेना की वापसी को लेकर राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि अमेरिका और नाटो देशों की सेना अफगानिस्तान को कुछ दिनों में ही नहीं छोड़ने जा रही हैं। उनका कहना है कि चाहे जितनी भी तेजी कर लें, सितंबर से पहले पूरी वापसी संभव नहीं है।

अमेरिकी राष्ट्रपति से व्हाइट हाउस में पत्रकार वार्ता के दौरान पूछा गया कि क्या अमेरिका अगले कुछ दिनों में अफगानिस्तान से सेना की वापसी की प्रक्रिया को पूरा करेगा। बाइडन ने कहा कि नहीं, हमारी सेना की वापसी अभी कुछ दिनों में ही नहीं होने जा रही है। हम सही रास्ते पर चल रहे हैं, जैसी हम उम्मीद करते हैं। सितंबर से पहले हम किसी भी रूप में पूरी तरह से वापसी नहीं कर पाएंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब गत शुक्रवार को ही अफगानिस्तान के सबसे बड़े बगराम हवाई अड्डे को अमेरिका और नाटो की सेना ने खाली कर अफगानी सेना के हवाले कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि राजधानी काबुल के उत्तर में स्थित इस हवाई अड्डे का बड़ा महत्व है। बीस साल पहले अमेरिका और नाटो सेना ने यहीं से आतंकियों पर बढ़त बनाना शुरू किया था। अब यह हवाई अड्डा तालिबान का भी निशाना बन सकता है।



विभिन्न मुद्दों पर व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत करते अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन। रायटर

सेना से संघर्ष में 20 तालिबानी आतंकी ढेर

समाचार एजेंसी एएनआइ के अनुसार अमेरिकी सेना की वापसी के बीच सुरक्षा बलों और तालिबानी आतंकियों के बीच भीषण संघर्ष शुरू हो गया है। बदख्शान प्रांत में पिछले 24 घंटों के दौरान सुरक्षा बलों ने 20 आतंकियों को मार गिराया है। कुछ स्थानीय लोगों ने यह भी जानकारी दी है कि तालिबान ने बदख्शान में तगब के मुख्यालय, किशिम, ताशकन और शहर ए बुजर्ग जिलों पर कब्जा कर लिया है। बदख्शान सरकार के प्रवक्ता ने इन जिलों पर कब्जा करने का खंडन किया है। उल्लेखनीय है कि तालिबान के तेजी से जिलों पर कब्जा करने पर अमेरिका की खुफिया एजेंसियों का मानना है कि अमेरिका और नाटो सेना की पूरी वापसी होने के कुछ महीनों में ही तालिबान अफगानिस्तान पर कब्जा कर सकते हैं। यह किसी भी लिहाज से दुनिया के लिए ठीक नहीं होगा।

दक्षिण चीन सागर पर हर हाल में कब्जा करने को बेचैन है चीन

बीजिंग, एएनआइ : दक्षिण चीन सागर पर पूरी तरह हावी होने के लिए चीन हर तरह की तैयारी कर रहा है। वह इस क्षेत्र पर कब्जा करने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। यहां तक कि वह अंतरराष्ट्रीय कानूनों को भी पूरी तरह दरकिनार कर रहा है। द नेशनल इंटरेस्ट पत्रिका में जेम्स होम्स ने इस संबंध में दी अपनी रिपोर्ट में चीनी रणनीति का विश्लेषण किया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल ही चीन के रक्षा मंत्री चांग वानक्वान ने सेना से कहा था कि हमें समुद्र में युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र के ट्रिब्यूनल ने निर्णय दिया था कि दक्षिण चीन सागर में निर्विवाद संप्रभुता वाले क्षेत्र पर चीन के दावे अस्सी से नब्बे प्रतिशत तक गलत हैं। एक मजबूत समुद्र तटीय देश दूसरे कमजोर देशों के जल क्षेत्र और पानी के हिस्से को नहीं छीन सकता है। ट्रिब्यूनल के इस फैसले से चीन को झटका लगा है। यह भी स्पष्ट हो गया है कि फिलीपींस के समुद्री क्षेत्र के विशेष आर्थिक जोन में चीन की नौसेना के द्वारा किया जा रहा कार्य कब्जा है। होम्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि रक्षा मंत्री के बयान से यह भी स्पष्ट हो गया है कि चीन ने अब दक्षिण चीन सागर में पूरी तरह से आक्रामक रुख अपना लिया है।

▸ अंतरराष्ट्रीय कानूनों की धज्जियां उड़ाने से भी नहीं कर रहा परहेज

▸ सैन्य तैयारियों के साथ अपना रहा है आक्रामक रवैया

रेगिस्तान में बना रहा बैलेस्टिक मिसाइल रखने के 100 ठिकाने

वाशिंगटन, प्रेट्र: चीन अपने उत्तर-पश्चिमी शहर युमेन के निकट रेगिस्तान में इंटरकॉन्टिनेंटल बैलेस्टिक मिसाइल (आइसीबीएम) रखने के सौ नए भूमिगत ठिकाने बना रहा है।

अमेरिका के समाचार पत्र वाशिंगटन पोस्ट ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। अखबार के अनुसार, इससे संकेत मिलता है कि चीन अपने परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ा रहा है। चीन के 119 ठिकाने पहले से ही जानकारी में हैं, जहां पर उसकी आइसीबीएम रखी हो सकती हैं। उसकी ये मिसाइल अमेरिका तक मार करने में सक्षम हैं। माना जाता है कि चीन की सभी आइसीबीएम परमाणु हथियारों से लैस हैं। जिस इलाके में भूमिगत ठिकाने बनाने का कार्य हो रहा है, वह बीजिंग से 2,100 किलोमीटर की दूरी पर है। कैलीफोर्निया के जेम्स मार्टिन सेंटर के शोधकर्ताओं ने इस जगह की सेटेलाइट से तस्वीरें ली हैं।

अभी तक माना जा रहा है कि चीन के पास 250 से 350 परमाणु हथियार हैं और इन्हें तैयार करके वह शांत बैठा है। लेकिन इन नए भूमिगत ठिकानों के निर्माण से स्पष्ट हो गया है कि चीन अपना परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ा रहा है। हालांकि अमेरिका और रूस की तुलना में उसके परमाणु हथियारों की संख्या अभी बहुत कम है। लेकिन चीन के तेवर देखते हुए उसकी यह मंशा बेहद खतरनाक है। उसके परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ना अमेरिका के लिए नई चुनौती की तरह है। चीन अमेरिका को पीछे छोड़कर दुनिया की नई सुपर पावर बनने के उद्देश्य से कार्य कर रहा है।

नेपाली संसद की बहाली के लिए सुनवाई, साथ में चुनाव की तैयारी

काठमांडू, प्रेट्र : नेपाल में संसद की बहाली के लिए दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है लेकिन चुनाव आयोग भी मध्यावधि चुनाव की तैयारियों में जुटा हुआ है। राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने 22 मई को संसद (प्रतिनिधि सभा) भंग करते हुए 12 और 19 नवंबर को चुनाव कराने की घोषणा की थी।

भंडारी ने संसद को भंग करने का कदम पांच महीने में दूसरी बार उठाया था। पहली बार उन्हें फरवरी में आए सुप्रीम कोर्ट के आदेश से मुंह की खानी पड़ी थी। अल्पमत सरकार के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सिफारिश पर भंडारी ने दूसरी बार संसद भंग की है। इसी के विरोध में सुप्रीम कोर्ट में 30 याचिकाएं दायर हुई हैं। इनमें से एक याचिका पर भंग प्रतिनिधि सभा के 146 सदस्यों के हस्ताक्षर भी हैं, जो 275 सदस्यों वाले सदन का बहुमत है। ये सभी नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा के समर्थक हैं। भंडारी ने प्रधानमंत्री पद के लिए देउबा के दावे को अस्वीकार कर प्रतिनिधि सभा भंग की थी।

अल्पमत सरकार के प्रधानमंत्री ओली का मंत्रिमंडल विस्तार का फैसला सुप्रीम कोर्ट रद कर चुका है। जल्द ही संसद की बहाली पर फैसला आने वाला है। बावजूद इसके नेपाल का चुनाव आयोग मध्यावधि चुनाव की तैयारियों में लगा हुआ है। नेपाल के वित्त मंत्रालय ने 7.72 अरब नेपाली रुपये चुनाव के लिए स्वीकृत कर दिए हैं। इसी के बाद चुनाव आयोग की गतिविधियों ने गति पकड़ ली है। चुनाव आयोग इस धनराशि से प्रक्रिया में काम आने वाली सामग्री खरीदेगा और प्रबंधन में धन खर्च करेगा।

आयोग के प्रवक्ता राजकुमार श्रेष्ठ ने बताया है कि सामग्री की खरीद के लिए अगले सप्ताह निविदाएं मांगी जाएंगी। ये निविदाएं करीब 50 तरह की सामग्री की खरीद के लिए होंगी। प्रवक्ता ने कहा है कि संसद बहाल करने पर सुनवाई भले ही सुप्रीम कोर्ट में चल रही हो लेकिन आयोग से चुनाव की तैयारियां रोकने के लिए नहीं कहा गया है।

▸ वित्त मंत्रालय ने चुनाव प्रक्रिया के लिए 7.7 अरब नेपाली रुपये स्वीकृत किए

▸ अगले सप्ताह से सामग्री की खरीद शुरू करेगा चुनाव आयोग

बलूच आर्मी ने चीनी कंपनी को फूंका, मजदूर किए अगवा

क्वेटा, एएनआइ : पाक में अलग बलूचिस्तान देश की मांग जोर पकड़ रही है। आजादी के लिए सक्रिय बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया है कि उसने चीन की दूरसंचार कंपनी को आग के हवाले कर दिया है। साथ ही उसमें काम करने वाले छह मजदूरों का अपहरण कर लिया। इन मजदूरों की रिहाई संयुक्त राष्ट्र या रेड क्रास की गारंटी पर ही करने का एलान किया है। इन मजदूरों का अपहरण मारगोट चोखोबी बाध क्षेत्र से किया गया।

ज्ञात हो कि पाकिस्तान के बलूचिस्तान में आजाद बलूच आंदोलन चल रहा है। इनकी मांग है कि बलूचिस्तान अलग देश बनाया जाए। बलूचिस्तान में चीन ने दूरसंचार कंपनियों का जाल बिछाना शुरू कर दिया है। पाकिस्तान इसके सहयोग से बलूचों की जासूसी भी कर रहा है। इसके साथ ही ग्वादर बंदरगाह पर चीन का पूरी तरह अधिकार होने से भी बलूचों में आक्रोश है। इधर बलूचिस्तान मानवाधिकार परिषद और वायस आफ बलूच मिसिंग पर्सन के चेयरमैन नसरुल्लाह बलूच ने एक अलग बयान में अगवा मजदूरों को मानवीय आधार पर छोड़ने की मांग की है।

भारतीय नौसेना ने बताया, कोलंबो के नजदीक का समुद्र है खतरनाक

54 जगहों पर चट्टानों या मलबे से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो सकते हैं जहाज

कोलंबो, आइएएनएस : भारतीय नौसेना ने श्रीलंका सरकार को बताया है कि कोलंबो बंदरगाह के आसपास के समुद्र में 54 स्थानों पर खतरनाक चट्टानें और मलबा जमा है। ये वहां जाने-आने वाले जहाजों के लिए खतरनाक हैं। उनसे टकराकर जहाज दुर्घटनाग्रस्त हो सकते हैं। श्रीलंका सरकार के अनुरोध पर भारतीय नौसेना ने यह सर्वे दो जून को सिंगापुर के मालवाही जहाज एमवी एक्सप्रेस पर्ल के दुर्घटनाग्रस्त होकर डूबने के बाद किया। इस दुर्घटना से समुद्री परिस्थितिकी तंत्र को भारी नुकसान हुआ था।

भारतीय नौसेना ने श्रीलंका सरकार का अनुरोध पत्र मिलने के बाद 23 जून को कोलंबो के नजदीक हिंद महासागर में आइएनएस सर्वेक्षक तैनात किया। इस जहाज ने कोलंबो बंदरगाह के नजदीक 54 खतरनाक चट्टानें और मलबा पाया। यह सब पानी के नीचे मौजूद है जो आवागमन के दौरान दिखाई नहीं देता लेकिन जहाजों के लिए बहुत खतरनाक है। माना जा रहा है कि एमवी एक्सप्रेस में इन्हीं में से किसी चट्टान से टकराकर आग लगी। इस जहाज पर कुल 1,486 कंटेनर लदे थे। जहाज पर रखे टैंकरों में 25 टन नाइट्रिक एसिड, अन्य कैमिकल और कॉस्मेटिक थे। यह सब जलकर समुद्र के पानी में मिल गया और जहाज भी समुद्र में डूब गया। इस दुर्घटना में समुद्री जीवन को भारी नुकसान हुआ। आशंका है कि दुर्घटना में सैकड़ों जलीय जीव मारे गए। श्रीलंका के अटॉर्नी जनरल ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि दुर्घटना में 176 कछुए, 20 डॉल्फिन मछलियां और चार व्हेल मछलियां मारी गईं।

पर्यावरणविदों ने श्रीलंका के सुप्रीम कोर्ट से शिकायत की कि मामले में श्रीलंका के अधिकारों का हनन किया गया। जहाज पर 20 मई को कोलंबो तट के नजदीक आग लगी और वह काबू नहीं की जा सकी, नतीजतन दो जून को जहाज डूब गया। इस दुर्घटना के कारण फैले रसायनों के दुष्प्रभाव से बचाव के लिए हफ्तों समुद्र में आवाजाही पर रोक लगी रही। समुद्री जीवन को हुए नुकसान के लिए श्रीलंका सरकार ने जहाज की स्वामी कंपनी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

जापान में मूसलधार बारिश से भूस्खलन, दो की मौत, 20 लापता

टोक्यो, रायटर : जापान में शिजुओका प्रांत के समुद्र तटीय शहर अटामी में शुक्रवार से हो रही बारिश के बाद कई स्थानों पर भूस्खलन हो गया है। ट्विटर पर वायरल तस्वीरों में तमाम मकानों का मलवा बाढ़ में बहता दिखाई दे रहा है। कारों के डूबने के फोटो भी इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। आपदा की चपेट में आकर दो लोगों की मौत हो गई, बीस लापता हैं। 35 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदा सुगा ने आपदा से निपटने के लिए इमरजेंसी टास्क फोर्स तैनात करने के निर्देश दिए हैं। यहां जुलाई में होने वाली औसत बारिश का रिकार्ड टूट गया है। एएनआइ के अनुसार प्रशासन ने 35 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। एपी के अनुसार अटामी शहर समुद्रतटीय सैरगाह क्षेत्र है। भूस्खलन की चपेट में यहां के रिहायशी इलाके, शापिंग स्ट्रीट, गर्म पानी के झरने और तीर्थ स्थल भी आ गए हैं।

वेटिकन में कार्डिनल सहित 10 लोगों पर अभियोग

वेटिकन सिटी, रायटर : वेटिकन सिटी के न्यायालय ने शनिवार को चर्चित वित्तीय मामले में धोखाधड़ी, मनी लांड्रिंग, गबन और पद का दुरुपयोग करने के मामले में इटली के कार्डिनल एंजिलो बेकियू सहित 10 लोगों पर अभियोग दर्ज किया है। इनमें कुछ कंपनियां भी शामिल हैं। बेकियू को पिछले साल पोप फ्रांसिस ने निकाल दिया था। इनके खिलाफ दो साल से जांच चल रही थी। पिछले कुछ सालों में यह बड़ा मामला है, जब इतने बड़े चर्च पदाधिकारी पर वित्तीय अपराध का मामला चल रहा है।

चर्च नियमों के अनुसार बेकियू के खिलाफ जज के जांच और मुकदमे के निर्णय को पोप फ्रांसिस ने व्यक्तिगत रूप से अनुमति दी थी। बेकियू पर पद का दुरुपयोग और गबन करने का मामला है। इस गबन के मामले में इटली की एक महिला को भी आरोपित किया गया है, जो बेकियू के लिए काम करती थी। इस मामले में स्विट्जरलैंड की दो, अमेरिका की एक और स्लोवेनिया की एक कंपनी भी आरोपित की गई हैं।

एपी के अनुसार ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष, जज ग्यूसेप पिग्नाटोन ने सुनवाई की तारीख 27 जुलाई तय की है। यह मामला लंदन में रियल एस्टेट में निवेश का है। इसमें 350 मिलियन यूरो (करीब तीन हजार करोड़ रुपये) का गोलमाल किया गया है। आरोपितों में वेटिकन सिटी सचिवालय के दो मौजूदा, चार पूर्व अधिकारी और लंदन में व्यवसाय संभालने वाली कंपनियां व अधिकारी शामिल हैं।



ज्वालामुखी विस्फोट...

फिलीपींस के बटंगस प्रांत स्थित एक झील में ज्वालामुखी विस्फोट का दृश्य। इस घटना के बाद आसपास रह रहे लोगों को सतर्क कर दिया गया है। इस क्षेत्र में अक्सर ज्वालामुखी फटने की घटनाएं होती रहती हैं। एएफपी

पाक में ईश निंदा से बरी युवक की पुलिसकर्मी ने कर दी हत्या

लाहौर, रायटर : पाकिस्तान में ईशनिंदा के आरोप में चार साल तक जेल में बंद रहने के बाद लाहौर हाई कोर्ट से बरी युवक की एक पुलिसकर्मी ने गोली मारकर हत्या कर दी। पाक के कानून में ईशनिंदा के दोषी को मृत्यु दंड तक की सजा का प्रविधान है। हत्या करने वाले 21 वर्षीय पुलिसकर्मी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मुहम्मद वकास नाम के युवक को ईशनिंदा के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उस पर अदालत में 2016 से मुकदमा चल रहा था। 2020 में लाहौर हाई कोर्ट ने वकास को दोष मुक्त कर दिया। आमतौर पर ईशनिंदा के आरोपितों को जान का खतरा बना रहता है, इसीलिये वकास भी जेल से छूटने के बाद एक साल तक अपने घर नहीं पहुंचा। कुछ हफ्ते पहले ही वह अपने घर आया था। इसकी एक 21 वर्षीय पुलिसकर्मी ने सादिकाबाद में गोली मारकर हत्या कर दी।

▸ ईशनिंदा मामलों में मानवाधिकार संगठन भी जता चुके हैं चिंता

▸ 2020 में लाहौर हाई कोर्ट ने वकास को कर दिया था दोष मुक्त

अल्पसंख्यकों को फंसाने का जरिया है ईशनिंदा कानून

पाकिस्तान में ईशनिंदा के कड़े कानूनों की मानवाधिकार संगठनों के द्वारा भी निंदा की गई है। इन कानून का अल्पसंख्यकों को फंसाने के लिए भी इस्तेमाल किया जा रहा है। कट्टरपंथी ईशनिंदा के आरोपी को खुद ही मारने के लिए आमादा हो जाते हैं। 2020 में ऐसे ही पाकिस्तान मूल के अमेरिकी नागरिक ताहिर नसीम की पेशावर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उस पर ईशनिंदा का आरोप था।

डेनमार्क का 29 साल का सूखा खत्म

चेक गणराज्य की टीम को 2-1 से हराकर बनाई सेमीफाइनल में जगह

बाकू, रायटर : डेनिश डायनामाइट के नाम से अपनी पहचान बना चुकी डेनमार्क की टीम ने मैच से पहले एक बार फिर से अपने खिलाड़ी क्रिस्टियन एरिक्सन को याद कर किया और फिर यूरो कप के क्वार्टर फाइनल में चेक गणराज्य के किले को उड़ाकर रख दिया। मजबूत डिफेंस के साथ अभी तक टूर्नामेंट में खेलने वाली चेक गणराज के किले में डेनमार्क के स्ट्राइकर कैस्पर डोलबर्ग और मिडफील्डर थामस डेलाने ने गोल दागकर टीम को 2-1 की जीत से 29 सालों का सूखा खत्म करते हुए सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। अब उनका सामना शनिवार देर रात खेले जाने वाले इंग्लैंड बनाम यूक्रेन के मैच के विजेता से होगा। हालांकि, चेक गणराज की तरफ से उनके स्ट्राइकर खिलाड़ी पैट्रिक चिक ने एक मात्र गोल जरूर किया, मगर वह टीम को जीत दिलाने में नाकाम रहे।

मैच के पहले हाफ की शुरुआत के पांचवें मिनट में डेनमार्क को पहला कार्नर मिला और उसके मिडफील्डर थामस डेलाने ने स्ट्रीगर लार्सन की कार्नर किक को सटीक हेडर के जरिये गोल में तब्दील कर दिया। इस तरह मैच के शुरू होते ही डेनमार्क ने 1-0 से बढ़त हासिल कर ली। हालांकि इसके बाद मैच के 29वें मिनट में चेक गणराज के स्ट्राइकर पैट्रिक चिक को फ्री किक मिली, जिसमें उन्होंने अपनी कला दूर से गोल पोस्ट में गेंद डालने का प्रयास किया, मगर असफल रहे। वहीं एक बार फिर चेक गणराज के मजबूत डिफेंस को तितर-बितर करते हुए मैच के 42वें मिनट में डेनमार्क के स्ट्राइकर कैस्पर डोल्बर्ग ने सीधे पैर से साथी खिलाड़ी जोकिम महेले के क्रास पास को गोल में तब्दील कर दिया। इस शाट पर चेक गणराज के गोलकीपर थामस वैक्लिक भी सिर्फ खड़े होकर गेंद को निहारते रहे। यह मैच का निर्णायक पल भी रहा क्योंकि इसकी भरपाई चेक गणराज्य की टीम मैच के अंत तक नहीं कर सकी।

दूसरे हाफ में 0-2 से पीछे उतरी चेक गणराज्य ने गोल करने के प्रयास में डेनमार्क की टीम के खिलाफ शुरू से आक्रामक रुख अपनाया। इसका नतीजा भी उन्हें जल्द मिला और 49वें मिनट में चेक गणराज के स्टार स्ट्राइकर पैट्रिक चिक ने मौके का फायदा उठाते हुए व्लादिमीर कौफल के क्रास शाट को सीधा डेनमार्क के गोल पोस्ट के अंदर भेज दिया। इस तरह चिक ने टीम का स्कोर 1-2 कर दिया। हालांकि मैच के 62वें मिनट में डेनमार्क के यूसुफ पाल्सेन के शाट को रोकने के प्रयास में चेक गणराज के कप्तान टामस सौसेक के कान में यूसुफ के जूते के स्पाइक्स लग गए लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और मैच में सिर पर पट्टी बांधकर खेलना शुरू कर दिया। हालांकि मैच के दौरान उनकी पट्टी से खून धीरे-धीरे बहता रहा लेकिन उन्होंने अंत तक हार नहीं मानी। चेक गणराज की टीम को भी मैच में कई मौके मिले लेकिन वह डेनमार्क के डिफेंस में सेंध लगाने में नाकामयाब रहे। मैच के इंजुरी टाइम में जरूर चेक गणराज्य के माइकल क्रमेंसिक ने गोल एरिया बाक्स के बाहर से सीधा शाट मारा लेकिन वह गोल पोस्ट के बाहर चला गया।

एरिक्सन की याद फिर बनी जीत की वजह : मैच की शुरुआत से पहले डेनमार्क ने यूरो कप के शुरुआती मैच में फिनलैंड के खिलाफ दिल का दौरा पड़ने वाले खिलाड़ी क्रिस्टियन एरिक्सन को शानदार अंदाज में याद किया। उनके नाम की टी-शर्ट बीच मैदान में दिखाई गई, जिससे डेनमार्क के खिलाड़ियों को एक बार फिर से वह घटना याद आ गई और वह अधिक प्रेरित होकर मैदान में उतरे। हालांकि एरिक्सन की हालत में सुधार हुआ है, वह इन दिनों अपने घर में रिकवरी कर रहे हैं।

गोल

चेक गणराज्य	डेनमार्क
1	2
पैट्रिक चिक (49वां मिनट)	थामस डेलाने (5वां मिनट)
	कैस्पर डोलबर्ग (42वां मिनट)

24 गोल अभी तक हेडर के जरिये इस यूरो कप में किए जा चुके हैं, जो कि यूरो कप के इतिहास में सबसे अधिक हैं

गेंद रखी: 53% (चेक गणराज्य) — 47% (डेनमार्क)

चेक गणराज्य		डेनमार्क
00	रेड कार्ड	00
02	यलो कार्ड	00
09	कॉर्नर किक	07
451	कुल पास	375
05	गोलकीपर बचाव	04


गोल करने के बाद खुश थामस डेलाने • रायटर

'गोल्डन जेनरेशन' का सपना टूटा

म्यूनिख, एपी : रोमेलू लुकाकू, केविन डी ब्रुइना और थिबाउट कोर्तवा जैसे स्टार खिलाड़ियों से सजी बेल्जियम की गोल्डन जेनरेशन टीम का यूरो कप खिताब जीत का सपना इटली ने चकनाचूर कर दिया। यूरो कप के क्वार्टर फाइनल में सितारों से सजी बेल्जियम टीम सिर्फ एक ही गोल मार सकी और इटली ने चट्टान जैसे डिफेंस के बूते अपनी जीत का अश्वमेधी रथ सेमीफाइनल की तरफ बढ़ा दिया। जहां उनका सामना मंगलवार देर रात को स्पेन से होगा।

इस मैच में बेल्जियम के कप्तान इडेन हेजार्ड चोटिल होने के कारण नहीं खेल रहे थे उनकी जगह कप्तानी जान वर्टोंघेन कर रहे थे। पहले हाफ में थोड़ा समय निकल जाने के बाद 31वें मिनट में इटली ने बेल्जियम के सीने पर पहला गोल दागा। इटली के निकोला ने बाक्स की दायीं तरफ से गेंद को सीधा गोल में डाला। इससे इटली ने मैच में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली। इस गोल को किए हुए सिर्फ 13 मिनट ही हुए थे कि एक बार फिर इटली ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 44वें मिनट में गोल दागा। इस गोल में बरेला ने सहयोग किया तो लारेंजो इंसिग्ने ने दायें पैर से गेंद को गोल पोस्ट के अंदर भेज दिया। इस गोल के बाद इटली के प्रशंसकों का उत्साह चरम पर था। इसके बाद पहले हाफ के इंजरी टाइम में इटली से एक बड़ी गलती हुई और उसके खिलाड़ी जियोवानी डि लारेंजो बेल्जियम को पेनाल्टी दे बैठे। इसका लुकाकू ने भरपूर फायदा उठाया और गोल दागने के साथ पहले हाफ का अंत किया।

दूसरे हाफ में 2-1 से बढ़त लेकर इटली की टीम के डिफेंस खिलाड़ियों ने अब अपना जलवा दिखाया। एक गोल से पिछड़ने वाली बेल्जियम के खिलाड़ियों ने दूसरे हाफ में एड़ी चोटी का जोर लगा दिया। उन्हें गोल करने के कई मौके भी मिले लेकिन उनके आक्रमण के सामने इटली का डिफेंस चट्टान की तरह खड़ा रहा। इस दौरान इटली के खिलाड़ी भी गोल दागने में असफल रहे। मैच समाप्ति की सीटी बजते ही इटली ने 2-1 से सेमीफाइनल में जगह बना ली।

मैच का टर्निंग प्वाइंट : बेल्जियम की टीम के दमदार स्ट्राइकर खिलाड़ी रोमेलु लुकाकू ने गोल करने के लिए पूरा दमखम लगा दिया मगर वह इटली के मजबूत डिफेंस में सेंध नहीं लगा सके। मैच के दूसरे हाफ में लुकाकू को रोकने के प्रयास में 76वें मिनट में इटली के मिडफील्डर लियोनार्डो स्पिनाजोला चोटिल हो गए और उन्हें स्ट्रेचर में लिटाकर मैदान से बाहर ले जाया। इस पल को ही मैच का टर्निंग प्वाइंट माना जा रहा है क्योंकि यहां पर लुकाकू के पास गोल करने का पूरा मौका था। जिसे लियोनार्डो ने होने नहीं दिया। इसके चलते इटली को जहां जीत से खुशी तो मिल गई लेकिन उन्हें एक झटका भी लगा है। लियोनार्डो की चोट काफी गंभीर है जिसके चलते वह शायद स्पेन के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले में खेलते नजर नहीं आएंगे। अगर ऐसा होता है तो यह इटली के बड़ा नुकसान साबित हो सकता है। वहीं स्पेन ने पेनाल्टी शूटआउट मुकाबले में स्विट्जरलैंड को हराकर जगह बनाई है।

गोल

बेल्जियम	इटली
1	2
रोमेलू लुकाकू (45+2) मिनट	निकोला बरेला (31वां मिनट)
	लारेंजो इंसिग्ने (44वां मिनट)

गेंद रखी: 46% (बेल्जियम) — 54% (इटली)

बेल्जियम		इटली
00	रेड कार्ड	00
01	यलो कार्ड	02
09	कॉर्नर किक	05
448	कुल पास	533
02	गोलकीपर बचाव	02

पेनाल्टी शूटआउट की लड़ाई में पेरू जीता

ब्राजीलिया, एपी : फुटबाल जगत में इन दिनों पेनाल्टी शूटआउट का समय चल रहा है। शुक्रवार को यूरो कप में जहां स्पेन ने पेनाल्टी शूटआउट में स्विट्जरलैंड को हराया तो वहीं देर रात कोपा अमेरिका कप के मौजूदा सत्र के सबसे रोमांचक मैच में पेरू ने भी पराग्वे को पेनाल्टी शूटआउट में 4-3 से हरा सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

इस मैच का विजयी पल तब सामने आया जब पेरू के गोलकीपर पेड्रो गैलीज ने पराग्वे के अल्बर्टो एस्पिनोला का शाट रोका और उसके बाद पेरू के मिगुएल ट्राउको ने अपने शाट को गोल में तब्दील करके कोपा अमेरिका 2019 की उपविजेता टीम पेरू को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। इस तरह 3-3 से ड्रा होने के बाद पेरू ने मैच को पेनाल्टी शूटआउट में जीता। अब उसका सामना सेमीफाइनल में ब्राजील से होगा। वहीं पेनाल्टी शूट आउट में दोनों टीमों ने कुल छह शाट लिए जिसमें पेरू के गोलकीपर पेड्रो गैलीज़ ने पराग्वे के तीन शाट रोके। जबकि उनकी टीम के लिए शूटआउट में लापाडुला, योतुन, रेनाटो तापिया और ट्राउको ने पेनाल्टी को गोल में तब्दील किया।

वहीं मैच की बात करें तो पहले हाफ में के 11वें मिनट में गुस्तावो गोमेजू ने शानदार गोल दागकर पराग्वे को 1-0 से बढ़त दिला दी। 21वें मिनट में ही पेरू के जियानलुका लापादुला ने गोल करके टीम को 1-1 से बराबरी पर ला दिया। जियानलुका ने फिर से 40वें मिनट में गोल दाग दिया।

10 खिलाड़ियों के दमपर ब्राजील ने चिली को हराया

रियो डि जेनेरियो : गत चैंपियन ब्राजील ने दूसरे हाफ में एक खिलाड़ी को रेड कार्ड मिलने के बावजूद 10 खिलाड़ियों के दम पर शानदार प्रदर्शन करते हुए चिली को 1-0 से हराकर कोपा अमेरिका कप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। ब्राजील के लिए एकमात्र गोल स्थानापन्न खिलाड़ी लुकास पाकेटा ने दूसरे हाफ में किया। पाकेटा ने 46वें मिनट में चिली के गोलकीपर क्लाउडियो ब्रावो के बायीं ओर से गेंद को नेट में डाला। इसके दो मिनट बाद चिली के यूजेनियो माना को एक उछाल लेती किक से चोट पहुंचाने वाले जीसस को मैदान छोड़ना पड़ा। जीसस को इस हरकत के लिए रेड कार्ड दिया गया और टीम को आगे का मैच 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। ब्राजील के डिफेंडरों ने इतना दमदार खेल दिखाया कि चिली को गोल करने के ज्यादा मौके ही नहीं मिल सके। अंत तक स्कोर 1-0 ही रहा और ब्राजील ने जीत हासिल की।

आज के मैच

उरुग्वे vs कोलंबिया	
3:30 बजे	स्थान : ब्राजीलिया
अर्जेंटीना vs इक्वाडोर	
6:30 बजे	स्थान : गोइआनिया

सोनी नेटवर्क

वारहोम ने 29 साल पुराना रिकार्ड तोड़ा

ओस्लो, एपी : नार्वे के दो बार के विश्व चैंपियन कार्सटन वारहोम ने डायमंड लीग एथलेटिक्स प्रतियोगिता में पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में 29 साल पुराना विश्व रिकार्ड तोड़ दिया। इस 25 वर्षीय धावक ने गुरुवार को 46.70 सेकेंड का समय निकालकर अमेरिका के केविन यंग के बार्सिलोना ओलंपिक 1992 के फाइनल में बनाए 46.78 सेकेंड के रिकार्ड को तोड़ा।

वारहोम मौजूदा यूरोपियन चैंपियन के साथ-साथ विश्व चैंपियन भी हैं। वारहोम ने विश्व एथलेटिक्स को दिए साक्षात्कार में कहा, 'यह शानदार क्षण है। हर कोई इस विश्व रिकार्ड की बात कर रहा था, जो इतने वर्षों से बना हुआ था। यह असल में मेरे पैदा होने से पहले बन चुका था।' वारहोम का इससे पहले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 46.87 सेकेंड था। वारहोम से पहले अमेरिका के रे बेंजामिन भी इस विश्व रिकार्ड को तोड़ने के करीब पहुंचे थे। बेंजामिन ने भी 26 जून की रात को अमेरिका के एथलेटिक्स ट्रायल्स में 46.83 सेकेंड का शानदार समय निकाला था।

ओलंपिक के लिए पहला भारतीय दल 14 जुलाई को होगा रवाना

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : भारतीय ओलंपिक संघ (आइओए) के महासचिव राजीव मेहता ने शनिवार को कहा कि टोक्यो ओलंपिक के लिए जाने वाले खिलाड़ियों का पहला दल 14 जुलाई को एयर इंडिया की चार्टर्ड फ्लाइट से रवाना होगा। मेहता ने बताया कि दल के बाकी सदस्य 16 से 19 जुलाई के बीच रवाना होंगे।

टोक्यो पहुंचने पर सभी एथलीटों और अधिकारियों को तीन दिनों के लिए क्वारंटाइन में रहना होगा। मेहता ने कहा, 'वहां पहुंचने पर सभी को तीन दिनों तक क्वारंटाइन में रहना होगा। आगमन के दिन को शून्य दिवस कहा जाता है। क्वारंटाइन के बाद हम बाहर निकल सकते हैं। ओलंपिक के लिए भारतीय दल का पहला जत्था 14 जुलाई को एयर इंडिया की चार्टर्ड उड़ान से रवाना होगा जिसमें खिलाड़ी और अधिकारी शामिल हैं। बाकी अधिकारी 16 से 19 जुलाई के बीच यात्रा करेंगे।'

टोक्यो पैरालंपिक के लिए 24 खिलाड़ियों का हुआ चयन : भारतीय पैरालंपिक समिति ने 24 अगस्त से शुरू होने वाले टोक्यो पैरालिंपिक के लिए स्टार भाला फेंक खिलाड़ी देवेंद्र झाझरिया और ऊंची कूद एथलीट मरियाप्पन थंगावेलू की अगुवाई में 24 सदस्यीय एथलेटिक्स टीम की घोषणा की। झाझरिया और थंगावेलू ने रियो पैरालिंपिक में क्रमशः एफ-46 भाला फेंक और टी-42 ऊंची कूद स्पर्धाओं में स्वर्ण जीता था।

अर्जुन पुरस्कार के लिए नामित साजन प्रकाश

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय तैराकी महासंघ (एसएफआइ) ने ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय तैराक साजन प्रकाश के नाम की सिफारिश अर्जुन पुरस्कार के लिए की है। एसएफआइ ने ध्यानचंद पुरस्कार के लिए अनुभवी कोच कमलेश नानावटी का नाम भेजा है। लगातार दूसरे साल साजन प्रकाश का नाम अर्जुन पुरस्कार के लिए भेजा गया है जो टोक्यो में अपने दूसरे ओलंपिक में हिस्सा लेंगे। तपन पाणिग्रही को द्रोणाचार्य पुरस्कार (लाइफटाइम वर्ग) में नामांकित किया गया है जिन्होंने पैरा तैराकी में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय चैंपियन तैयार करने में काफी योगदान दिया है।


साजन प्रकाश • फाइल फोटो, प्रेट्र

गोपीचंद को ओलंपिक में कई पदक की उम्मीद

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत के मुख्य बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद ने माना कि कोरोना वायरस संबंधित पाबंदियों के कारण आगामी ओलंपिक काफी अलग होंगे लेकिन उन्हें भारतीय खिलाड़ियों से काफी पदकों की उम्मीद है। गोपीचंद ने कहा, 'ओलंपिक खेल गांव में खिलाड़ियों को आपस में मिलने-जुलने की इतनी आजादी नहीं होगी और उन्हें पहचानना काफी मुश्किल होगा क्योंकि उनके चेहरे मास्क से ढके होंगे। मुझे नहीं लगता कि कोई भी खिलाड़ी किसी चीज की शिकायत कर सकता है। मैं उम्मीद करता हूं कि हमें काफी पदक मिलेंगे।'

ओलंपिक मशाल रिले का चिबा चरण संपन्न : टोक्यो ओलंपिक मशाल रिले ने शनिवार को चिबा प्रांत की यात्रा समाप्त की जो कि राजधानी टोक्यो के करीब है। चिबा प्रांत टोक्यो से ठीक बाहर है और वहां कोविड-19 पाबंदियां लगी हैं इसलिए सड़कों पर रिले को अनुमति नहीं दी गई।


जीत के बाद रोजर फेडरर • एएफपी

कड़े संघर्ष के बाद फेडरर चौथे दौर में

- चार सेट तक चले मुकाबले में ब्रिटेन के नोरी को हराया
- रोजर रिकार्ड 18वीं बार विंबलडन के चौथे दौर में पहुंचे

विंबलडन, एपी : आठ बार के चैंपियन स्विस दिग्गज रोजर फेडरर ने शनिवार को ब्रिटेन के कैमरोन नोरी को चार सेटों में कड़े मुकाबले में 6-4, 6-4, 5-7, 6-4 से हराकर रिकार्ड 18वीं बार विंबलडन के चौथे दौर में प्रवेश किया। साथ ही फेडरर ने रिकार्ड 69वीं बार किसी ग्रैंडस्लैम के चौथे दौर में प्रवेश किया।

चोट से उबरकर वापसी कर रहे 20 बार के ग्रैंडसलैम सिंगल्स चैंपियन फेडरर सेंटर कोर्ट पर मिली इस जीत के साथ अपनी फिटनेस का भी शानदार प्रदर्शन करने में सफल रहे। छठी वरीय फेडरर ने अपने पसंदीदा कोर्ट पर ब्रिटेन के नंबर दो खिलाड़ी नोरी को हराने के लिए दो घंटे 34 मिनट का समय लिया और कुछ चौंकाने वाले शाट भी खेले। हालांकि, यह एकतरफा मुकाबला नहीं था, क्योंकि 25 साल के नोरी ने तीसरे सेट में 5-5 से बराबरी के बाद फेडरर की सर्विस को तोड़कर यह सेट 7-5 से अपने नाम किया, लेकिन चौथे सेट को फेडरर ने जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। फेडरर का अगला मुकाबला इटली के 23वीं वरीय लोरेंजो सोनेगो से होगा।

तीसरी बार इटली के दो खिलाड़ी चौथे दौर में : पुरुषों के वर्ग में इटली के माटियो बेरेटिनी ने स्लोवेनिया के एलजाज बेडेने पर 6-4, 6-4, 6-4 से जीत दर्ज कर चौथे दौर में जगह बनाई। इटली के ही 23वीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो सोनेगो ने जेम्स डकवर्थ को 6-3, 6-4, 6-4 से हराया।

एंडी मरे को दर्द दे गई हार : ब्रिटेन के एंडी मरे चार साल बाद विंबलडन में वापसी करके पुरुष सिंगल्स में खेलकर काफी खुश थे और उन्होंने बिना किसी नई चोट के साथ दर्शकों की जोरदार मौजूदगी के बीच इस सप्ताह तीन मैच खेले, लेकिन उनका यह सुहाना सफर शुक्रवार रात को तीसरे दौर में हार के साथ थम गया। यहां सेंटर कोर्ट पर 10वीं वरीय कनाडा के डेनिस शापोवालोव ने उन्हें 6-4, 6-2, 6-2 से हराया। 22 साल के शापोवालोव पहली बार विंबलडन के चौथे दौर में पहुंचे हैं। मरे ने कहा, 'मेरा एक ऐसा हिस्सा है जो यह महसूस करता है कि मैंने पिछले तीन महीनों में काफी काम किया है लेकिन मैं वैसा नहीं खेला, जैसा मैं चाहता था। मेरे पास इस टूर्नामेंट की बहुत अच्छी यादें और वस्तुएं है और मैं यहां कुछ शानदार माहौल में खेला था लेकिन, फिर भी, मैं आज रात अपना मैच खेल चुका हूं और जिस तरह से मैं खेला उससे मैं खुश नहीं हूं।'

गाफ चौथे दौर में : अमेरिका की 17 वर्षीय कोको गाफ ने काजा जुवान पर 6-3, 6-3 से जीत दर्ज कर विंबलडन के चौथे दौर में प्रवेश किया। गाफ 2019 में भी यहां तक का सफर तय करने में सफल रही थीं। उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी को हराने के लिए 21 विनर लगाए और पांच बार सर्विस तोड़ी। अब गाफ का सामना सोमवार को पूर्व विंबलडन चैंपियन एंजलिक कर्बर से होगा। ड्रा में अब कर्बर एकमात्र पूर्व महिला चैंपियन बची हैं। कर्बर ने तीसरे दौर में वापसी करते हुए एलिकसांद्रा सासनोविक को 2-6, 6-0, 6-1 से मात दी।

राडूकानू ने दर्ज की उपलब्धि

एम्मा राडूकानू ओपन युग में विंबलडन के चौथे दौर में पहुंचने वाली सबसे युवा ब्रिटिश महिला बन गई। पहला ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट खेल रही 18 साल की राडूकानू ने तीसरे दौर में सोराना सर्स्टी को 6-3, 7-5 से हराया। इससे पहले देबोराह जेवांस 19 साल की उम्र में 1979 में विंबलडन के चौथे दौर में पहुंचने वाली सबसे युवा ब्रिटिश महिला खिलाड़ी थीं।

डबल्स से सानिया बाहर

लंदन, प्रेट्र : भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और अमेरिका की बेथानी माटेक-सैंड्स की जोड़ी शनिवार को यहां महिला डबल्स के दूसरे दौर में लगातार सेट में हारकर विंबलडन से बाहर हो गई। तीन साल के बाद इस टूर्नामेंट में वापसी कर रहीं सानिया और उनकी जोड़ीदार को वेरोनिका कुडरमेतोवा और एलेना वेस्नीना की रूस की जोड़ी से एक घंटे 28 मिनट तक चले मुकाबले में 4-6, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। सानिया मिक्सड डबल्स के जरिये टूर्नामेंट में बनी हुई हैं, जहां उनकी और रोहन बोपन्ना की जोड़ी दूसरे दौर का मैच खेलेगी।

ईरानी, देवधर और दलीप ट्राफी का नहीं होगा आयोजन

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) प्रतिष्ठित रणजी ट्राफी के साथ सभी आयु वर्ग के अपने घरेलू टूर्नामेंटों का आयोजन मौजूदा सत्र में कराने की आधिकारिक घोषणा कर दी। दैनिक जागरण ने शनिवार के अंक में ही खबर दी थी। हालांकि बोर्ड इस बार ईरानी कप के अलावा देवधर और दलीप ट्राफी का आयोजन नहीं करेगा।

बीसीसीआइ के 2021-22 घरेलू सत्र में कुल 2127 मैच प्रस्तावित हैं, जिसमें सबसे अहम माने जाने वाले रणजी ट्राफी का आयोजन 16 नवंबर से होगा। कोरोना वायरस महामारी के कारण बीसीसीआइ को पिछले सत्र में रणजी ट्राफी को रद करने के लिए मजबूर होना पड़ा था और उसने इस दौरान किसी भी आयु वर्ग के टूर्नामेंट का आयोजन नहीं किया था। बीसीसीआइ ने अपने पुराने प्रस्ताव में कुछ बदलाव के साथ नया कार्यक्रम घोषित किया है। सचिव जय शाह के अनुसार मौजूदा सत्र 21 सितंबर (2021) से सीनियर महिला वनडे लीग के साथ शुरू होगा। इसके बाद 27 अक्टूबर 2021 से सीनियर महिला एक दिवसीय चैलेंजर ट्राफी का आयोजन होगा। सैयद मुश्ताक अली ट्राफी का फाइनल 12 नवंबर 2021 को खेला जाएगा। रणजी ट्राफी का आयोजन 16 नवंबर 2021 से 19 फरवरी 2022 तक होगा। विजय हजारे ट्राफी का फाइनल 26 मार्च को खेला जाएगा।

कोहली 200 प्रतिशत उत्साह से करते हैं काम : राहुल

लंदन, प्रेट्र : भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल मानते हैं कि टीम के कप्तान विराट कोहली 200 प्रतिशत उत्साह से काम करते हैं और उनमें साथी खिलाड़ियों को ऐसा करने के लिए प्रेरित करने की गजब की क्षमता है।

राहुल ने फोर्ब्स इंडिया के लिए एक वीडियो में कहा, 'विराट कोहली के साथ और उनकी अगुआई में खेलकर पता चला कि वह अलग तरह के कप्तान हैं। वह बहुत जुनूनी व्यक्ति हैं। वह 200 प्रतिशत उत्साह से काम करते हैं। आपका सर्वश्रेष्ठ 100 प्रतिशत ही संभव है, लेकिन वह 200 प्रतिशत उत्साह से काम करते हैं। उनमें अन्य 10 खिलाड़ियों को प्रेरित करने और उनसे 100 से 200 प्रतिशत काम कराने की गजब की क्षमता है।'

राबिनसन भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए उपलब्ध : इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली राबिनसन को शनिवार को तुरंत प्रभाव से क्रिकेट खेलने की अनुमति मिल गई है, क्योंकि भेदभावपूर्ण ट्वीट को लेकर उन पर लगाया गया निलंबन पूरा हो गया। वह भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए उपलब्ध होंगे। 27 साल के रोबिनसन पर 3200 पाउंड (करीब तीन लाख 30 हजार रुपये) का जुर्माना भी लगाया गया था। एक स्वतंत्र पैनल क्रिकेट अनुशासन आयोग ने 30 जून को मामले की सुनवाई की। ईसीबी ने कहा, राबिनसन ने 2012 से 2014 के बीच किए गए कई अपमानजनक ट्वीट को लेकर ईसीबी के उल्लंघन की बात स्वीकार की थी।


केएल राहुल • फाइल फोटो, प्रेट्र

कुछ बनने की चाह में ओलंपिक के दरवाजे तक पहुंच गए दीपक

पदक के दावेदार

TOKYO 2020 — 19 दिन शेष

योगेश शर्मा • नई दिल्ली

वर्ष 2014 की बात है जब हरियाणा के झज्जर का छारा गांव का एक अनजान सा लड़का दीपक पूनिया छत्रसाल स्टेडियम में आया। अन्य पहलवानों की तरह उनकी भी चाह थी कि ओलंपिक में पदक जीत लूं लेकिन, वहां तक पहुंचाना ही बड़ा मुश्किल होता है। ओलंपियन बनना भी हर किसी के भाग्य में नहीं होता लेकिन, दीपक के साथ कुछ अलग था। वह 86 किग्रा में फ्री स्टाइल में खेलते हैं और जब वह छत्रसाल में आए तो वहां उन्हें कोच वीरेंद्र कुमार का साथ मिला। वीरेंद्र ने पहचान लिया था कि यह लड़का एक दिन ओलंपिक में पदक जीत जाएगा।

वीरेंद्र ने बताया कि जब वह छत्रसाल आया था तो वह हमेशा मुझसे बोलता था कि कोच जी मुझे कुछ बनना है। वह बहुत ही गरीब परिवार से था। उसके पापा घर-घर दूध बेचने का काम करते थे और इसके बाद वह चाहता था कि मैं कुछ बनकर अपने घर वालों को सभी दुख से मुक्त करा दूं।

2016 में दी अपनी दस्तक : 2016 में दीपक ने अंतरराष्ट्रीय कुश्ती में दस्तक दे दी थी। वह पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई चैंपियनशिप खेलने गए और विश्व कैडेट चैंपियन बनकर वापस आए। कोच वीरेंद्र ने बताया कि विश्व कैडेट के बाद दीपक ने मुड़कर नहीं देखा। खास बात यह है कि वह किसी बड़ी प्रतियोगिता में खाली हाथ नहीं लौटा है। वह अपने से तगड़े पहलवान को भी हरा सकता है और उसने अभ्यास में ऐसा किया भी है। विश्व चैंपियनशिप और रैंकिंग सीरीज में वह चोटिल हो गया था जिसके बाद उसे ठीक से अभ्यास नहीं मिल पाया। वह अब फिट है।


दीपक पूनिया • फाइल फोटो, प्रेट्र

इनको हराएंगे तो मिलेगा ओलंपिक पदक

हसन याजदानी (इरान), स्टीफन रीचमथ (स्विट्जरलैंड), आर्टुर नाइफोनोव (रूस), कार्लोस इक्यारडो (कोलंबिया), माइल्स अमीन (अमेरिका), डेविड टेलर (अमेरिका), पूल एंब्रोकिओ (पेरू), अली शाबनाओ (बेलारूस), ओस्मान गोचेन (तुर्की), एकेरेकेम एगिमोर (नाइजीरिया), फतेह बेंफर्डजल्लाह (अल्जीरिया), जावराइल शापिव (उज्बेकिस्तान), लिन जुशेन (चीन), सोसुके तकातनी (जापान), बोरिस माकोजेव (स्लोवाकिया)।

> मैंने ओलंपिक के लिए कड़ी मेहनत की है और अपने विपक्षी पहलवानों के खिलाफ भी तैयारी की है। मैं अपना ओलंपिक में सर्वश्रेष्ठ दूंगा। मुझे उम्मीद है कि मैं पदक लेकर आऊंगा। **दीपक पूनिया**

दीपक पूनिया की उपलब्धियां

पदक	टूर्नामेंट	वर्ष
रजत	विश्व चैंपियनशिप	2019
रजत	जू. विश्व चैंपियनशिप	2018
स्वर्ण	जू. विश्व चैंपियनशिप	2019
कांस्य	एशियन चैंपियनशिप	2019
कांस्य	एशियन चैंपियनशिप	2020
स्वर्ण	विश्व कैडेट चैंपियनशिप	2016
स्वर्ण	एशियन जू. चैंपियनशिप	2018

मां की मृत्यु के बाद मुश्किल से संभले

वीरेंद्र ने बताया कि पिछले साल कोरोना से उसकी मम्मी की मृत्यु हो गई थी और फिर कुछ महीने बाद दादी की मृत्यु हो गई। उसके बाद दीपक टूट गए थे और उसे फिर समझाया गया जिसके बाद वह मैट पर उतरा। दीपक इस बात से परेशान था कि जब मां और दादी को सुख देने का समय आया तो वे छोड़कर चली गईं।

ओलंपिक के लिए अभ्यास जरूरी

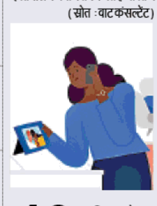
वीरेंद्र ने कहा कि दीपक अपने विपक्षी पहलवान को थकाकर हराता है और मौका मिलने पर अटैक भी करता है लेकिन उसे उस तरह का अभ्यास नहीं मिल पा रहा है। पोलैंड में भी रैंकिंग सीरीज में उसे अपने वर्ग और अपने से भारी वर्ग के पहलवान नहीं मिल पाए जिससे वह ठीक से अभ्यास नहीं कर पाया जो चिंता का विषय है। अब उम्मीद है कि उसे रूस में अभ्यास करने के लिए पहलवान मिल जाएं। ओलंपिक में उसके वर्ग में 15 पहलवान हैं और वह उनके वीडियो देखकर तैयारी कर रहा है लेकिन, असल परीक्षा मैट पर ही होती है क्योंकि ओलंपिक में कोई भी खिलाड़ी कम नहीं होता है।

टेक गाइड

क्या आप भी गूगल असिस्टेंट का इस्तेमाल करते हैं? अगर हां, तो अब आपको ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है, क्योंकि गूगल ने संसद की स्थायी समिति के सामने इस बात को माना है कि जब कोई 'ओके गूगल' बोल कर सर्च करता है या कोई सवाल पूछता है या फिर बात करता है, तो उस बातचीत को गूगल के कर्मचारी भी सुन सकते हैं। ऐसे में यदि आप अपनी प्राइवेसी को लेकर चिंतित हैं, तो जानें कैसे इसे सिक्योर किया जा सकता है...



50 करोड़ से अधिक मंथली एक्टिव यूजर्स हैं दुनियाभर में गूगल असिस्टेंट के	**60%** गूगल असिस्टेंट, 40% अमेजन एलेक्सा, 25% सिरी, 24% कोर्टाना और 23% लोग बिक्सबी का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं भारत में (स्रोत : वाट कंसल्टेंट)
01 अरब से अधिक डिवाइस पर हो रहा है गूगल असिस्टेंट का इस्तेमाल	
स्मार्टफोन, टैबलेट, स्मार्ट स्पीकर्स, स्मार्ट टीवी, वियर ओएस, आटोमोबाइल आदि में होता है गूगल असिस्टेंट का उपयोग	
60% स्मार्टफोन, 28% लैपटाप, 26% स्मार्ट स्पीकर, 20% टैबलेट, 20% होम अप्लायंसेज, 15% वियरेबल्स, 6% स्मार्ट होम्स डिवाइस पर वायस असिस्टेंट का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं भारत में (वाट कंसल्टेंट)	**4.8** अरब डिवाइस में वर्ष 2020 में वायस असिस्टेंट का इस्तेमाल किया गया, जो वर्ष 2024 तक बढ़कर 8.4 अरब हो जाने की उम्मीद है।



गूगल असिस्टेंट के जरिए होती है जासूसी



दुनियाभर में वायस असिस्टेंट का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। स्टैटिस्टा के मुताबिक, वर्ष 2020 में 4.8 अरब डिवाइस में वायस असिस्टेंट का इस्तेमाल किया, जिसके वर्ष 2024 तक 8.4 अरब होने की उम्मीद है। वायस असिस्टेंट के मामले में गूगल असिस्टेंट सबसे आगे है। दुनियाभर में इसके 50 करोड़ से अधिक मंथली एक्टिव यूजर्स हैं। डाटा प्राइवेसी और सिक्योरिटी से जुड़ी एक मीटिंग में गूगल ने माना कि 'ओके गूगल' के जरिए जब गूगल असिस्टेंट से कुछ पूछा जाता है या फिर बात की जाती है, उस बातचीत या रिकार्डिंग को गूगल के कर्मचारी भी सुन सकते हैं। इतना ही नहीं, गूगल टीम ने माना कि कभी-कभी जब यूजर्स वर्चुअल असिस्टेंट का इस्तेमाल नहीं भी करते, तब भी उनकी बातचीत को रिकार्ड किया जाता है। हालांकि गूगल की दलील यह होती है कि स्पीच रिकाग्निशन को बेहतर करने के लिए ऐसा किया जाता है। ऐसे में आप समझ सकते हैं कि अगर आपके डिवाइस पर गूगल असिस्टेंट एक्टिव है, तो आपकी निजी बातें भी सुरक्षित नहीं हैं।

काम के होते हैं वायस असिस्टेंट: आमतौर पर गूगल असिस्टेंट, अमेजन एलेक्सा या फिर एपल सिरी जैसे वर्चुअल असिस्टेंट उपयोगी होते हैं। ये आपके कहने पर टीवी का चैनल बदल देते हैं, आपका मनपसंद गाना चला देते हैं, शहर के मौसम का हाल बता देते हैं और जरूरत पड़ने पर किसी को फोन भी मिला देते हैं। इसने काफी हद सर्च को आसान बना दिया है। आपको बता दें कि वायस असिस्टेंट के पास तकरीबन सभी सवालों के जवाब होते हैं, लेकिन इनके इस्तेमाल के दौरान थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत भी है, क्योंकि इन पर आरोप लग चुके हैं कि ये अपने यूजर्स की बातचीत को सुनते हैं। ऐसे में अगर प्राइवेसी को लेकर चिंतित हैं और लगता है कि वायस रिकार्डिंग का गलत फायदा उठाया जा सकता है, तो फिर वायस असिस्टेंट द्वारा रिकार्ड की जाने वाली वायस रिकार्डिंग को रोक या फिर उसे डिलीट भी कर सकते हैं।

गूगल असिस्टेंट को ऐसे करें आन/आफ: गूगल असिस्टेंट एक उपयोगी टूल है। इस वर्चुअल वायस असिस्टेंट को गूगल द्वारा डेवलप किया गया है। यह वायस कमांड, वायस सर्चिंग और वायस-एक्टिवेटेड डिवाइस कंट्रोल जैसी सुविधाएं प्रदान करता है। इसे आप केवल 'ओके गूगल' कहकर सवाल पूछ सकते हैं। वैसे, इसे हमारे जीवन को थोड़ा आसान बनाने के लिए बनाया गया है, लेकिन यदि आप नहीं चाहते कि गूगल असिस्टेंट हर समय आपकी बात सुने तो फिर इसे एंड्रायड फोन पर ऐसे भी कंट्रोल किया जा सकता है :

- अपने एंड्रायड फोन या टैबलेट पर कहें, 'ओके गूगल', गूगल असिस्टेंट की सेटिंग्स को ओपन करो।
- फिर 'आल सेटिंग्स' में जनरल पर टैप करें। यहां से गूगल असिस्टेंट को आन/आफ कर सकते हैं।
- दूसरा तरीका यह है कि गूगल एप को ओपन करें। फिर 'मोर' पर टैप करें, जो आपको नीचे टूलबार में तीन बिंदुओं वाले मेन्यू में दिखाई देगा।
- फिर एक नये मेन्यू में सेटिंग को ओपन करें। यहां पर असिस्टेंट सेक्शन में गूगल असिस्टेंट का विकल्प दिखाई देगा, उस पर टैप करें।
- इसमें 'असिस्टेंट डिवाइस' के अंदर 'फोन' वाले विकल्प को सलेक्ट करें। यहां पर गूगल असिस्टेंट को आफ करने के लिए टागल बटन पर टैप करें।

डिलीट करें वायस रिकार्डिंग: गूगल असिस्टेंट का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन लगता है कि गूगल आपकी वायस को रिकार्ड करना बंद करे, तो यह संभव है। कहने का मलतब यह है कि आप अपनी वायस एक्टिविटीज को यहां कंट्रोल कर सकते हैं। अगर गूगल ने आपकी वायस रिकार्डिंग को सेव किया है, तो उसे डिलीट भी कर सकते हैं।

मैनुअली डिलीट करें रिकार्डिंग: अगर आप गूगल असिस्टेंट द्वारा रिकार्ड किए गये डाटा को हटाना चाहते हैं, तो इसके लिए मैनुअल तरीका भी मौजूद है। वेब ब्राउजर पर myaccount.google.com ओपन करें। फिर इसे उसी गूगल एकाउंट से साइन-इन करें, जिससे गूगल असिस्टेंट चला रहे हैं।

- यहां पर 'डाटा ऐंड पर्सनलाइजेशन' टैब पर जाएं। 'एक्टिविटी कंट्रोल्स' सेक्शन में आपको 'वेब ऐंड एप एक्टिविटी' पर क्लिक करना होगा। अब यहां पर आपको 'मैनेज एक्टिविटी' में जाना होगा। इसके बाद 'फिल्टर बाय डेट ऐंड प्रोडक्ट' पर क्लिक करने के बाद मेन्यू से असिस्टेंट को सेलेक्ट करना होगा।
- अब आपको सूची में केवल गूगल असिस्टेंट की क्वेरी दिखाई देगी। क्वेरी को डेट के हिसाब से आर्गेनाइज किया जाता है। अब चाहें, तो सभी क्वेरीज को 'X आइकन' पर क्लिक करके हटा सकते हैं। अगर खास रिकार्डिंग को ही हटाना चाहते हैं, तो फिर माइक्रोफोन वाले आइकन में आपको अटैच्ड रिकार्डिंग्स दिखाई देंगे। यहां डिटेल्स पर क्लिक कर खास रिकार्डिंग को हटा सकते हैं। फिर तीन डाट वाले मेन्यू आइकन पर क्लिक करने पर डिलीट का विकल्प दिखाई देगा। अब यहां पर एंट्रीज को डिलीट कर सकते हैं।

आटो डिलीट करें रिकार्डिंग: यदि डाटा को मैनुअल तरीके से नहीं हटाना चाहते हैं, तो फिर 'आटो डिलीट' की प्रक्रिया को अपना सकते हैं। फिर तय अवधि के बाद गूगल डाटा को खुद ही डिलीट कर देगा। इससे यह होगा कि असिस्टेंट न सिर्फ आपकी आवाज को बेहतर तरीके से पहचानना शुरू कर देगा, बल्कि रिकार्डिंग भी हमेशा के लिए सेव नहीं होगी। आटो डिलीट के विकल्प को 'वेब ऐंड एप एक्टिविटी' से सेलेक्ट कर सकते हैं। आटो डिलीट फीचर में तीन महीने, 18 महीने और 36 महीने के विकल्प मिलते हैं। इसे अपनी सुविधा के हिसाब से चुन सकते हैं कि डाटा को कितने महीनों के बाद आटो डिलीट करना है। गूगल असिस्टेंट का नियमित तौर पर इस्तेमाल करते हैं, तो यह तरीका आपके लिए बेहतर हो सकता है।

अमित निधि

रिकार्डिंग को करें पूरी तरह से बंद

गूगल रिकार्डिंग को पूरी तरह से बंद करने की अनुमति भी देता है। इसे बंद करना आसान है :

- अपने वेब ब्राउजर पर myaccount.google.com ओपन करें। फिर इसे अपने गूगल एकाउंट से साइन-इन कर लें। इसके बाद 'डाटा ऐंड पर्सनलाइजेशन' टैब पर जाएं।
- अब आपको 'एक्टिविटी कंट्रोल्स' सेक्शन में 'वेब ऐंड एप एक्टिविटी' का विकल्प दिखाई देगा, उस पर क्लिक करें। अब आप 'इनक्लूड आडियो रिकार्डिंग' वाले विकल्प पर जाएं। फिर उसके सामने दिखाई देने वाले बाक्स को अनचेक कर दें।
- अब एक मैसेज ओपन होगा, जो बताएगा कि यदि आप आडियो रिकार्डिंग को सेव करना बंद कर देते हैं, तो क्या होगा। यदि आप रिकार्डिंग को पूरी तरह से बंद करना चाहते हैं, तो फिर 'स्टाप सेविंग' पर क्लिक करें। इसके बाद रिकार्डिंग गूगल एकाउंट पर सेव नहीं होगी।

लांच हुए कमाल के प्रोडक्ट

एमडब्ल्यूसी 2021

स्पेन के बार्सिलोना में 28 जून से 1 जुलाई के बीच दुनिया के सबसे बड़े मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस (एमडब्ल्यूसी) का आयोजन किया गया। कोरोना की वजह से पिछले साल यह आयोजन नहीं हो पाया था, पर इस साल वर्चुअल और इन पर्सन मोड में इसका आयोजन किया गया। इसमें कई तकनीकी प्रोडक्ट्स दिखाई दिए...

10 मिनट में फुल चार्ज: एमडब्ल्यूसी में इनफीनिक्स ने कांसेप्ट स्मार्टफोन से पर्दा उठाया। इस फोन में 160 वाट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ डुअल-कलर चेंजिंग बैक कवर दिया गया है। कंपनी का दावा है कि सुपर फास्ट चार्जिंग स्पीड वाला यह चार्जर केवल 10 मिनट में 4,000 एमएएच वाली बैटरी को फुल चार्ज कर देता है।

स्नैपड्रैगन 888 प्लस 5जी प्रोसेसर:



क्वालकाम ने एमडब्ल्यूसी में नये स्नैपड्रैगन 888 प्लस 5जी मोबाइल प्लेटफार्म की घोषणा की। स्नैपड्रैगन 888 प्लस प्रोसेसर इंटेलिजेंट एंटरटेनमेंट को बढ़ावा देता है और इसमें एआइ इनहांस्ड गेमप्ले, स्ट्रीमिंग, फोटोग्राफी के साथ हाई परफार्मेंस और प्रीमियम कनेक्टिविटी की सुविधा मिलेगी। क्विक चार्ज 5 सपोर्ट के साथ यह स्मार्टफोन को केवल 15 मिनट में फुल चार्ज कर देगा।

वन यूआइ वाच इंटरफेस: सैमसंग ने एमडब्ल्यूसी में अपने आगामी गैलेक्सी वाच पोर्टफोलियो के लिए नये वन यूआइ वाच साफ्टवेयर का अनावरण किया। नया स्मार्टवाच इंटरफेस और वन यूआइ वाच, गूगल के वियर ओएस और टाइजन के बेस्ट फीचर्स को जोड़ता है। यदि वाच पर मैसेज या काल को ब्लाक करते हैं, तो यह स्मार्टफोन पर भी ब्लाक हो जाएगा।



गुड केन: दिव्यांगों के लिए एमडब्ल्यूसी में स्मार्ट केन का अनावरण किया गया। सफेद रंग की छड़ी जैसी दिखने वाली गुड केन का हाई-टेक मेकओवर किया गया है। यह न केवल बाधाओं का पता लगाती है, बल्कि रास्ते में पड़ने वाली दुकानों, रेस्टोरेंट्स आदि की जानकारी भी देती है। इसके लिए यह अल्ट्रासाउंड का उपयोग करती है।

5जी टी-शर्ट: जेडटीई ने इटली के स्टार्टअप के साथ मिलकर 5जी टी-शर्ट यूकेयर बनाया है। यह व्यक्ति के हेल्थ से संबंधित जानकारी 5जी तकनीक की मदद से डाक्टर या हेल्थ सेंटर को भेज देती है। ऐसा टी-शर्ट में लगाए गए सेंसर के माध्यम से होता है। टी-शर्ट को धोया भी जा सकता है।



लेनोवो स्मार्ट क्लाक 2

एमडब्ल्यूसी में गूगल असिस्टेंट से लैस लेनोवो स्मार्ट क्लाक को पेश किया गया। स्मार्ट क्लाक 2 में 4 इंच का एंगल्ड टचस्क्रीन डिस्प्ले दिया गया है, जो टाइम, वेदर और गूगल फोटो से तस्वीरों का स्लाइडशो में दिखाता है। डाक कनेक्ट होने के बाद स्मार्ट क्लाक नाइट लाइट, स्टीरियो रेडियो, चार्जिंग पैड और बेडसाइड असिस्टेंट के रूप में काम कर सकता है।

वाट्सएप पर आया 'व्यू वंस' फीचर, फोटो देखते ही हो जाएगा गायब

टेक-टिप्स

वाट्सएप लगातार अपने फीचर्स को अपडेट करता रहता है। अब वाट्सएप बीटा यूजर्स के लिए 'व्यू वंस' फीचर लेकर आया है। इस फीचर की खास बात यह है कि जैसे ही रिसीवर एक बार फोटो-वीडियो को ओपन करेगा। उसके बाद वह फोटो-वीडियो चैट से हटते ही गायब हो जाएगा। यह फीचर इंस्टाग्राम के 'एक्सपायरिंग मीडिया' फीचर की तरह ही काम करता है। इससे पहले वाट्सएप ने 'डिसअपीयरिंग मैसेज' फीचर भी जारी किया था, जिसमें मैसेज निर्धारित समय के बाद खुद डिलीट हो जाते हैं। व्यू वंस यानी डिसअपीयरिंग फोटो फीचर फिलहाल एंड्रायड वाट्सएप बीटा यूजर्स के लिए उपलब्ध है।

ऐसे कार्य करता है यह फीचर: वाट्सएप के व्यू वंस फीचर को लेकर डब्ल्यूएबीटाइंफो ने एक स्क्रीनशाट शेयर किया है। वाट्सएप यूजर गैलरी से भी डिसअपीयरिंग फोटो-वीडियो भेज सकते हैं। एक बार फोटो-वीडियो को चुने जाने के बाद कैप्शन लिखने वाली जगह पर आपको क्लाक की तरह एक आइकन दिखाई देगा। आपको इस आइकन पर टैप करना होगा। इस तरह गायब होने वाली तस्वीरें-वीडियो दोस्तों और परिवार के सदस्यों से साझा कर सकते हैं। आपको बता दें कि यह फीचर वीडियो, फोटो और जिफ के साथ कार्य करता है। अगर किसी के साथ मीडिया शेयर करते समय व्यू वंस बटन आपको दिखाई नहीं दे रहा है, तो इसका मतलब है कि आपको यह फीचर नहीं मिला है। यह फीचर वाट्सएप के 2.21.14.3 एंड्रायड वर्जन में मिलेगा।



जान लें ये बातें भी

यदि किसी ग्रुप में डिसअपीयरिंग फोटो-वीडियो को शेयर करते हैं, तो वहां भी देख पाएंगे कि ग्रुप में कौन, कब तस्वीरों को ओपन कर रहा है, भले ही आपने रीड रेसिपियंट को डिसेबल क्यों न कर दिया हो। हालांकि रिसीवर स्क्रीनशाट या स्क्रीन रिकार्डिंग का इस्तेमाल करते हुए फोटो-वीडियो को सेव कर सकते हैं, क्योंकि वाट्सएप इसके बारे में आपको सूचित नहीं करेगा। यहां पर अभी स्क्रीनशाट डिटेक्शन जैसा कोई फीचर नहीं है। आप व्यू वंस बटन का इस्तेमाल कर फोटो और वीडियो को ग्रुप में शेयर कर सकते हैं। साथ ही, मैसेज इंफो सेक्शन में जाकर देख सकते हैं कि किसने फोटो-वीडियो को ओपन किया है। सामान्य ग्रुप्स में ब्लाक कांटैक्ट भी उन फोटो और वीडियो को खोल सकते हैं। डब्ल्यूएबीटाइंफो के मुताबिक, ब्लाक कांटैक्ट आपको मैसेज या काल नहीं कर सकते हैं, लेकिन वे ग्रुप में आपके साथ इंटरैक्ट कर सकते हैं। यदि व्यू वंस बटन का उपयोग करते हुए किसी यूजर को तस्वीर या वीडियो भेजते हैं, लेकिन उन्होंने अभी इस फीचर को इनेबल नहीं किया है, तब भी यह फीचर काम करेगा। यह फीचर जल्द ही सभी वाट्सएप यूजर के लिए जारी किए जाने की उम्मीद है।

अब खुद डिलीट हो जाएगा ओटीपी



अगर आप गूगल मैसेज का इस्तेमाल करते हैं, तो जल्द ही आपको दो नये फीचर्स मिलने वाले हैं। इसमें पहला फीचर अलग-अलग कैटेगरी के तहत आने वाले मैसेज को खुद ही विभिन्न कैटेगरी में छांट देता है, जबकि दूसरा वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) से जुड़ा है। इसमें ओटीपी खुद ही गायब हो जाएंगे। मैसेज की छंटाई करने वाला फीचर मशीन लर्निंग तकनीक का उपयोग कर अलग-अलग मैसेज जैसे कि पर्सनल, ट्रांजैक्शन, ओटीपी सहित अन्य कैटेगरी में आटोमैटिक रूप से छांट देगा, ताकि यूजर को संबंधित मैसेज खोजने में आसानी हो। वहीं आटो-डिलीट फीचर में 24 घंटे के बाद ओटीपी अपने आप डिलीट हो जाएंगे। आपको बता दें कि ओटीपी आटो डिलीटिंग फीचर और कैटेगरी फीचर दोनों वैकल्पिक हैं। सेटिंग्स में जाकर इसे इनेबल या फिर डिसेबल किया जा सकता है। इन फीचर्स के लिए यूजर्स को गूगल मैसेज को लेटेस्ट वर्जन के साथ अपडेट करना होगा। इससे मैसेज एप को साफ रखने में मदद मिलेगी।

टेक अपडेट

रियलमी नारजो 30 5जी

रियलमी नारजो 30 5जी फोन को भारत में लांच कर दिया गया है। इस फोन में 6.5 इंच की फुल एचडी प्लस डिस्प्ले दिया गया है। यह फोन 90 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट और 600 निट्स ब्राइटनेस के साथ आता है। यह स्मार्टफोन मीडियाटेक डायमेंसिटी 700 प्रोसेसर पर रन करता है। फोन में छह जीबी रैम के साथ 128 जीबी तक इंटरनल स्टोरेज दी गई है। स्टोरेज को माइक्रोएसडी कार्ड की मदद से एक टीबी तक बढ़ाया जा सकता है। यह फोन एंड्रायड 11 आधारित रियलमी यूआइ 2.0 पर चलता है। अगर कैमरा फीचर की बात करें, तो फोन के पिछले हिस्से में तीन कैमरे दिए गए हैं। इसमें 48 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा है, दो मेगापिक्सल का सेकंडरी मोनोक्रोम कैमरा और दो मेगापिक्सल का मैक्रो कैमरा है। सेल्फी और वीडियो कालिंग के लिए इस फोन में 16 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा दिया गया है। फोन में फिंगरप्रिंट सेंसर साइड में दिया गया है। इस स्मार्टफोन में 5,000 एमएएच की बैटरी है, जो 18 वाट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ आती है। फोन की कीमत 15,999 रुपये है।



गैजेट रिव्यू

वीवो वी21 5जी

वीवो का नया फोन वी21 5जी ग्लास मैट फिनिश के साथ आता है। इस वजह से यह न सिर्फ खूबसूरत लगता है, बल्कि फिंगरप्रिंट के निशान भी नहीं पड़ते हैं। यह हल्का होने के साथ पतला भी है, जिससे ग्रिप अच्छी बनती है। फोन में 6.44 इंच फुलएचडी प्लस एमोलेड डिस्प्ले है। एमोलेड की वजह से वीडियो, गेमिंग अच्छा लगेगा। इसमें 90 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट है। हालांकि कंपनियां इस रेंज में ज्यादा रिफ्रेश रेट के साथ फोन लांच करने लगी हैं। फोन में मीडियाटेक डायमेंसिटी 800यू प्रोसेसर है। इसके साथ 8जीबी रैम है। स्टोरेज में 128/256जीबी का विकल्प मिलता है। फोन डेली यूज के लिहाज से परफेक्ट है। इसमें वर्चुअल रैम भी है, जिसकी मदद से मल्टीटास्किंग आसान हो जाती है। गेम खेलने के दौरान फोन बहुत ज्यादा गर्म नहीं होता है। फोन एंड्रायड 11 पर फनटचओएस 11.1 पर काम करता है। कैमरा फीचर की बात करें, तो फोन के पिछले हिस्से पर ट्रिपल कैमरा सेटअप है। प्राइमरी कैमरा 64एमपी, 8एमपी का वाइड एंगल, 2एमपी का मैक्रो शूटर है। यह ओआइएस सपोर्ट के साथ आता है। फोन का कैमरा बेहतर है। इनडोर और आउटडोर में बेहतर तस्वीरें आती हैं। हालांकि नाइट मोड में वाइड एंगल शाट औसत आते हैं। फ्रंट में 44एमपी का ओआइएस सपोर्ट वाला कैमरा है। यह डुअल एलईडी फ्लैश के साथ आता है। सेल्फी कैमरा बेहतरीन है। फोन में 4000 एमएएच की बैटरी है, जो 33वाट फ्लैशचार्ज फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ आती है। फोन में 3.5एमएम आडियो जैक होल नहीं है। फोन के 8जीबी रैम + 128जीबी स्टोरेज की कीमत 29,990 रुपये है। अगर फोटोग्राफी पसंद है, तो फिर एक बेहतर विकल्प हो सकता है।



तकनीक और गैजेट से जुड़ी खबरों को पढ़ने के लिए https://www.jagran.com/technology-hindi.html? पर विजिट करें।

आज का भविष्यफल

के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति: 4 जुलाई, 2021 रविवार आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष दशमी का राशिफल।
आज का राहुकाल: शाम 04:30 बजे से 06:00 बजे तक।
आज का दिशाशूल: पश्चिम।
आज की भद्रा: प्रातः 06:42 बजे से शाम 07:55 बजे तक।

कल 5 जुलाई का पंचांग



कल का दिशाशूल: पूर्व।
पर्व एवं त्योहार: योगिनी एकादशी।
विक्रम संवत 2078 शके 1943 उत्तरायन, उत्तरगोल, ग्रीष्म ऋतु आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष की एकादशी 22 घंटे 31 मिनट तक, तत्पश्चात् द्वादशी भरणी नक्षत्र 12 घंटे 12 मिनट तक, तत्पश्चात् कृतिका नक्षत्र धृति योग 13 घंटे 29 मिनट तक, तत्पश्चात् शूल योग मेष में चंद्रमा 19 घंटे तक तत्पश्चात् वृष में।

मेष: पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। चल या अचल संपत्ति में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा।

वृष: उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। अधीनस्थ कर्मचारी, मित्र या भाई के कारण तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। संयम से काम लें।

मिथुन: आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शासन सत्ता से सहयोग मिलेगा। रिश्तों में निकटता आएगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद होगी।

कर्क: सम्मान में वृद्धि होगी। उच्च अधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानांतरण या व्यावसायिक मामलों में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

सिंह: भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा। पारिवारिक योजना फलीभूत होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। रचनात्मक प्रयासों में सफलता मिलेगी।

कन्या: शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे। किया गया पुरुषार्थ फलदायी होगा।

तुला: जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। किसी कार्य के संपन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी।

वृश्चिक: स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। संतान के कारण तनाव मिल सकता है। जीविका के क्षेत्र में प्रयास सफल होगा।

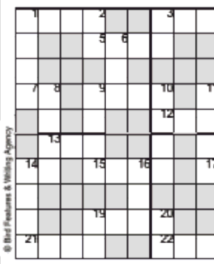
धनु: शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में चल रहा प्रयास फलीभूत होगा। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा।

मकर: सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। रचनात्मक प्रयासों में सफलता मिलेगी।

कुंभ: जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। रिश्तों में मजबूती आएगी। शासन सत्ता से सहयोग मिल सकता है। सम्मान में वृद्धि होगी। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

मीन: किसी कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

वर्ग पहेली-1626



बाएं से दाएं
1 [illegible] [4]।
3 [illegible] (1,3)।
5 [illegible] [4]।
7 [illegible] [2]।
9 [illegible] [4]।
11 [illegible] [2]।
12 [illegible] [3]।
13 [illegible] [3]।
14 [illegible] [2]।
15 [illegible] [4]।
17 [illegible] [2]।
19 [illegible] [4]।
21 [illegible] [4]।
22 [illegible] [4]।

ऊपर से नीचे
1 [illegible] [4]।
2 [illegible] [2]।
3 [illegible] [2]।
4 [illegible] [2,2]।
6 [illegible] [3]।
8 [illegible] [4]।
9 [illegible] [4]।
10 [illegible] [4]।
11 [illegible] [4]।
14 [illegible] [4]।
16 [illegible] [3]।
18 [illegible] [2,2]।
19 [illegible] [2]।
20 [illegible] [2]।

कल का हल

[illegible]

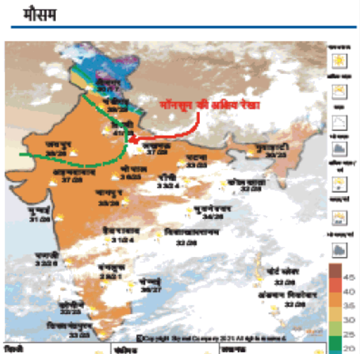
जागरण सुडोकू 1626

		3		6		8		9
4				8				3
	8		4		3		5	
9			3			1		5
		1			2		9	
5	4		1				6	
6			5		1	9		
		5		3		6		4
	9		6				3	1

कल का हल

1	5	7	4	9	8	6	3	2
3	8	9	5	6	2	4	1	7
4	6	2	3	1	7	5	8	9
2	4	5	7	3	9	1	6	8
7	9	1	6	8	5	3	2	4
8	3	6	1	2	4	7	9	5
9	7	3	8	4	1	2	5	6
5	1	8	2	7	6	9	4	3
6	2	4	9	5	3	8	7	1

मौसम





कल पढ़ें

विद्याकसम

[illegible]

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 4 जुलाई, 2021
आजकल
14
www.jagran.com

अमेरिका को ब्रितानी हुकूमत से मिली आजादी

वर्ष 1776 में आज ही के दिन अमेरिका को ब्रितानी हुकूमत से आजादी मिली थी। शुरू में ब्रिटेन की 13 कालोनियों ने आजादी की घोषणा की थी, जिसे डिक्लेरेशन ऑफ इंडिपेंडेंस कहा जाता है। 16 दिसंबर, 1773 को हुई बोस्टन टी पार्टी की घटना ने विद्रोह को चरम पर पहुंचा दिया था।



ब्रिटिश संसद में पेश किया गया द इंडियन इंडिपेंडेंस एक्ट



वर्ष 1947 में आज ही के दिन ब्रिटेन की संसद में 'द इंडियन इंडिपेंडेंस एक्ट' पेश किया गया था। इसमें भारत के बंटवारे और एक अलग देश पाकिस्तान बनाए जाने का प्रस्ताव रखा गया था। यह विधेयक 18 जुलाई को पारित हुआ।

दो बार कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने गुलजारी लाल नंदा

वर्ष 1898 में आज ही के दिन पंजाब के सियालकोट (अब पाकिस्तान में) में गुलजारी लाल नंदा का जन्म हुआ था। वह 1921 में नेशनल कॉलेज (मुंबई) में अर्थशास्त्र के प्राध्यापक बने। इसी वर्ष वह असहयोग आंदोलन में शामिल हुए। उन्होंने दो बार कार्यकारी प्रधानमंत्री का पद संभाला। पहली बार जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद 27 मई से नौ जून, 1964 तक और दूसरी बार लाल बहादुर शास्त्री के निधन के बाद 11 जनवरी से 24 जनवरी, 1966 तक कार्यवाहक पीएम रहे। 15 जनवरी, 1998 को उनका निधन हो गया।



बायोग्लास से कैंसर के इलाज को मिली नई दिशा

शैलेश अस्थाना, वाराणसी

कैंसर के इलाज में बायोग्लास के प्रयोग ने नई उम्मीद जगा दी है। कीमोथेरेपी व सर्जरी के सभी उपाय नाकाम हो जाने के बाद डाक्टरों को बायोग्लास की मदद से मांसपेशियों के कैंसर से पीड़ित लेब्राडोर प्रजाति के श्वान को 60 दिनों में ठीक करने में सफलता मिली है। मीरजापुर स्थित बीएचयू कैंपस में पशु चिकित्सा विज्ञान संस्थान में शल्य चिकित्सा के विभागाध्यक्ष डा. एनके सिंह के इस प्रयोग ने कैंसर के उपचार की दिशा में शोध की नई राह खोल दी है।

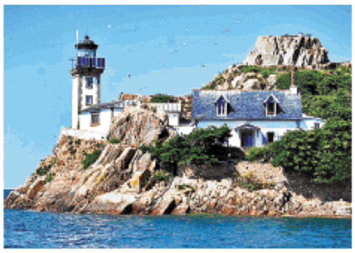
पिछले साल बनारस के एक व्यक्ति के लेब्राडोर प्रजाति के श्वान के दाएं पंजे में बड़े आकार का ट्यूमर हो गया था। इलाज के दौरान घाव की हालत बिगड़ती गई तो वह डा. एनके सिंह के पास पहुंचे। जांच में पता चला कि श्वान को कैंसर है। इलाज की शुरुआत कीमोथेरेपी से की। सुधार तो कुछ नहीं हुआ, गंभीर साइड इफेक्ट जरूर सामने आने लगे। उन्होंने डा. डीडी मैथ्यू एवं डा. आरके उदेहिया के साथ आपरेशन किया, मगर घाव ठीक नहीं हुआ। इसके बाद आइआइटी, बीएचयू में धातु विज्ञान के प्रोफेसर प्रलय माइटी से इलेक्ट्रोस्पिनिंग तकनीक से मेडिकेटेड बैंडेज बनवाए। दवाओं और इंजेक्शन की मदद भी ली, लेकिन फायदा नहीं हुआ। सभी उपाय नाकाम होने पर डा. सिंह ने बायोग्लास से उपचार करने का फैसला किया।

बीएचयू के डाक्टर ने लेब्राडोर प्रजाति के श्वान के पंजे के ट्यूमर को 60 दिन में ठीक किया


डा. एनके सिंह। सौ. स्वयं

उन्होंने बीएचयू के सिरामिक विभाग के अध्यक्ष डा. विनय कुमार सिंह से बायोग्लास लिया। करीब दो माह के इलाज के बाद बीते अप्रैल में घाव पूरी तरह ठीक हो गया और पंजा पुराने आकार में आ गया। डा. सिंह बताते हैं कि अनेक देशों में सामान्य घावों को ठीक करने में बायोग्लास का उपयोग होता है। कैंसर पर इसका प्रयोग संभवतः दुनिया में पहली बार ही किया गया है। इस सफलता ने कैंसर के इलाज को नई दिशा दी है। हालांकि, अभी इस पर और शोध की आवश्यकता है।

विशिष्ट संरचना के कारण बायोग्लास बेहद कारगर: बायोग्लास का रासायनिक नाम कैल्शियम सोडियम फास्फो सिलिकेट (45एस5) है। यह परिष्कृत कांच है, जिसमें फाइबर व रेशे की मात्रा अधिक होती है। सिलिका बेहद कम और फास्फोरस-कैल्शियम की अधिकता होने के कारण यह बायोमेडिकल अनुप्रयोगों में बेहद उपयोगी है। इसकी संरचना हड्डी के खनिज घटक हाइड्राक्सीपैटाइट के समान है। इस विशिष्ट जैविक संरचना के चलते इसका प्रयोग हड्डियों को जोड़ने के साथ-साथ दांत, जबड़े और कान की अंतःसंरचना के प्रतिस्थापन में होता है। यह एंटीबायोटिक व एंटीसेप्टिक भी होता है। इस कारण संक्रमण का खतरा भी नहीं रहता। यह घाव में कोशिका विखंडन की दर को बढ़ाकर उसे ठीक होने में मदद करता है। हड्डियों और कोशिकाओं की हीलिंग के दौरान यह कैल्शियम, फास्फोरस का स्राव करता है।



पर्यटकों के लिए नया ठिकाना...

पश्चिमी फ्रांस के कैरेंटेक स्थित लुएट द्वीप पर बने लाइट हाउस को अब समुद्र की सैर करने वाले लोगों के लिए खोल दिया गया है। वर्षों पहले नाविकों की सुविधा के लिए बनाए गए इस लाइट हाउस में इसकी देखरेख करने वाले कर्मचारी के लिए लगभग 30 मीटर की ऊंचाई पर एक शयनकक्ष भी बना है। यहां से समुद्र का बेहद मनोरम दृश्य दिखता है। किराया चुका कर लोग यहां रह सकते हैं। एएफपी

इधर-उधर की

बच्ची की समझदारी ने घर को आग से बचाया

वाशिंगटन, एजेंसी: कहते हैं बच्चे भगवान का रूप होते हैं और जब भगवान आपको बचाना चाहते हैं तो अपना संदेश किसी न किसी रूप में सही जगह पहुंचा ही देते हैं। अमेरिका के फ्लोरिडा में भी ऐसी ही एक घटना घटी, जहां चार साल की बच्ची एमिलिया की समझदारी ने घर को आग से बचा लिया। पिता डेनियल जेर्मिन द्वारा इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए वीडियो में बच्ची जिस समय किचन में खेल रही होती है तभी उसकी नजर वहां लगी आग पर पड़ती है। यह देखकर वह आग-आग चिल्लाते हुए बगल के कमरे में मौजूद पिता के पास जाती है। इस पर डेनियल दौड़ते हुए किचन की तरफ भागते हैं और देखते हैं कि एयर फ्रायर में आग लगी है। पानी डालकर आग बुझाने के बजाय वह जलते हुए एयर फ्रायर को उठाते हैं और पूल में फेंक देते हैं। उन्होंने बताया कि आग लगने से आधा घंटा पहले ही इसका प्रयोग किया गया था।


एयर फ्रायर में लगी आग देख एमिलिया ने पिता को बताया। इंटरनेट मीडिया

गाय के पेट में मिला प्लास्टिक का समाधान

मिलेगी मदद ▸ आस्ट्रिया के विज्ञानियों ने की खास तरह के बैक्टीरिया की पहचान

प्लास्टिक के निस्तारण के लिए पर्यावरण के अनुकूल तरीके की तलाश की

वियना (आस्ट्रिया), एएनआइ : हमारी धरती आज कई समस्याओं से एक साथ जूझ रही है। प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन जैसे तमाम संकट ऐसे हैं, जिनके पीछे मानवीय गतिविधियां भी जिम्मेदार हैं और इनका खामियाजा इंसानों को भी उठाना पड़ रहा है। ऐसी ही एक समस्या है दुनिया में बढ़ता प्लास्टिक। यह प्लास्टिक आज इंसानों के लिए ही नहीं, अन्य जीव-जंतुओं के लिए भी खतरा बना हुआ है। समंदर हों या नदियां, पहाड़ हों या दूर स्थित द्वीप या फिर मैदान, प्लास्टिक के कचरे से होने वाला प्रदूषण कई स्तर पर नुकसान पहुंचा रहा है। दुनिया भर के विज्ञानी इस समस्या के समाधान का तरीका तलाश रहे हैं। इसके लिए विकल्प खोजे गए हैं। इन सबके बावजूद इससे निजात मिलती नहीं दिख रही है। अब विज्ञानियों ने एक ऐसा पर्यावरण के अनुकूल तरीका तलाशा है, जिससे कुछ हद तक इस समस्या को कम किया जा सकता है। दरअसल, आस्ट्रिया के विज्ञानियों ने गाय के पेट में ऐसे बैक्टीरिया का पता लगाया है, जो प्लास्टिक को पचाने में सक्षम है। यह बैक्टीरिया गाय के पेट के रूमेन (जुगाली करने वाले पशुओं का पहला पेट) में पाया जाता है, जोकि पाचन तंत्र का एक हिस्सा है।


बढ़ता प्लास्टिक कचरा एक बड़ी समस्या है। फाइल फोटो इंटरनेट मीडिया

यह आया सामने

शोधकर्ताओं ने पाया कि गाय के पेट से मिले सूक्ष्मजीव सभी तीन प्रकार के प्लास्टिक को तोड़ने में कारगर थे। पूर्व में एकल सूक्ष्मजीवों की जांच पर किए शोध की तुलना में डा. रिबिट्च और उनके सहयोगियों ने रूमेन के तरल को अधिक असरदार पाया। इससे सामने आया कि यदि प्लास्टिक के अपघटन के लिए रूमेन में पाए जाने वाले सूक्ष्मजीवों के समूह का प्रयोग किया जाए तो ज्यादा लाभ मिल सकता है।

विज्ञानियों का मानना है कि इस तरह के बैक्टीरिया उपयोगी हो सकते हैं, क्योंकि गाय के भोजन में नेचुरल प्लांट पॉलिएस्टर मौजूद होता है। यह अध्ययन फ्रंटियर्स इन बायोइंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलाजी में प्रकाशित हुआ है। वियना की यूनिवर्सिटी आफ नेचुरल रिसोर्सेस एंड लाइफ साइंसेज के डा. डोरिस रिबिट्च के मुताबिक, जानवरों के रूमेन रेटिकुलम में एक विशाल माइक्रोबियल (सूक्ष्मजीव) समूह रहता है, जो खाना पचाने में उनकी मदद करता है। हमें लगा कि ऐसी कुछ जैविक गतिविधियां भी हो सकती हैं, जिनका पॉलिएस्टर हाइड्रोलिसिस में प्रयोग किया जा सके। यह एक तरह की रासायनिक क्रिया होती है, जिसके परिणामस्वरूप अपघटन होता है। दूसरे शब्दों में कहें तो पूर्व के अध्ययनों से यह पता लगाया जा चुका है कि ये सूक्ष्मजीव प्लास्टिक जैसी दूसरी चीजों को तोड़ने में सक्षम होते हैं। इसलिए विज्ञानियों ने सोचा कि संभव है कि वे प्लास्टिक को भी तोड़ने की क्षमता रखते हों। इसी विचार के साथ उन्होंने इस दिशा में प्रयोग किया और सफलता हासिल की।

डा. रिबिट्च और उनके सहयोगियों ने तीन प्रकार के पॉलिएस्टर को देखा। एक पॉलीएथिलीन टेरेफ्थेलेट, जिसे सामान्यतौर पर पीईटी के रूप में जाना जाता है। यह एक सिंथेटिक पॉलिमर है जो आमतौर पर कपड़ों और पैकेजिंग में प्रयोग किया जाता है। अन्य दो पॉलिएस्टर में एक बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक शामिल था, जिसका उपयोग अक्सर खाद के प्लास्टिक बैग (पॉलीब्यूटिलीन एडिपेट टेरेफ्थेलेट, पीबीएटी) में किया जाता है। वहीं, तीसरा बायोबैस्ड मैटेरियल (पॉलीइथाइलीन फुरानोएट, पीईएफ) था। शोधकर्ताओं ने आस्ट्रिया के एक बूचड़खाने से रूमेन तरल प्राप्त किया, ताकि वे उन सूक्ष्मजीवों को प्राप्त कर सकें, जिनका वे परीक्षण करना चाहते थे। उन्होंने उस तरल को उपरोक्त तीनों प्रकार के प्लास्टिक के साथ टेस्ट किया। शोधकर्ताओं का उद्देश्य यह जानना था कि यह तरल प्लास्टिक को तोड़ने के लिए कितना कारगर साबित होता है।

कैंसर से पीड़ित लोगों में कोरोना वैक्सीन कारगर

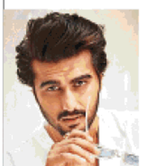
अनुसंधान


कोरोना से बचाव में टीका अहम हथियार है। फाइल फोटो इंटरनेट मीडिया

कोरोना महामारी के दौर में कैंसर से जूझ रहे लोगों के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। कोरोना वैक्सीन को लेकर इन पीड़ितों पर किए गए एक अध्ययन के नतीजे सकारात्मक पाए गए हैं। अध्ययन के अनुसार, कैंसर से पीड़ित लोगों में कोरोना वैक्सीन कारगर पाई गई है। वैक्सीन की दूसरी डोज लगने के तीन से चार हफ्ते बाद करीब 95 फीसद कैंसर मरीजों में कोरोना के प्रति इम्यून रिस्पांस को काफी हद तक बेहतर पाया गया। यह अध्ययन भारतवंशी समेत शोधकर्ताओं के एक दल ने किया है। कैंसर सेल पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, यह निष्कर्ष 131 पीड़ितों के आधार पर निकाला गया है। कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज लगने के बाद इन प्रतिभागियों में से करीब 95 फीसद में एंटीबॉडी की मौजूदगी पाई गई। जबकि ज्यादा खतरे वाले सात कैंसर मरीजों में एंटीबॉडी नहीं बनी। इस अध्ययन में शामिल किए गए प्रतिभागियों की औसत आयु 63 साल थी। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास हेल्थ साइंस सेंटर की शोधकर्ता डिम्पी पी शाह ने कहा, 'कैंसर से गंभीर रूप से पीड़ित मरीजों में कोरोना वायरस के खिलाफ कोई एंटीबॉडी नहीं पाई गई।' शोधकर्ताओं के मुताबिक, अध्ययन में कोरोना के डेल्टा समेत दूसरे वैरिएंट को लेकर परीक्षण नहीं किया गया। उन्होंने कैंसर पीड़ितों में संक्रमण से मुकाबला करने वाली टी सेल्स और बी सेल्स (कोशिकाओं) की प्रतिक्रिया का भी विश्लेषण नहीं किया। -आइएएनएस

स्क्रीन शॉट

पिता बोनी कपूर की श्रीदेवी के साथ दूसरी शादी पर बोले अर्जुन


अर्जुन ने कहा, बचपन पर पड़ा था असर। इंस्टाग्राम

पिता बोनी कपूर की श्रीदेवी के साथ दूसरी शादी पर अर्जुन कपूर ने चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने पिता की दूसरी शादी पर अपनी व्यक्तिगत पीड़ा को एक इंटरव्यू में साझा किया है। उन्होंने बताया कि किस तरह स्कूल में उनके दोस्त उनकी नई मॉम के बारे में पूछा करते थे। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे श्रीदेवी के निधन ने उन्हें, अंशुला, जाह्नवी और खुशी को करीब ला दिया था। अर्जुन ने कहा कि श्रीदेवी के साथ पिता की शादी के बाद उनके दोस्तों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देना उनके लिए आसान नहीं था। अर्जुन ने कहा कि उनके पिता हाई-प्रोफाइल व्यक्ति हैं और उस समय उन्होंने जिस महिला से शादी की थी, वह शीर्ष अभिनेत्रियों में से एक थीं। नतीजतन, उनकी शादी के बारे में बात की गई और इसका उनके बचपन पर गहरा असर पड़ा था। बोनी और श्रीदेवी वर्ष 1996 में शादी के बंधन में बंधे थे। 1997 में उन्होंने अपनी पहली संतान जाह्नवी का स्वागत किया था, जबकि खुशी का जन्म 2000 में हुआ था। अर्जुन और उनकी बहन अंशुला बोनी की पहली पत्नी मोना की संतानें हैं। अर्जुन ने अपने और अंशुला के साथ जाह्नवी और खुशी के रिश्तों पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'अगर मैं कहूं कि हम एक आदर्श परिवार हैं तो यह गलत होगा। यह अलग-अलग राय के बारे में नहीं है, हम अभी भी अलग-अलग परिवार हैं जो एक-दूसरे के साथ घुलने-मिलने की कोशिश कर रहे हैं। जब हम साथ होते हैं तो शानदार समय गुजारते हैं, लेकिन फिर भी हम एक नहीं हैं। मैं यह झूठ नहीं बेचना चाहता कि सब कुछ सही है। यह सही नहीं हो सकता, क्योंकि हम अभी भी एक-दूसरे को जानने की कोशिश कर रहे हैं।'

> यह मेरी जिम्मेदारी थी कि अगर लोग मुझे सिर्फ एक सीन में भी देखें तो उन्हें मेरा काम याद रहे। दर्शकों की प्रतिक्रियाएं सुनकर मुझे लगा कि मैं अपने उद्देश्य में सफल रही।

जल्द शुरू होगी असुर 2 की शूटिंग

पिछले साल रिलीज हुई अरशद वारसी, वरुण सोबती, अनुप्रिया गोयनका और रिद्धि डोगरा अभिनीत वेब सीरीज असुर काफी लोकप्रिय हुई थी। प्रशंसकों में इसकी लोकप्रियता कुछ इस कदर थी कि रिलीज होने के कुछ दिनों बाद ही इसके दूसरे सीजन की मांग शुरू हो गई थी। हालांकि, कोरोना महामारी और कुछ अन्य कारणों की वजह से अभी तक असुर 2 की शूटिंग नहीं शुरू हो पाई है। अब खबर है कि असुर 2 की टीम अगले सप्ताह से शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार है। शो में नुसरत सईद का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री रिद्धि डोगरा ने दैनिक जागरण से बातचीत में बताया, 'असुर 2 मेरे कुछ ऐसे प्रोजेक्ट्स में से एक है, जिसकी शूटिंग कोरोना महामारी और कुछ अन्य तकनीकी समस्याओं की वजह से लगातार आगे बढ़ती जा रही थी। अब जुलाई के दूसरे सप्ताह में असुर 2 की शूटिंग शुरू हो जाएगी। इसके लिए मैं बहुत उत्साहित हूं। शो की शूटिंग कुछ आउटडोर लोकेशन पर भी की जानी है। यह भी शूटिंग शुरू होने में देरी का एक बड़ा कारण था। शो की शूटिंग मुंबई और गोवा में की जानी है।' वहीं पहले सीजन में अपने काम को लेकर रिद्धि कहती हैं, 'पहले सीजन में मेरा बहुत छोटा किरदार था, फिर मैंने निर्देशक और लेखक से इतने सवाल पूछे कि मुझे उस किरदार की सारी बारीकियां पता चल गई। बतौर कलाकार यह मेरी जिम्मेदारी थी कि अगर लोग मुझे सिर्फ एक सीन में भी देखें, तो उन्हें मेरा काम याद रहे। शो रिलीज होने के बाद दर्शकों और इंडस्ट्री के लोगों की प्रतिक्रियाएं सुनकर मुझे लगा कि मैं अपने उद्देश्य में सफल रही।' असुर 2 के अलावा रिद्धि आगामी दिनों में वेब सीरीज ए मैरिड वुमन 2 में भी नजर आएंगी।


शो में नुसरत सईद के किरदार में नजर आएंगी रिद्धि डोगरा • इंस्टाग्राम

अक्षय के साथ प्रियदर्शन को देख प्रशंसकों ने की हेराफेरी 3 की मांग

फिल्में कभी कलाकार और दर्शकों के बीच तो कभी निर्देशक और कलाकार के बीच अनोखे रिश्ते बनाती हैं। निर्देशक प्रियदर्शन और अभिनेता अक्षय कुमार के बीच कुछ ऐसा ही रिश्ता रहा है वर्ष 2000 में रिलीज हुई फिल्म हेराफेरी को लेकर। तभी तो शनिवार को जब अक्षय ने प्रियदर्शन के साथ इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की तो इस जोड़ी को साथ देखते ही उनके प्रशंसकों ने हेराफेरी 3 की मांग शुरू कर दी। इस तस्वीर के साथ अक्षय ने लिखा, 'जब प्रियदर्शन की तरह किसी शानदार सेंस ऑफ ह्यूमर (हास्य) वाले व्यक्ति का बुलावा आता है तो मुश्किलों भरा दिन हंसी भरा हो जाता है।' इस पर टिप्पणी करते हुए एक यूजर ने लिखा, 'सर हेराफेरी 3 कब आ रही है?' एक अन्य यूजर ने फिल्म हेराफेरी के डायलॉग के साथ लिखा, 'एक और एलान के संकेत, मेरे को ऐसा धक-धक होरेला (हो रहा) है बाबा।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'अभी भी हेराफेरी के अगले भाग का इंतजार कर रहा हूं।' बता दें कि हेराफेरी के बाद इसका सीक्वल फिर हेराफेरी को अभिनेता और फिल्मकार नीरज वोरा ने निर्देशित किया था। नीरज का वर्ष 2017 में बीमारी की वजह से निधन हो गया था। इसके बाद हेराफेरी सीरीज की तीसरी फिल्म को प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित किए जाने की अटकलें लगाई जा रही हैं। अलग-अलग मौकों पर अक्षय के साथ सुनील शेट्टी और परेश रावल समेत फिल्म के सभी कलाकार हेराफेरी 3 को लेकर उत्सुकता जता चुके हैं। हालांकि, इसको लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। हेराफेरी के अलावा अक्षय ने प्रियदर्शन के निर्देशन में गरम मसाला, भागमभाग, भूल भुलैया, दे दना दन और खट्टा मीठा जैसी फिल्मों में काम किया है।


प्रियदर्शन के साथ आधा दर्जन फिल्में कर चुके हैं अक्षय। इंस्टाग्राम

दादा-दादी बच्चों को अनोखे तरीके से दुनियादारी की सीख देते हैं : सुप्रिया

बच्चों के साथ खेल-खेल में ही अक्सर दादा-दादी उन्हें अपने अनुभवों के आधार दुनिया की महत्वपूर्ण चीजें सिखा जाते हैं, जिसका अहसास बच्चों को बड़े के होने के बाद होता है। हिचकी और सूरज पे मंगल भारी जैसी फिल्मों की अभिनेत्री सुप्रिया पिलगांवकर के विचार भी इससे मिलते-जुलते हैं। सुप्रिया आगामी धारावाहिक कुछ रंग प्यार के ऐसे भी- नई कहानी में ईश्वरी के किरदार में नजर आएंगी। इस धारावाहिक में ईश्वरी और उनके पोते-पोतियों के बीच अनोखा रिश्ता दिखाया जाएगा। बच्चों के जीवन में दादा-दादी के महत्व पर दैनिक जागरण से बातचीत में सुप्रिया ने कहा, 'दादा-दादी अपने पोते-पोतियों के साथ भावनात्मक तौर पर अच्छी तरह से जुड़ते हैं। वह अक्सर बात-बात में ही अपने अनोखे तरीके से बच्चों को दुनियादारी की महत्वपूर्ण सीखें भी देते रहते हैं। मैंने अक्सर लोगों को बातें करते हुए सुना है कि दादा-दादी बच्चों को बहुत ज्यादा लाड़-प्यार करते हैं और उनकी मांगें पूरी करते हैं। मुझे लगता है कि यह भी अच्छी परवरिश का एक हिस्सा है। दादा-दादी की कोशिश अपने बच्चों की सभी इच्छाओं को सुनने और फिर उन्हें पूरी करने की होती है। इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे निडर होकर दुनिया की नई चीजों में खुद को आजमाते हैं। यह चीजें मैंने व्यक्तिगत तौर पर अपने परिवार में भी देखी हैं और मैं ईश्वरी के किरदार में उन्हीं खूबियों को स्क्रीन पर दिखाने की कोशिश करती हूं।' यह धारावाहिक साल 2016 में प्रसारित हुए धारावाहिक कुछ रंग प्यार के ऐसे ही का तीसरा सीजन है। इसका प्रसारण 12 जुलाई से सोनी चैनल पर किया जाएगा।


धारावाहिक कुछ रंग प्यार के ऐसे भी - नई कहानी में ईश्वरी की भूमिका में हैं सुप्रिया। सौ. टीम सोनी

राजपाल यादव ने की दो और प्रोजेक्ट की घोषणा

कॉमेडी फिल्मों में अपने अभिनय के लिए प्रख्यात अभिनेता राजपाल यादव इन दिनों कई अन्य जॉनर की फिल्मों में भी प्रयोग कर रहे हैं। पिछले दिनों फादर्स डे के मौके पर उन्होंने फिल्मकार अपूर्व व्यास के साथ अपनी नई फिल्म फादर ऑन सेल का एलान किया था। अब उन्होंने अपूर्व के साथ ही दो अन्य प्रोजेक्ट्स की घोषणा की। इसमें एक फिल्म क्रेजी किंग और दूसरी वेब सीरीज द कोड इन हंगरी होगा। फिल्म फादर ऑन सेल एक पिता के अमीर बनने की इमोशनल फैमिली ड्रामा फिल्म है। वहीं फिल्म क्रेजी किंग में राजपाल टाइटल किरदार में होंगे। फिल्म को चार्ली चैपलिन को समर्पित करते हुए बनाया जा रहा है। यह पूरी फिल्म अमेरिका में फिल्माई जाएगी। द कोड इन हंगरी आठ एपिसोड की एक हिंग्लिश(हिंद+इंग्लिश) स्पाई ड्रामा वेब सीरीज होगी। जिसमें राजपाल इंटरपोल (इंटरनेशनल पुलिस) डायरेक्टर का किरदार निभाएंगे। तीनों प्रोजेक्ट्स में सबसे पहले वेब सीरीज द कोड इन हंगरी की शूटिंग शुरू होगी। शनिवार को राजपाल ने तीनों प्रोजेक्ट्स के पहले पोस्टर को इंस्टाग्राम पर साझा किया। क्रेजी किंग के पोस्टर के साथ उन्होंने लिखा, 'अंतरराष्ट्रीय फिल्म क्रेजी किंग का हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश और गर्वित महसूस कर रहा हूं।


हंगामा 2 में नजर आएंगे राजपाल यादव • इंस्टाग्राम

सरोज खान के जीवन पर बनेगी फिल्म

हिंदी सिनेमा में बायोपिक फिल्मों की फेहरिस्त में प्रख्यात कोरियोग्राफर सरोज खान का नाम भी जुड़ गया है। उनकी पहली पुण्य तिथि पर निर्माता भूषण कुमार ने उनके जीवन पर फिल्म बनाने की घोषणा की। शनिवार को टी सीरीज के ट्विटर अकाउंट से किए गए ट्वीट में कहा गया कि हाल ही में भूषण कुमार ने सरोज खान की जिंदगी पर फिल्म बनाने के अधिकार उनके बेटे राजू खान, बेटी सुकैना खान और हिना खान की बेटियों से प्राप्त किए। सरोज खान का पिछले साल तीन जुलाई को निधन हो गया था। वह जितना अपनी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती थीं। उससे कहीं ज्यादा वह अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से भी सुर्खियों में रही हैं। उन्होंने दो शादी की थी। पहली शादी महज 13 साल की उम्र में अपने डांस मास्टर बी सोहनलाल से की थी। 14 साल में वह एक बच्चे की मां बन गई थीं। उन्होंने माधुरी दीक्षित, श्रीदेवी, करीना कपूर खान समेत सभी बड़ी अभिनेत्रियों को कोरियोग्राफ किया था। वहीं आलिया भट्ट ने भी शनिवार से अपनी फिल्म डार्लिंग्स की शूटिंग शुरू कर दी है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मेरी पहली फिल्म बतौर निर्माता, लेकिन मैं हमेशा पहले एक्टर रहूंगी (इस मामले में बहुत ही नर्वस एक्टर)। मुझे नहीं पता कि यह क्या है .. जब भी मैं कोई नई फिल्म शुरू करती हूं तो उससे एक रात पहले नर्वस होने के कारण पूरे शरीर में झुनझुनी सी होने लगती है। मैं सपना देखती हूं कि अपनी लाइनों को गलत बोल रही हूं।.. उछल-कूद करती हूं .. लेट होने के डर से मैं 15 मिनट पहले सेट पर पहुंच जाती हूं।'


पहली पुण्यतिथि पर हुआ एलान • जागरण आर्काइव

पत्रकार की भूमिका में नजर आएंगी यामी गौतम


अगले महीने से कोलकाता में शुरू करेंगी शूटिंग • इंस्टाग्राम

पिछले महीने निर्देशक आदित्य धर के साथ शादी करने वाली यामी गौतम अब काम पर लौट चुकी हैं। फिलहाल यामी अपनी फिल्म ए थर्सडे की शूटिंग पूरी करने में लगी हैं। गत 29 जून को उन्होंने सेट पर किए गए स्वागत की फोटो इंस्टाग्राम पर साझा की थी। खबर है कि इस फिल्म की शूटिंग पूरी करने के बाद वह अगले महीने से पिंक फिल्म के निर्देशक अनिरुद्ध राय चौधरी की अनाम फिल्म की शूटिंग आरंभ करेंगी। सूत्रों के मुताबिक फिल्म की शूटिंग मई में कोलकाता और पुरुलिया में होनी थी, लेकिन कोरोना वायरस की दूसरी लहर की वजह से सभी योजनाओं पर पानी फिर गया। अब जब हालात सुधर रहे है तो अनिरुद्ध अगले महीने से फिल्म की शूटिंग कोलकाता में शुरू करना चाहते हैं। कहानी का बड़ा हिस्सा कोलकाता की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में यामी पत्रकार की भूमिका में होंगी। यामी को यह स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई थी। कहानी को बेहतर तरीके से समझने के लिए उन्होंने जूम काल पर निर्देशक के साथ उसकी कई बार चर्चा की थी। उसके अलावा वह अपनी फिल्म दसवीं की शूटिंग भी पूरी कर चुकी हैं। उसमें उनके साथ अभिषेक बच्चन और निम्रत कौर भी अहम भूमिका में हैं।

रश्मिका को पसंद है कर्नाटक क्रश बुलाया जाना

अक्सर सितारों को प्रशंसक कई अलग-अलग नामों से बुलाते हैं। उदाहरण के लिए अमिताभ बच्चन को उनके प्रशंसक बिग बी, रजनीकांत को थलाइवा, शाह रुख खान को बादशाह, किंग खान आदि नामों से बुलाते हैं। इसी तरह फिल्म मिशन मजनू से सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ हिंदी सिनेमा में पदार्पण कर रहीं अभिनेत्री रश्मिका मंदाना को उनके प्रशंसक कर्नाटक क्रश के नाम से बुलाते हैं। कर्नाटक में पैदा हुईं दक्षिण भारतीय सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री रश्मिका ने इस पर दैनिक जागरण से बातचीत के दौरान कहा, 'कर्नाटक क्रश बुलाए जाने पर मुझे लगता है कि मैं अभी भी अपनी जड़ों से जुड़ी हुई हूं। लोगों ने पहली फिल्म के बाद से मुझे कर्नाटक क्रश बुलाना शुरू किया था और अब तक इसी नाम से बुलाते हैं। इससे मुझे ऐसा लगता है कि मैं अभी भी वहीं पर हूं, जहां से मैंने शुरू किया था। हालांकि, अब मुझे और भी ज्यादा लोग प्यार करने लगे हैं तथा मेरी जड़ें और भी मजबूत हो गई हैं। कर्नाटक क्रश बुलाए जाने से मुझे खुशी होती है।' शांतनु बागची द्वारा निर्देशित फिल्म मिशन मजनू के अलावा रश्मिका हिंदी सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन के साथ दूसरी हिंदी फिल्म गुडबाय भी कर रही हैं। फिलहाल वह गुडबाय की शूटिंग में व्यस्त हैं।


फिल्म मिशन मजनू से हिंदी सिनेमा में पदार्पण कर रही हैं रश्मिका। सौ. टीम रश्मिका